स्वतंत्रता की पहली किरण का साक्षी

# स्वतंत्र भारत

लखनऊ एवं कानपुर से प्रकाशित

लखनऊ, मंगलवार
23 जून, 2026
ज्येष्ठ मास शुक्ल पक्ष 9
सं. 2083 वि.
वर्ष 79, अंक - 301 पृष्ठ 16
संस्करण : नगर
**मूल्य : 4 रुपये**

# किताबों के बीच खाक हुए सपने

## लखनऊ कोचिंग सेन्टर अग्निकांड में 15 छात्रों की मौत, घटनास्थल पहुंचे योगी

### जांच के लिए एसआईटी गठित

### राज्य सरकार मृतक परिजनों को पांच-पांच और केंद्र दो-दो लाख का देगी मुआवजा

**स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ।** अलीगंज स्थित एक बिल्डिंग में आग लगने से कोचिंग पढ़ने व एनीमेशन कोर्स करने वाले 15 बच्चों की जलकर मौत हो गई। कई बच्चे गंभीर रूप से झुलस गए हैं। जान बचाने के लिए चार-पांच बच्चे बिल्डिंग से कूदने से गंभीर रूप से घायल हैं। सूचना मिलते ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अलीगढ़ का दौरा छोड़कर वापस लौट आए और घटनास्थल का मुआयना किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने घटना पर दुख व्यक्त करते हुए जान गंवाने वाले बच्चों के परिजनों को दो-दो लाख रुपये और घायलों को 50-50 हजार रुपये की आर्थिक मदद देने की घोषणा की है। वहीं, मुख्यमंत्री ने दिवंगत आत्माओं की शांति और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करते हुए कहा कि इस दुर्घटना में जान गंवाने वाले लोगों के परिजनों को तत्काल पांच-पांच लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी। इसके अलावा घायलों को 50-50 हजार रुपये की सहायता मदद की जायेगी। उधर रक्षामंत्री एवं राजधानी के सांसद राजनाथ सिंह भी लखनऊ के लिए रवाना हो गए हैं। बिल्डिंग के ग्राउंड फ्लोर पर पेट शॉप है। उसके ऊपर पहली मंजिल पर पेट शॉप मालिक ने वेयरहाउस बना रखा था। दूसरी मंजिल पर थ्री-डी एनीमेशन का कोर्स चलता है। साथ ही वहां 12वीं तक के बच्चों की कोचिंग भी चलती थी। पुलिस के मुताबिक दोपहर करीब ढाई बजे वेयरहाउस में आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। आग इतनी विकराल थी कि बिल्डिंग से सभी लोग बाहर नहीं निकल पाए। चंद मिनटों में आग पूरी बिल्डिंग में फैल गई। दूसरी व तीसरी मंजिल पर मौजूद बच्चे भीतर ही फंस गए। सूचना पर पहुंची पुलिस और दमकल टीम के साथ एसडीआरएफ ने रेस्क्यू शुरू किया, लेकिन तब तक देर हो चुकी थी। करीब दो घंटे चले रेस्क्यू के दौरान 15 शव बाहर निकाले गए। वहीं कई झुलसे बच्चों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उनमें से कई की हालत गंभीर है। हादसे के वक्त मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अलीगढ़ में जनसभा को संबोधित कर रहे थे। सूचना मिलते ही वह सभा छोड़ तुरंत वापस लौट आए। उनके निर्देश पर प्रमुख सचिव गृह संजय प्रसाद, डीजीपी राजीव कृष्ण, डीजी फायर सुजीत पांडेय, पुलिस कमिश्नर अमरेंद्र सेंगर समेत तमाम अधिकारी मौके पर पहुंचे। देर शाम तक राहत-बचाव कार्य जारी था। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को लखनऊ के अलीगंज स्थित अग्निकांड स्थल का निरीक्षण किया और इसके बाद किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय (केजीएमयू) पहुंचकर हादसे में घायल लोगों एवं उनके परिजनों से मुलाकात की। उन्होंने चिकित्सकों से घायलों के उपचार की जानकारी ली और सभी घायलों के समुचित इलाज के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सरकार राहत एवं उपचार कार्यों की लगातार निगरानी कर रही है और पीड़ित परिवारों को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। मामले की जांच के लिए एसआईटी का गठन किया गया है। जो एक हफ्ते में अपनी रिपोर्ट सौंपेगी।

उत्तर प्रदेश के लखनऊ में आग लगने की घटना में हुई मौतों से बहुत दुख हुआ है। पीड़ित परिवारों के प्रति मेरी संवेदनाएं। घायल लोग जल्द से जल्द ठीक हों। बचाव कार्य चल रहा है और अधिकारी हर संभव मदद पहुंचा रहे हैं।

**नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री**

लखनऊ के अलीगंज इलाके में एक कोचिंग सेंटर में आग लगने से हुआ हादसा मन को व्यथित करने वाला है। मेरी संवेदनाएं उन सभी परिवारों के साथ है, जिन्होंने इस घटना में अपने प्रियजनों को खोया है। इसके साथ ही मैं सभी घायलों के जल्द से जल्द स्वस्थ होने की कामना करता हूं।

**राजनाथ सिंह, रक्षामंत्री**

लखनऊ के कोचिंग सेंटर में आग लगने के हादसे में कई लोगों की मृत्यु और कई अन्य के घायल होने का समाचार अत्यंत पीड़ादायक है। सभी शोकाकुल परिवारों को अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त करता हूं और घायलों के जल्द स्वस्थ होने की आशा करता हूं।

**राहुल गांधी, नेता प्रतिपक्ष**

लखनऊ के एक कोचिंग सेंटर में आग लगने से जिन्होंने अपनी जान गंवाई है, उनके प्रति हमारी श्रद्धांजलि। जिन्होंने अपनों को खोया है, उन शोक संतप्त परिवारों के प्रति हमारी गहरी संवेदनाएं। सरकार घायलों के लिए सर्वश्रेष्ठ चिकित्सा सुनिश्चित करे।

**अखिलेश यादव, अध्यक्ष सपा**

### नक्शा भूतल का, निर्माण करा दी चार मंजिला व्यवसायिक बिल्डिंग

राजधानी लखनऊ के सबसे बड़े एनीमेंशन कोचिंग अग्निकांड में जिला पुलिस प्रशासन की बड़ी लापरवाही सामने आ रही है। इसके साथ ही बिजली विभाग, एलडीए और नगर निगम भी कठघरे में हैं। अलीगंज के पुरनिया/सेक्टर डी इलाके में जिस भवन में आग लगी और 15 लोगों की मौत हुई है, उसका सिर्फ भूतल का आवासीय नक्शा पास था और चार मंजिला व्यावसायिक भवन खड़ा कर दिया गया। इस बिल्डिंग को फायर और विद्युत सुरक्षा विभाग से अनापत्ति प्रमाण पत्र भी नहीं मिला था। बावजूद इसके वीरेन्द्र प्रसाद शुक्ला पुत्र सुरेंद्र प्रसाद शुक्ला अलीगंज पेट शॉप और गेमिंग जोन के साथ अन्य व्यावसायिक गतिविधियां संचालित कर रहे थे। इसमें इंट्री और एक्जिट भी एक ही है। इसके बाद भी किसी सरकारी मुलाजिम की नजर इधर नहीं पड़ी। इनके मकान पर विद्युत लोड 20 किलोवाट का पास था और यह लोग 35.50 किलोवाट का उपयोग कर रहे थे।

### उद्धव के छह सांसद शिंदे की शिवसेना में शामिल

**मुंबई।** मुंबई में उद्धव ठाकरे गुट की शिवसेना के 9 में से 6 सांसद सोमवार को एकनाथ शिंदे की शिवसेना में शामिल हुए। बागी सांसदों ने उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के साथ उनके नंदनवन बंगले पर बैठक की। इसके बाद बागी सांसदों ने शिंदे के साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस करके पाला बदलने का ऐलान किया। प्रेस कॉन्फ्रेंस में एकनाथ शिंदे ने कहा-जब हमने विद्रोह किया था, तब शुरुआत में 40 विधायक थे और अब चौके नहीं, छक्के लग चुके हैं। 2022 में शिवसेना ने पार्टी को बचाने के लिए धनुष-बाण को बचाने के लिए विद्रोह किया था। अब दूसरा चरण शुरू हो गया है। हमारी लड़ाई बालासाहेब के विचारों के लिए है, इन विचारों को संरक्षित करने के लिए है, इसीलिए आज इन 6 सांसदों ने बालासाहेब की असली शिवसेना में शामिल होने का फैसला किया है। सांसदों के दल-बदल पर उद्धव के बेटे आदित्य ठाकरे ने एक्स पर लिखा- पार्टी छोड़ने वाले सांसदों ने साबित कर दिया है कि उनकी वफादारी बिकाऊ है। कम से कम यह मान लीजिए कि लालच की वजह से आपने रातोंरात बिना किसी शर्म के यह सब छोड़ दिया। इससे पहले उद्धव ठाकरे ने मुंबई में अपने विधायकों और विधान परिषद सदस्यों के साथ बैठक की, जिसमें मौजूदा राजनीतिक घटनाक्रम पर चर्चा हुई।

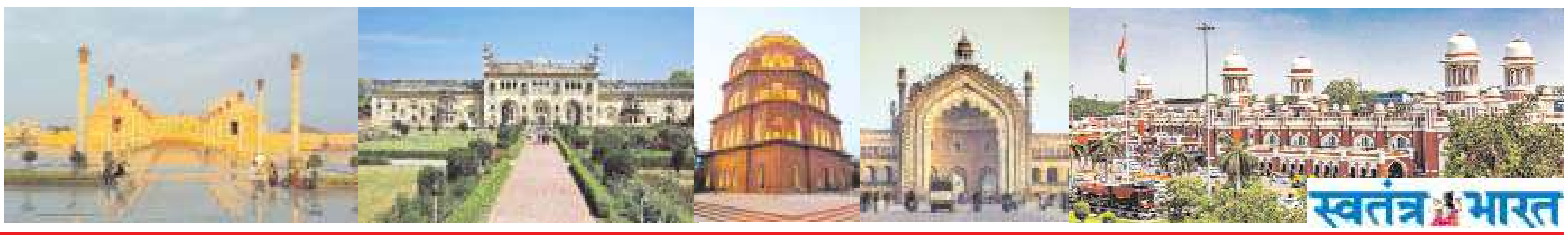

# मादक पदार्थों की तस्करी रोकने के लिए सघन कार्रवाई के निर्देश

## ‘मानस’ हेल्पलाइन 1933 के प्रचार पर जोर

**स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ।** कृषि उत्पादन आयुक्त दीपक कुमार की अध्यक्षता में सोमवार को नारकोटिक्स कंट्रोल एवं समन्वय तंत्र (एनकॉर्ड) की राज्य स्तरीय समिति की दूसरी बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रदेश में मादक पदार्थों की रोकथाम, तस्करी पर प्रभावी नियंत्रण और नशा मुक्ति जागरूकता अभियान की समीक्षा की गई। बैठक में कृषि उत्पादन आयुक्त ने निर्देश दिए कि सभी जिलों में चिन्हित हॉटस्पॉट क्षेत्रों की नियमित निगरानी की जाए और उनकी संवेदनशीलता कम करने के लिए दीर्घकालिक उपाय किए जाएं। उन्होंने अवैध मादक पदार्थों के परिवहन, तस्करी और अवैध कारोबार पर सख्ती से कार्रवाई करते हुए अधिकतम बरामदगी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जब्त किए गए मादक पदार्थों का निस्तारण निर्धारित मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) के अनुसार किया जाए तथा एनडीपीएस अधिनियम के तहत दोषियों की अवैध संपत्तियों को जब्त करने की कार्रवाई भी प्रभावी ढंग से की जाए। प्री-कर्सर रसायनों और नियंत्रित पदार्थों के दुरुपयोग को रोकने के लिए विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश भी दिए गए। दीपक कुमार ने नशा मुक्ति जागरूकता अभियान को नियमित रूप से चलाने तथा सिनेमाघरों, डिजिटल प्लेटफॉर्म और अन्य जनसंचार माध्यमों के जरिए व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करने पर जोर दिया। उन्होंने सभी जिलों में एनकॉर्ड जिला स्तरीय समिति की मासिक बैठकें अनिवार्य रूप से आयोजित करने और विभागों के बीच समन्वय को मजबूत बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने युवाओं को नशे की गिरफ्त से बचाने के लिए कॉलेजों और छात्रावासों में आवश्यकता के अनुसार रैंडम आधार पर रैपिड टेस्टिंग किट से जांच कराने तथा सकारात्मक पाए जाने वाले युवाओं की काउंसलिंग और पुनर्वास सुनिश्चित करने का सुझाव दिया। कृषि उत्पादन आयुक्त ने कहा कि मादक पदार्थों की रोकथाम केवल पुलिस या सरकारी एजेंसियों की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि इसमें समाज और आमजन की भागीदारी भी बेहद महत्वपूर्ण है। उन्होंने लोगों को ‘मानस’ राष्ट्रीय नारकोटिक्स हेल्पलाइन पोर्टल और हेल्पलाइन नंबर 1933 के बारे में जागरूक करने पर विशेष बल दिया, जहां अवैध बिक्री, तस्करी या भंडारण की सूचना गोपनीय रूप से दी जा सकती है। बैठक में आईजी एएनटीएफ अब्दुल हमीद ने बताया कि मई 2026 तक प्रदेश में मादक पदार्थों से जुड़े 2,335 मामले दर्ज किए गए, जिनमें 3,361 आरोपियों की गिरफ्तारी हुई और 20,578 किलोग्राम मादक पदार्थ बरामद किए गए। वहीं वर्ष 2026 में एएनटीएफ ने 108 मामले दर्ज कर 224 आरोपियों को गिरफ्तार किया तथा 5,011.90 किलोग्राम मादक पदार्थ जब्त किए। उन्होंने बताया कि एएनटीएफ के गठन के बाद वर्ष 2022 से 15 जून 2026 तक कुल 3.83 लाख किलोग्राम से अधिक मादक पदार्थों का निस्तारण किया गया, जिसकी अनुमानित कीमत करीब 1,325 करोड़ रुपये है। इसके अलावा एनडीपीएस अधिनियम के तहत 67 मामलों में लगभग 80 करोड़ रुपये मूल्य की संपत्तियों को जब्त करने की कार्रवाई भी की गई है।

# खेत बचाओ अभियान के तहत किसानों को किया गया जागरूक

**स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ।** भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के अंतर्गत राष्ट्रीय मत्स्य आनुवंशिक संसाधन ब्यूरो, लखनऊ द्वारा सोमवार को जनपद लखनऊ के बक्शी का तालाब ब्लॉक स्थित सरावां ग्राम में खेत बचाओ अभियान के अंतर्गत एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम मेरा गांव मेरा गौरव अभियान के तहत आयोजित किया गया, जिसमें मृदा स्वास्थ्य और संतुलित उर्वरक उपयोग पर विशेष जोर दिया गया। कार्यक्रम के दौरान वैज्ञानिक टीम ने किसानों को बताया कि यूरिया और डीएपी जैसे रासायनिक उर्वरकों का अत्यधिक उपयोग मिट्टी में पोषक तत्वों के असंतुलन का कारण बन रहा है, जिससे कई क्षेत्रों में भूमि की उर्वरता प्रभावित हो रही है। इस समस्या के समाधान के लिए नैनो यूरिया और नैनो डीएपी के संतुलित उपयोग पर बल दिया गया। विशेषज्ञों ने जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए गोबर खाद, कंपोस्ट, जैव-उर्वरक, हरी खाद और पशु अपशिष्ट से प्राप्त जैविक संसाधनों के उपयोग की आवश्यकता पर भी जोर दिया। साथ ही मत्स्य पालन को कृषि गतिविधियों के साथ एकीकृत करने को ग्रामीण आय बढ़ाने का प्रभावी माध्यम बताया गया। कार्यक्रम में तिलहन मिशन, दलहन मिशन और प्राकृतिक खेती जैसी सरकारी योजनाओं पर भी किसानों के साथ चर्चा की गई। इसके अलावा किसानों को किसान क्रेडिट कार्ड, सौर ऊर्जा पंप, कृषक उत्पादक संगठन गठन और जैव कीटनाशकों के उपयोग के बारे में जानकारी दी गई। किसानों ने नीलगाय और आवारा पशुओं की समस्या भी वैज्ञानिकों के समक्ष रखी। कार्यक्रम में कुल 60 किसान (5 महिला और 55 पुरुष) सहित वैज्ञानिकों और तकनीकी स्टाफ को मिलाकर 66 लोग उपस्थित रहे। संस्थान की टीम में प्रधान वैज्ञानिक डॉ. शरद कुमार सिंह, वैज्ञानिक डॉ. संतोष कुमार, डॉ. ताराचंद कुमावत तथा वरिष्ठ तकनीकी सहायक अंशुल कुमार वर्मा शामिल रहे। कार्यक्रम के अंत में किसानों ने खेत बचाओ का संकल्प लिया और कृषि एवं मत्स्य क्षेत्र का भ्रमण भी किया।

## खबर एक नज़र

### अस्थि कलश हटाने के बयान पर संगठनों में आक्रोश

**स्वतंत्र भारत, लखनऊ।** अंबेडकर महासभा प्रांगण से बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर के अस्थि कलश, बोधि वृक्ष, बुद्ध प्रतिमा और धम्म चक्र को हटाने संबंधी बयान पर बुद्ध-अंबेडकर समितियों और सामाजिक संगठनों ने कड़ा विरोध जताया है। आनंद बुद्ध विहार में पूर्व कैबिनेट मंत्री कमला कांत गौतम की अध्यक्षता में हुई बैठक में राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, गृहमंत्री, राज्यपाल और मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजने का निर्णय लिया गया। बैठक में रामकुमार गौतम, के.के. गौतम, राम लगन सिंह यादव, केपी भारती, वीर बहादुर बौद्ध, नेकराम बौद्ध, गौतम जयंत, अरुण कुमार गौतम, डॉ. आनंद स्वरूप, पौसी कुरील, आसिफ जमाल खान, सी.पी. सिंह, सत्य प्रकाश बौद्ध, जीत लाल सैनी, नेकराम भारती, डॉ. दृष्टि जायसवार, सुनील कुमार गौतम, डॉ. देवेंद्र प्रताप यादव, समय सिंह बौद्ध, राजेश दोहरे, ओम प्रकाश, प्रो. उमा शंकर, अमर नाथ, विद्या शंकर वर्मा, इंजीनियर सुभाष चंद्र, राम मिलन यादव और मायाराम समेत कई लोगों ने विचार व्यक्त किए।

### आयुष्मान भारत योजना के लिए क्लस्टर मीटिंग आयोजित

**स्वतंत्र भारत, लखनऊ।** सीएचसी काकोरी में जन साहस संस्था (एमआरसी एवं अमेज़न प्रोजेक्ट) द्वारा आशा बहुओं की क्लस्टर मीटिंग आयोजित की गई। बैठक में सीएचसी अधीक्षक केडी सर, जन साहस संस्था की डिस्ट्रिक्ट कोऑर्डिनेटर प्रतिष्ठा मैम, प्रोग्राम कोऑर्डिनेटर समझ जी, जन साथी अमित जी एवं सुमित जी सहित क्षेत्र की सभी आशा बहुएं उपस्थित रहीं। बैठक में आयुष्मान भारत योजना की पात्रता, लाभ एवं कार्ड बनवाने की प्रक्रिया की जानकारी दी गई। साथ ही विभिन्न सरकारी जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी प्रचार-प्रसार तथा पात्र लाभार्थियों तक लाभ पहुंचाने में आशा बहुओं की भूमिका पर चर्चा हुई। इस दौरान आशा बहुओं की समस्याएं और सुझाव भी सुने गए तथा भविष्य में नियमित जागरूकता कार्यक्रम चलाने पर सहमति बनी।

### इंटरनेशनल पेंटिंग प्रतियोगिता में सीएमएस की छात्रा आदविका सिंह सम्मानित

**स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ।** सिटी मॉन्टेसरी स्कूल (सीएमएस) के अलीगंज द्वितीय कैम्पस की कक्षा-8 की छात्रा आदविका सिंह ने इन्स्टीट्यूट फॉर कैरियर स्टडीज द्वारा आयोजित इंटरनेशनल पेंटिंग प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय का नाम रोशन किया है। उनकी बनाई गई पेंटिंग को ‘आईसीएस कैलेंडर-2026’ के जुलाई संस्करण में प्रमुख स्थान दिया गया है। सीएमएस के हेड कम्युनिकेशन्स ऋषि खन्ना ने बताया कि प्रतियोगिता की थीम ‘हिस्ट्री एंड हेरिटेज’ थी, जिस पर आदविका सिंह ने अपनी रचनात्मकता और सांस्कृतिक मूल्यों के प्रति गहरी समझ का परिचय देते हुए आकर्षक पेंटिंग तैयार की। उनकी कलाकृति को आईसीएस कैलेंडर-2026 में स्थान मिलने से विद्यालय परिवार में खुशी का माहौल है। उन्होंने बताया कि इस अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में भारत, दक्षिण एशिया और मिडिल ईस्ट के कक्षा 8 से 12 तक के हजारों विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया था। इनमें आदविका ने अपनी कलात्मक प्रतिभा, सृजनात्मक सोच और अभिव्यक्ति क्षमता से विशेष पहचान बनाई।

# डेंगू की भविष्यवाणी में बीबीएयू के वैज्ञानिकों की बड़ी सफलता, राज्यवार मॉडल से मिले सटीक संकेत

**स्वतंत्र भारत, लखनऊ।** बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय (बीबीएयू) के वैज्ञानिकों ने डेंगू जैसी गंभीर संक्रामक बीमारी की निगरानी और पूर्वानुमान के क्षेत्र में महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। विश्वविद्यालय के जैव प्रौद्योगिकी विभाग के डॉ. युसुफ़ अख़्तर और सांख्यिकी विभाग के डॉ. सुभाष कुमार यादव द्वारा किए गए एक व्यापक शोध अध्ययन को अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त स्प्रिंगर नेचर की पत्रिका ‘डिस्कवर पब्लिक हेल्थ’ में प्रकाशित किया गया है। यह अध्ययन भारत के विभिन्न राज्यों में डेंगू संक्रमण और उससे होने वाली मृत्यु दर के पूर्वानुमान के लिए विकसित मॉडलों का राज्यवार तुलनात्मक मूल्यांकन प्रस्तुत करता है।इस उपलब्धि पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राज कुमार मित्तल ने शोध दल को बधाई देते हुए कहा कि यह शोध न केवल विश्वविद्यालय बल्कि देश के सार्वजनिक स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि वैज्ञानिक अनुसंधान के माध्यम से स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियों का समाधान खोजने की दिशा में यह अध्ययन एक महत्वपूर्ण कदम है।शोधकर्ताओं ने वर्ष 2017 से 2024 तक भारत के विभिन्न राज्यों में डेंगू के मामलों और मृत्यु दर से जुड़े आंकड़ों का विश्लेषण किया। अध्ययन में पांच प्रमुख पूर्वानुमान तकनीकों–नैव विधि, सरल घातांकीय स्मूदिंग (एसईएस), ऑटो-रिग्रेसिव इंटीग्रेटेड मूविंग एवरेज (एआरआईएमए), रैखिक प्रतिगमन तथा सपोर्ट वेक्टर रिग्रेशन–का उपयोग किया गया। इन सभी मॉडलों का मूल्यांकन रूट मीन स्क्वेयर्ड एरर (आरएमएसई) के आधार पर किया गया।अध्ययन की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता यह रही कि शोधकर्ताओं ने पूरे देश के लिए एक ही मॉडल लागू करने के बजाय प्रत्येक राज्य के लिए अलग-अलग सर्वश्रेष्ठ मॉडल का चयन किया। शोध दल का मानना है कि भारत जैसे विशाल और भौगोलिक, सामाजिक तथा जलवायु विविधताओं वाले देश में संक्रामक रोगों के पूर्वानुमान के लिए एक समान मॉडल प्रभावी नहीं हो सकता। यही कारण है कि राज्यवार विश्लेषण इस शोध की सबसे बड़ी वैज्ञानिक उपलब्धि माना जा रहा है।शोध के निष्कर्षों के अनुसार वर्ष 2025 में उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, पंजाब और कर्नाटक में डेंगू के मामलों तथा मौतों में वृद्धि की संभावना है। शोधकर्ताओं ने सुझाव दिया है कि इन राज्यों में स्वास्थ्य विभागों को समय रहते अतिरिक्त संसाधनों की व्यवस्था, अस्पतालों की तैयारी और मच्छर नियंत्रण कार्यक्रमों को प्राथमिकता देनी चाहिए। अध्ययन में यह भी सामने आया कि केरल में डेंगू से मृत्यु दर यानी केस फेटेलिटी रेट अन्य राज्यों की तुलना में लगातार अधिक रही है। औसतन 0.551 प्रतिशत की यह दर राज्य में रोग प्रबंधन और उपचार व्यवस्थाओं की गहन समीक्षा की आवश्यकता को दर्शाती है।शोधकर्ताओं ने पाया कि भारत में डेंगू का बोझ राज्यों के अनुसार काफी अलग-अलग है। इसलिए राष्ट्रीय स्तर की एक समान रणनीति के बजाय क्षेत्रीय और स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप निगरानी और नियंत्रण तंत्र विकसित करना अधिक प्रभावी साबित हो सकता है। अध्ययन में यह भी स्पष्ट किया गया कि भविष्य में स्वास्थ्य संसाधनों के आवंटन, रोग नियंत्रण अभियानों, अस्पताल प्रबंधन तथा आपातकालीन प्रतिक्रिया योजनाओं के निर्माण में ऐसे पूर्वानुमान मॉडल महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।शोध पत्र में वैश्विक स्तर पर डेंगू के बढ़ते खतरे पर भी प्रकाश डाला गया है। विश्व स्वास्थ्य परिदृश्य में डेंगू आज सबसे तेजी से फैलने वाले संक्रामक रोगों में शामिल है। वर्ष 2024 में विश्वभर में 1.41 करोड़ डेंगू मामलों की पुष्टि हुई, जो वर्ष 2023 की तुलना में लगभग दोगुनी और वर्ष 2014 की तुलना में बारह गुना अधिक है। इसी अवधि में 9,508 लोगों की डेंगू से मृत्यु दर्ज की गई। वर्तमान में विश्व की लगभग आधी आबादी इस बीमारी के जोखिम वाले क्षेत्रों में निवास कर रही है।भारत भी इस संकट से अछूता नहीं है। राष्ट्रीय वेक्टर जनित रोग नियंत्रण केंद्र के आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2023 में देश में 2.89 लाख से अधिक डेंगू मामले और 485 मौतें दर्ज की गई थीं, जो पिछले पांच वर्षों का सबसे बड़ा आंकड़ा था। अध्ययन के अनुसार यदि वर्तमान प्रवृत्ति जारी रहती है तो वर्ष 2025 में भारत में लगभग 2.78 लाख डेंगू मामले और 300 से अधिक मौतें हो सकती हैं।उत्तर प्रदेश को भी डेंगू से सर्वाधिक प्रभावित राज्यों में शामिल किया गया है। वर्ष 2023 में राज्य में 35 हजार से अधिक डेंगू मामलों की पुष्टि हुई थी। राजधानी लखनऊ डेंगू संक्रमण के मामले में प्रदेश का सबसे अधिक प्रभावित जिला रहा, जहां 957 मामले दर्ज किए गए। इसके बाद मुरादाबाद और गौतम बुद्ध नगर का स्थान रहा।शोधकर्ताओं ने डेंगू के बढ़ते प्रसार के पीछे जलवायु परिवर्तन, बढ़ते तापमान, अनियोजित शहरीकरण, जलभराव, बदलते वायरस स्वरूप तथा अपर्याप्त निगरानी प्रणाली को प्रमुख कारण बताया है। उनका मानना है कि आंकड़ा आधारित पूर्वानुमान प्रणाली विकसित कर डेंगू नियंत्रण की रणनीति को अधिक प्रभावी बनाया जा सकता है।बीबीएयू के इस शोध को सार्वजनिक स्वास्थ्य के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह अध्ययन भारत में डेंगू निगरानी प्रणाली को अधिक वैज्ञानिक, सटीक और प्रभावी बनाने में सहायक सिद्ध होगा। विश्वविद्यालय के शिक्षकों, शोधार्थियों और विद्यार्थियों ने भी शोध दल को इस उपलब्धि पर बधाई देते हुए भविष्य में ऐसे और महत्वपूर्ण शोध कार्यों की अपेक्षा जताई है।

# गाय के दूध का रेट भैंस के दूध से ज्यादा मिलेगा

**स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ।** समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा का चरित्र बेईमानी का है। भाजपा के पास अयोध्या में चढ़ावा चोरी का कोई जवाब नहीं है। मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम के चढ़ावा में बड़े पैमाने पर घोटाला हुआ है। वहां सीसीटीवी के फुटेज गायब है। सोमवार को समाजवादी पार्टी के प्रदेश मुख्यालय लखनऊ में कन्नौज सहित प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए नेताओं, कार्यकर्ताओं को सम्बोधित करते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा साजिश और षडयंत्र करती है। उसकी साजिशों से सावधान रहना है। इस बार विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी की सरकार बनाना ही बनाना है। अन्यथा वोट का अधिकार छिन जाएगा। भाजपा लोकतंत्र को खत्म करना चाहती है। लोकतंत्र की हत्या पर उतारू है। भाजपा सत्ता का दुरुपयोग कर रही है। संविधान विरोधी काम कर रही है। अखिलेश यादव ने कहा कि यह लोकतंत्र की परीक्षा का समय है। संकट के समय बहादुर का परिचय होता है। समाजवादियों ने लोकतंत्र बचाने के लिए लंबी लड़ाई लड़ी है। आगे भी समाजवादी लोग हर लड़ाई लड़ने को तैयार है। सभी कार्यकर्ता और नेता समाजवादी पार्टी के लिए समर्पित है। 2024 के लोकसभा चुनाव में जनता ने समाजवादी पार्टी की पूरी मदद की। समाजवादी पार्टी नंबर एक पर है। भाजपा यह सच्चाई जानती है कि समाजवादी पार्टी उसे हरा देगी। अखिलेश यादव ने कहा कि 2027 के चुनाव में किसी तरह की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। सभी नेताओं, कार्यकर्ताओं को मतदाताओं और आम जनता के सम्पर्क में रहना है। भाजपा की साजिशों पर नज़र रखनी है। भाजपा टेक्नालॉजी का दुरूपयोग करती है। मतदाता सूची में गड़बड़ कर सकती है। जनता को गुमराह करती है। उन्होंने कहा कि जब स्वस्थ विचार, स्वस्थ शरीर होता है तभी योग होता है। भाजपा ने योग का तमाशा बना दिया है। भाजपा योग का राजनीतिक इस्तेमाल करती है। उन्होंने कहा कि कन्नौज शुरू से ही समाजवादी क्षेत्र है। समाजवादियों का गढ़ है। समाजवादी पार्टी ने हमेशा कन्नौज का विकास किया है। भाजपा ने कन्नौज का विकास रोक दिया है। भाजपा किसी की सगी नहीं है। भाजपा का इतिहास धोखा देने का है। भाजपा लोकतंत्र को कमजोर कर रही है। भाजपा समाजवादी पार्टी के विरूद्ध अन्य दलों से भी प्रत्याशी खड़ा कर सकती है। इस साजिश से भी सावधान रहना है। अखिलेश यादव ने कहा कि इस बार पीडीए की सरकार बनाने के लिए समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता घर-घर जाकर लोगों से मिले। उन्हें समाजवादी पार्टी के कार्यों और नीतियों की जानकारी दें। सभी कार्यकर्ताओं को एकजुटता से काम करना है। अखिलेश यादव ने कहा कि 2027 में समाजवादी सरकार में मेडिकल कॉलेज और पैरा मेडिकल कॉलेज उच्च स्तर का बनाएंगे। जो भी मरीज अस्पताल में आएगा उसका फ्री इलाज होगा। सिंचाई, बिजली की सुचारू व्यवस्था होगी। मक्का, आलू पैदावार की लूट बंद होगी। कन्नौज के काऊ मिल्क प्लांट को चालू किया जाएगा। समाजवादी सरकार ने कन्नौज में यूपी का पहला काऊ मिल्क प्लांट बनाया था। समाजवादी सरकार में गाय के दूध का रेट भैंस के दूध से ज्यादा मिलेगा। समाजवादी सरकार में आलू की मंड़ी बनायी गयी थी, भाजपा ने उसे बर्बाद कर दिया।

# यूपी ने 32,348 मेगावाट बिजली मांग को पूरा कर नया इतिहास रचा

## महाराष्ट्र की 32,317 मेगावाट बिजली मांग को पूरा करने का तोड़ा रिकार्ड

**स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ।** उत्तर प्रदेश ने विद्युत क्षेत्र में एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। प्रदेश में बढ़ती विद्युत मांग के बीच रविवार 21 जून को रात्रि 22:47 बजे उत्तर प्रदेश ने सफलतापूर्वक 32,348 मेगावाट की अब तक की सर्वाधिक विद्युत मांग को पूरा किया। इस उपलब्धि के साथ उत्तर प्रदेश ने महाराष्ट्र द्वारा गत 13 मई 2026 को प्राप्त 32,317 मेगावाट की उच्चतम विद्युत मांग के रिकॉर्ड को भी पीछे छोड़ दिया है। परिणामस्वरूप उत्तर प्रदेश देश में सर्वाधिक विद्युत मांग पूर्ण करने वाला राज्य बन गया है। इसके अतिरिक्त, दिनांक 21 जून 2026 को उत्तर प्रदेश में कुल 67.7 करोड़ यूनिट विद्युत ऊर्जा की खपत दर्ज की गई, जो उस दिवस देश के सभी राज्यों में सर्वाधिक रही। यह उपलब्धि उत्तर प्रदेश पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड, उत्तर प्रदेश पावर ट्रांसमिशन कॉर्पोरेशन लिमिटेड,उत्तर प्रदेश राज्य लोड डिस्पैच केंद्र, उत्पादन निगम तथा विद्युत क्षेत्र से जुड़े सभी हितधारकों के समन्वित प्रयासों का परिणाम है। बढ़ती गर्मी एवं उच्च तापमान के बावजूद प्रदेशवासियों को बेहतर, विश्वसनीय एवं निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने हेतु उत्तर प्रदेश पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड, पावर ट्रांसमिशन कॉर्पोरेशन लिमिटेड,उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उत्पादन निगम एवं उत्तर प्रदेश राज्य लोड डिस्पैच केंद्र के अधिकारियों, कर्मचारियों तथा संविदा कर्मियों द्वारा 24*7 भीषण गर्मी में निरंतर कार्य किया जा रहा है तथा 24*7 घंटे विद्युत व्यवस्था की कड़ी निगरानी करते हुए सभी आवश्यक परिचालनात्मक उपाय सुनिश्चित किए जा रहे हैं, जिससे प्रदेश में निर्बाध एवं गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति बनाए रखी जा सके।

# देवरिया में शिवानंद चौरसिया को श्रद्धांजलि देने पहुंचे अजय राय

## परिवार को न्याय दिलाने का दिलाया भरोसा

**स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ।** देवरिया जिले के सुरौली गांव निवासी स्वर्गीय शिवानंद चौरसिया की ओमान तट के पास समुद्री ईंधन मालवाहक जहाज पर हुए अमेरिकी सैन्य हमले में 10 जून को हुई मृत्यु के मामले में चल रहे न्याय सत्याग्रह में सोमवार को प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री अजय राय शामिल हुए। उन्होंने स्वर्गीय शिवानंद चौरसिया को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके परिजनों को न्याय दिलाने का आश्वासन दिया और 19 जून से सुभाष चौक पर चल रहे धरने को समाप्त कराया। कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा आयोजित इस न्याय सत्याग्रह के माध्यम से मांग की गई कि स्वर्गीय शिवानंद चौरसिया के परिवार को एक करोड़ रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की जाए। इसके साथ ही उनके बच्चों की निशुल्क शिक्षा की व्यवस्था की जाए, उन्हें शहीद का दर्जा दिया जाए तथा परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी दी जाए। अजय राय ने कहा कि दुख की इस घड़ी में केंद्र और प्रदेश सरकार तथा स्थानीय प्रशासन का रवैया संवेदनहीन रहा है। उन्होंने कहा कि दुनिया के विभिन्न देशों में कार्यरत भारतीय नागरिकों की सुरक्षा, सम्मान और संकट के समय उनके परिवारों के साथ खड़ा होना सरकार की जिम्मेदारी है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि केंद्र और राज्य की सरकारें इस मामले में अपनी जिम्मेदारियों से पीछे हट रही हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी स्वर्गीय शिवानंद चौरसिया के परिवार को न्याय दिलाने के लिए प्रतिबद्ध है और उनकी मांगों को लेकर संघर्ष जारी रखेगी।

### बच्चों को बचपन से दें आध्यात्मिक शिक्षा

**स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ।** अपने आराध्य की पूजा करना बच्चों को बचपन से सिखाना चाहिए ताकि वे अपने जीवन में किसी भी कठिनाई में पड़े तो मन शान्त रखकर उसका समाधान ढूढें। ऐसा तभी सम्भव है जब हम उसे आध्यात्मिक शिक्षा देते हैं। ईश्वर की पूजा का अर्थ है उनके द्वारा भेजे गये अवतारों द्वारा दी गयी शिक्षाओं को जानना व उस पर चलना है।'' सिटी मोन्टेसरी स्कूल के प्रधान कार्यालय में आयोजित आध्यात्मिक सत्संग का संचालन करते हुए डॉ भारती गाँधी, संस्थापिका निदेशिका, सिटी मोन्टेसरी स्कूल ने कहा। सत्संग सभा में महेश अग्रवाल, वैशाली शुक्ला सहित 65 लोग उपस्थित थे। सत्संग में बोलते हुए डॉ भारती गाँधी ने कहा कि हमें अपने बच्चों को ईश्वर के प्रति आस्थावान बनाना है ताकि वह सच्चाई व ईमानदारी की राह पर चले। आज सारे विश्व में युद्ध चल रहे हैं। युद्ध की वजह से भारी जन धन हानि हो रही है। ऐसे में किसी एक को आगे आकर एक विश्व सरकार बनानी चाहिए ताकि दुनिया के सारे देशों को अपने उपर हो रहे हमले एवं आपसी विवादों का शान्तिपूर्ण हल निकाल सके।

# साइबर अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगाने की तैयारी

## लखनऊ पुलिस ने आयोजित की विशेष प्रशिक्षण कार्यशाला

**स्वतंत्र भारत, लखनऊ।** डिजिटल युग में तेजी से बढ़ते साइबर अपराधों की चुनौतियों से निपटने और पुलिसकर्मियों को आधुनिक तकनीकों से लैस करने के उद्देश्य से लखनऊ पुलिस द्वारा साइबर जागरूकता विषय पर एक विशेष प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। उत्तर प्रदेश शासन एवं पुलिस महानिदेशक के निर्देशों के क्रम में पुलिस आयुक्त लखनऊ अमरेन्द्र कुमार सेंगर के निर्देशन में आयोजित यह कार्यशाला रिजर्व पुलिस लाइन्स स्थित संगोष्ठी सदन में सम्पन्न हुई। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य पुलिस बल की साइबर अपराधों की जांच, रोकथाम और त्वरित कार्रवाई की क्षमता को और अधिक सशक्त बनाना था।कार्यक्रम का आयोजन संयुक्त पुलिस आयुक्त (अपराध एवं मुख्यालय) अपर्णा कुमार, संयुक्त पुलिस आयुक्त (कानून एवं व्यवस्था) बबलू कुमार, पुलिस उपायुक्त (अपराध/लाइन्स) अनिल कुमार, पुलिस उपायुक्त (मुख्यालय) अमित कुमावत तथा अपर पुलिस उपायुक्त (अपराध) किरन यादव के मार्गदर्शन में किया गया। कार्यशाला का संचालन सहायक पुलिस आयुक्त (साइबर अपराध, ट्रेनिंग सेल एवं लाइन्स) सुशील कुमार यादव की देखरेख में सम्पन्न हुआ।प्रशिक्षण कार्यक्रम में कमिश्नरेट के विभिन्न थानों पर नियुक्त वर्ष 2025 बैच के चयनित रिक्रूट आरक्षियों सहित कुल 58 पुलिसकर्मियों ने प्रतिभाग किया। साइबर सेल, कमिश्नरेट लखनऊ के उपनिरीक्षक राकेश मिश्रा एवं उनकी टीम ने प्रतिभागियों को साइबर अपराधों के विभिन्न पहलुओं पर विस्तृत और व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया।कार्यशाला के दौरान पुलिसकर्मियों को एपीके फाइल के माध्यम से होने वाले साइबर फ्रॉड, मोबाइल एप्लीकेशन आधारित ठगी, फर्जी लिंक और डिजिटल धोखाधड़ी के तरीकों की जानकारी दी गई। साथ ही राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल (एनसीआरपी), संचार साथी पोर्टल और अन्य महत्वपूर्ण साइबर प्लेटफॉर्म के उपयोग के बारे में विस्तार से बताया गया। प्रशिक्षण में मोबाइल नंबरों के कॉल डिटेल रिकॉर्ड (सीडीआर) के विश्लेषण और उनके माध्यम से अपराधियों तक पहुंचने की तकनीकों पर भी प्रकाश डाला गया।इसके अतिरिक्त फेसबुक, व्हाट्सएप, इंस्टाग्राम और एक्स जैसे सोशल मीडिया मंचों के ‘लॉ एनफोर्समेंट ऑनलाइन रिक्वेस्ट सिस्टम’ की जानकारी देते हुए बताया गया कि किस प्रकार इन प्लेटफॉर्मों से आवश्यक सूचनाएं प्राप्त कर साइबर अपराधों की जांच को अधिक प्रभावी बनाया जा सकता है। अधिकारियों ने बताया कि डिजिटल साक्ष्यों के वैज्ञानिक विश्लेषण और आधुनिक तकनीकी संसाधनों के उपयोग से जांच प्रक्रिया को अधिक सटीक और त्वरित बनाया जा सकता है।कार्यशाला में इस बात पर विशेष जोर दिया गया कि साइबर अपराध लगातार नए स्वरूप में सामने आ रहे हैं और अपराधी तकनीक का दुरुपयोग कर लोगों को ठगी का शिकार बना रहे हैं। ऐसे में पुलिसकर्मियों का तकनीकी रूप से प्रशिक्षित होना अत्यंत आवश्यक है। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को साइबर अपराधों की रोकथाम, शिकायतों के त्वरित निस्तारण तथा डिजिटल साक्ष्यों के संरक्षण से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां भी प्रदान की गई।लखनऊ पुलिस का मानना है कि इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रमों से पुलिस बल की कार्यकुशलता में वृद्धि होगी और साइबर अपराधों के विरुद्ध कार्रवाई अधिक प्रभावी ढंग से की जा सकेगी। अधिकारियों ने कहा कि तकनीकी रूप से सक्षम पुलिस बल ही डिजिटल युग की चुनौतियों का सफलतापूर्वक सामना कर सकता है। इसी उद्देश्य के तहत भविष्य में भी इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम नियमित रूप से आयोजित किए जाएंगे।कार्यशाला के समापन पर अधिकारियों ने विश्वास व्यक्त किया कि प्रशिक्षित पुलिसकर्मी साइबर अपराधों की जांच में नई तकनीकों का प्रभावी उपयोग करेंगे, जिससे साइबर ठगी, ऑनलाइन धोखाधड़ी और अन्य डिजिटल अपराधों पर अंकुश लगाने में महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त होगी तथा आम नागरिकों को सुरक्षित साइबर वातावरण उपलब्ध कराया जा सकेगा।

# भीषण अग्निकांड का मंज़र देख कांप गई रूह

**दीवार तोड़कर निकाली गई लाशें | एम्बुलेंस और फायर की गाड़ियों से पट गई सड़क | करीब 10 लोगों को रेस्क्यू कर ट्रॉमा सेंटर भेजा गया**

**स्वतंत्र भारत ब्यूरो लखनऊ।** राजधानी के अलीगंज सेक्टर-डी स्थित एमएस-102 में हेड एंड हॉपर्स एनीमेशन एंड गेमिंग जोन में सोमवार दोपहर करीब ढाई बजे भीषण आग लग गई। यह कोचिंग सेंटर दूसरी मंजिल पर स्थित था। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, आग लगने का कारण एसी कंप्रेसर फटना बताया जा रहा है, जिससे कुछ ही मिनटों में पूरे भवन में घना धुआं फैल गया। धुआं भरते ही अंदर मौजूद छात्रों में अफरा-तफरी और भगदड़ मच गई। सांस लेना मुश्किल हो गया और कई छात्र बाहर निकलने का रास्ता ढूंढते रहे। स्थिति इतनी भयावह हो गई कि कुछ छात्रों ने जान बचाने के लिए ऊंचाई से छलांग लगा दी, जबकि कुछ लोग खिड़कियों और एसी की पाइप/तारों के सहारे बाहर निकलने की कोशिश करने लगे। कई छात्रों ने खुद को बचाने के लिए बाथरूम में शरण ली, लेकिन वहां भी धुएं के कारण उनका दम घुटने लगा। इस दर्दनाक हादसे

**■ परिजन अपने बच्चों की तलाश में अस्पतालों के चक्कर लगा रहें**

में 14 बच्चों की जिंदा जलकर मौत की पुष्टि उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने की है। उन्होंने मौके पर पहुंचकर हालात का जायजा लिया और बताया कि इमारत के अंदर चारों तरफ धुआं ही धुआं था। कई शवों को उन्होंने स्वयं देखा। घटना की सूचना मिलते ही दमकल विभाग, पुलिस और प्रशासन की टीमें मौके पर पहुंच गईं और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया गया। आसपास की इमारतों और छतों का इस्तेमाल करते हुए रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया गया। बगल के मकान की छत से दीवार तोड़कर अंदर फंसे लोगों तक पहुंचने की कोशिश की गई। अब तक करीब 10 लोगों को रेस्क्यू कर ट्रॉमा सेंटर भेजा गया है, जबकि कई अन्य के अंदर फंसे होने की आशंका जताई जा रही है। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, बिल्डिंग के नीचे टायर की दुकान होने की भी बात सामने आई है, जिससे आग और तेजी से फैल गई और स्थिति और गंभीर हो गई। कुछ छात्रों ने कांच तोड़कर और ऊंचाई से कूदकर जान बचाने की कोशिश की, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए। फिलहाल घटनास्थल पर पुलिस, फायर ब्रिगेड और प्रशासनिक टीमें लगातार राहत कार्य में जुटी हैं। हादसे के कारणों की विस्तृत जांच जारी है और मृतकों व घायलों की संख्या में बढ़ोतरी की आशंका से इनकार नहीं किया जा रहा है। पूरे इलाके में मातम का माहौल है और परिजन अपने बच्चों की तलाश में अस्पतालों के चक्कर लगा रहे हैं।

## राजनाथ सिंह ने अलीगंज अग्निकांड स्थल का लिया जायजा

**स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ।** रक्षा मंत्री एवं लखनऊ के सांसद राजनाथ सिंह सोमवार रात्रि 9.35 बजे चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा पहुँचे। उनके साथ प्रदेश के वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी एवं सुरक्षा दल के सदस्य भी उपस्थित रहे। हवाई अड्डे से निकलकर वे सीधे अलीगंज स्थित अग्निकांड स्थल पर पहुँचे, जहाँ उन्होंने घटनास्थल का गहन निरीक्षण किया। उन्होंने मौके पर मौजूद अधिकारियों से दुर्घटना के कारणों, राहत एवं बचाव कार्यों तथा अब तक की गई व्यवस्थाओं की विस्तृत जानकारी प्राप्त की। निरीक्षण के दौरान रक्षा मंत्री ने राहत कार्यों को और अधिक तेज करने तथा प्रभावित लोगों को हर संभव सहायता तत्काल उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। इसके पश्चात वे किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय पहुँचे, जहाँ उन्होंने अग्निकांड में घायल व्यक्तियों से भेंट कर उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली। उन्होंने चिकित्सकों से उपचार व्यवस्था पर चर्चा की और घायलों के समुचित एवं त्वरित उपचार के निर्देश दिए। इस अवसर पर चिकित्सा एवं प्रशासनिक विभाग के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे।

■ केजीएमयू में घायलों का जाना हाल

## डिप्टी सीएम बोले- धुएं के कारण रेस्क्यू में दिक्कत

डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने कहा- प्रथम तल पर कोई नहीं है। सर्च ऑपरेशन अभी जारी है। फायर ब्रिगेड की टीम अंदर मौजूद है। एक पुलिस अधिकारी ने बताया, स्थानीय लोग बता रहे हैं कि 10-12 लोग हैं, जो यहां फंसे हुए हैं। दमकल की 9-10 गाड़ियां लगी हुई हैं, एक हाइड्रोलिक प्लेटफॉर्म लगी हुई है। हमारे सभी अधिकारी यहां मौजूद हैं। पहले फ्लोर लर्निंग स्पेस नाम की लाइब्रेरी है। दूसरे फ्लोर पर हेड हॉपर स्टूडियोज नाम की 3डी आर्ट आउटसोर्सिंग कंपनी है।

## सात दिन में एसआईटी को देनी होगी रिपोर्ट

**स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ।** अलीगंज स्थित कोचिंग संस्थान में हुए भीषण अग्निकांड के मामले में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उच्चस्तरीय बैठक के बाद विशेष जांच दल (एसआईटी) के गठन का फैसला किया है। मुख्यमंत्री के निर्देश पर गठित दो सदस्यीय एसआईटी पूरे मामले की विस्तृत जांच करेगी और सात दिनों के भीतर अपनी रिपोर्ट सरकार को सौंपेगी। विशेष जांच दल में पर्यटन, धर्मार्थ कार्य एवं संस्कृति विभाग के अपर मुख्य सचिव अमृत अभिजात को सदस्य बनाया गया है। वहीं, लखनऊ जोन के अपर पुलिस महानिदेशक प्रवीण कुमार को भी एसआईटी में शामिल किया गया है। दोनों वरिष्ठ अधिकारी घटना के कारणों, सुरक्षा मानकों में हुई संभावित लापरवाही और जिम्मेदार पक्षों की भूमिका की जांच करेंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि जांच निष्पक्ष, पारदर्शी और समयबद्ध तरीके से पूरी की जाए, ताकि दोषियों के खिलाफ आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके। सरकार ने स्पष्ट किया है कि इस दुखद हादसे के लिए जिम्मेदार किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा। गौरतलब है कि अलीगंज में हुए इस अग्निकांड के बाद सुरक्षा व्यवस्थाओं और भवनों में अग्निशमन मानकों के पालन को लेकर गंभीर सवाल उठे हैं। ऐसे में एसआईटी की रिपोर्ट को आगे की कार्रवाई और जवाबदेही तय करने के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

## हादसे की सूचना मिलते ही सीएम योगी ने बीच में छोड़ा अलीगढ़ दौरा

**स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ।** लखनऊ के अलीगंज स्थित कोचिंग सेंटर में हुए भीषण अग्निकांड की सूचना मिलते ही मुख्यमंत्री योगी

**■ घायलों का हाल जानने ट्रामा पहुंचे सीएम योगी**

आदित्यनाथ ने अपना अलीगढ़ दौरा बीच में ही छोड़ दिया। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार उन्हें अलीगढ़ में रात्रि विश्राम करना था और मंगलवार को हाथरस का दौरा भी प्रस्तावित था, लेकिन घटना की जानकारी मिलते ही उन्होंने तत्काल लखनऊ लौटने का फैसला किया। सोमवार शाम मुख्यमंत्री अलीगढ़ में विकास कार्यों की समीक्षा बैठक कर रहे थे। इसी दौरान उन्हें लखनऊ हादसे की जानकारी मिली, जिसके बाद उन्होंने बैठक को संक्षिप्त कर दिया और सीधे जनसभा स्थल पहुंचे। यहां उन्होंने करीब 12 मिनट 46 सेकंड तक संबोधन किया और कार्यक्रम समाप्त कर लखनऊ रवाना हो गए। अपने संबोधन में मुख्यमंत्री ने कहा कि लखनऊ की दुखद घटना के दोषियों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने मामले की उच्च स्तरीय जांच के निर्देश देते हुए कहा कि इस हादसे के कारण उन्हें अपना कार्यक्रम बीच में छोड़कर वापस लौटना पड़ रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में विकास और विरासत को साथ लेकर आगे बढ़ना सरकार की प्राथमिकता है। विकास के साथ सुरक्षा और नागरिक सुविधाओं पर भी समान रूप से ध्यान दिया जा रहा है और विकास की प्रक्रिया किसी भी स्थिति में नहीं रुकेगी। उन्होंने अलीगढ़ के औद्योगिक विकास का उल्लेख करते हुए कहा कि ताला और हार्डवेयर उद्योग के लिए प्रसिद्ध यह शहर अब डिफेंस कॉरिडोर के माध्यम से देश की रक्षा जरूरतों को पूरा करने में भी अहम भूमिका निभाएगा। उन्होंने अलीगढ़ के कारीगरों और उद्यमियों के योगदान की सराहना की। मुख्यमंत्री ने बताया कि जिले में तेजी से विकास कार्य हो रहे हैं और पिछले वर्ष करीब 2800 करोड़ रुपये की परियोजनाओं को स्वीकृति दी गई है। उन्होंने कहा कि छह लेन हाईवे, रिंग रोड, फ्लाईओवर, अस्पताल और पॉलिटेक्निक जैसी परियोजनाओं पर तेजी से काम चल रहा है। इस दौरान उन्होंने अलीगढ़ को 462 करोड़ रुपये से अधिक लागत की 85 विकास परियोजनाओं की सौगात भी दी।

## प्रत्यक्षदर्शी बोले- हादसे के बाद दहशत बरकरार

घटनास्थल पर एक युवक ने नाम नहीं छापने की बात कहते हुए बताया कि मैं अंदर था बैग उठाकर बाहर आया। पीसी बंद करने के लिए बाहर निकला तो चारों तरफ धुआं फैल चुका था मैं दूसरी मंजिल पर था। कुछ दिखाई नहीं दे रहा था मैं किसी तरह बाहर आया बाकी लोग अंदर थे। करीब आधे घंटे बाद फायर ब्रिगेड पहुंची, हमने फोन किया था। सुशांत ने बताया- तीन मंजिल की बिल्डिंग में दो में पेट शॉप चलती है। जबकि, ऊपर एनिमेशन की कोचिंग में मैं काम करता हूं। आग नीचे वाले फ्लोर के एसी से लगी। एसी को लेकर कई बार बिल्डिंग मालिक से शिकायत की गई थी। कोचिंग में काम करने वाले मो. आसिन ने बताया- हम लंच करने के बाद काम कर रहे थे। अचानक किसी ने आकर बताया कि आग लग गई है, ऑफिस खाली करो। पहले हमें लगा कि छोटी-मोटी आग होगी। जब तक हम बाहर निकलते, तब तक रास्तों और कमरों में धुआं भर चुका था। नीचे पेट हाउस गोदाम था, उसी में आग लगी थी।मैं ऊपरी मंजिल से तार पकड़कर नीचे आया। अभी तक सिर्फ 2 लोगों को निकाले हैं। करीब 15-20 लोग अभी अंदर फंसे हैं।। बिल्डिंग के तीसरे फ्लोर में स्टूडियो का ऑफिस था। उसमें काम करने वाली लवप्रीत और जयंत गुप्ता को मेडिकल कॉलेज (केजीएमयू) ट्रॉमा सेंटर लाया गया है। लवप्रीत के पिता प्रभजोत आलमबाग से पहुंचकर अलीगंज में ढूंढ रहे हैं।

### बच्चों की चीख-पुकार से दहला दिल

चार्टर्ड अकाउंटेंट तुषार नागर ने भी घटना की भयावहता को विस्तार से बताते हुए कहा कि स्थानीय लोग तुरंत राहत और बचाव कार्य में जुट गए थे। कई लोगों ने अपनी ओर से आग बुझाने और फंसे हुए लोगों को सुरक्षित निकालने का प्रयास किया। बच्चों की चीख पुकार से लोगों का दिल दहल उठा था। उन्हें संभलने का मौका तक नहीं मिला। हालांकि, आग की तीव्रता इतनी अधिक थी कि देखते ही देखते उसने विकराल रूप ले लिया और स्थिति पर नियंत्रण पाना बेहद कठिन हो गया।

### कुछ मिनटों में आग हुई विकराल

स्थानीय व्यापारी मनोज कुमार श्रीवास्तव ने घटना के बाद अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि जिस तरह से आग ने विकराल रूप धारण किया, वह अत्यंत भयावह था। उनके अनुसार, कुछ ही मिनटों में आग इतनी तेजी से फैली कि लोगों को संभलने का मौका तक नहीं मिला। उन्होंने कहा कि इस घटना ने पूरे क्षेत्र में डर का माहौल पैदा कर दिया है। घटना के बाद से क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था और अग्नि सुरक्षा उपायों को लेकर सवाल भी उठने लगे हैं।

### ‘यमदूत’ बना बेंचों का सनमाइका और जहरीला धुआं

जैसे ही कंप्यूटर लैब से आग आगे बढ़ी, उसने क्लासरूम और लाइब्रेरी के भीतर रखे बच्चों के बैठने वाले बेंचों और फर्नीचर को अपनी चपेट में ले लिया. इन बेंचों में इस्तेमाल किए गए प्लाईवुड, प्लास्टिक और सनमाइका के जलने के कारण पूरे फ्लोर पर बेहद गाढ़ा, काला और जहरीला धुआं फैल गया. कमरे में वेंटिलेशन न होने की वजह से यह धुआं सीधे बच्चों के फेफड़ों में बैठ गया, जिससे झुलसने से पहले ही दम घुटने (Suffocation) के कारण मासूम बच्चे बेहोश होकर गिरने लगे।

### किताबों का ढेर: आग की लपटों को मिला ‘ईंधन’

इमारत के भीतर चल रही लाइब्रेरी और कोचिंग सेंटर में भारी मात्रा में किताबों और कॉपियों का स्टॉक जमा था. चूंकि कागज में आग बेहद तेजी से फैलती है, इसलिए जैसे ही लपटें किताबों के रैक तक पहुंचीं, आग ने पूरी तरह से विकराल रूप धारण कर लिया. किताबों के जलने से न सिर्फ आग की तीव्रता दोगुनी हो गई, बल्कि इससे पैदा हुए भारी धुएं ने पूरी सीढ़ियों को ब्लॉक कर दिया. भागने के लिए कोई सुरक्षित जगह न मिल पाने के कारण बच्चे अंदर ही ट्रैप हो गए।

### मायावती बोलीं : सिर्फ आरोप-प्रत्यारोप से नहीं चलेगा काम

बसपा प्रमुख मायावती ने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा, ‘यूपी की राजधानी लखनऊ के एक कोचिंग सेन्टर में आज दोपहर बाद हुई अग्निकाण्ड में अनेक लोगों की मौत तथा और भी कई लोगों के घायल हो जाने की घटना अति-दुखद। इस प्रकार की जानलेवा घटनायें दिल को दहलाने वाली होती हैं तथा कितने ही परिवार की उम्मीदों को बिखेर देती हैं। ऐसी दुखद घटनाओं की रोकथाम के लिये सबको मिलकर सही से काम करने की ज़रूरत है। सिर्फ आरोप-प्रत्यारोप से काम नहीं चलेगा’।

### तीसरी मंजिल पर मौत का जाल: अवैध ‘गेमिंग जोन’

हादसे को और ज्यादा भयावह बनाने में इस बिल्डिंग की तीसरी मंजिल पर चल रहे गेमिंग जोन ने सबसे बड़ी भूमिका निभाई. गेमिंग जोन में भारी मात्रा में इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स, हाई-वोल्टेज वायर, सिंथेटिक मैट और प्लास्टिक फिक्स्चर मौजूद थे. नीचे के फ्लोर से शुरू हुई आग जैसे ही ऊपर गेमिंग जोन तक पहुंची, वहां मौजूद प्लास्टिक और ज्वलनशील सामग्रियों के कारण पूरी बिल्डिंग पल भर में ही एक दहकते हुए तंदूर में बदल गई, जिससे रेस्क्यू ऑपरेशन में भी भारी बाधा आई।

### एसी पर ओवरलोड और कंप्यूटर सिस्टम में धमाका

जांच में सामने आया है कि भीषण गर्मी के कारण बिल्डिंग में लगे एयर कंडीशनर (AC) पर अचानक लोड बहुत ज्यादा बढ़ गया था. एसी पर अत्यधिक लोड बढ़ने की वजह से पूरी बिल्डिंग की वायरिंग में भयंकर शॉर्ट सर्किट हुआ. इस शॉर्ट सर्किट ने कंप्यूटर लैब में मौजूद कंप्यूटर सिस्टम्स को अपनी चपेट में ले लिया. कंप्यूटरों के प्लास्टिक और इलेक्ट्रॉनिक पार्ट्स ने इतनी तेजी से आग पकड़ी कि पल भर में ही पूरी लैब आग के शोलों में तब्दील हो गई और बच्चों को संभलने का मौका तक नहीं मिला।

## एक्शन में सीएम योगी चार अफसरों पर गाज

**स्वतंत्र भारत लखनऊ।** लखनऊ अगनिकांड में सीएम योगी ने त्वरित कार्रवाई करते हुए प्रथम दृष्टया दोषी पाये जाने वाले चार अफसरों को निलंबित कर दिया है। इनमें गौरव कुमार, कलेक्शन जानकीपुरम, कमलेन्द्र कुमार सिंह, एफएसएसओ इंदिरा नगर, अनिल कुमार,एई व प्रमोद पांडे, जेई शामिल हैं। सस्पेंड होने वालों में 2 एलडीए के एक ऊर्जा विभाग तथा एक फायर विभाग के अफसर बताये जा रहे हैं।

**एलडीए वीसी ने घटना की जांच के लिए गठित की समिति**

प्राधिकरण के अपर सचिव ज्ञानेंद्र वर्मा की अध्यक्षता में गठित पांच सदस्यीय समिति करेगी पूरे मामले की सघन जांच। समिति में मुख्य नगर नियोजक के.के. गौतम, मुख्य अभियंता मानवेंद्र सिंह, अधिशासी अभियंता (विद्युत एवं यांत्रिक) मनोज सागर एवं प्रभारी संपत्ति अधिकारी रवि नंदन सिंह को शामिल किया गया है। यह समिति घटना के सभी पहलुओं की विस्तृत जांच करके यथाशीघ्र अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी।

### बिल्डिंग मालिक समेत चार गिरफ्तार

पुलिस ने जांच के बाद बिल्डिंग मालिक समेत चार लोगों को गिरफ्तार कर लिया है. इस मामले में 3 लोगों पर एफआईआर दर्ज की गई है. जिनकी गिरफ्तारी हुई है उनमें बिल्डिंग मालिक वीरेंद्र शुक्ला और एनिमेशन ट्रेनिंग स्टूडियो का मालिक तुषांत जैसवाल शामिल हैं. इसके अलावा दो और आरोपी रामकृष्ण उपाध्याय (एनिमेशन स्टूडियो मैनेजर) और सुरेश कुमार शाहु की भी गिरफ्तारी हुई है।

## सुरक्षा मानकों की अनदेखी पर उठे सवाल

**स्वतंत्र भारत लखनऊ।** राजधानी के अलीगंज स्थित पुरनिया क्षेत्र में हुए भीषण अग्निकांड ने पूरे प्रदेश को झकझोर कर रख दिया है। इस दर्दनाक हादसे में 15 लोगों की मौत हो गई, जबकि कई अन्य लोग गंभीर रूप से झुलस गए। घटना के बाद सामने आए तथ्यों ने भवन सुरक्षा व्यवस्था और प्रशासनिक निगरानी पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगा दिए हैं। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि जिस भवन में आग लगी, उसका मानचित्र आवासीय उपयोग के लिए स्वीकृत था, लेकिन वहां व्यावसायिक गतिविधियां संचालित की जा रही थीं। सबसे गंभीर तथ्य यह सामने आया है कि भवन में आपातकालीन निकास मार्ग (एमरजेंसी एग्जिट) की व्यवस्था नहीं थी। आग लगने की स्थिति में लोगों को सुरक्षित बाहर निकालने के लिए किसी वैकल्पिक रास्ते का प्रावधान नहीं किया गया था। यही कारण रहा कि आग और धुएं से घिरे लोगों को बाहर निकलने का अवसर नहीं मिल सका और देखते ही देखते एक छोटी सी चूक बड़े हादसे में बदल गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार आग लगने के बाद कुछ ही मिनटों में धुआं पूरे भवन में फैल गया। अंदर मौजूद लोगों ने बाहर निकलने का प्रयास किया, लेकिन मुख्य मार्ग धुएं और आग की लपटों से घिर चुका था। यदि भवन में अलग से आपातकालीन सीढ़ियां या निकास द्वार बनाए गए होते तो कई लोगों की जान बचाई जा सकती थी। भवन निर्माण और अग्नि सुरक्षा से जुड़े विशेषज्ञों का कहना है कि किसी भी बहुमंजिला या व्यावसायिक भवन में आपातकालीन निकास मार्ग सबसे महत्वपूर्ण सुरक्षा प्रावधानों में से एक होता है। राष्ट्रीय भवन संहिता और अग्नि सुरक्षा मानकों के अनुसार ऐसे भवनों में वैकल्पिक निकास, अग्निशमन उपकरण, चेतावनी प्रणाली और सुरक्षित सीढ़ियों की व्यवस्था अनिवार्य मानी जाती है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार इस भवन में इन मानकों का समुचित पालन नहीं किया गया था।

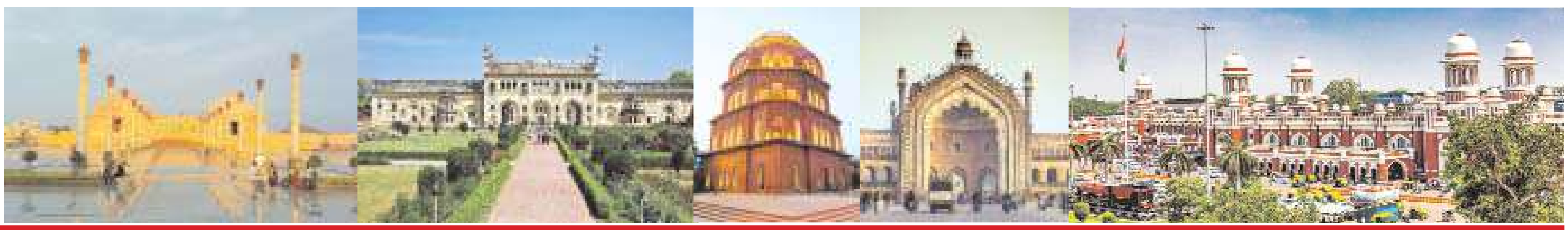

# नगर निगम कार्यकारिणी समिति के छह सदस्य निर्विरोध निर्वाचित

**स्वतंत्र भारत लखनऊ ।** नगर निगम लखनऊ की कार्यकारिणी समिति के रिक्त छह पदों की पूर्ति के लिए सोमवार को नगर निगम मुख्यालय में विशेष अधिवेशन एवं

## महापौर ने जताया विकास कार्यों को नई गति मिलने का भरोसा

निर्वाचन प्रक्रिया का आयोजन किया गया। महापौर सुषमा खर्कवाल की अध्यक्षता में संपन्न हुए इस चुनाव में छह पदों के सापेक्ष छह प्रत्याशियों द्वारा नामांकन दाखिल किए जाने के कारण सभी उम्मीदवार निर्विरोध निर्वाचित घोषित कर दिए गए। इसके साथ ही नगर निगम की कार्यकारिणी समिति के रिक्त सभी पदों पर सदस्यों का चयन हो गया।विशेष अधिवेशन से पूर्व भाजपा मुख्यालय के निकट स्थित 9 बंगला में महापौर सुषमा खर्कवाल तथा भाजपा महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी की उपस्थिति में पार्षदों की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में नगर निगम के विकास कार्यों, संगठनात्मक विषयों और विशेष अधिवेशन की रणनीति पर विस्तार से चर्चा की गई। नगर के विभिन्न वार्डों में चल रहे विकास कार्यों की समीक्षा के साथ-साथ आगामी योजनाओं पर भी विचार-विमर्श किया गया।बैठक के

उपरांत महापौर, महानगर अध्यक्ष और बड़ी संख्या में पार्षदों ने नगर निगम मुख्यालय तक पदयात्रा निकाली। इस दौरान लोकतांत्रिक परंपराओं के प्रति सम्मान, जनप्रतिनिधियों की एकजुटता और नगर विकास के प्रति प्रतिबद्धता का संदेश दिया गया। पदयात्रा के दौरान नगर निगम परिसर में उत्साहपूर्ण वातावरण देखने को मिला। नगर निगम मुख्यालय में आयोजित चुनाव प्रक्रिया के दौरान लालकुआं वार्ड से पार्षद सुशील तिवारी 'पम्मी', तिलक नगर कुंडरी रकाबगंज वार्ड से राजीव बाजपेई, राजीव गांधी प्रथम वार्ड से संजय राठौर, न्यू हैदरगंज तृतीय वार्ड से विनोद यादव, फैजुल्लागंज प्रथम वार्ड से रश्मि सिंह तथा भरवारा मल्हौर वार्ड से समाजवादी पार्टी की पार्षद ममता रावत ने कार्यकारिणी समिति सदस्य पद के लिए नामांकन पत्र दाखिल किए।निर्वाचन अधिकारी द्वारा नामांकन पत्रों की जांच के बाद यह स्पष्ट हो गया कि छह पदों के लिए केवल छह ही उम्मीदवार मैदान में हैं। निर्धारित समयावधि में किसी अन्य प्रत्याशी द्वारा नामांकन न किए जाने के कारण सभी उम्मीदवारों को निर्विरोध निर्वाचित घोषित कर दिया गया। चुनाव परिणाम की घोषणा होते ही उपस्थित पार्षदों और समर्थकों ने निर्वाचित सदस्यों को बधाई दी।निर्विरोध निर्वाचन के बाद भाजपा महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी ने सभी नवनिर्वाचित सदस्यों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि कार्यकारिणी समिति नगर निगम की नीतियों के निर्धारण और विकास योजनाओं के क्रियान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। उन्होंने उम्मीद जताई कि सभी सदस्य जनहित के मुद्दों को प्राथमिकता देते हुए शहर के विकास में सक्रिय योगदान देंगे।महापौर सुषमा खर्कवाल ने भी सभी निर्वाचित सदस्यों को बधाई देते हुए कहा कि कार्यकारिणी समिति नगर निगम की निर्णय प्रक्रिया का एक महत्वपूर्ण अंग है। उन्होंने कहा कि लखनऊ को स्वच्छ, सुंदर और आधुनिक शहर बनाने के लिए नगर निगम लगातार कार्य कर रहा है तथा कार्यकारिणी समिति के नए सदस्य इस दिशा में महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान करेंगे। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सभी सदस्य पारदर्शिता, जवाबदेही और जनकल्याण की भावना के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करेंगे तथा नगर के विकास को नई गति देंगे।नगर निगम की कार्यकारिणी समिति में नए सदस्यों के चयन के बाद अब नगर विकास, आधारभूत सुविधाओं के विस्तार, स्वच्छता, जल निकासी, सड़क निर्माण और नागरिक सुविधाओं से जुड़े विभिन्न प्रस्तावों एवं योजनाओं के प्रभावी संचालन को लेकर नई अपेक्षाएं भी बढ़ गई हैं। राजनीतिक दृष्टि से भी यह चुनाव महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि इसमें सत्तारूढ़ दल के साथ विपक्ष की ओर से भी एक सदस्य को प्रतिनिधित्व प्राप्त हुआ है।

# बंद पेट्रोल पंप से सोलर बैटरियां चुराने वाले दो चोर गिरफ्तार, पांच बैटरियां बरामद

**स्वतंत्र भारत लखनऊ।** कमिश्नरेट लखनऊ की महिगवां पुलिस ने चोरी की एक घटना का सफल खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे और निशानदेही पर चोरी की पांच बैटरियां बरामद की हैं। पुलिस ने मामले में फरार एक अन्य आरोपी की तलाश शुरू कर दी है।पुलिस आयुक्त के निर्देश पर अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस उपायुक्त उत्तरी, अपर पुलिस उपायुक्त उत्तरी तथा सहायक पुलिस आयुक्त बीकेटी

के पर्यवेक्षण में थानाध्यक्ष महिगवां के नेतृत्व में पुलिस टीम ने थाना महिगवां पर दर्ज मुकदमा संख्या 81/2026 से संबंधित चोरी की घटना का अनावरण किया। पुलिस ने 22 जून 2026 को दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान अमन पुत्र दिनेश निवासी कल्लूपुरवा थाना कुर्सी जनपद बाराबंकी तथा विकास रावत पुत्र स्वामी रावत निवासी आधारखेड़ा थाना गुडम्बा जनपद लखनऊ के रूप में हुई है। पूछताछ के दौरान दोनों आरोपियों ने बताया कि 17 जून 2026 को संग्राम पुत्र बसन्त निवासी आधारखेड़ा थाना गुडम्बा ने उन्हें एक-एक हजार रुपये देने का लालच देकर मुसपिपरी स्थित एक बंद पड़े पेट्रोल पंप पर ले गया था। वहां तीनों ने मिलकर सोलर प्लांट में लगी 10 बैटरियां चोरी की थीं।आरोपियों ने पुलिस को बताया कि चोरी के बाद संग्राम पांच बैटरियां अपने साथ ले गया था, जबकि शेष पांच बैटरियों को बाबागंज रोड पर पानी की टंकी के सामने झाड़ियों में छिपा दिया गया था। अगले दिन वे दोबारा पेट्रोल पंप पर चोरी की नीयत से पहुंचे थे, लेकिन किसी व्यक्ति के आ जाने पर वहां से भाग निकले। सोमवार को वे छिपाकर रखी गई बैटरियों को बेचने के लिए निकले थे, तभी पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया।पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर झाड़ियों में छिपाकर रखी गई पांच चोरी की बैटरियां बरामद कर लीं। बरामदगी में एक्साइड कंपनी की तीन बैटरियां, ल्यूमिनस कंपनी की एक बैटरी तथा तेज (ल्यूमिनस) कंपनी की एक बैटरी शामिल है।पूछताछ में संग्राम पुत्र बसन्त का नाम भी प्रकाश में आया है, जो वारदात का मुख्य सूत्रधार बताया जा रहा है। पुलिस उसकी गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार फरार आरोपी को जल्द गिरफ्तार कर शेष चोरी की गई बैटरियों की बरामदगी का प्रयास किया जाएगा।पुलिस के अनुसार आरोपियों ने बंद पड़े पेट्रोल पंप को निशाना बनाकर वहां लगे सोलर सिस्टम की बैटरियां चोरी की थीं। उनका उद्देश्य बैटरियों को बेचकर अवैध आर्थिक लाभ अर्जित करना था। मुखबिर की सूचना, सुरागरसी और तकनीकी जांच के आधार पर पुलिस टीम ने आरोपियों तक पहुंचकर घटना का खुलासा किया।गिरफ्तारी करने वाली टीम में थानाध्यक्ष राधेश्याम मौर्य, उपनिरीक्षक अंसार अहमद, उपनिरीक्षक जयप्रकाश, उपनिरीक्षक अजयपाल, कांस्टेबल राजू, बनारसी और आकाश शामिल रहे। पुलिस ने दोनों आरोपियों को न्यायालय में पेश कर आगे की विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

# रालोद नेता ने जताया शोक

**स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ।** राष्ट्रीय लोकदल के राष्ट्रीय महासचिव अनिल दुबे ने आज लखनऊ के अलीगंज में हुये हृदय विदारक अग्निकांड में निर्दोष छात्रों की असामयिक मृत्यु के समाचार को अत्यंत पीड़ादायक बताते हुये कहा है कि इस अपार दुख की घड़ी में राष्ट्रीय लोकदल की संवेदनाएं शोक संतप्त परिवारों के साथ हैं। ईश्वर दिवंगत आत्माओं को शांति और घायलों को शीघ्र स्वास्थ्य प्रदान करें।

दुबे ने इस घटना पर शोक व्यक्त करने के साथ साथ प्रशासन से जवाबदेही तय करने और भविष्य में सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए हादसे की उच्चस्तरीय जांच कराने की मांग की है, ताकि आग लगने के वास्तविक कारणों और भवन निर्माण व प्रबंधन की कमियों का पता चल सके।

# हरियाणा से बरामद हुई अपहृत किशोरी, महिगवां पुलिस ने आरोपी को किया गिरफ्तार

**स्वतंत्र भारत लखनऊ।** कमिश्नरेट लखनऊ की महिगवां पुलिस ने अपहरण के एक मामले का सफल खुलासा करते हुए अपहृत किशोरी को हरियाणा से सकुशल बरामद कर लिया है। पुलिस ने मामले में नामजद आरोपी कलीम को भी गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस की इस कार्रवाई से किशोरी के परिजनों ने राहत की सांस ली है।जानकारी के अनुसार पुलिस आयुक्त के निर्देशन में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस उपायुक्त उत्तरी, अपर पुलिस उपायुक्त उत्तरी तथा सहायक पुलिस आयुक्त बीकेटी के पर्यवेक्षण में महिगवां थाना पुलिस ने थाना महिगवां पर दर्ज मुकदमा संख्या 70/2026 धारा 137(2)/87 बीएनएस के मामले में कार्रवाई की। तकनीकी साक्ष्यों और मोबाइल लोकेशन के आधार पर पुलिस टीम ने हरियाणा के करनाल जनपद स्थित थाना घरौंडा क्षेत्र के ग्राम कोहण्ड में दबिश दी। जांच में सामने आया कि आरोपी कलीम किशोरी को अपने साथ लेकर हरियाणा चला गया था और वहां अलीनगर रोड स्थित कोहिनूर फैक्ट्री के आसपास रह रहा था। पुलिस टीम ने 21 जून 2026 को योजनाबद्ध तरीके से कार्रवाई करते हुए किशोरी को सकुशल बरामद कर लिया तथा आरोपी को मौके से गिरफ्तार कर लिया।


## स्वतंत्र भारत वर्गीकृत

### सूचना

मैं शपथिनी पूजा पुत्री हीरालाल विश्वकर्मा, निवासी- ग्राम करौदी लाला पो. माडरमऊ आलापुर आंबेडकर नगर उ.प्र.- 224147 का हूँ। मेरी D.EL.ED की मार्कशीट वास्तव में कहीं खो गयी है। भविष्य में इसका उपयोग गलत माना जायेगा।
सी.आर.- 570/L-25

### सूचना

मैं मानस शुक्ला S/o सुभाष कुमार निवासी- L-143 Sector L Ashiyana Lucknow मैंने एक एल.आई.सी. पॉलिसी सं.- 213009572 करायी थी जिसमें त्रुटिवश मेरा नाम पीयूश शुक्ला S/o सुभाष कुमार शुक्ला जन्मतिथि 01-12-1999 अंकित है जबकि मेरा वास्तविक नाम मानस शुक्ला S/o सुभाष कुमार जन्मतिथि 03-08-2000 है। अब मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाता है।
सी.आर.- 568/L-45

### सूचना

मैंने अपना नाम अब्दुल रहमान इलियास मुन्ना से बदलकर मुन्ना पुत्र अब्दुला रख लिया है। भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाए। नि.-1265, मोहल्ला कन्हई पूर्वा, हरदोई ग्रामीण हरदोई उ.प्र.-241001
सी.आर.-564/L-28

### सूचना

मैंने अपना नाम मोहम्मद मोबीन मन्सूरी से बदलकर मोहम्मद मोबीन पुत्र मुर्तजा हुसैन रख लिया है। भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाए। नि.- 643/05111ए, एकता नगर, महिबुल्लापुर, मड़ियांव, सीतापुर रोड, लखनऊ।
सी.आर.-564/L-28

### सूचना

सर्वसाधरण को सूचित किया जाता है कि पहले मेरा नाम रूबी दुबे था जो अब बदलकर रूबी हो गया है भविष्य मे मुझे रूबी के नाम से जाना पहचाना जाए। रूबी पत्नी मनीष दुबे 285 डॉ. लक्ष्मण चैतन्य नगर , चक झूसी प्रयागराज 211019
सी.आर.- 566/D-32

### सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता हो कि त्रुटिवश मेरी पत्नी का नाम नानिका देवी के स्थान पर बिरही हो गया जो कि गलत है। जबकि सही नाम नानिका देवी पत्नी राम चरन नि0 ग्रा0 सराय मदन सिंह उर्फ चांटी, तह. सोराव प्रयागराज है। राम चरन पुत्र झगरू सराय मदन सिंह उर्फ-चाँटी सोराव, प्रयागराज ।
सी.आर.- 566/D-43

### सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि पहले मेरा RASHMI DEVI था जो अबदलकर RASHMI SINGH हो गया है। भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना पहचाना जाये।
RASHMI SINGH W/o VIJAY KUMAR SINGH 8/3/2 A NAPIER ROAD TAPOVAN PARK TAPOVAN VIHAR COLONY PRAYAGRAJ U.P.
सी.आर.- 566/D-33

### सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा सही नाम मोहम्मद नजीर पुत्र मोहम्मद शब्बीर (MOHAMMAD NAJIR S/o MOHAMMAD SABBIR) है जो कि मेरे शैक्षिक अभिलेख में अंकित है, त्रुटिवश मेरे आधार कार्ड सं0-4344 7942 7804 में मेरा नाम मो0 नजीर पुत्र मो0 शब्बीर (MOHD NAZIR S/o MOHD SHABBEER) अंकित हो गया है जोकि गलत है। भविष्य में मुझे मेरे सही नाम मोहम्मद नजीर पुत्र मोहम्मद शब्बीर (MOHAMMAD NAJIR S/o MOHAMMAD SABBIR) से जाना,पहचाना जाये।
एतद्द्वारा प्रमाणित किया जाता है कि उपरोक्त के सम्बन्ध में समस्त विधिक औपचारिकताएं स्वयं मेरे द्वारा पूर्ण की गई हैं। मोहम्मद नजीर पुत्र मोहम्मद शब्बीर, ग्राम मिसिर चक पोस्ट सैदपुर जिला गाजीपुर, उ0प्र0-233304
सी.आर.- 566/D

MUSKAN RAJBHAR
97.40%, CBSE XIIth
R.L.B., Sect-14, Indira Nagar, Lko.
सी.आर.- 569/L

### सूचना

बैंक, सरकारी एवं गैर सरकारी एजेंसी के लिए पक्का हाल सभी आधुनिक सुविधाएं, 82 × 20 एरिया में निर्मित , सामने मैदान मलिहाबाद -- मोहान मार्ग से 300 मीटर की दूरी पर स्थित मोहल्ला समदा तालाब -- मलिहाबाद, लखनऊ किराए के लिए
**संपर्क करें :-**
**सीमा खां पत्नी अब्दुल मजीद खां, मोबाइल नंबर 9358 444163**
सी.आर.- 567/L

### अदालती सूचना

न्यायालय श्रीमान अपर प्रमुख परिवार न्यायाधीश कोर्ट संख्या 3 कानपुर नगर
वाद संख्या 367/2025
रचना तिवारी उम्र लगभग 39 वर्ष पत्नी श्री गणेश तिवारी पुत्री नरेंद्र शुक्ला निवासी मकान नंबर 128/23 एम 1 ब्लाक किदवई नगर थाना किदवई नगर जनपद कानपुर नगर हाल पता -99 सी राजीव नगर नगर कानपुर नगर. प्रार्थिनी
बनाम -- गणेश तिवारी उम्र 41 वर्ष पुत्र स्वर्गीय प्रकाश तिवारी निवासी ग्राम व पोस्ट व थाना सोहरामऊ दक्षिण जिला शाहजहांपुर. प्रतिवादी
धारा 144 बी एन एस एस
चूंकि आपके विरुद्ध वादिनी ने धारा 144 बी.एन.एस.एस. प्रार्थना पत्र दाखिल किया है। अतः आपको सूचित किया जाता है कि दिनांक 25.06.2026 को स्वयं न्यायालय में उपस्थित होकर अगर आपको कोई आपत्ति हो तो प्रेषित करें आपकी अनुपस्थिति में आपके विरुद्ध एक पक्षीय आदेश पारित होगा। आज दिनांक 11.06.2026 न्यायालय की मुद्रा व मेरे हस्ताक्षर द्वारा जारी। आज्ञानुसार, मुन्सरिम/रीडर अपर प्रमुख परिवार न्यायाधीश कोर्ट सं 03 कानपुर नगर
सी.आर.- 565/K-CN

## लखनऊ नगर निगम

लालबाग, टी.एन. रोड, लखनऊ-226001 (उ.प्र.)
ई-मेल: nnlko@up.nice.in

निम्नलिखित भवनों के नाम परिवर्तन हेतु आवेदन-पत्र प्राप्त होने के उपरान्त नगर निगम अधिनियम 1959 की धारा-213(बी-2) के अन्तर्गत नोटिस जारी की जा चुकी है। निम्नलिखित नाम परिवर्तन में यदि कोई आपत्ति हो तो प्रकाशन की तिथि से 20 दिन के अन्दर लिखित आपत्ति साक्ष्यों सहित सम्बन्धित जोनल कार्यालय में प्रस्तुत करें। आपत्ति प्राप्त न होने की दशा में नाम परिवर्तन की कार्यवाही सम्पादित कर दी जायेगी।

### जोन–7

| क्रम सं0 | भवन संख्या व मोहल्ला | दर्ज भवन स्वामी का नाम | जिसके नाम दर्ज होना है | नामान्तरण का आधार |
|---|---|---|---|---|
| | **वार्ड का नाम–शंकरपुरवा प्रथम** | | | |
| 1 | 529डी/1217 कल्यानपुर | श्री अनिल कुमार तिवारी व सुनील कुमार तिवारी | श्री सुनील कुमार तिवारी व सवित्री देवी | विक्रय विलेख के आधार |
| 2 | 529डी/031/एफ-302 कल्यानपुर | बिल्डर्स | श्री अंकित कुमार | विक्रय विलेख के आधार |
| 3 | 529डी/707 कल्यानपुर | श्री बहादुर सिंह | श्री रजीत | मृत्यु के आधार पर |
| | **वार्ड का नाम–शंकरपुरवा द्वितीय** | | | |
| 4 | 529डी/1/2000(1443ए) प्रगति विहार | श्री दुर्गा दास अरोरा | श्री विनय अरोड़ा | मृत्यु के आधार पर |
| | **वार्ड का नाम–शंकरपुरवा तृतीय** | | | |
| 5 | 529सी/390 कमला नेहरू नगर | श्री पुत्ती लाल | श्रीमती अनीता | उपहारस्वरूप |
| | **वार्ड का नाम–बाबू जगजीवन राम** | | | |
| 6 | 21/0133 इन्दिरानगर | श्री बी एन मिश्रा | श्रीमती कुमुद मौर्या व प्रेमचन्द्र कुमार मौर्या | विक्रय विलेख के आधार |
| 7 | 17/0256 इन्दिरानगर | श्री हरिशंकर श्रीवास्तव | श्रीमती दीपिका वर्मा | विक्रय विलेख के आधार |
| 8 | 17/0678 इन्दिरानगर | श्री गोविन्द चन्द्र गुप्ता | श्री नितिन गुप्ता व एकता कुमारी | उपहारस्वरूप |
| | **वार्ड का नाम–लाल बहादुर शास्त्री प्रथम** | | | |
| 9 | ए-0377 इन्दिरानगर | श्री धर्मवीर | श्री अनिल कुमार जैन | मृत्यु के आधार पर |
| 10 | 20/122 सेक्टर-20 इन्दिरानगर | श्रीमती सीता देवी | श्री बिजेन्द्र बहादुर श्रीवास्तव | उपहारस्वरूप |
| | **वार्ड का नाम–लाल बहादुर शास्त्री द्वितीय** | | | |
| 11 | 628एस/228ए शक्तिनगर | श्री मैया राम चौधरी | श्री अजय कुमार चौधरी व अल्पना चौधरी | विक्रय विलेख के आधार |
| 12 | 628एल/जी-066 लिबर्टी कालोनी | श्रीमती कैलाश | श्री चन्द्रशेखर | वसीयत |
| 13 | 628एस/227 शक्तिनगर | श्री आनन्द प्रकाश उपाध्याय | श्री ब्रिजपाल सिंह व मंजू सिंह | विक्रय विलेख के आधार |
| | **वार्ड का नाम–लोहिया नगर** | | | |
| 14 | 2/एफ-101 सन अपार्टमेन्ट विकासनगर | श्री अमर सिंह | श्री धीरेन्द्र कुमार सिन्हा | विक्रय विलेख के आधार |
| 15 | 4/0519 विकासनगर | श्रीमती कल्पना शर्मा व अरुण कुमार शर्मा | श्री शैलेन्द्र कुमार व कुरील व अर्चना भारती | विक्रय विलेख के आधार |
| 16 | फ्लैट-607 बादल अपार्टमेन्ट | अविनाशी अभियंता निर्माण खण्ड | श्री संकल्प गुप्ता व सारिका गुप्ता | विक्रय विलेख के आधार |
| | **वार्ड का नाम–शहीद भगत सिंह प्रथम** | | | |
| 17 | 636/के-128/1-सी सी बादशाह खेरा | सेन्ट जान वास्को एजूकेशनल सोसाइटी | श्री धीरेन्द्र कुमार शुक्ला | विक्रय विलेख के आधार |
| 18 | 636/प्लाट-026 बी(के-68) तकरोही | जाकीर हुसैन | मो0 फैजल खान | विक्रय विलेख के आधार |
| 19 | 636/शाप न0-6,8 प्रगति नगर | अफसाना बानो | श्रीमती सितारा देवी | विक्रय विलेख के आधार |
| 20 | 634/015 बसंत इनक्लेव | श्रीमती प्रिया मदनानी | श्री जयकृष्ण वीर सिंह | विक्रय विलेख के आधार |
| 21 | युडस/जी एफ-ए-503 नौबस्ताकला | श्रीमती मानवी गुप्ता | श्रीमती पूजा पाठक | विक्रय विलेख के आधार |
| 22 | 636/प्लाट न0-009ए (खसरा-09) तकरोही | मो0यासमीन | श्रीमती प्रियंका व विक्रम | विक्रय विलेख के आधार |
| 23 | 634ए/पी09(खसरा-636) अमराई गांव | श्रीमती सुमित्रा यादव | श्री पायल कुमारी | विक्रय विलेख के आधार |
| 24 | 636/खसरा-488/04 तकरोही | श्रीमती मंजू द्विवेदी | श्री मनोज मौर्या | विक्रय विलेख के आधार |
| 25 | 636/खसरा-488/03 तकरोही | श्रीमती मंजू द्विवेदी | श्री आदर्श कुमार | विक्रय विलेख के आधार |
| 26 | 636/पी-039ए(के-205) तकरोही | श्री विवेक कुमार सिंह व डली सिंह | श्री अमरदीप गौड़ | विक्रय विलेख के आधार |
| 27 | 632/पी-002 शंकरपुरी | श्री नीरज वर्मा | श्री नीरज वर्मा व श्रीमती माधवी वर्मा | उपहारस्वरूप |
| | **वार्ड का नाम–इस्माइलगंज द्वितीय** | | | |
| 28 | 636/फ्लैट-ए-4 गनेशपुर रहमानपुर | आइवे मेनशन अपार्टमेन्ट | श्री सतेन्द्र कुमार पाठक व रीता पाठक | विक्रय विलेख के आधार |
| 29 | 632/170 स्वप्न लोक कालोनी | श्रीमती शकुन्तला शर्मा | श्रीमती दीप्ति कौशल | विक्रय विलेख के आधार |
| 30 | 633/पी-018(के-636) गोविन्द विहार | श्री जय चन्द्र प्रसाद | श्रीमती लक्ष्मी देवी व सुमित कुमार | विक्रय विलेख के आधार |
| | **वार्ड का नाम–इन्दिरा प्रियदर्शिनी** | | | |
| 31 | 638/पी-018 निजामुद्दीन पुर | श्रीमती सिमरन बजाज व एलियास रेखा चन्दानी | श्री आलोक कनौजिया व श्रीमती रीतू चौधरी | विक्रय विलेख के आधार |
| | **वार्ड का नाम–इन्दिरा नगर** | | | |
| 32 | 631/एच0एन0-015 लेखराज डोम्बा | श्री अमित कुमार घोष | श्री विनय कुमार श्रीवास्तव | विक्रय विलेख के आधार |
| 33 | डी-1446 इन्दिरानगर | श्री गोपाल चन्द्र सिन्हा | श्रीमती भगवती देवी | विक्रय विलेख के आधार |
| 34 | 12/164 सेक्टर-12 इन्दिरानगर | श्री प्रभात कुमार | श्रीमती शीतल मलहोत्रा व अभिषेक वर्मा | विक्रय विलेख के आधार |
| 35 | सी-2506 इन्दिरानगर | श्रीमती अर्चना दीक्षित | श्री आकाश केसरी व मोनिका सिंह | विक्रय विलेख के आधार |
| 36 | सी-2270 इन्दिरानगर | मो0 अकरम व शादाब सिद्दीकी | श्री दिनेश प्रताप सिंह व अनुराधा शर्मा | विक्रय विलेख के आधार |
| 37 | 13/113-ए सेक्टर-13 इन्दिरानगर | श्रीमती मालती शर्मा | श्री देव रंजन शर्मा | मृत्यु के आधार पर |
| 38 | 631/025/45 यू जी एफ-010 इस्माइलगंज गांव | श्री राजीव जगवानी | श्रीमती मधु बाजपेई | विक्रय विलेख के आधार |

**जोनल अधिकारी, जोन–7**

## बैंक ऑफ़ बड़ौदा Bank of Baroda
भारत का अंतरराष्ट्रीय बैंक

### अधिग्रहण सूचना
(नियम 8 (1))
अचल सम्पत्ति हेतु

प्रतिभूतिकरण व वित्तीय आस्तियों का पुनर्निर्माण और प्रतिभूति हित का प्रवर्तन (द्वितीय) अधिनियम 2002 के अन्तर्गत अधोहस्ताक्षरी बैंक ऑफ बड़ौदा का प्राधिकृत अधिकारी है और प्रतिभूति हित नियम 2002 की उपधारा 13(12) नियम 3 के साथ पठनीय के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्नलिखित खाते के सम्मुख उल्लिखित धनराशि के सम्बन्ध में (जिसका सम्पूर्ण विवरण नीचे उल्लिखित है) सम्बन्धित उधारकर्ताओं से मांग की गयी थी कि वे उक्त नोटिस प्राप्त होने की दिनांक से 60 दिन के अन्दर ऋण राशि चुकता कर दें। चूंकि सम्बन्धित ऋणी/जमानतदार के द्वारा ऋण राशि चुकता नहीं की गयी है इसलिए ऋणी/जमानतदार/बंधककर्ता व आम जनता को एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि अधोहस्ताक्षरी ने उक्त अधिनियम की धारा 13(4) नियम 8 के साथ पठनीय के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए नीचे लिखी सम्पत्तियों को कब्जे में लिया है। विशेष तौर पर ऋणी/जमानतदार/बंधककर्ता और सामान्य तौर पर आम जनता को एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि उक्त सम्पत्तियों के सम्बन्ध में किसी भी प्रकार की खरीद–फरोख्त न करें। इन सम्पत्तियों के सम्बन्ध में किसी भी खरीद–फरोख्त हेतु बैंक ऑफ बड़ौदा की देय राशि व उस पर देय ब्याज के अनुक्रम में प्रभार नोट किया जाएगा।
ऋणी/जमानतदार/बंधककर्ता का ध्यान प्रतिभूतिकृत आस्तियों को विमुक्त करने के लिए उपलब्ध समय–सीमा के संदर्भ में, उक्त अधिनियम की धारा 13 (8) के प्रावधानों की ओर आकृष्ट किया जाता है।

**अचल सम्पत्ति का विवरण**

| क्र. सं. | ऋणी/जमानतकर्ता का नाम व पता | अचल सम्पत्ति का विवरण | मांग सूचना की तिथि/ अधिग्रहण की तिथि/ बकाया धनराशि |
|---|---|---|---|
| | **बी.एन. रोड शाखा, नटराज कॉम्प्लेक्स, 11–बी.एन. रोड, कैसरबाग, लखनऊ–226001** | | |
| 1. | ऋणी: रेनू चौहान पत्नी आलोक सिंह चौहान | मकान सं. 554 ख/509/ए, विश्वेश्वर नगर, बस्ती आलमबाग, लखनऊ 226005 का साम्यिक बंधक, प्लॉट का क्षेत्रफल 126.38 वर्ग मीटर, मालिक: रेनू चौहान पत्नी आलोक सिंह चौहान, चौहद्दी: पूर्व: 15 फीट चौड़ी सड़क, पश्चिम: स्वर्गीय राज बहादुर लाल श्रीवास्तव का भवन; उत्तर: मकान सं. 554–ख/15डी का शेष भाग (मालिक: जितेंद्र प्रताप सिंह); दक्षिण: स्वर्गीय विमला चौहान का भवन | 22.11.2024<br>17.06.2026<br>रु. 15,01,156.67 + ब्याज + अन्य खर्च दिनांक 15.06.2026 से प्रभावी |
| 2. | ऋणी: विजेता देवी पत्नी फूल चंद कश्यप (मृतक फूल चंद कश्यप के कानूनी वारिस) एवं श्री विपिन पुत्र फूल चंद कश्यप (मृतक फूल चंद कश्यप के कानूनी वारिस) | मकान सं. 6ए/806 का साम्यिक बंधक स्थित वृंदावन योजना, रायबरेली रोड, लखनऊ 226029, प्लॉट का क्षेत्रफल 40.74 वर्ग मीटर, वर्तमान मालिक: श्रीमती विजेता देवी पत्नी फूल चंद कश्यप (स्वर्गीय फूल चंद कश्यप के कानूनी उत्तराधिकारी) एवं श्री विपिन पुत्र फूल चंद कश्यप (स्वर्गीय फूल चंद कश्यप के कानूनी उत्तराधिकारी); चौहद्दी: पूर्व: मकान सं. 6ए/806, पश्चिम: मकान सं. 6ए/804, उत्तर: मकान सं. 6ए/822, दक्षिण: 8 मीटर चौड़ी सड़क | 16.05.2025<br>17.06.2026<br>रु. 16,77,858.83 + ब्याज + अन्य खर्च दिनांक 15.06.2026 से प्रभावी |
| 3. | ऋणी: श्री अजय कुमार शुक्ला पुत्र शिव प्रसाद शुक्ला, श्री शिव प्रसाद शुक्ला पुत्र सिद्धनाथ शुक्ला एवं श्यामा देवी पत्नी शिव प्रसाद शुक्ला | मकान सं. एसएस–II/1536/डी–1, सेक्टर डी–1 कानपुर रोड योजना, लखनऊ का साम्यिक बंधक, प्लॉट का क्षेत्रफल 36.75 वर्ग मीटर, वर्तमान मालिक: श्री शिव प्रसाद शुक्ला पुत्र सिद्धनाथ शुक्ला एवं श्रीमती श्यामा देवी पत्नी शिव प्रसाद शुक्ला, चौहद्दी: पूर्व: मकान सं. 1507, पश्चिम: 6 मीटर चौड़ी सड़क, उत्तर: मकान सं. 1538, दक्षिण: 9 मीटर चौड़ी सड़क | 19.01.2026<br>17.06.2026<br>रु. 19,74,918.57 + ब्याज + अन्य खर्च दिनांक 15.06.2026 से प्रभावी |

स्थान: लखनऊ दिनांक: 23.06.2026 — प्राधिकृत अधिकारी, बैंक ऑफ बड़ौदा

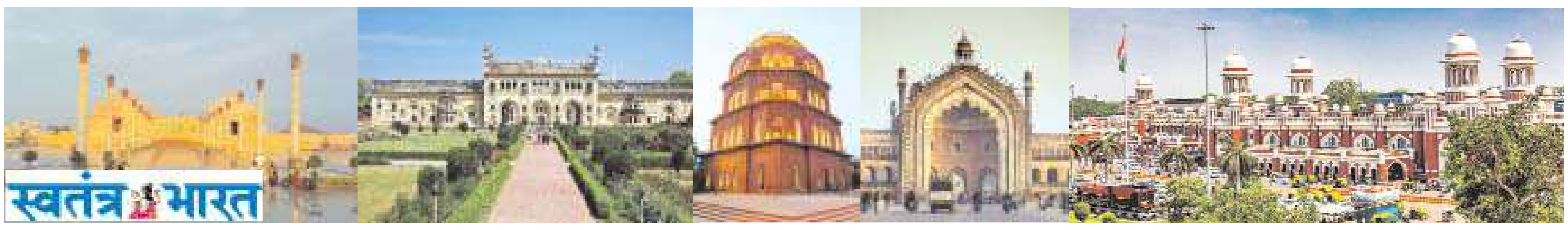




# चार वर्ष पूर्व दरोगा के हत्यारे बदमाश को एसटीएफ ने मार गिराया

**स्वतंत्र भारत ब्यूरो लखनऊ।** उत्तर प्रदेश में चार वर्ष पूर्व वाराणसी के रोहनिया क्षेत्र में तत्कालीन सब-इंस्पेक्टर अजय यादव को गोली मारकर उनकी सरकारी पिस्टल लूटने वाले एक लाख रुपये के इनामी बदमाश लल्लन सिंह को उत्तर प्रदेश एसटीएफ ने सहारनपुर में बीती रात मुठभेड़ के दौरान मार गिराया।

- 21 नवंबर 2022 को वाराणसी बड़ागांव इलाके में पुलिस की घेराबंदी के दौरान भाग निकला था,
- उस दौरान उसके दो भाइयों को पुलिस ने ढेर कर दिया था

बिहार के समस्तीपुर जिले का निवासी लल्लन सिंह लंबे समय से उत्तर प्रदेश और बिहार पुलिस के लिए चुनौती बना हुआ था। रविवार देर रात सहारनपुर जिले के सरसावा-नकुर रोड पर एसटीएफ की टीम से उसकी मुठभेड़ हुई। जवाबी कार्रवाई में लल्लन सिंह गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे पहले सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सरसावा और बाद में जिला अस्पताल सहारनपुर ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मुठभेड़ के दौरान उसका एक साथी फरार हो गया, जिसकी तलाश में पुलिस टीमें दबिश दे रही हैं।लल्लन सिंह का नाम वर्ष 2022 में वाराणसी में उस समय सुर्खियों में आया था, जब उसने अपने भाइयों मनीष सिंह और रजनीश सिंह के साथ मिलकर रोहनिया थाने में तैनात सब-इंस्पेक्टर अजय यादव को गोली मार दी थी और उनकी सरकारी पिस्टल लूट ली थी। इस घटना ने पुलिस महकमे में हड़कंप मचा दिया

था। घटना के बाद 21 नवंबर 2022 को वाराणसी पुलिस ने 'ऑपरेशन पाताल लोक' के तहत बड़ागांव क्षेत्र में बदमाशों की घेराबंदी की थी। पुलिस और अपराधियों के बीच हुई मुठभेड़ में लल्लन सिंह के दोनों भाई मनीष सिंह और रजनीश सिंह उर्फ बउआ मारे गए थे तथा लूटी गई सरकारी पिस्टल भी बरामद कर ली गई थी। हालांकि, लल्लन सिंह पुलिस को चकमा देकर फरार होने में सफल रहा था। इसके बाद उसकी गिरफ्तारी पर वाराणसी पुलिस कमिश्नरेट ने एक लाख रुपये तथा चंदौली पुलिस ने 25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया था। पुलिस अभिलेखों के अनुसार, लल्लन सिंह पर हत्या, पुलिसकर्मियों पर हमला, बैंक डकैती, लूट और अन्य गंभीर अपराधों के अनेक मुकदमे दर्ज थे। वर्ष 2016 में पटना के फतुहा थाना क्षेत्र में ड्यूटी पर तैनात सब-इंस्पेक्टर आर.आर. चौधरी की हत्या तथा उनकी सरकारी पिस्टल लूटने के मामले में भी उसका नाम सामने आया था।

इसके अलावा बाढ़ थाना क्षेत्र में एएसआई सुरेश ठाकुर की हत्या और चंदौली के सकलडीहा क्षेत्र में लूट की एक वारदात में भी वह वांछित था। मूल रूप से बिहार के समस्तीपुर जिले के आनंद गोलवा गांव, थाना मोहिउद्दीन नगर का निवासी लल्लन सिंह अपने भाइयों और गिरोह के अन्य सदस्यों के साथ मिलकर उत्तर प्रदेश और बिहार में संगठित आपराधिक गतिविधियों को अंजाम देता था। पुलिस के अनुसार, वह अक्सर बिहार में वारदात करने के बाद वाराणसी और चंदौली क्षेत्र में आकर छिप जाता था। वाराणसी में एक अखबार के वरिष्ठ अपराध पत्रकार अरशद आलम ने लल्लन सिंह के अंत पर टिप्पणी करते हुए कहा कि अपराध की दुनिया में चली गोली लौटकर आती जरूर है..और मौत भी लाती है। उन्होंने कहा कि लल्लन सिंह और उसके भाइयों ने बिहार से लेकर पूर्वांचल तक आतंक का नेटवर्क खड़ा कर रखा था और पुलिस पर हमले से लेकर हथियार लूटने जैसी घटनाओं के कारण वे सुरक्षा एजेंसियों की प्राथमिकता सूची में शामिल थे।

# नाबालिग किशोरी को बहला-फुसलाकर ले जाने वाला युवक गिरफ्तार

**स्वतंत्र भारत लखनऊ।** गुडम्बा थाना पुलिस ने नाबालिग किशोरी के अपहरण के मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए अपहृता को सकुशल बरामद कर लिया है। पुलिस ने मामले में नामजद आरोपी को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ आगे की विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार 24 मई 2026 को वादी द्वारा थाना गुडम्बा में मुकदमा संख्या 210/2026 धारा 137(2), 87 एवं 351(2) बीएनएस के तहत रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। शिकायत में आरोप लगाया गया था कि उसकी 17 वर्षीय नाबालिग बहन को एक युवक बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया है। मामले की विवेचना उपनिरीक्षक संदीप सिंह गौर द्वारा की जा रही थी।विवेचना और लगातार की जा रही पतारसी-सुरागरसी के दौरान पुलिस को महत्वपूर्ण सुराग मिले। इसके आधार पर 21 जून 2026 को

उपनिरीक्षक संदीप सिंह गौर अपनी टीम के साथ आधारखेड़ा क्षेत्र पहुंचे, जहां से नाबालिग पीड़िता को सकुशल बरामद कर लिया गया। मौके से आरोपी आनन्द कुमार पुत्र सुरेश कुमार निवासी ग्राम पृथ्वीपुर, थाना इंटौजा, लखनऊ को भी गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपी की उम्र लगभग 24 वर्ष बताई गई है।पुलिस पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह नाबालिग किशोरी को अपने साथ शादी करने के उद्देश्य से लेकर गया था। हालांकि पीड़िता के नाबालिग होने के कारण पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए आरोपी के विरुद्ध विधिक कार्रवाई की है।गुडम्बा पुलिस द्वारा बरामद की गई किशोरी को आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद परिजनों के सुपुर्द किए जाने की कार्रवाई की जा रही है। वहीं आरोपी को न्यायालय में प्रस्तुत कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।इस कार्रवाई में उपनिरीक्षक संदीप सिंह गौर, हेड कांस्टेबल पारसनाथ वर्मा, कांस्टेबल अनिल कुमार तथा महिला कांस्टेबल शीला चौधरी की महत्वपूर्ण भूमिका रही। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि महिला एवं बाल सुरक्षा से जुड़े मामलों में कमिश्नरेट पुलिस पूरी संवेदनशीलता और गंभीरता के साथ कार्रवाई कर रही है।

## खबर एक नजर

### कार पलटी युवक की मौत, दस घायल

**स्वतंत्र भारत ब्यूरो लखनऊ।** उत्तर प्रदेश के जनपद बहराइच में सोमवार को पुत्री की ससुराल से विदाई कराकर घर लौट रहे परिवार की कार अनियंत्रित होकर खेत में पलट गई। सड़क दुर्घटना में एक नाबालिग की मौत हो गयी जबकि दस लोगों के घायल होने की सूचना मिली है। घायलों को सीएचसी फखरपुर और मेडिकल कॉलेज भेजा गया है। घटना बौंडी थाना क्षेत्र के धूरदेवी संगवा मार्ग पर ग्राम पंचायत भदवानी के पास की है। घटना की सूचना पर बौंडी थाने व डायल 112 पुलिस मौके पर पहुँची और राहत कार्य शुरू कराया। ग्राम पंचायत बबुरी मंझारा तौकली के रहने वाले देशराज ने 19 जून को अपनी पुत्री की शादी ग्राम पंचायत मधवापुर में किया था। सोमवार को परिवार पुत्री की विदाई के लिए कार से गये थे। विदाई कराकर लौटते समय भदवानी के पास कार अनियंत्रित होकर खेत में पलट गई। सड़क दुर्घटना में अनीता देवी, राजकुमारी, कलावती, अनीता, रामशरण, सुरेन्द्र, छोटू, अनोखा, रूपा और शिवा घायल हो गए। घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में एडमिट कराया गया है। वहीं ग्राम पंचायत सिपहिया हुलास के रहने वाले अमित गम्भीर रूप से जख्मी हो गए और इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया। बौंडी थानाध्यक्ष टी एन मौर्य ने बताया कि सड़क दुर्घटना में इलाज के दरमयान एक किशोर की मौत हो गयी है,दस लोग घायल हैं। मृतक के शव को कब्जे में लेकर अन्त्य परीक्षण हेतु भेज दिया गया है। विधिक कार्यवाही की जा रही है।

### पुलिस ने नहीं की कार्रवाई, पीड़िता ने थाने में खुद को लगाई आग, थानाध्यक्ष निलंबित

**स्वतंत्र भारत ब्यूरो लखनऊ।** उत्तर प्रदेश के जनपद बिजनौर में बीती रात्रि में ससुरालियों द्वारा प्रताड़ना की शिकायत पर कार्यवाही के लिए पहुचीं एक युवती ने थाने के अन्दर ही आत्मदाह का प्रयास किया जिसे कुछ पुलिसकर्मियों ने त्वरित कार्यवाही करते हुए बचा लिया 7 इस घटना के बाद पुलिस अधीक्षक अभिषेक झा ने थाना शहर कोतवाल अमर सिंह राठौर को लापरवाही बरतने पर निलंबित कर दिया है। जानकारी के मुताबिक बिजनौर में सिटी कोतवाली के अंदर एक रेप पीड़िता (महिला रेसलर) आरोपी फौजी की गिरफ्तारी न होने से नाराज थी। इसलिए पीड़िता ने यह खौफनाक कदम उठाया। सूचना मिलते ही पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची और युवती को गंभीर हालत में जिला अस्पताल भिजवाया, जहां चिकित्सकों ने उसका उपचार शुरू किया। युवती की स्थिति गम्भीर होने के कारण मेरठ भेजा गया है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार यदि मौके पर पहुंचने में कुछ सेकेंड की भी देरी हो जाती तो युवती को बचाना बेहद मुश्किल हो सकता था। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि घटना के संबंध में सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। युवती के इस कदम के पीछे के कारणों का पता लगाया जा रहा है तथा संबंधित लोगों से पूछताछ भी की जा रही है। इस घटना के बाद पुलिस अधीक्षक अभिषेक झा ने थाना शहर कोतवाली अमर सिंह राठौर को लापरवाही बरतने पर निलंबित कर दिया है।

### मार्ग दुर्घटना में सगे भाईयों समेत तीन की मौत

**स्वतंत्र भारत ब्यूरो लखनऊ।** उत्तर प्रदेश के बहराइच जनपद में जरवल रोड थाना क्षेत्र में मार्ग दुर्घटना में सोमवार को सगे भाइयों समेत तीन व्यक्तियों की मौत हो गयी। दुर्घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस अग्रिम कार्रवाई में जुट गई है। पुलिस के मुताबिक थाना क्षेत्र कैसरगंज के ग्राम पंचायत भखरौली मुंगेशपुर के रहने वाले बुधई और सगे भाई राममिलन व रामकिशुन एक बाइक से अपने रिश्तेदार के यहां के अंतिम संस्कार में शामिल होने बाराबंकी जा रहे थे। सुबह लगभग सात बजे जरवल थाना क्षेत्र के धनराजपुर मोड़ के पास पहुंचते ही अचानक मोटरसाइकिल अनियंत्रित होकर सड़क किनारे बनी पुलिया से टकराकर गहरे गड्ढे में जा गिरी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि मोटरसाइकिल पर सवार राममिलन और बुधई की मौके पर ही मौत हो गयी, जबकि रामकिशुन गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलावस्था में उन्हें मेडिकल कॉलेज ले जाया गया, जहां प्रारम्भिक उपचार के दौरान उसकी सांसें थम गई।एक साथ तीन लोगों के मौत की सूचना गांव पहुंचने पर मृतकों के परिजनों में कोहराम मच गया। सड़क दुर्घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को कब्जे में लेकर अन्त्य परीक्षण के लिए भेज दिया।जरवल रोड थानाध्यक्ष सन्तोष सिंह ने बताया कि सड़क दुर्घटना में सगे भाईयों समेत तीन लोगों की मौत हुई है। प्रथम दृष्टया मोटरसाइकिल के अनियंत्रित होने से दुर्घटना होना प्रतीत हो रहा है। दुर्घटना के सही कारणों की जांच की जा रही है।

### वन्देभारत एक्सप्रेस के सामने कूदकर युवक ने दी जान

**स्वतंत्र भारत ब्यूरो लखनऊ।** उत्तर प्रदेश में औरैया जनपद के अछल्दा कस्बे के पास सोमवार सुबह एक अज्ञात युवक ने वन्देभारत सुपरफास्ट एक्सप्रेस ट्रेन के सामने कुदकर जान दे दी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। जीआरपी प्रभारी विक्रम सिंह ने बताया कि यह हादसा अछल्दा क्षेत्र में 13 बी रेलवे क्रॉसिंग के पास डाउन लाइन की मेन लाइन पर सुबह करीब साढ़े नौ बजे हुआ। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक करीब 35 वर्षीय युवक अचानक रेलवे ट्रैक पर आकर खड़ा हो गया। इसी दौरान आनंद विहार से अयोध्या जा रही ट्रेन संख्या (22426) वन्देभारत एक्सप्रेस वहां से गुजर रही थी। ट्रेन चालक ने हॉर्न बजाया, लेकिन युवक ट्रैक से नहीं हटा और ट्रेन की चपेट में आ गया। हादसे में युवक की मौत हो गई। मृतक ने गुलाबी रंग की शर्ट पहन रखी थी। हादसे के बाद रेलवे ट्रैक पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। घटना के बाद वन्देभारत एक्सप्रेस के लोको पायलट ने सतर्कता दिखाते हुए ट्रेन को इनायतपुर के पास रोक दिया। इंजन की जांच की गई और करीब चार मिनट बाद ट्रेन को दोबारा गंतव्य के लिए रवाना कर दिया गया। सूचना मिलते ही जीआरपी और स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंच गई। जीआरपी प्रभारी विक्रम सिंह ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर मोर्चरी भेजने की तैयारी की जा रही है। मृतक की पहचान कराने के प्रयास किए जा रहे हैं। पुलिस आसपास के थानों से भी संपर्क कर रही है, ताकि युवक की शिनाख्त हो सके।

# उम्रकैद की सजा काट रहा बंदी केंद्रीय कारागार से फरार

**स्वतंत्र भारत ब्यूरो लखनऊ।** उत्तर प्रदेश के बरेली जिले में इज्जतनगर स्थित केंद्रीय कारागार से सोमवार दोपहर को उम्रकैद की सजा काट रहे बंदी फरार हो गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए जिलाधिकारी अविनाश सिंह और एसएसपी अनुराग आर्य समेत कई अधिकारी केंद्रीय कारागार पहुंचकर घटनास्थल का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था की जानकारी ली। इस लापरवाही के चलते जेल जेल वार्डर समेत सात कर्मचारियों को निलंबित कर दिया है। केंद्रीय कारागार के वरिष्ठ अधीक्षक अविनाश ने बताया कि फरार कैदी की पहचान अमरोहा जिले के नेनेडा राजपूत निवासी दिनेश के रूप में हुई है। दिनेश बिजनौर जिले के एक पॉक्सो एक्ट के मामले में उम्रकैद की सजा काट रहा था। वह करीब छह साल से बरेली सेंट्रल जेल में बंद था।

सोमवार को दिनेश को विशेष पर्ची के आधार पर जेल परिसर से बाहर निकाला गया था। उसके साथ अन्य बंदियों को भी काम के लिए बाहर ले जाया गया था। इसी दौरान मौका पाकर दिनेश सुरक्षा कर्मियों को चकमा देकर फरार हो गया। काफी समय तक कैदी के नहीं मिलने पर जेल प्रशासन में अफरा-तफरी मच गई।घटना की जानकारी मिलने पर पहुंचे जेल अधिकारियों ने घटनाक्रम की जानकारी ली और सुरक्षा व्यवस्था में हुई चूक की समीक्षा की। एसएसपी ने बताया कि फरार कैदी की तलाश के लिए पुलिस की कई टीमें लगाई गई हैं। संभावित ठिकानों पर दबिश देने के साथ ही सर्विलांस और अन्य तकनीकी माध्यमों से भी उसकी तलाश की जा रही है। आसपास के जिलों की पुलिस को भी अलर्ट कर दिया गया है। वहीं, जेल प्रशासन ने मामले में प्रथम दृष्टया लापरवाही मानते हुए जेल वार्डर विशंभर सिंह, अर्जुन प्रसाद, गेंदनलाल, मुकेश कुमार और मोहित कुमार समेत सात कर्मचारियों को निलंबित कर दिया गया है।

# फरार आरोपित पुलिस मुठभेड़ में घायल, अवैध तमंचा बरामद

**स्वतंत्र भारत ब्यूरो लखनऊ।** उत्तर प्रदेश के प्रयागराज जिले में स्थित पूरामुफ्ती क्षेत्र में नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में फरार चल रहे आरोपित को रविवार देर रात नगर पुलिस ने मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। पुलिस का कहना है कि आरोपित ने पुलिस टीम पर जानलेवा फायरिंग की, जिसके जवाब में आत्मरक्षार्थ की गई कार्रवाई में उसके दोनों पैरों में गोली लगी। घायल अभियुक्त को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस उपायुक्त नगर मनीष कुमार शांडिल्य ने बताया कि गोली से घायल मुशर्रफ पुत्र लाड़े मियां पूरामुफ्ती का निवासी है। इसके खिलाफ नाबालिग बालिका के साथ दुष्कर्म करने का मुकदमा दर्ज किया गया था। घटना के बाद से आरोपित फरार चल रहा था, जिसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम लगातार प्रयास कर रही थी।रविवार देर रात पुलिस टीम क्षेत्र में चेकिंग अभियान चला रही थी। इसी दौरान

- आरोपित ने पुलिस टीम पर की जानलेवा फायरिंग

फतेहपुरघाट से टिकरी जाने वाले मार्ग पर भट्टे से आगे तिराहे के पास वांछित आरोपित मुशर्रफ पुलिस टीम को दिखाई दिया। पुलिस द्वारा रोकने का प्रयास किए जाने पर आरोपित ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी।पुलिस उपायुक्त नगर ने बताया कि आरोपित द्वारा की गई फायरिंग के बाद पुलिस ने आत्मरक्षार्थ जवाबी कार्रवाई की, जिसमें अभियुक्त के दोनों पैरों में गोली लगी। इसके बाद उसे मौके से गिरफ्तार कर लिया गया।डीसीपी सिटी ने बताया कि आरोपित के कब्जे से एक अवैध तमंचा .315 बोर, दो जिंदा कारतूस तथा दो खोखा कारतूस बरामद किए गए हैं। घायल आरोपित को उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया है तथा उसके विरुद्ध आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है।

उन्होंने कहा कि महिलाओं एवं बालिकाओं के विरुद्ध अपराध करने वालों के खिलाफ कमिश्नरेट पुलिस की कार्रवाई लगातार जारी है। ऐसे अपराधियों को किसी भी स्थिति में बख्शा नहीं जाएगा और कानून के तहत कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। मामले में आगे की विधिक कार्रवाई प्रचलित है तथा क्षेत्र में कानून-व्यवस्था की स्थिति सामान्य बनी हुई है।

# हर्ष फायरिंग से अधेड़ की मौत, चार घायल

**स्वतंत्र भारत ब्यूरो लखनऊ।** उत्तर प्रदेश के फतेहपुर जिले में रविवार बीती रात एक बारात में हर्ष फायरिंग के दौरान लाइसेंसी बंदूक से निकली गोली से एक व्यक्ति की मौत हो गई, वहीं अन्य चार अन्य लोग घायल हो गए। घटना के बाद समारोह स्थल पर अफरा-तफरी मच गई। घटना की जानकारी पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है सभी घायलों को अस्पताल भेजा।

मृतक के परिजनों को घटना की सूचना दे दी गई है। मामले में तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है। गाजीपुर थाना क्षेत्र के ग्राम लमेहटा में रविवार रात बारात आई थी। रात करीब 01 बजे आगवानी के बाद लड़की के दरवाजे पर हर्ष फायरिंग के दौरान लाईसेंसी बंदूक से निकली गोली से धीरज केवट (50), निवासी औगासी थाना मरका जनपद बांदा की उपचार के दौरान मौत हो गई। जब कि अन्य चार घायल हो गये। घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद कानपुर रेफर किया गया है। पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक ने बताया कि प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि पास के गांव क सुमित तिवारी उर्फ पप्पू तिवारी अपनी लाइसेंसी सिंगल बैरल बंदूक लेकर बारात में आया था। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार वह ड्रोन की ओर बंदूक तानकर फायर करने की कोशिश कर रहा था। इसी दौरान लोगों के रोकने पर जब वह बंदूक नीचे कर रहा था उसी दौरान अचानक गोली चल गई, जिसमें धीरज केवट की मौत हो गई और चार लोग घायल हो गए।

# ओवरटेक के दौरान डंपर व डीसीएम टकराई, खलासी की मौत

**स्वतंत्र भारत ब्यूरो लखनऊ।** उत्तर प्रदेश में जनपद बहराइच में गोंडा-बहराइच मार्ग पर सोमवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में 29 वर्षीय युवक की जान चली गई। थाना पयागपुर क्षेत्र के परवानी पुरवा के पास डंपर को ओवरटेक करने के प्रयास में डीसीएम की जोरदार टक्कर हो गई, जिससे डीसीएम में सवार खलासी की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई और राहगीरों की भीड़ जुट गई ।डीसीएम संख्या यूपी-26टी-8932 बिहार से माल लादकर पीलीभीत जा रही थी। परवानी पुरवा के निकट चालक ने आगे चल रहे डंपर को ओवरटेक करने का प्रयास किया। इसी दौरान डीसीएम डंपर से जा टकराई। टक्कर इतनी भीषण थी कि वाहन का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो

गया और उसमें सवार खलासी पंकज (29) पुत्र विनोद निवासी एयरपुरा, थाना बीसलपुर, जनपद पीलीभीत गंभीर रूप से घायल हो गया। स्थानीय लोगों ने उसे बचाने का प्रयास किया, लेकिन उसकी मौके पर ही मौत हो गई डीसीएम चालक मोहम्मद आरिफ ने बताया कि पंकज पिछले करीब दो महीने से उसके साथ हेल्पर के रूप में काम कर रहा था रोजी-रोटी की तलाश में वाहन पर काम करने निकला युवक एक पल में काल के गाल में समा गया । घटना की सूचना मिलते ही थाना पयागपुर पुलिस मौके पर पहुंची। थानाध्यक्ष दीपक सिंह ने बताया कि पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया तथा मृतक के परिजनों को हादसे की सूचना दे दी। युवक की मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया । इस हादसे ने एक बार फिर सड़क पर लापरवाही और जल्दबाजी में ओवरटेक करने की प्रवृत्ति के घातक परिणामों को सामने ला दिया है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

# नाबालिग को भगा ले गया युवक, परिजनों ने आरोपित के घर पर की पत्थरबाजी

**स्वतंत्र भारत ब्यूरो लखनऊ।** दरगाह थाना क्षेत्र में रविवार को एक किशोरी के गायब हो जाने को लेकर गम्भीर तनाव की स्थिति उतपन्न हो गयी। दूसरे समुदाय के एक युवक पर नाबालिग को बहलाकर भगा ले जाने का आरोप लगा दो पक्ष आमने-सामने आ गए।

आक्रोशित लोगों ने आरोपित के घर पहुंचकर बवाल करते हुए तोड़-फोड़ के दौरान पड़ोस में स्थित आटा चक्की में आग लगाने की भी कोशिश की गई। ग्राम पंचायत शेखवापुर के रहने वाले एक ग्रामीण की नाबालिग पुत्री करीब तीन दिन पूर्व संदिग्ध परिस्थितियों में गायब हो गयी थी। परिवारजनों का कहना है कि ग्राम पंचायत डिहवा के रहने वाला मोनू अपने एक सहयोगी की सहायता से नाबालिग को फुसलाकर भगा ले गया है। रविवार को मामले ने तूल पकड़ लिया,बड़ी संख्या में आक्रोशित ग्रामीण आरोपित के घर पहुँचकर तोड़फोड़ और पत्थरबाजी की। इतना ही नहीं आरोपित की आटा की चक्की में आग लगाने का भी प्रयास किया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुँच गयी,स्थिति की गम्भीरता के मद्देनजर दरगाह, कोतवाली देहात और नगर की पुलिस पार्टी के साथ ही अतिरिक्त पुलिस बल घटनास्थल पर तैनात किया गया। स्वयं पुलिस उपाधीक्षक नगर नारायण दत्त मिश्र घटनास्थल पर कैम्प कर नजर बनाए हुए हैं।

हालांकि पुलिस ने चक्की में आग लगाये जाने की घटना से इनकार किया है,पुलिस के अनुसार चक्की में शार्ट सर्किट के कारण धुआं उठने की खबर मिली थी,जिस पर काबू पा लिया गया है। क्षेत्राधिकारी एन डी मिश्र ने बताया कि पीड़ित पक्ष के प्रार्थना पत्र पर अभियोग पंजीकृत कर लिया गया है। नाबालिग और उसे भगाकर ले जाने के आरोपित की तलाश के लिए पुलिस टीमों को सक्रिय कर दिया गया है। जल्द ही गिरफ्तारी की जाएगी।

# छोटे भाई ने की भाई-भाभी व भतीजे की हत्या, आरोपित हिरासत

**स्वतंत्र भारत ब्यूरो लखनऊ।** उत्तर प्रदेश में गोरखपुर जिले के बांसगांव थाना क्षेत्र में रविवार की देर रात छोटे भाई ने सोते समय अपने बड़े भाई-भाभी और मासूम भतीजे की धारदार हथियार से हत्या कर दी।

घटना की सूचना मिलते ही वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. कोस्तुभ, एसपी दक्षिणी दिनेश कुमार पुरी सहित भारी पुलिस बल मौके पर पहुंच गया। एसपी दक्षिणी ने बताया कि मृतकों की पहचान अमित गुप्ता, उनकी पत्नी रंजना गुप्ता और 3 वर्षीय पुत्र रेयान गुप्ता के रूप में हुई है। घटना रविवार देर रात करीब 3 बजे की है, जब तीनों एक ही कमरे में सो रहे थे। इसी दौरान छोटे भाई ने धारदार हथियार से हमला कर भाई-भाभी और भतीजे की हत्या कर दी।

घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर शवों को पोस्टमार्टम भेजकर आरोपित को हिरासत में ले लिया है। एसपी दक्षिणी ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला पारिवारिक विवाद का प्रतीत हो रहा है। मृतक के पिता की तहरीर के आधार

पर बांसगांव थाने में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस ने आरोपित बाल अपचारी के पास से घटना में प्रयुक्त आला कत्ल भी बरामद कर लिया। वहीं, आरोपित से पूछताछ कर घटना के पीछे के कारणों की गहराई से जांच की जा रही है। पुलिस का कहना है कि सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जांच की जा रही है।

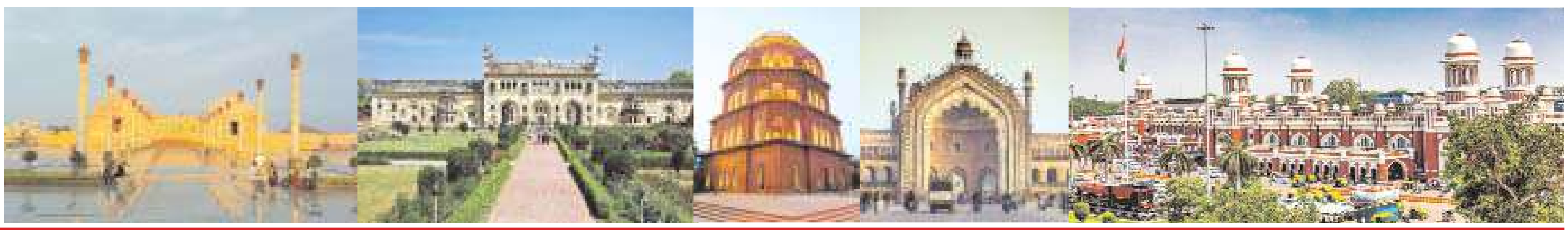

# जन चौपाल में प्रभारी मंत्री ए.के. शर्मा ने दिए संतृप्तिकरण के निर्देश

**स्वतंत्र भारत लखनऊ।** उत्तर प्रदेश के नगर विकास, ऊर्जा एवं जनपद जौनपुर के प्रभारी मंत्री ए.के. शर्मा के निर्देशों के क्रम में विकास खंड रामपुर की ग्राम पंचायत

### कहा- अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे योजनाओं का लाभ

पट्टीकीरत राय तथा अटल आवासीय परिसर (वनवासी बस्ती) में देर रात्रि जन चौपाल का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रभारी मंत्री ए.के. शर्मा वर्चुअल माध्यम से जुड़े और ग्रामीणों व अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए।प्रभारी मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिन पात्र परिवारों के पास आवास नहीं है, उन्हें आवास योजनाओं से जोड़ा जाए। साथ ही राशन कार्ड, आयुष्मान कार्ड, पेंशन, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना तथा अन्य सभी जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र व्यक्तियों तक पहुंचाना सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि गांवों में पेयजल, सड़क, स्वच्छता तथा अन्य मूलभूत सुविधाओं का शत-प्रतिशत विकास किया जाए ताकि ग्रामीणों को किसी प्रकार की समस्या का सामना न करना पड़े।ए.के. शर्मा ने कहा कि वनवासी परिवारों की सेवा करना सौभाग्य की बात है। उन्होंने बताया कि पूर्व निर्धारित कार्यक्रमों के कारण वह स्वयं कार्यक्रम में उपस्थित नहीं हो सके, लेकिन भविष्य में गांव का भ्रमण और निरीक्षण करेंगे। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि उनके आगमन से पहले सभी लंबित एवं अवशेष कार्यों को पूरा कर लिया जाए।जन चौपाल के दौरान विभिन्न विभागों द्वारा जनकल्याणकारी योजनाओं से संबंधित स्टॉल लगाए गए। कार्यक्रम में पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए पौधरोपण भी किया गया। मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास योजना के अंतर्गत लाभार्थियों को ई-रिक्शा वितरित किए गए। इसके अलावा मुख्यमंत्री आवास योजना (ग्रामीण), श्रम कार्ड, अंत्योदय राशन कार्ड, प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना तथा पीएम सूर्यघर योजना के लाभार्थियों को प्रमाण-पत्र एवं स्वीकृति पत्र प्रदान किए गए।ग्राम पंचायत पट्टीकीरत राय की उपलब्धियों की जानकारी देते हुए अधिकारियों ने बताया कि गांव की कुल जनसंख्या 3,078 है, जिसमें 1,498 पुरुष और 1,580 महिलाएं शामिल हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत 149 तथा मुख्यमंत्री आवास योजना के अंतर्गत 45 आवासों का निर्माण कराया गया है। गांव में 120 शौचालयों का निर्माण किया गया है।

सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के तहत 227 वृद्धावस्था पेंशन, 62 निराश्रित महिला पेंशन तथा 28 दिव्यांग पेंशन लाभार्थी लाभान्वित हो रहे हैं। मनरेगा के अंतर्गत 206 जॉब कार्ड धारक कार्यरत हैं, जबकि 987 आयुष्मान कार्ड, 89 अंत्योदय कार्ड और 520 पात्र गृहस्थी राशन कार्ड धारक परिवार विभिन्न योजनाओं का लाभ प्राप्त कर रहे हैं। गांव में पेयजल सुविधा के लिए 78 इंडिया मार्क हैंडपंप संचालित हैं तथा 19 स्वयं सहायता समूह सक्रिय रूप से कार्य कर रहे हैं।अटल आवासीय परिसर (वनवासी बस्ती) में योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए बताया गया कि यहां 69 लोगों की आबादी निवास करती है। मुख्यमंत्री आवास योजना के अंतर्गत 19 आवास निर्मित किए गए हैं। बस्ती में 9 शौचालय, 3 पेंशन लाभार्थी, 23 जॉब कार्ड धारक तथा 15 आयुष्मान कार्ड लाभार्थी हैं। इसके अतिरिक्त 11 अंत्योदय और 7 पात्र गृहस्थी राशन कार्ड धारक परिवारों को खाद्यान्न योजनाओं का लाभ मिल रहा है। पेयजल सुविधा के लिए 4 इंडिया मार्क हैंडपंप स्थापित हैं तथा एक स्वयं सहायता समूह भी सक्रिय है।कार्यक्रम में जिलाधिकारी ने प्रभारी मंत्री को आश्वस्त किया कि जो पात्र व्यक्ति अभी तक विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित नहीं हो सके हैं, उन्हें शीघ्र ही योजनाओं से जोड़ा जाएगा। उन्होंने कहा कि सभी विभाग पात्रता के आधार पर योजनाओं का शत-प्रतिशत संतृप्तिकरण सुनिश्चित करेंगे।इस अवसर पर विकास खंड रामपुर को आईएसओ प्रमाणीकरण प्राप्त होने पर प्रमाण-पत्र प्रदान कर बधाई भी दी गई। जन चौपाल में जनप्रतिनिधियों, जिला स्तरीय अधिकारियों, कर्मचारियों तथा बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने सहभागिता की।

# 24 जून के प्रस्तावित धरने को लेकर यूपीपीसीएल अलर्ट

**स्वतंत्र भारत लखनऊ।** उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड (यूपीपीसीएल) ने 24 जून को

### बिजली आपूर्ति बनाए रखने के कड़े निर्देश

शक्ति भवन में प्रस्तावित धरना-प्रदर्शन को लेकर सभी विद्युत वितरण निगमों और संबंधित अधिकारियों को अलर्ट कर दिया है। निगम प्रशासन ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि किसी भी स्थिति में प्रदेश की विद्युत आपूर्ति बाधित नहीं होनी चाहिए तथा बिजली प्रतिष्ठानों, संयंत्रों और कर्मचारियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए।यूपीपीसीएल के निदेशक (कार्मिक एवं प्रशासन) डॉ. जॉन मथाई द्वारा जारी पत्र में बताया गया है कि उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन निविदा एवं संविदा कर्मचारी संघ ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर 24 जून 2026 को शक्ति भवन, लखनऊ पर धरना-प्रदर्शन की नोटिस दी है। इसके मद्देनजर पूर्वांचल, पश्चिमांचल, दक्षिणांचल और मध्यांचल विद्युत वितरण निगमों के प्रबंध निदेशकों तथा केस्को को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं।पत्र में कहा गया है कि उत्तर प्रदेश शासन द्वारा 27 मई 2026 को जारी अधिसूचना के माध्यम से ऊर्जा क्षेत्र के विभिन्न निगमों में उत्तर प्रदेश आवश्यक सेवाओं का अनुरक्षण अधिनियम (एस्मा) छह माह के लिए लागू किया गया है। इस अवधि में हड़ताल पर प्रतिबंध है। ऐसे में किसी भी प्रकार का सत्याग्रह, कार्य बहिष्कार, विरोध प्रदर्शन अथवा हड़ताल नियमानुसार अनुमन्य नहीं है।निगम प्रशासन ने सभी वितरण कंपनियों को निर्देश दिया है कि प्रस्तावित धरने के दौरान विद्युत आपूर्ति को हर हाल में सामान्य बनाए रखा जाए। इसके साथ ही विद्युत उपकेंद्रों, उत्पादन इकाइयों, कार्यालयों और अन्य महत्वपूर्ण परिसंपत्तियों की सुरक्षा के लिए विशेष इंतजाम किए जाएं। आवश्यकता पड़ने पर जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन से समन्वय स्थापित कर अतिरिक्त सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने को भी कहा गया है।यूपीपीसीएल ने आउटसोर्स एजेंसियों को भी निर्देशित करने को कहा है कि कोई भी आउटसोर्स कर्मचारी प्रस्तावित आंदोलन या कार्य बहिष्कार में भाग न ले। साथ ही किसी भी आउटसोर्स कर्मी का अवकाश स्वीकृत न करने के निर्देश दिए गए हैं ताकि विद्युत सेवाओं के संचालन में किसी प्रकार की बाधा उत्पन्न न हो।पत्र में मुख्य अभियंता (जनपद) को शक्ति भवन और शक्ति भवन विस्तार परिसर की सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित कराने के साथ-साथ पूरे घटनाक्रम की वीडियोग्राफी कराने के निर्देश भी दिए गए हैं। इसके अलावा सभी क्षेत्रीय अधिकारियों को आदेशों का अक्षरशः पालन सुनिश्चित करने को कहा गया है।ऊर्जा विभाग के सूत्रों के अनुसार गर्मी के मौसम में बिजली की मांग लगातार बढ़ी हुई है। ऐसे में निगम प्रशासन किसी भी प्रकार की अव्यवस्था या आपूर्ति बाधित होने की स्थिति से बचने के लिए पहले से ही तैयारी कर रहा है। यूपीपीसीएल का उद्देश्य है कि प्रस्तावित धरने के बावजूद प्रदेश के उपभोक्ताओं को निर्बाध विद्युत आपूर्ति मिलती रहे और किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

# यूपीआरवीयूएनएल में 79 कर्मियों का अवर अभियंता पद पर चयन, एक पद पर चयन प्रक्रिया स्थगित

**स्वतंत्र भारत लखनऊ।** उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड (यूपीआरवीयूएनएल) ने अवर अभियंता (विद्युत एवं यांत्रिक) सामान्य श्रेणी के रिक्त पदों पर पदोन्नति के लिए चयन प्रक्रिया का परिणाम घोषित कर दिया है। निगम ने कुल 80 रिक्त पदों के सापेक्ष 79 अभ्यर्थियों को अंतिम रूप से चयनित किया है, जबकि एक अभ्यर्थी के विरुद्ध अनुशासनिक कार्रवाई लंबित होने के कारण एक पद पर चयन प्रक्रिया फिलहाल स्थगित कर दी गई है।निदेशक (कार्मिक प्रबंधन एवं प्रशासन) द्वारा जारी कार्यालय ज्ञाप के अनुसार उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत परिषद परिचालकीय कर्मचारी वर्ग सेवा विनियमावली-1995 तथा अधीनस्थ विद्युत एवं यांत्रिक अभियंत्रण सेवा विनियमावली-1972 के प्रावधानों के तहत निगम में कार्यरत श्रेणी पी-4, पी-5 एवं पी-6 के कुशल परिचालकीय कर्मचारियों से अवर अभियंता पदों पर पदोन्नति हेतु आवेदन आमंत्रित किए गए थे।चयन प्रक्रिया के अंतर्गत प्राप्त आवेदनों की जांच के बाद शॉर्टलिस्ट किए गए अभ्यर्थियों का अभिलेखीय परीक्षण 1 जून और 8 जून 2026 को आयोजित किया गया। इसके उपरांत निगम की प्रचलित नियमावली में निर्धारित प्रावधानों के आधार पर श्रेष्ठता सूची तैयार की गई और उसके अनुसार 79 अभ्यर्थियों का चयन किया गया।निगम प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि जारी सूची मेरिट सूची नहीं है, बल्कि चयनित अभ्यर्थियों के नाम वर्णक्रमानुसार प्रकाशित किए गए हैं। साथ ही यह भी कहा गया है कि यदि चयनित अभ्यर्थियों द्वारा प्रस्तुत अभिलेखों में भविष्य में कोई असत्य या भ्रामक जानकारी पाई जाती है तो उनका चयन पदोन्नति के बाद भी निरस्त किया जा सकता है।

कार्यालय ज्ञाप में यह भी उल्लेख किया गया है कि यह चयन प्रक्रिया इलाहाबाद उच्च न्यायालय और लखनऊ खंडपीठ में लंबित विभिन्न रिट याचिकाओं में पारित होने वाले आदेशों एवं अंतिम निर्णयों के अधीन रहेगी। इनमें सुनील मिश्रा एवं अन्य बनाम उत्तर प्रदेश राज्य, श्री चंद्र अग्रवाल बनाम उत्तर प्रदेश राज्य तथा महेंद्र कुमार सिंह एवं अन्य से संबंधित याचिकाएं शामिल हैं। यूपीआरवीयूएनएल ने चयनित अभ्यर्थियों की सूची निगम की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध करा दी है। इसके साथ ही सभी तापीय विद्युत गृहों, परियोजनाओं तथा संबंधित विभागों को परिणाम की सूचना भेज दी गई है। निगम के अधिकारियों का कहना है कि पदोन्नति से तकनीकी और परिचालन व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने में मदद मिलेगी तथा अनुभवी कार्मिकों को उनकी योग्यता के अनुरूप जिम्मेदारियां सौंपी जा सकेंगी।चयन परिणाम जारी होने के बाद निगम के विभिन्न उत्पादन गृहों और इकाइयों में कार्यरत कर्मचारियों के बीच उत्साह का माहौल है। लंबे समय से पदोन्नति की प्रतीक्षा कर रहे कर्मचारियों को इससे राहत मिली है और निगम की कार्यकुशलता में भी सकारात्मक प्रभाव पड़ने की उम्मीद जताई जा रही है।

# अयोध्या में चढ़ावे की चोरी पर भाजपा जवाब दे

**स्वतंत्र भारत लखनऊ।** समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने भाजपा पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि भाजपा का चरित्र बेईमानी का है और अयोध्या में भगवान राम के चढ़ावे में हुई कथित चोरी एवं अनियमितताओं पर उसके पास कोई जवाब नहीं है। उन्होंने कहा कि मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम के नाम पर बड़े पैमाने पर घोटाला हुआ है और इस मामले में सीसीटीवी फुटेज तक गायब हैं।

### २०२७ में सपा सरकार बनना तय : अखिलेश यादव

सोमवार को समाजवादी पार्टी के प्रदेश मुख्यालय, लखनऊ में कन्नौज सहित प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए नेताओं और कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा साजिश और षड्यंत्र की राजनीति करती है। उन्होंने कार्यकर्ताओं को आगाह करते हुए कहा कि भाजपा की हर चाल पर नजर रखने की जरूरत है। उन्होंने दावा किया कि वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी की सरकार बनना तय है और इसके लिए सभी कार्यकर्ताओं को पूरी ताकत के साथ जुटना होगा।अखिलेश यादव ने कहा कि यह लोकतंत्र की परीक्षा का समय है। भाजपा लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर करने और संविधान विरोधी कार्य करने में लगी है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सत्ता का दुरुपयोग कर लोकतंत्र को समाप्त करना चाहती है। उन्होंने कहा कि समाजवादियों ने हमेशा लोकतंत्र की रक्षा के लिए संघर्ष किया है और आगे भी हर लड़ाई लड़ने के लिए तैयार हैं।उन्होंने कहा कि 2024 के लोकसभा चुनाव में जनता ने समाजवादी पार्टी का भरपूर समर्थन किया और पार्टी प्रदेश में सबसे मजबूत राजनीतिक शक्ति बनकर उभरी। भाजपा यह जानती है कि समाजवादी पार्टी उसे चुनाव में पराजित कर सकती है, इसलिए वह विभिन्न प्रकार के हथकंडे अपना रही है।अखिलेश यादव ने कार्यकर्ताओं को निर्देश देते हुए कहा कि 2027 के चुनाव में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। सभी नेताओं और कार्यकर्ताओं को मतदाताओं तथा आम जनता के बीच लगातार संपर्क बनाए रखना होगा। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा तकनीक का दुरुपयोग करती है और मतदाता सूची में गड़बड़ी कर सकती है, इसलिए विशेष सतर्कता की आवश्यकता है।योग दिवस के संदर्भ में उन्होंने कहा कि स्वस्थ विचार और स्वस्थ शरीर ही वास्तविक योग का आधार हैं, लेकिन भाजपा ने योग को राजनीतिक प्रदर्शन का माध्यम बना दिया है। उन्होंने कहा कि योग को राजनीति से जोड़ना उसकी मूल भावना के विपरीत है।कन्नौज का उल्लेख करते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि यह क्षेत्र शुरू से समाजवादियों का गढ़ रहा है और समाजवादी सरकारों ने यहां विकास के अनेक कार्य किए। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार ने कन्नौज के विकास की गति रोक दी है। साथ ही उन्होंने कहा कि भाजपा किसी की सगी नहीं है और उसका इतिहास जनता को धोखा देने का रहा है।उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी को समाज के सभी वर्गों का समर्थन मिलता है और पीडीए की अवधारणा के माध्यम से सामाजिक न्याय को मजबूत किया जा रहा है। कार्यकर्ताओं से उन्होंने घर-घर जाकर समाजवादी पार्टी की नीतियों और उपलब्धियों को लोगों तक पहुंचाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि संगठन में सभी का सम्मान होना चाहिए और भाषा तथा व्यवहार ऐसा हो जिससे किसी की भावना आहत न हो।

# नौकरी दिलाने के नाम पर ठगी करने वाले गिरोह के दो सदस्य गिरफ्तार

**स्वतंत्र भारत लखनऊ।** कमिश्नरेट लखनऊ की विकासनगर पुलिस ने नौकरी दिलाने के नाम पर युवाओं से ठगी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश करते हुए दो वांछित अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है।

### फर्जी नियुक्ति पत्र बनाकर करते थे धोखाधड़ी

आरोपित फर्जी नियुक्ति पत्र और कूटरचित ई-मेल आईडी तैयार कर बेरोजगार युवकों को सरकारी नौकरी दिलाने का झांसा देते थे और उनसे मोटी रकम वसूलते थे।पुलिस आयुक्त के निर्देश पर अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस उपायुक्त पूर्वी, अपर पुलिस उपायुक्त पूर्वी तथा सहायक पुलिस आयुक्त अलीगंज के पर्यवेक्षण में विकासनगर थाना पुलिस ने यह कार्रवाई की। मामले में बरेली निवासी दिलशाद हुसैन की शिकायत पर 4 नवंबर 2024 को थाना विकासनगर में मुकदमा संख्या 194/2024 धारा 420, 467, 468, 471 और 120बी भारतीय दंड संहिता के तहत दर्ज किया गया था।शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया था कि उनके पुत्र अमन नवाज को सर्वेयर पद पर नौकरी दिलाने का प्रलोभन देकर आरोपितों ने उससे धनराशि प्राप्त की थी। जांच के दौरान सामने आया कि अभियुक्त अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर एक संगठित गिरोह के रूप में कार्य करते थे और बेरोजगार युवाओं को सरकारी तथा निजी संस्थानों में नौकरी दिलाने का झूठा भरोसा देकर ठगी करते थे।पुलिस जांच में यह भी पता चला कि आरोपित विश्वास पैदा करने के लिए फर्जी नियुक्ति पत्र तैयार करते थे। इसके लिए वे संबंधित विभागों के नाम से कूटरचित ई-मेल आईडी बनाकर नियुक्ति पत्र भेजते थे और उसकी प्रतिलिपि पीड़ितों को उपलब्ध कराकर उन्हें भ्रमित करते थे। नौकरी लगने की उम्मीद में अभ्यर्थी उनके झांसे में आ जाते थे और मांगी गई रकम दे देते थे। बाद में प्राप्त धनराशि को गिरोह के सदस्य आपस में बांट लेते थे।विवेचना के दौरान साक्ष्य मिलने पर पुलिस ने मामले में वांछित अभियुक्त पवन पाण्डेय को 21 जून 2026 को दाऊदनगर क्षेत्र स्थित उसके आवास के निकट से गिरफ्तार किया। इसके बाद दूसरे वांछित अभियुक्त सर्वेश पाण्डेय उर्फ मनोज कुमार यादव को भी उसी दिन उसके निवास स्थान के पास से गिरफ्तार कर लिया गया।

गिरफ्तार अभियुक्तों में पवन पाण्डेय पुत्र स्वर्गीय गयानन्द पाण्डेय निवासी सैदपुर, जनपद गाजीपुर, वर्तमान निवासी दाऊदनगर थाना मड़ियांव लखनऊ तथा सर्वेश पाण्डेय उर्फ मनोज कुमार यादव पुत्र जगदीश प्रसाद यादव निवासी जनपद जौनपुर, वर्तमान निवासी दाऊदनगर थाना मड़ियांव लखनऊ शामिल हैं। पुलिस के अनुसार दोनों अभियुक्तों के विरुद्ध थाना कोठीभार जनपद महराजगंज में भी वर्ष 2025 का एक अन्य आपराधिक मुकदमा दर्ज है।

गिरफ्तार आरोपितों को आवश्यक विधिक कार्रवाई के बाद न्यायालय में प्रस्तुत किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया।इस कार्रवाई में चौकी प्रभारी लेखराज पन्ना उपनिरीक्षक भानु प्रताप सिंह, उपनिरीक्षक राजेश कुमार यादव, आरक्षी राघवेन्द्र सिंह तथा आरक्षी संजय पाण्डेय की महत्वपूर्ण भूमिका रही। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश की जा रही है और मामले में आगे की जांच जारी है।

# गोरखपुर जंक्शन पर साकार हुआ आध्यात्म और आधुनिकता का संगम

**स्वतंत्र भारत लखनऊ।** पूर्वोत्तर रेलवे के लखनऊ मंडल ने गोरखपुर जंक्शन स्टेशन को यात्रियों के लिए अधिक आकर्षक, ज्ञानवर्धक और सांस्कृतिक रूप से समृद्ध बनाने की दिशा में एक नई पहल की है। महाप्रबंधक उदय बोरवणकर एवं अपर महाप्रबंधक विनोद कुमार शुक्ल के मार्गदर्शन में स्टेशन परिसर में यात्री सुविधाओं और सौंदर्यीकरण का अनूठा संगम देखने को मिल रहा है।गोरखपुर जंक्शन के प्लेटफॉर्म संख्या-2 पर थर्ड एसी प्रतीक्षालय के निकट ध्यान मुद्रा में महात्मा बुद्ध की भव्य प्रतिमा स्थापित की गई है। प्रतिमा के ऊपर उच्च गुणवत्ता वाली एलईडी स्क्रीन लगाई गई है, जिस पर चौबीसों घंटे गोरखपुर जंक्शन के गौरवशाली इतिहास, उसके विकास की यात्रा तथा गोरखपुर और आसपास के प्रमुख पर्यटन स्थलों की जानकारी प्रदर्शित की जा रही है। इसके साथ ही बुद्ध प्रतिमा और एलईडी स्क्रीन के मध्य रंग-बिरंगी रोशनी से सुसज्जित 'मेरा प्यारा गोरखपुर' बोर्ड भी लगाया गया है, जो विशेषकर रात्रि के समय यात्रियों और पर्यटकों का ध्यान आकर्षित करता है।रेलवे की इस अभिनव पहल ने स्टेशन को केवल यात्रा का केंद्र ही नहीं, बल्कि सांस्कृतिक और पर्यटन जानकारी के मंच के रूप में भी विकसित किया है।

# बसपा 2007 जैसे परिणाम दोहराए जाने की संभावना

**स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ।** बसपा सुप्रीमो मायावती ने कहा कि ब्राह्मणों के बसपा से जुड़ने पर सपा समेत विपक्ष में खलबली मची हुई है। इस बार 2007 जैसे परिणाम दोहराए जाने की संभावना है। उत्तर प्रदेश में 2027 विधानसभा चुनाव को लेकर सियासी गर्मी बढ़ी हुई है। बहुजन समाज पार्टी की प्रमुख मायावती ने कहा कि ब्राह्मण समाज और अपर कास्ट के लोगों का बसपा के प्रति रुझान बढ़ रहा है। इससे विपक्षी दलों की नींद उड़ी हुई है। जिस तरह वर्ष 2007 में ब्राह्मण समाज के सहयोग से बसपा ने पूर्ण बहुमत की सरकार बनाई थी, उसी तरह के राजनीतिक संकेत अब फिर दिखाई दे रहे हैं। एक्स पर किए पोस्ट में मायावती ने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए बसपा ने विभिन्न वर्ग के लोगों को उम्मीदवार बनाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। विशेष रूप से ब्राह्मण समाज के लोगों के पार्टी से जुड़ने से विरोधी दलों, खासकर समाजवादी पार्टी में बेचैनी देखी जा सकती है। बसपा प्रमुख ने कहा कि यूपी जैसे बड़े राज्य में अपरकास्ट समाज, विशेषकर ब्राह्मण वर्ग का हित बसपा में ही सुरक्षित है। उन्होंने दावा किया कि पार्टी ने अपने 'सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय' के सिद्धांत को एक संगठन स्तर से लेकर सरकार में रहते हुए भी लागू किया। सभी वर्गों को सम्मान तथा भागीदारी दी। मायावती ने आरोप लगाया कि अन्य दलों की सरकारों में ब्राह्मण ही समाज के लोग लंबे समय से खुद को उपेक्षित, असुरक्षित और ठगा हुआ न महसूस कर रहे हैं। इसी कारण बड़ी संख्या में लाग बसपा का ओर आकर्षित हो रहे हैं। बसपा सरकार बनने पर ब्राह्मणों को पहले की तरह सम्मान और भागीदारी मिलने का भरोसा भी जताया। बसपा सुप्रीमो ने अपने बयान में कहा कि केवल ब्राह्मण ही नहीं, बल्कि क्षत्रिय, वैश्य और अन्य समाज के लोगों को भी उनकी तैयारी और योगदान के आधार पर चुनाव में उम्मीदवार बनाया जाएगा। पार्टी की तैयारियां लगातार चल रही हैं। सभी वर्गों को साथ लेकर आगे बढ़ने की रणनीति पर काम किया जा सके।


**भारत सरकार: रेल मंत्रालय**
**अनुसंधान अभिकल्प और मानक संगठन, मानक नगर, लखनऊ-226011**

RO No. 08/2026-27/Civil/Auction Notice

संख्या : PGL/Advt/2026 — **नीलामी सूचना** — दिनांक : 22.06.2026

सर्वसाधारण को इस नीलामी सूचना के माध्यम से अवगत कराया जा रहा है कि आरडीएसओ शापिंग काम्पलेक्स में स्थित निम्न विवरण में लिखित दुकानों को लाइसेंस पर देने के लिए खुली नीलामी निम्नलिखित विवरण के अनुसार की जायेगी:–

| क्र.सं. | दुकान संख्या | क्षेत्रफल (वर्गमी.) | नीलामी स्थल | नीलामी कर्ता | नीलामी की तिथि |
|---|---|---|---|---|---|
| 1. | 1A | 57.62 | निदेशक/सिविल कार्यालय, आरडीएसओ लखनऊ | संयु. निदेशक/सिविल | 20.07.2026 |
| 2. | 16 | 19.15 | निदेशक/सिविल कार्यालय, आरडीएसओ लखनऊ | संयु. निदेशक/सिविल | 20.07.2026 |

उक्त दुकानों में किराना, प्रोविजनल स्टोर, फोटो स्टूडियो, कास्मेटिक स्टोर, गिफ्ट स्टोर, स्वीट्स एवं कन्फेक्शनरी, ड्राइक्लीनिंग, सब्जी एवं फल फास्ट फूड, ब्यूटि पार्लर, हेयर कटिंग, बुटिक, स्कूटर/मोपेड, साइकिल रिपेयरिंग इत्यादि का व्यवसाय करना सम्भावित है। इसके अतिरिक्त कोई भी व्यवसाय जोकि आरडीएसओ को मान्य हो को भी शामिल किया जा सकता है। नीलामी बोलने की सभी इच्छुक व्यक्तियों को किसी राष्ट्रीयकृत बैंक से Executive Director/Finance, RDSO, Lucknow के नाम में जारी रु. 10,000/- (रूपये दस हजार मात्र) का डिमाण्ड ड्राफ्ट निदेशक/सिविल के कार्यालय में धरोहर राशि के रूप में जमा करना होगा तथा उसके साथ एक घोषणा पत्र देना होगा जिसमें उस व्यक्ति का नाम एवं पता लिखा रहे, जोकि नीलामी के समय उपस्थित रहना चाहता है। असफल आवेदकों को रसीद प्रस्तुत करने पर डिमाण्ड ड्राफ्ट वापस कर दिया जायेगा।

अत: जो भी व्यवसायी आरडीएसओ परिसर में स्थित शापिंग काम्पलेक्स में स्थित दुकानों में व्यवसाय करना चाहता हो, वह दिनांक 20.07.2026 को प्रात: 11:00 बजे निदेशक/सिविल कार्यालय, आरडीएसओ मानक नगर लखनऊ में उपस्थित होकर नीलामी की बोली में भाग ले सकते है। नीलामी की शर्तों को किसी भी कार्यदिवस में प्रात: 10:00 बजे से 17:00 बजे तक निदेशक/सिविल कार्यालय आकर देख सकते हैं।

संयु. निदेशक/सिविल
अ.अ.मा.सं. लखनऊ



**कार्यालय जिलाधिकारी गोण्डा।**
(खनिज अनुभाग)

पत्रांक: 933 / खनिज अनुभाग–2025–26 — दिनांक: 19 / 06 / 2026

**ई–निविदा सह ई–नीलामी आमंत्रण हेतु सूचना (प्रेस विज्ञप्ति)**

[illegible]

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 01 | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | 24.000 | 80.00 | 1,87,200 | 1,49,76,000 | 37,44,000 |
| 02 | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | 14.000 | 80.00 | 1,31,310 | 1,05,04,800 | 26,26,200 |
| 03 | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | 6.000 | 80.00 | 1,08,000 | 86,40,000 | 21,60,000 |

| [illegible] | Name of Pillars | Latitude | Longitude |
|---|---|---|---|
| 1. [illegible] | A | N 26° 48' 48.06" | E-82° 11' 23.03" |
| | B | N 26° 48' 39.20" | E-82° 11' 22.70" |
| | C | N 26° 48' 38.60" | E-82° 10' 51.10" |
| | D | N 26° 48' 47.70" | E-82° 10' 51.50" |
| 2. [illegible] | A | N 26° 48' 59.63" | E-82° 7' 19.47" |
| | B | N 26° 48' 56.19" | E-82° 7' 38.50" |
| | C | N 26° 48' 59.12" | E-82° 7' 46.73" |
| | D | N 26° 49' 1.39" | E-82° 7' 47.81" |
| | E | N 26° 49' 5.30" | E-82° 7' 25.79" |
| 3. [illegible] | A | N 26° 53' 34.93" | E-81° 46' 43.68" |
| | B | N 26° 53' 32.20" | E-81° 46' 40.03" |
| | C | N 26° 53' 21.82" | E-81° 46' 55.01" |
| | D | N 26° 53' 20.56" | E-81° 46' 50.83" |

[illegible]

(प्रियंका निरंजन)
जिलाधिकारी,
गोण्डा।

उ0प्र0 252875 दिनांक- 22.06.2026
Website: www.upgov.nic.in

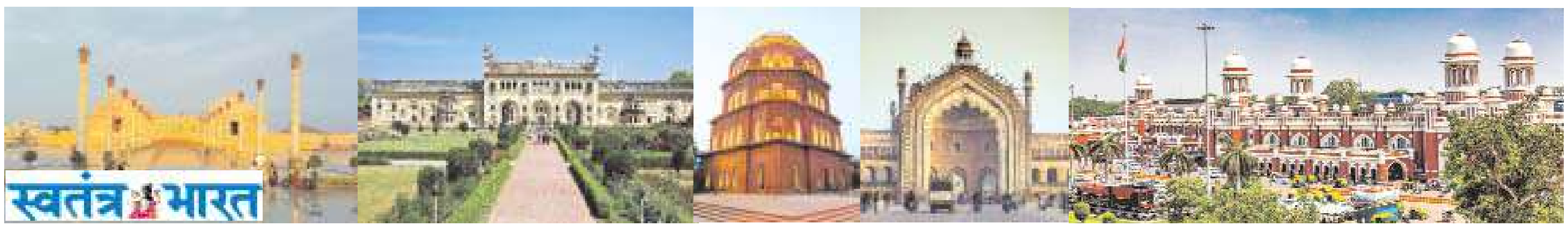




# धरना-प्रदर्शन और विरोध सभाओं पर भी एस्मा लगाने का आरोप

## बिजली कर्मियों के दमन की निंदा

**स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ।** उत्तर प्रदेश विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति ने ऊर्जा निगमों के शीर्ष प्रबंधन पर आरोप लगाया है कि वह बिजली कर्मचारियों के सामान्य लोकतांत्रिक अधिकारों का भी दमन कर रहा है। संघर्ष समिति का कहना है कि कर्मचारियों द्वारा किए जाने वाले सामान्य धरना-प्रदर्शन, विरोध सभाओं तथा कार्यालय समय के बाद आयोजित बैठकों पर भी उत्तर प्रदेश आवश्यक सेवा अनुरक्षण अधिनियम, 1986 (एस्मा) लागू करने की धमकी दी जाती है, जिससे ऊर्जा निगमों में भय और असुरक्षा का वातावरण बना हुआ है। इसका प्रतिकूल प्रभाव बिजली व्यवस्था और कर्मचारियों के मनोबल पर पड़ना स्वाभाविक है। संघर्ष समिति ने कहा कि एस्मा जैसे कानून का प्रयोग केवल अत्यंत आपातकालीन परिस्थितियों में किया जाना चाहिए। देश के अधिकांश राज्यों में इसका उपयोग आवश्यकता पड़ने पर सीमित अवधि के लिए किया जाता है, लेकिन उत्तर प्रदेश के ऊर्जा निगमों में यह अत्यंत चिंताजनक स्थिति है कि पिछले लगभग दो दशकों से एस्मा लगातार लागू रखा गया है। प्रत्येक छह माह बाद इसे पुनः छह माह के लिए बढ़ा दिया जाता है, जिससे ऊर्जा निगमों में स्थायी रूप से आपातकाल जैसी स्थिति बनी हुई है। संघर्ष समिति ने आरोप लगाया कि यदि बिजली कर्मचारी किसी समझौते के क्रियान्वयन, सेवा संबंधी समस्या या कर्मचारियों के हितों से जुड़े किसी मुद्दे पर शांतिपूर्ण धरना-प्रदर्शन अथवा सामान्य सभा आयोजित करने की सूचना देते हैं, तो प्रबंधन तत्काल एस्मा का हवाला देकर उसे रोकने का प्रयास करता है। यह लोकतांत्रिक मूल्यों और कर्मचारियों के संवैधानिक अधिकारों के विरुद्ध है। संघर्ष समिति ने स्पष्ट किया कि बिजली कर्मचारियों की कोई नई मांग नहीं है। कर्मचारी केवल 3 दिसम्बर, 2022 को ऊर्जा मंत्री के साथ हुए समझौते के क्रियान्वयन तथा 19 मार्च, 2023 को ऊर्जा मंत्री द्वारा पावर कॉरपोरेशन प्रबंधन को दिए गए निर्देशों के पालन की मांग कर रहे हैं। उक्त निर्देशों में स्पष्ट रूप से कहा गया था कि मार्च 2023 के आंदोलन के दौरान बिजली कर्मचारियों के विरुद्ध की गई सभी उत्पीड़नात्मक कार्यवाहियां एवं दर्ज मुकदमे वापस लिए जाएं। संघर्ष समिति का कहना है कि यदि इन मुद्दों का समाधान कर दिया जाए तो किसी आंदोलन की आवश्यकता नहीं पड़ेगी और बिजली कर्मचारी भीषण गर्मी के इस दौर में विद्युत व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने में पूरी निष्ठा और सहयोग के साथ अपनी भूमिका निभाते रहेंगे।

# सुरक्षा मानकों की सख्ती से जांच सुनिश्चित करे सरकार

## अग्निकांड में मासूम बच्चों की मृत्यु अत्यंत हृदयविदारक

**स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ।** उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के एक कोचिंग सेंटर में आज लगी भीषण आग और उसमें कई मासूम बच्चों की असामयिक मृत्यु पर आम आदमी पार्टी (आप) के उत्तर प्रदेश प्रभारी और राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने गहरा दुख और शोक व्यक्त किया है। उन्होंने इस घटना को प्रशासनिक शिथिलता का परिणाम बताते हुए मांग की है कि इस लापरवाही के लिए तुरंत जवाबदेही तय की जाए। प्रेस को जारी अपने संवेदना संदेश में राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने कहा है कि 'लखनऊ से आ रही यह खबर अत्यंत विचलित और व्यथित करने वाली है। जिन परिवारों ने अपने बच्चों को बड़े सपनों और उम्मीदों के साथ पढ़ने भेजा था, आज उन पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। मैं ईश्वर से प्रार्थना करता हूँ कि वे दिवंगत बच्चों की पुण्यात्माओं को अपने श्रीचरणों में स्थान दें और शोक संतप्त परिवारों को यह असह्य आघात सहने की शक्ति प्रदान करें। दुख की इस अत्यंत कठिन घड़ी में आम आदमी पार्टी पूरी संवेदना के साथ हर पीड़ित परिवार के साथ खड़ी है।

**लापरवाही पर तुरंत हो कड़ी कार्रवाई** : सांसद संजय सिंह ने कहा कि शिक्षा के केंद्रों में बच्चों की सुरक्षा सर्वोपरि होनी चाहिए। राजधानी के इस व्यावसायिक भवन और कोचिंग सेंटर में फायर सेफ्टी मानकों की अनदेखी क्यों की गई और इसे 'नो-ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट' कैसे जारी हुआ, इसकी निष्पक्ष जांच अभी होनी चाहिए। बच्चों की सुरक्षा में की गई यह लापरवाही अक्षम्य है। इसके लिए जो भी प्रशासनिक अधिकारी या संचालक जिम्मेदार हैं, उन पर तुरंत कानून के तहत सख्त से सख्त कार्रवाई की जाए।

**निष्पक्ष और त्वरित जांच** : उन्होंने पीड़ित परिवारों के प्रति एकजुटता व्यक्त करते हुए इस पूरे हादसे की एक उच्च स्तरीय और समयबद्ध जांच तुरंत शुरू की जाए, ताकि घटना के सही कारणों का पता चल सके। साथ ही दोषियों पर तुरंत कानूनी कार्रवाई की मांग करते हुए उन्होंने जिन भी अधिकारियों या संचालकों के स्तर पर सुरक्षा मानकों की अनदेखी पाई जाए, उन्हें तुरंत चिह्नित कर जेल भेजने की मांग की है। उन्होंने प्रभावित परिवारों को सरकार की ओर से अविलंब उचित आर्थिक मुआवजा प्रदान किये जाने और घायलों के उच्च स्तरीय इलाज की पूरी व्यवस्था तत्काल सरकारी खर्चे पर कराए जाने की मांग की है। सभी कोचिंग संस्थानों, हॉस्टलों और शैक्षणिक केंद्रों का आज से ही कड़ा फायर सेफ्टी ऑडिट शुरू कराए जाने की भी मांग की है।

# उत्तर प्रदेश में कृषि आधारित उद्यमों की नई क्रांति

## 2026-27 तक हर बच्चा निपुण' लक्ष्य को गति, राज्य स्तरीय मास्टर ट्रेनर्स प्रशिक्षण का दूसरा चरण शुरू

**स्वतंत्र भारत, लखनऊ।** उत्तर प्रदेश अपनी उपजाऊ भूमि, प्रचुर जल संसाधनों और विविध कृषि उत्पादन क्षमता के बल पर कृषि आधारित उद्योगों का प्रमुख केंद्र बनकर उभर रहा है। गेहूं, धान, गन्ना, आलू, आम और मक्का जैसी फसलों के प्रचुर उत्पादन ने राज्य में खाद्य प्रसंस्करण, कोल्ड स्टोरेज, बीज प्रसंस्करण, जैविक खाद निर्माण तथा पैकेजिंग उद्योगों के लिए नई संभावनाओं के द्वार खोल दिए हैं। प्रदेश सरकार की नीतियों और प्रोत्साहन योजनाओं के कारण कृषि उत्पादों के मूल्य संवर्धन को बढ़ावा मिल रहा है, जिससे किसानों और ग्रामीण युवाओं के लिए रोजगार एवं स्वरोजगार के नए अवसर सृजित हो रहे हैं।प्रदेश सरकार की खाद्य प्रसंस्करण उद्योग नीति के तहत उद्यमियों को पूंजीगत अनुदान, बिजली शुल्क में छूट, स्टाम्प शुल्क में रियायत तथा ब्याज अनुदान जैसी सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं। खाद्य प्रसंस्करण और कोल्ड स्टोरेज परियोजनाओं पर 35 से 50 प्रतिशत तक पूंजीगत अनुदान दिया जा रहा है। वहीं मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना के माध्यम से ग्रामीण युवाओं को कम ब्याज दर पर ऋण और प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जा रहा है। स्वयं सहायता समूहों को प्रति सदस्य 40 हजार रुपये तक कार्यशील पूंजी उपलब्ध कराकर महिलाओं को भी आर्थिक रूप से सशक्त बनाया जा रहा है।प्रदेश में गन्ना आधारित उद्योगों को विशेष प्रोत्साहन दिया जा रहा है। गुड़, सिरका, चीनी और शीरा जैसे उत्पादों के निर्माण के लिए प्रशिक्षण और वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। गन्ना संस्थान किसानों को आधुनिक तकनीक, गुणवत्ता नियंत्रण तथा सह-उत्पादों के निर्माण का प्रशिक्षण दे रहा है। इससे कृषि को केवल उत्पादन तक सीमित न रखकर उसे एक लाभकारी व्यवसाय के रूप में विकसित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए जा रहे हैं।इन सरकारी प्रयासों का जीवंत उदाहरण जनपद बागपत के ग्राम फैजपुर निनाना के युवा कृषक उद्यमी रूपेंद्र धनकड़ हैं। कभी पारंपरिक तरीके से गन्ने की खेती करने वाले रूपेंद्र ने खेती को मूल्य संवर्धन से जोड़कर सफलता की नई कहानी लिखी है। जिला प्रशासन और कृषि विभाग की संगोष्ठियों से प्रेरित होकर उन्होंने 'वेदांशी प्राकृतिक उत्पाद' नाम से अपना ब्रांड स्थापित किया और गन्ने के रस से अनेक अभिनव उत्पाद तैयार किए।रूपेंद्र धनकड़ ने गन्ने के रस से केमिकल-मुक्त आइसक्रीम, कुल्फी, चौदह मसालों वाली गन्ना इमली चटनी, गन्ने के पेड़े, हर्बल चाय, गन्ने के रस की कोल्ड कॉफी और पारंपरिक विधि से निर्मित सिरका जैसे उत्पाद विकसित किए। स्वास्थ्य के प्रति बढ़ती जागरूकता के बीच उनके प्राकृतिक उत्पादों को बाजार में अच्छी मांग मिल रही है। कृषि विज्ञान केंद्र से प्राप्त प्रशिक्षण और जिला प्रशासन द्वारा उपलब्ध कराए गए मंचों ने उनके उद्यम को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।फूड प्रोसेसिंग और मूल्य संवर्धन के जरिए रूपेंद्र की मासिक शुद्ध आय अब 60 से 70 हजार रुपये तक पहुंच चुकी है। उनकी आय किसी एक फसल या मौसम पर निर्भर नहीं रहती, बल्कि विभिन्न उत्पादों की नियमित बिक्री से पूरे वर्ष बनी रहती है। इससे वे बिचौलियों और बाजार के उतार-चढ़ाव से भी काफी हद तक मुक्त हो गए हैं।रूपेंद्र धनकड़ की सफलता का प्रभाव अब उनके गांव और आसपास के क्षेत्रों में भी दिखाई दे रहा है। वे विभिन्न संगोष्ठियों और किसान कार्यक्रमों में अपने अनुभव साझा कर अन्य किसानों और युवाओं को कृषि आधारित उद्यम शुरू करने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। उनके प्रयासों से अनेक किसान अब मूल्य संवर्धन और खाद्य प्रसंस्करण की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं।प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना, कृषि अवसंरचना कोष और एक जनपद एक उत्पाद जैसी योजनाओं के माध्यम से केंद्र और प्रदेश सरकार कृषि आधारित उद्योगों को नई गति दे रही हैं। इन पहलों से स्थानीय उत्पादों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पहचान मिल रही है तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था मजबूत हो रही है।रूपेंद्र धनकड़ की सफलता यह साबित करती है कि यदि किसानों को सही मार्गदर्शन, आधुनिक प्रशिक्षण और सरकारी योजनाओं का सहयोग मिले तो कृषि केवल आजीविका का साधन नहीं, बल्कि एक सफल उद्यम बन सकती है। उत्तर प्रदेश में कृषि आधारित उद्योगों की यह नई क्रांति किसानों की आय बढ़ाने, ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार सृजित करने और राज्य को कृषि-व्यवसाय का अग्रणी केंद्र बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

# लखीमपुरखीरी की संतमंडली से मिले अखिलेश

**स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ।** समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव से पार्टी के राज्य मुख्यालय, लखनऊ में तपोभूमि विश्वकल्याण आश्रम कबीरधाम जिला लखीमपुरखीरी की संतमंडली ने सोमवार को संत हरीश साहेब ब्रह्माचारी जी महाराज के नेतृत्व में भेंट की। संत मंडली में राजस्थान रामपुर, छत्तीसगढ़ तथा बंथरा बाराबंकी के साधु संत भी शामिल थे। पूज्य संत असंग देव जी महाराज से अखिलेश यादव जी फोन पर वार्ता हुई। हरीश साहेब के साथ प्रवीण साहेब, शिलकर साहेब तथा नवीन साहेब भी आए हैं। संत हरीश साहेब जी महाराज ने अखिलेश यादव को 2027 के चुनाव में उनके मुख्यमंत्री बनने का आशीर्वाद दिया। उन्होंने कहा कि शाकाहारी भोजन, नफरत, कलह से दूर रहने पर ही शांति सुख का अनुभव हो सकता है। व्यक्ति को नशा एवं दुर्व्यसनों से दूर रहना चाहिए। इस अवसर पर पूर्व कैबिनेट मंत्री राजेन्द्र चौधरी भी मौजूद रहे।

# 30 जून तक गौशालाओं में चारा-भूसा व्यवस्था दुरुस्त करें

## लापरवाही पर सीवीओ होंगे निलंबित : धर्मपाल सिंह

**स्वतंत्र भारत, लखनऊ।** उत्तर प्रदेश के पशुधन एवं दुग्ध विकास मंत्री धर्मपाल सिंह ने प्रदेश की सभी गौशालाओं में निराश्रित गोवंशों के लिए चारा, भूसा, स्वच्छ पेयजल तथा अन्य आवश्यक सुविधाओं की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने अधिकारियों को सख्त चेतावनी देते हुए कहा कि 30 जून तक सभी गौशालाओं में चारा-भूसे की उपलब्धता की समीक्षा पूरी कर ली जाए। यदि किसी स्तर पर लापरवाही पाई गई तो संबंधित मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी (सीवीओ) के खिलाफ निलंबन सहित कठोर कार्रवाई की जाएगी।विधान भवन स्थित अपने कार्यालय में हरे चारे, भूसा प्रबंधन और संचारी रोग नियंत्रण की समीक्षा बैठक के दौरान मंत्री ने कहा कि मानसून को देखते हुए गौशालाओं में जलभराव की समस्या न होने पाए। साथ ही संक्रामक रोगों की रोकथाम के लिए विशेष इंतजाम किए जाएं। उन्होंने पशुओं के स्वास्थ्य परीक्षण, नियमित निगरानी और समयबद्ध टीकाकरण को प्राथमिकता देने के निर्देश भी दिए।धर्मपाल सिंह ने 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत प्रत्येक गौशाला में कम से कम पांच पौधे ट्री-गार्ड सहित लगाने और उनके संरक्षण की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा। इसके अलावा गौशालाओं को आत्मनिर्भर बनाने तथा स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए गोबर गैस संयंत्र स्थापित करने की कार्ययोजना तैयार कर शीघ्र अमल में लाने के निर्देश दिए।ठक में जानकारी दी गई कि प्रदेश के गौआश्रय स्थलों में हरे चारे के उत्पादन के लिए 10,472.56 हेक्टेयर गोचर भूमि उपलब्ध है। वर्तमान में 5,654 ग्रामीण गौआश्रय स्थलों में 10 लाख 6 हजार 501 गोवंश संरक्षित हैं, जिनके लिए प्रतिदिन लगभग 5,032.51 मीट्रिक टन हरे चारे की आवश्यकता होती है। गोचर भूमि में 975.78 हेक्टेयर क्षेत्र में नेपियर घास तथा 4,177.33 हेक्टेयर क्षेत्र में अन्य हरे चारे की खेती की जा रही है। इसके अतिरिक्त किसानों द्वारा 5,215.27 हेक्टेयर भूमि पर भी हरे चारे का उत्पादन किया जा रहा है।खुरपका-मुंहपका रोग (एफएमडी) नियंत्रण कार्यक्रम की समीक्षा करते हुए मंत्री ने बताया कि एफएमडी टीकाकरण अभियान का आठवां चरण 22 जुलाई से 4 सितम्बर 2026 तक संचालित किया जाएगा। इसके लिए 3.37 करोड़ से अधिक वैक्सीन जनपदों को उपलब्ध कराई जा चुकी हैं। साथ ही भारत सरकार से प्राप्त दो करोड़ पशु टैग भी जिलों में वितरित किए जा चुके हैं। उन्होंने बताया कि भारत पशुधन ऐप पर 3.65 करोड़ से अधिक पशुओं का पंजीकरण किया जा चुका है और इसके सत्यापन तथा अभिलेखों को अद्यतन रखने के निर्देश दिए गए हैं।दुग्ध विकास विभाग की समीक्षा के दौरान धर्मपाल सिंह ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि दुग्ध उत्पादक किसानों को उनके दूध का भुगतान हर माह समय पर किया जाए। भुगतान में किसी भी प्रकार की देरी होने पर संबंधित दुग्ध संघ के महाप्रबंधकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने प्रदेश की प्रत्येक ग्राम पंचायत में नई दुग्ध सहकारी समितियों के गठन पर जोर देते हुए कहा कि इससे अधिक से अधिक पशुपालकों को सहकारिता से जोड़कर उनकी आय में वृद्धि की जा सकेगी।मंत्री ने पराग ब्रांड के दुग्ध उत्पादों के साथ-साथ घी, पनीर, दही, छाछ और अन्य मूल्यवर्धित उत्पादों की प्रभावी ब्रांडिंग एवं विपणन पर भी बल दिया। उन्होंने कहा कि दुग्ध क्षेत्र के विस्तार, उत्पादन वृद्धि और मूल्य संवर्धन से प्रदेश की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी तथा उत्तर प्रदेश को एक ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था बनाने के लक्ष्य को हासिल करने में महत्वपूर्ण योगदान मिलेगा।बैठक में पशुधन एवं दुग्ध विकास विभाग के अपर मुख्य सचिव मुकेश कुमार मेश्राम ने विभागीय कार्यों की प्रगति की जानकारी देते हुए आश्वासन दिया कि मंत्री द्वारा दिए गए सभी निर्देशों का समयबद्ध अनुपालन सुनिश्चित किया जाएगा। बैठक में विभाग के वरिष्ठ अधिकारी एवं योजनाधिकारी भी उपस्थित रहे।

# '2026-27 तक कक्षा-3 का हर बच्चा निपुण' लक्ष्य को गति

## राज्य स्तरीय मास्टर ट्रेनर्स प्रशिक्षण का दूसरा चरण शुरू

**स्वतंत्र भारत, लखनऊ।** प्रदेश में '2026-27 तक कक्षा-3 का हर बच्चा निपुण' बनाने के लक्ष्य को साकार करने के लिए बेसिक शिक्षा विभाग ने निपुण भारत मिशन के अंतर्गत प्रशिक्षण कार्यक्रमों को और गति दे दी है। इसी क्रम में बुनियादी साक्षरता एवं संख्या ज्ञान (एफएलएन) आधारित पांच दिवसीय राज्य स्तरीय मास्टर ट्रेनर्स प्रशिक्षण का दूसरा चरण सोमवार को इंदिरानगर स्थित स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ एंड फैमिली वेलफेयर के सभागार में शुरू हुआ।प्रशिक्षण के पहले दिन अपर मुख्य सचिव, बेसिक शिक्षा पार्थ सारथी सेन शर्मा ने प्रदेश के विभिन्न जनपदों से आए राज्य संदर्भ समूह (एसआरजी) सदस्यों और डायट मेंटरों से संवाद करते हुए कहा कि निपुण भारत मिशन प्रदेश सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने कहा कि मास्टर ट्रेनर्स इस मिशन की सफलता की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी हैं और कक्षा-कक्ष में होने वाले सकारात्मक बदलाव की नींव इसी प्रशिक्षण से तैयार होगी। उन्होंने प्रतिभागियों से प्रशिक्षण को केवल औपचारिकता न मानते हुए मिशन मोड में कार्य करने का आह्वान किया।उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण के दौरान प्राप्त ज्ञान और अनुभव को विद्यालय स्तर तक प्रभावी ढंग से पहुंचाना होगा, जिससे बच्चों की आधारभूत भाषा और गणितीय दक्षताओं में अपेक्षित सुधार लाया जा सके। प्रशिक्षण की सफलता तभी मानी जाएगी जब उसका प्रभाव सीधे विद्यार्थियों के सीखने के स्तर पर दिखाई दे।यह प्रशिक्षण कार्यक्रम राज्यव्यापी शिक्षक क्षमता संवर्धन अभियान की दूसरी कड़ी है। इससे पूर्व पहला चरण 16 से 20 मई के बीच सफलतापूर्वक आयोजित किया जा चुका है। वर्तमान चरण में प्रदेश के 20 जनपदों से प्रत्येक जनपद के दो एसआरजी सदस्य और दो डायट मेंटर भाग ले रहे हैं। प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद यही मास्टर ट्रेनर्स जिला और ब्लॉक स्तर पर शिक्षकों तथा एकेडमिक रिसोर्स पर्सन (एआरपी) को प्रशिक्षित करेंगे, जिससे निपुण भारत मिशन की अवधारणाएं और नवीन शिक्षण पद्धतियां प्रदेश के अंतिम विद्यालय तक पहुंच सकें।प्रशिक्षण में आधारभूत भाषा एवं गणितीय दक्षताओं के विकास पर विशेष बल दिया जा रहा है। प्रतिभागियों को दक्षता आधारित शिक्षण, गतिविधि आधारित अधिगम, कैच-अप आधारित शिक्षण प्रक्रिया, टेन प्वाइंट ऑफ टीचिंग, प्रिंट समृद्ध शैक्षणिक वातावरण, शिक्षण-अधिगम सामग्री के प्रभावी उपयोग तथा कक्षा मूल्यांकन की आधुनिक तकनीकों की जानकारी दी जा रही है। साथ ही विद्यालयों और शिक्षकों की प्रेरक सफलता कथाओं को भी साझा किया जा रहा है, ताकि नवाचारों को व्यापक स्तर पर अपनाया जा सके।डिजिटल शिक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से दीक्षा पोर्टल, निपुण टीचर ऐप और रीडिंग कैंपेन जैसे डिजिटल संसाधनों के उपयोग पर भी विशेष प्रशिक्षण दिया जा रहा है। कार्यक्रम को पूरी तरह सहभागितापूर्ण और व्यवहारिक स्वरूप दिया गया है, जिसमें प्रदर्शन, समूह चर्चा, सहकर्मी अधिगम, चिंतन और कक्षा में प्रत्यक्ष उपयोग जैसे पहलुओं पर विशेष ध्यान केंद्रित किया जा रहा है।समग्र शिक्षा के वरिष्ठ विशेषज्ञ आनंद पांडेय सहित अन्य शिक्षा विशेषज्ञों ने भी प्रशिक्षण में भाग लिया। कार्यक्रम के माध्यम से शिक्षकों की क्षमता बढ़ाने और विद्यार्थियों के अधिगम परिणामों में गुणात्मक सुधार लाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में विद्यालय कायाकल्प, बाल वाटिका, डिजिटल शिक्षण संसाधनों के विस्तार, शिक्षक प्रशिक्षण और शिक्षा की गुणवत्ता सुधार जैसे अनेक प्रयासों के साथ निपुण भारत मिशन को प्रदेश में मिशन मोड में लागू किया जा रहा है। विभाग का मानना है कि मजबूत आधारभूत शिक्षा ही भविष्य की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की सबसे सुदृढ़ नींव है और इसी दिशा में यह प्रशिक्षण कार्यक्रम महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

# 2027 में कांग्रेस की वापसी की उम्मीद, संगठन पूरी तरह तैयार

**अमित श्रीवास्तव त्यागी**
**कांग्रेस कमेटी लखनऊ (उत्तरी) के अध्यक्ष एवं वरिष्ठ अधिवक्ता**

**लखनऊ।** प्रदेश में वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर विभिन्न राजनीतिक दल अपनी-अपनी रणनीतियों को अंतिम रूप देने में जुटे हैं। इसी क्रम में लखनऊ महानगर कांग्रेस की संगठनात्मक तैयारियों, भाजपा की राजनीतिक स्थिति, जनता के बीच उठ रहे मुद्दों तथा कांग्रेस की चुनावी संभावनाओं पर शहर कांग्रेस कमेटी लखनऊ (उत्तरी) के अध्यक्ष एवं वरिष्ठ अधिवक्ता अमित श्रीवास्तव त्यागी ने खुलकर अपनी बात रखी। प्रस्तुत हैं उनसे हुई बातचीत के प्रमुख अंश।

**पांच सवाल**

**2027 के विधानसभा चुनाव को लेकर लखनऊ शहर कांग्रेस की तैयारियां किस स्तर तक पहुंच चुकी हैं?**

हमारी संगठनात्मक तैयारियां लगभग पूरी हो चुकी हैं। शहर कांग्रेस कमेटी, वार्ड कांग्रेस कमेटियों और बूथ अध्यक्षों का गठन पूरा हो चुका है। इसके अलावा बीएलए-2 की सूची भी एसआईआर के दौरान जिला निर्वाचन कार्यालय को उपलब्ध करा दी गई है। हमारा संगठन जमीनी स्तर पर सक्रिय है।

**अक्सर कहा जाता है कि लखनऊ में भाजपा बहुत मजबूत स्थिति में है। आप इसे कैसे देखते हैं?**

लोकतंत्र में मतदाता ही सबसे बड़ी ताकत होते हैं। वही लोग कभी एक दल को वोट देते हैं और कभी दूसरे दल को। 1989 से पहले कांग्रेस लंबे समय तक सत्ता में रही है। इसलिए किसी भी राजनीतिक स्थिति को स्थायी नहीं माना जा सकता। जनता समय के अनुसार अपना निर्णय करती है।

**आपके अनुसार कांग्रेस के कमजोर होने के प्रमुख कारण क्या रहे?**

क्षेत्रीय दलों के उभरने के बाद कांग्रेस का जनाधार प्रभावित हुआ। इसके साथ ही राजनीति में जाति और धर्म के आधार पर विभाजन बढ़ा, जिसका असर कांग्रेस पर भी पड़ा। लेकिन अब जनता विकास और जनहित के मुद्दों पर अधिक ध्यान दे रही है।

**वर्तमान समय में ऐसे कौन से मुद्दे हैं जिनका जनता पर सबसे अधिक प्रभाव पड़ रहा है?**

बेरोजगारी, महंगाई और भ्रष्टाचार जैसे मुद्दे आम जनता के सामने बड़ी चुनौती बने हुए हैं। लोग इन विषयों पर गंभीरता से विचार कर रहे हैं और सरकार के कामकाज का मूल्यांकन भी कर रहे हैं। जनता अब अपने अनुभवों के आधार पर निर्णय लेने लगी है।

**2027 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की संभावनाओं को आप किस तरह देखते हैं?**

मुझे पूरा विश्वास है कि कांग्रेस पार्टी मजबूत स्थिति में चुनाव लड़ेगी। राहुल गांधी जी के नेतृत्व में देशभर में कांग्रेस कार्यकर्ता जनता के मुद्दों को लेकर संघर्ष कर रहे हैं। लखनऊ महानगर कांग्रेस भी लगातार आंदोलन, धरना-प्रदर्शन और जनसंपर्क अभियान चला रही है। इन प्रयासों का सकारात्मक प्रभाव जनता के बीच दिखाई दे रहा है और हमें उम्मीद है कि 2027 में जनता कांग्रेस का समर्थन करेगी।

**- भृगु नागर**

# सपा प्रदेश अध्यक्ष ने मुख्य निर्वाचन अधिकारी को सौंपा ज्ञापन

**स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ।** समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के निर्देश पर प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल ने मुख्य निर्वाचन अधिकारी उ0प्र0 लखनऊ को ज्ञापन देकर मांग की है कि जनपद अयोध्या, अयोध्या विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र के पोलिंग बूथ संख्या 222 में नये मतदाताओं के नाम जोड़ने के लिए जमा किये गये पीडीए समर्थक लगभग 150 फार्म-6 गायब कर दिये गये हैं, जो कि अत्यन्त गम्भीर मामला है, इसकी जाच करवाकर जिम्मेदार अधिकारियों को दंडित किया जाए, जिससे कि मतदाता सूची शुद्ध व दुरूस्त हो सके और विधान सभा सामान्य निर्वाचन 2027 स्वतंत्र, निष्पक्ष और पारदर्शी सम्पन्न हो सके। ज्ञापन में कहा गया है कि जनपद कन्नौज, 197-तिर्वा विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र- के पोलिंग बूथ संख्या 465 पर मतदाता क्रम संख्या 122 पर दर्ज मतदाता का नाम गोविन्द पिता का नाम बालकराम मकान संख्या 221 आयु 60 वर्ष लिंग पुरूष मतदाता पहचान संख्या-160738 दर्ज है। जीवित और अपने दर्ज पते पर निवास करने वाले मतदाता गोविन्द का नाम मतदाता सूची से मृतक के आधार पर डिलीट कर दिया गया है। जो कि अत्यन्त गम्भीर मामला है। भारत निर्वाचन आयोग की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो रहे हैं। बीएलओ, ईआरओ की कार्यशैली से जीवित मतदाता को मृतक के आधार पर मतदाता सूची से नाम काट दिया गया है। पूरे प्रकरण की तत्काल जांच करवा कर दोषी और जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कठोर से कठोर कार्यवाही की जाये। इस कार्यवाही की जानकारी प्रदेश कार्यालय को उपलब्ध कराई जाये।

# अन्तर्राष्ट्रीय खिलाड़ी रवि ने अखिलेश सिंह यादव से लिया आशीर्वाद

**स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ।** समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव से सोमवार को सोनभद्र के अन्तर्राष्ट्रीय खिलाड़ी रवि सिंह यादव ने भेंट कर आशीर्वाद लिया। अखिलेश यादव ने रवि के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि यूरोप के देश रोमानिया की राजधानी बुखारेस्ट में आयोजित 8वीं वर्ल्ड क्वान की डो चैंपियनशिप जो 20 मई से 24 मई तक हुई, ये रजत पदक जीतकर पूरे भारत, विशेष कर उत्तर प्रदेश और सोनभद्र जिले का नाम रोशन किया है। इस विश्व स्तरीय प्रतियोगिता में 37 देशों के खिलाड़ियों ने प्रतिभाग किया था। रवि सिंह उत्तर प्रदेश के पहले क्वान की डो खिलाड़ी बने हैं, जिन्होंने वर्ल्ड चैंपियनशिप में भारत का प्रतिनिधित्व कर यह गौरवपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। रवि सिंह ने इससे पूर्व भी ताइक्वांडो में थाईलैंड देश में कांस्य मेडल जीता था और नेपाल देश में गोल्ड मेडल जीतकर देश का नाम लगातार रोशन कर चुके हैं।

स्वतंत्र भारत

यदा यदाहि धर्मस्य ग्लानिर्भवति भारत।
अभ्युत्थानमधर्मस्य तदात्मानं सृजाम्यहम्।।

## गंभीर समस्या

दुनियाभर में गरीबी, भुखमरी और कुपोषण का सामना करना के लिए संयुक्त राष्ट्र संघ तथा उसके संगठनों तमाम कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। गरीब और अविकसित देशों की मदद के लिए अमेरिका, ब्रिटेन एवं अन्य विकसित देशों द्वारा बड़ी-बड़ी धनराशि दी जा रही है लेकिन हालात के काबू में आने की बात अलग, उनमें कोई सुधार तक नहीं आ पा रहा है। वैश्विक परिस्थितियां इस संकट को और गंभीर बना रही हैं। इसी पृष्ठभूमि में संयुक्त राष्ट्र खाद्य एजेंसियों ने चेतावनी दे दी है कि आने वाले महीनों में दुनिया के तेरह संकटग्रस्त क्षेत्रों में भीषण भुखमरी के हालात सामने आ सकते हैं। ध्यान रहे कि लगभग छब्बीस करोड़ से ज्यादा लोग पहले ही खाद्य संबंधी गंभीर असुरक्षा युक्त रहे हैं। खाद्य एवं कृषि संगठन और विश्व खाद्य कार्यक्रम ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि इस साल जून से नवंबर के बीच स्थिति और बिगड़ सकती है। हालांकि विकास का दावा करने वाले देशों में भी स्थिति काफी खराब है। रिपोर्ट के अनुसार, सूडान, दक्षिणी सूडान, गाजा पट्टी और दमन सबसे ज्यादा संकट वाले क्षेत्र बने हुए हैं। इसी श्रेणी में सोमालिया और नाइजीरिया को भी शामिल किया गया है। आशंका यह भी जताई गई है कि अल नीनो के प्रभाव के कारण कई क्षेत्रों में सूखे एवं बाढ़ से स्थिति और खराब हो सकती है। इन आशंकाओं को अनदेखा नहीं किया जा सकता। विश्व के किसी भी भाग में अगर कोई व्यक्ति भूखा सो जाता है तो इसके लिए वे देश भी जिम्मेदार हैं जो मदद करने से हाथ खींच रहे हैं। इसकी ओर संकेत करते हुए भी रिपोर्ट में कहा गया है कि जरूरतों में भारी वृद्धि के बावजूद खाद्य सहायता और इससे जुड़े कार्यक्रमों के लिए फंडिंग 2022 के बाद से करीब उनसठ प्रतिशत घट गई है। हालांकि कुछ प्रभावित देशों में पहुंचने वाली सहायता सामग्री और राशि जरूरतमंदों तक पहुंचने की शिकायतें भी आती रहती हैं। अफ्रीकी देश इसे लेकर अक्सर चर्चा में रहते आए हैं लेकिन केवल इसी को बहाना बनाकर बड़े देश अपनी जिम्मेदारी से मुक्त नहीं हो सकते। इस तरह तस्वीर यह उभरती है कि भुखमरी के पीड़ितों तक मदद पहुंचाना सुनिश्चित करने की जगह उन्हें अपने हाल पर छोड़ दिया गया है। लगता तो यही है कि बड़े देश चाहे जितना आगे बढ़ जाएं लेकिन दुनिया से भुखमरी का नामोनिशान मिटाने का सपना निकट भविष्य में तो पूरा होने वाला नहीं है। हां, अगर युद्धों और हथियारों पर किए जाने वाले अरबों डालर के खर्च को बंद करके उसे इसे इस ओर मोड़ा जाए तो स्थिति काफी-कुछ बदल सकती है।

## लखनऊ की आबादी

प्रदेश सरकार और स्थानीय प्रशासन के लिए यह तथ्य एक बड़ी चुनौती बनकर आया है कि लखनऊ की जनसंख्या 41.50 लाख हो गई है। शहरी क्षेत्र में जनगणना का काम पूरा होने के बाद यह निष्कर्ष सामने आया। इस आंकड़े के साथ लखनऊ दुनिया के उन कई देशों के बराबर आ पहुंचा है जिनकी जनसंख्या इसी के बराबर है। फर्क यह है कि ये देश जन सुविधाओं और विकास की दौड़ में काफी आगे निकल चुके हैं। चुनौती यही है कि यह शहर जनसंख्या के मामले में अपने बराबर के देशों की उपलब्धियों के कितना बराबर है। लखनऊ के बारे में ये बात इसलिए और महत्वपूर्ण हो जाती है कि यह देश के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश की राजधानी है। दूसरी बात ये कि रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य सुविधाओं की बेहतर स्थिति के कारण अन्य जिलों से ही नहीं बल्कि कई राज्यों के लोग यहां बसने को प्राथमिकता दे रहे हैं। इसलिए शहर की बसावट में बढ़ोतरी हुई है और सेवा क्षेत्र (हॉस्पिटैलिटी सेक्टर) का काफी तेजी से विस्तार हो रहा है। लेकिन सार्वजनिक जन सुविधाओं के लिए अभी बहुत कुछ करने की गुंजाइश बाकी है। इस मामले में मुख्य शहर ही अभी कई जरूरतों से वंचित है। दुरुस्त सड़कें, नालों-नालियों तथा शहर की सफाई, सुचारु विद्युत आपूर्ति शहर के अंदरूनी और पुराने इलाकों में आज भी ध्वस्त हैं। इससे रोजमर्रा के कामकाजी लोगों, स्कूल जाने वाले बच्चों, महिलाओं के लिए जबर्दस्त परेशानियां पैदा होती रहती हैं। यह भी देखना होगा कि साधन और सुविधाएं तो पहले की तरह ही हैं लेकिन उनका उपयोग करने वाले बढ़ते जा रहे हैं। इसमें समायोजन बैठाना भी बहुत जरूरी है। कल्पना कीजिए कि अगर इन खामियों व इन जैसी अन्य अव्यवस्थाओं को दुरुस्त कर दिया जाए तो इतनी विशाल जनसंख्या के बावजूद यह शहर बेंगलुरु और चंडीगढ़ ही नहीं बल्कि न्यूयॉर्क और पेरिस जैसे नामचीन शहरों की लिस्ट में शुमार हो जाएगा।

## काँव-काँव

♦♦♦

**पचहत्तर वाले पचास जैसे दिखते हैं योग से-मोदी**
गणित लगायें, पच्चीस साल का घाटा हो गया!

**नीट परीक्षार्थियों के लिये एयरपोर्ट पर रुके पीएम**
ये तो नीट पेपरलीक होने से भी बड़ी घटना है!

**जौहर ट्रस्ट को मिला आयकर विभाग का नोटिस**
आजम खान तुरंत वाशिंग मशीन से संपर्क करें!

**नौसेना को मिले देश में बने तीन स्वदेशी युद्धपोत**
अब स्वदेशी युद्धपोत भी देश में ही बनने लगे हैं!

**योग दिवस पर सीएम योगी का विपक्ष पर प्रहार**
योगाभ्यास करने से भाषणशक्ति प्रबल होती है!

**वार्ता समय न देना लोकतंत्र के विरुद्ध-शैलेंद्र दुबे**
एके शर्मा कौन सा चुनाव जीतकर मंत्री बने हैं?

♦♦♦

# जी-7 : युद्ध के खिलाफ एकजुटता

फ्रांस के एवियन शहर में संपन्न हुई जी-7 की बैठक बेहद सफल रही. पहला कारण तो यही है कि जिस ईरान-अमेरिका शांति समझौते पर होने वाले दस्तखत का इंतजार हो रहा

अनिल त्रिगुणायत

था, उस पर जी-7 की बैठक में ही दस्तखत हो गया. अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान ने समझौते पर हस्ताक्षर कर पश्चिम एशिया में फरवरी के अंत से चल रहे युद्ध के औपचारिक खात्मे की घोषणा की। कुल 14 बिंदुओं वाले इस समझौते को एमओयू, यानी सहमति पत्र बताया गया है. इसके मुताबिक, ईरान कभी परमाणु हथियार नहीं बनायेगा और रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण होर्मुज जलडमरूमध्य को खोला जायेगा. समझौते में कहा गया है कि अब से कोई भी पक्ष सैन्य कार्रवाई शुरू नहीं करेगा, दोनों देश एक-दूसरे को धमकी भी नहीं दे सकेंगे तथा लेबनान की क्षेत्रीय अखंडता और संप्रभुता का सम्मान किया जायेगा. हालांकि, ईरान का कहना है कि इस्राइल अगर लेबनान में सैन्य कार्रवाई जारी रखता है, तो वह समझौते का उल्लंघन होगा और वैसी स्थिति में जरूरी कदम उठाये जायेंगे। जी-7 ने अमेरिका-ईरान शांति समझौते का स्वागत किया है. चूंकि ईरान-अमेरिका युद्ध और उससे भी चार साल पहले शुरू हुए यूक्रेन युद्ध को लेकर अमेरिका-यूरोप के बीच रिश्ते बेहद खराब हो गये थे, ऐसे में, ट्रंप और पेजेश्कियान के बीच हुए दस्तखत ने यूरोप-अमेरिका के बीच की खटास भी अब काफी हद तक दूर कर दी है. यह घटनाक्रम वैश्विक समन्वय के लिए सुखद है।

जी-7 बैठक की दूसरी उल्लेखनीय बात यह रही कि यूरोपीय देशों ने पिछले चार साल से भी अधिक समय से चल रहे यूक्रेन युद्ध को समाप्त करने के लिए रूस पर दबाव तेज करने पर सहमति व्यक्त की और अमेरिका को भी इस सिलसिले में अपनी ओर से पहल करने के लिए कहा. गौर करने की बात है कि जी-7 की बैठक में ही ब्रिटेन और कनाडा ने रूस के खिलाफ नये प्रतिबंधों की घोषणा भी की है. यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की जी-7 की बैठक में उपस्थित थे और ट्रंप से उनकी बातचीत भी हुई. ट्रंप ने कहा कि रूस को यूक्रेन के खिलाफ युद्ध समाप्त करने के लिए एक समझौता करना चाहिए।

अमेरिकी राष्ट्रपति का यह भी कहना था कि उन्होंने आठ युद्ध खत्म किये हैं और यूक्रेन युद्ध को वह खत्म होते हुए देखना चाहते हैं. यदि यूक्रेन युद्ध जल्दी खत्म होता है, तो यह भी एक बड़ी उपलब्धि होगी. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ डोनाल्ड ट्रंप की मुलाकात और बातचीत को मैं जी-7 की तीसरी बड़ी उपलब्धि मानता हूं. भारत जी-7 का सदस्य नहीं है, वह इस संगठन में विशेष आमंत्रित सदस्य के तौर पर बुलाया जाता है. पर एक तस्वीर में प्रधानमंत्री मोदी ट्रंप और मैक्रों के बीच दिखाई पड़े। यह तस्वीर ही अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य में भारत की धमक और उसका महत्व बताने के लिए काफी है. वैश्विक परिदृश्य में भारत का महत्व सिर्फ प्रतीकात्मक नहीं है. अब देखिए, ब्रिटेन के साथ हमारा मुक्त व्यापार समझौता अगले महीने से लागू होने वाला है, यूरोपीय संघ के साथ एफटीए पर इस साल के अंत तक दस्तखत होने वाला है, जर्मनी से हमें सबमरिन, तो फ्रांस से राफेल की अगली खेप मिलने वाली है. बल्कि आने वाले दिनों में राफेल मेक इन इंडिया के तहत भारत में ही बनाये जाने वाले हैं. तो ये सारी चीजें भारत के महत्व के बारे में बताती हैं।

जी-7 की बैठक में अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के साथ प्रधानमंत्री मोदी की बहुप्रतीक्षित मुलाकात हुई. हालांकि, इससे पहले जी-7 के आउटरीच सेशन में भी दोनों की मुलाकात हुई. द्विपक्षीय बैठक में ट्रंप और मोदी ने लगभग पांच मिनट तक बैठकर विभिन्न मुद्दों पर बात की. इन दोनों की पिछली मुलाकात फरवरी, 2025 में व्हाइट हाउस में हुई थी. मोदी और ट्रंप की मुलाकात ऐसे समय में हुई है, जब दोनों देशों के बीच कई विवाद चल रहे थे, जिनमें हाल ही में अमेरिकी हमले में भारतीय नाविकों की मौत का मामला भी था। ऐसे में, जी-7 की बैठक में ट्रंप-मोदी की मुलाकात 'ब्रेकिंग द आइस' रही. यानी दोनों के रिश्तों में जमी बर्फ पिघली है. मुझे लगता है कि यह एक अहम और रिश्तों की फिर से शुरुआत वाली बैठक थी. दोनों नेता सोलह महीने से नहीं मिले थे. इस बार बेशक पहले जैसा गले मिलना नहीं दिखा, लेकिन ट्रंप फिर भी प्रधानमंत्री मोदी की तारीफ करने की कोशिश कर रहे थे. जो हमने देखा, उसके अनुसार यह जरूरी था कि मुश्किल मुद्दों पर बात हो. जैसे कि हमारे नाविकों की हत्या और उनकी सुरक्षा. अब भी व्यापार समझौते जैसे कई मुद्दे बाकी हैं, लेकिन यह बैठक दोतरफा रिश्तों को आगे बढ़ाने में मदद करेगी।

इस अवसर पर प्रधानमंत्री मोदी ने ट्रंप से कहा कि पश्चिम एशिया में शांति के प्रयासों की दिशा में जो प्रगति हुई है, उसके लिए मैं आपका अभिनंदन करता हूं. जबकि ट्रंप ने एक बात यह कही कि अगर भारत

पर हमला होता है, तो अमेरिका उसके साथ खड़ा होगा, भले ही कोई लिखित समझौता न हो. मेरी समझ में इसका अर्थ यह है कि ट्रंप के राष्ट्रपति काल में अगर भारत पर कोई हमला होता है, तो भारत की मदद के लिए अमेरिका तत्काल आगे आयेगा. ट्रंप ने जल्दी ही भारत का दौरा करने की भी बात कही है। उन्होंने यह कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के साथ बहुत अच्छी बातचीत हुई और हम ट्रेड डील कर रहे हैं. ट्रंप ने इस बैठक में जी-2 का भी जिक्र किया, जो अमेरिका और चीन के विजन की बात करता है. जब उनसे पूछा गया कि क्या भारत पश्चिम एशिया में कोई भूमिका निभाता है, तो उनका जवाब था कि भारत हर चीज में बड़ी भूमिका निभाता है और जब तक नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री हैं, भारत बड़ी भूमिका निभाता रहेगा. ट्रंप की यह टिप्पणी वैश्विक परिदृश्य में प्रधानमंत्री मोदी का महत्व बताती है। बेशक, भारत के लिए भी जी-7 की बैठक बेहद लाभकारी साबित हुई. प्रधानमंत्री मोदी ने अमेरिकी राष्ट्रपति के अलावा यूरोपीय संघ के नेताओं, जर्मनी के चांसलर, यूएइ के राष्ट्रपति तथा ब्रिटेन व कनाडा के प्रधानमंत्रियों से मुलाकात की. मेजबान फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों ने गर्मजोशी के साथ उनका स्वागत किया, तो ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टारमर के साथ उनकी द्विपक्षीय बैठक हुई. प्रधानमंत्री ने यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष तथा यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष से भी मुलाकात की तथा भारत-यूरोपीय संघ के बीच आर्थिक रिश्तों को और मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा हुई. प्रधानमंत्री मोदी ने कहा भी कि भारत और इयू के बीच बढ़ता सहयोग आज के वैश्विक माहौल में शांति, स्थिरता और समृद्धि को मजबूत करने में बड़ी भूमिका निभा सकता है. कुल मिलाकर, जी-7 की बैठक भारत समेत पूरे विश्व के लिए उपलब्धियों से भरी रही।

## ।। यथार्थ गीता ।।

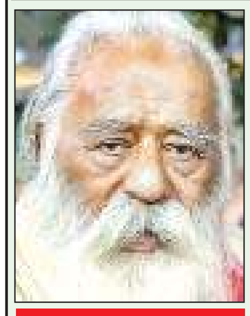

स्वामी अड़गड़ानंद

### अथ द्वादशोऽध्याय:

(गतांक से आगे

मैं हूँ, मैं हूँ, 'मुझे पाना है' कहते-कहते अपने शरीर की ही ओर घूम जाता है। उसके लड़खड़ाने की अधिक सम्भावना है। अतः अर्जुन ! तू सम्पूर्ण कर्मों को मुझमें अर्पण करके अनन्य भक्ति से मेरा चिन्तन कर। जो मेरे परायण भक्तजन सम्पूर्ण कर्मों को मुझमें अर्पण करके मानव शरीरधारी मुझ सगुण योगी के रूप का ध्यान द्वारा तैलधारावत् निरन्तर चिन्तन करते हैं, उनका मैं शीघ्र ही संसार-सागर से उद्धार करनेवाला हो जाता हूँ। अतः भक्तिमार्ग श्रेष्ठ है। अर्जुन ! मुझमें मन को लगा। मन न लगे तो भी लगाने का अभ्यास कर। जहाँ भी चित्त जाय, पुनः घसीटकर उसका निरोध कर। यह भी करने में असमर्थ है तो तू कर्म कर। कर्म एक ही है, यज्ञार्थ कर्म। तू कार्यम् कर्म करता भर जा, दूसरा न कर। उतना ही कर, पार लगे चाहे न लगे। यदि यह भी करने में असमर्थ है तो स्थितप्रज्ञ, आत्मवान्, तत्त्वज्ञ महापुरुष की शरण होकर सम्पूर्ण कर्मफलों का त्याग कर। ऐसा त्याग करने से तू परमशान्ति को प्राप्त हो जायेगा।
तत्पश्चात् परमशान्ति को प्राप्त हुए भक्त के लक्षण बताते हुए योगेश्वर श्रीकृष्ण ने कहा- जो सम्पूर्ण भूतों में द्वेषभाव से रहित है, जो करुणा से युक्त और दयालु है, ममता और अहंकार से रहित है, वह भक्त मुझे प्रिय है। जो ध्यान-योग में निरन्तर तत्पर और आत्मवान्, आत्मस्थित है, वह भक्त मुझे प्रिय है। जिससे न किसी को उद्वेग प्राप्त होता है और स्वयं भी जो किसी से उद्वेग को प्राप्त नहीं होता, ऐसा भक्त मुझे प्रिय है। जो शुद्ध है, दक्ष है, व्यथाओं से उपराम है, सर्वारम्भों को त्यागकर जिसने पार पा लिया है, ऐसा भक्त मुझे प्रिय है। सम्पूर्ण कामनाओं का त्यागी और शुभाशुभों का पार पानेवाला भक्त मुझे प्रिय है। जो निन्दा और स्तुति में समान और मौन है, मनसहित जिसकी इन्द्रियाँ शान्त और मौन हैं, जो किसी भी प्रकार शरीर-निर्वाह में सन्तुष्ट और रहने के स्थान में ममता से रहित है। क्रमशः...

## ।। चाणक्य नीति ।।

♦♦♦

**धर्मशील गुण नाहिं जेहिं, नहिं विद्या तप दान ।**
**मनुज रूप भुवि भार ते, विचरत मृग कर जान ।।**

कहते हैं जिस मनुष्य के अंदर अगर ज्ञान, गुण और शील न हो वह मनुष्य पृथ्वी पर बोझ के समान है। उसे इस धरती पर जीने का कोई हक नहीं है। ऐसा लोग धरती पर बोझ बनकर जिंदा है।

♦♦♦

# दल-बदल विरोधी कानून : स्थिरता की गारंटी या लोकतांत्रिक विवेक पर अंकुश?

भारतीय लोकतंत्र की सफलता का आधार केवल नियमित चुनाव नहीं, बल्कि निर्वाचित प्रतिनिधियों की जवाबदेही, राजनीतिक स्थिरता और जनादेश के प्रति निष्ठा भी है। संसद और

- डॉ. प्रियंका सौरभ

विधानसभाएँ जनता की आकांक्षाओं का प्रतिनिधित्व करती हैं तथा इन संस्थाओं की स्थिरता लोकतांत्रिक शासन के सुचारु संचालन के लिए आवश्यक है। किंतु भारतीय राजनीति में लंबे समय तक दल-बदल की प्रवृत्ति ने लोकतांत्रिक व्यवस्था को गंभीर चुनौती दी। व्यक्तिगत लाभ, मंत्री पद, आर्थिक प्रलोभन अथवा राजनीतिक अवसरवाद के कारण निर्वाचित प्रतिनिधि बार-बार अपनी निष्ठा बदलते रहे, जिससे सरकारें गिरती रहीं और जनादेश का अपमान होता रहा। इसी समस्या के समाधान के लिए 1985 में संविधान के 52वें संशोधन द्वारा दसवीं अनुसूची के अंतर्गत दल-बदल विरोधी कानून लागू किया गया। इसका मुख्य उद्देश्य निर्वाचित सदस्यों को राजनीतिक दलों के प्रति अनुशासित बनाए रखना तथा सरकारों की स्थिरता सुनिश्चित करना था। हालांकि समय के साथ यह कानून स्वयं बहस का विषय बन गया है। एक पक्ष इसे राजनीतिक भ्रष्टाचार और अवसरवाद के विरुद्ध आवश्यक सुरक्षा कवच मानता है, जबकि दूसरा पक्ष तर्क देता है कि यह सांसदों और विधायकों की स्वतंत्र सोच तथा अंतरात्मा के आधार पर निर्णय लेने की क्षमता को सीमित करता है। इस प्रकार दल-बदल विरोधी कानून भारतीय लोकतंत्र में स्थिरता और स्वतंत्रता के बीच संतुलन की जटिल बहस को जन्म देता है। दल-बदल की समस्या स्वतंत्रता के बाद के दशकों में तेजी से बढ़ी। 1967 के आम चुनावों के बाद अनेक राज्यों में विधायकों ने बड़े पैमाने पर दल बदले। उस समय 'आया राम, गया राम' शब्दावली भारतीय राजनीति का प्रतीक बन गई। हरियाणा के विधायक गया लाल द्वारा एक ही दिन में कई बार दल बदलने की घटना ने इस समस्या की गंभीरता को उजागर किया। इसके परिणामस्वरूप सरकारें अस्थिर हुईं, राजनीतिक नैतिकता कमजोर हुई और जनता का लोकतांत्रिक संस्थाओं पर विश्वास कम होने लगा। इसी पृष्ठभूमि में दल-बदल को नियंत्रित करने की आवश्यकता महसूस हुई। दसवीं अनुसूची के अनुसार यदि कोई निर्वाचित सदस्य स्वेच्छा से अपनी पार्टी की सदस्यता छोड़ देता है या पार्टी व्हिप के विरुद्ध मतदान करता है अथवा मतदान से अनुपस्थित रहता है, तो उसे अयोग्य ठहराया जा सकता है। स्वतंत्र सदस्य किसी दल में शामिल नहीं हो सकता और मनोनीत सदस्य भी निर्धारित अवधि के बाद किसी राजनीतिक दल में शामिल होने पर अयोग्य घोषित किया जा सकता है। अयोग्यता का निर्णय सदन के अध्यक्ष या सभापति द्वारा लिया जाता है। इस कानून के समर्थकों का तर्क है कि भारतीय राजनीतिक व्यवस्था में इसकी अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका रही है। सबसे पहले, इसने सरकारों की स्थिरता को मजबूत किया है। यदि निर्वाचित प्रतिनिधि व्यक्तिगत लाभ के लिए बार-बार दल बदलते रहें, तो सरकारें निरंतर संकट में रहेंगी और प्रशासनिक निर्णय प्रभावित होंगे। दल-बदल विरोधी कानून ने इस प्रवृत्ति पर कुछ हद तक अंकुश लगाया है। दूसरे, यह कानून राजनीतिक भ्रष्टाचार को कम करने का प्रयास करता है। अक्सर दल-बदल मंत्री पद, धन अथवा अन्य लाभों के लिए किया जाता है। ऐसे अवसरवादी व्यवहार से लोकतांत्रिक मूल्यों को क्षति पहुँचती है। कानून का भय कम से कम खुले तौर पर होने वाले राजनीतिक सौदों को सीमित करता है। तीसरे, यह जनादेश की रक्षा करता है। मतदाता प्रायः किसी उम्मीदवार को उसके दल, विचारधारा और चुनावी घोषणापत्र के आधार पर चुनते हैं। यदि निर्वाचित सदस्य बाद में दल बदल लेता है, तो वह मतदाताओं के विश्वास को ठेस पहुँचाता है। इसलिए दल-बदल विरोधी कानून मतदाताओं की अपेक्षाओं की रक्षा का माध्यम माना जाता है। चौथे, यह राजनीतिक दलों के भीतर अनुशासन बनाए रखने में सहायक है। संसदीय शासन प्रणाली में सरकार की स्थिरता के लिए यह आवश्यक है कि दल के सदस्य महत्वपूर्ण मुद्दों पर एकजुट रहें। यदि प्रत्येक सदस्य अपनी व्यक्तिगत प्राथमिकताओं के अनुसार मतदान करे, तो सरकार का संचालन कठिन हो सकता है। इन सकारात्मक पक्षों के बावजूद दल-बदल विरोधी कानून की आलोचना भी व्यापक रूप से होती रही है। सबसे बड़ी आलोचना यह है कि यह निर्वाचित प्रतिनिधियों की स्वतंत्र अभिव्यक्ति और अंतरात्मा की स्वतंत्रता को सीमित करता है। संसदीय लोकतंत्र का मूल सिद्धांत यह है कि सांसद और विधायक जनता के प्रतिनिधि हैं, केवल राजनीतिक दलों के एजेंट नहीं। उनसे अपेक्षा की जाती है कि वे किसी विधेयक या नीति पर अपने विवेक, अनुभव और जनता के हितों को ध्यान में रखते हुए निर्णय लें। किंतु व्हिप की बाध्यता के कारण उन्हें दल के निर्देशों का पालन करना पड़ता है, चाहे उनकी व्यक्तिगत राय कुछ भी हो। यह स्थिति लोकतांत्रिक विमर्श को कमजोर करती है। संसद और विधानसभाओं का उद्देश्य केवल सरकार के प्रस्तावों को मंजूरी देना नहीं, बल्कि गहन चर्चा और विचार-विमर्श के माध्यम से बेहतर नीतियों का निर्माण करना है। जब सदस्य स्वतंत्र रूप से मत व्यक्त करने से डरते हैं, तो बहस की गुणवत्ता प्रभावित होती है और विधायिका की भूमिका सीमित हो जाती है। कानून की दूसरी प्रमुख कमजोरी अध्यक्ष या सभापति की भूमिका से जुड़ी है। अयोग्यता संबंधी निर्णय लेने का अधिकार अध्यक्ष को दिया गया है, जो सामान्यतः किसी राजनीतिक दल से संबंधित होता है। कई मामलों में यह आरोप लगाया गया है कि अध्यक्षों ने राजनीतिक हितों के अनुसार निर्णय लेने में देरी की या पक्षपातपूर्ण रवैया अपनाया। इससे कानून की निष्पक्षता पर प्रश्नचिह्न लगता है। तीसरी आलोचना यह है कि कानून ने दल-बदल को पूरी तरह समाप्त नहीं किया, बल्कि उसके स्वरूप को बदल दिया है। पहले व्यक्तिगत स्तर पर दल-बदल होता था, जबकि अब सामूहिक इस्तीफों और पुनर्निर्वाचन के माध्यम से सरकारें गिराई जाती हैं। हाल के वर्षों में कई राज्यों में विधायकों ने पहले इस्तीफा दिया और बाद में दूसरे दल में शामिल होकर पुनः चुनाव लड़ा। इससे स्पष्ट होता है कि कानून की भावना को दरकिनार करने के नए तरीके खोज लिए गए हैं। चौथा, यह कानून राजनीतिक दलों के नेतृत्व को अत्यधिक शक्तिशाली बना देता है। दल के शीर्ष नेतृत्व द्वारा जारी व्हिप का पालन करना सदस्यों के लिए अनिवार्य हो जाता है। इससे आंतरिक लोकतंत्र कमजोर पड़ता है और पार्टी के भीतर असहमति व्यक्त करने की गुंजाइश कम हो जाती है। परिणामस्वरूप निर्वाचित प्रतिनिधि अपने क्षेत्र की जनता की अपेक्षाओं की बजाय पार्टी नेतृत्व की प्राथमिकताओं को अधिक महत्व देने लगते हैं।

## प्रेरक प्रसंग

### लालच

रेलवे स्टेशन पर मालगाड़ी से शीरे के बड़े-बड़े ड्रम उतारे जा रहे थे। उन ड्रमों से थोड़ा-थोड़ा शीरा मालगाड़ी के पास नीचे ज़मीन पर गिर रहा था। जहां शीरा गिरा था मक्खियां आकर बैठ गई और शीरा चाटने लगीं। ऐसा करने से उनके छोटे-छोटे मुलायम पंख उस शीरे में ही चिपक गए, फिर भी मक्खियों ने उधर ध्यान न देकर शीरे का लालच न छोड़ा और काफ़ी देर तक शीरा चाटने में ही मगन रहीं।

कुछ समय बाद वहां एक कुत्ता भी आ गया। कुत्ते को देखकर वे मक्खियां डरीं और वहां से उड़ने की कोशिश करने लगीं, परंतु पंख शीरे में चिपक जाने के कारण वे उड़ नहीं सकीं और शीरे के साथ-साथ वे सब भी कुत्ते का भोजन बनती गई। उसी समय उड़ते-उड़ते और कई मक्खियां भी उस शीरे पर आकर बैठ गई। उन सबके पंख भी शीरे में चिपक गए और वे भी उस कुत्ते का भोजन बन गई। उन्होंने पहले से पड़ी मक्खियों की दुर्गति और विनाश देखकर भी उनसे कोई सीख नहीं ली, जबकि वही विनाश उनकी भी प्रतीक्षा कर रहा था।

यही दशा इस संसार की है। मनुष्य देखता है कि लोभ-मोह किस तरह आदमी को दुर्गति में संकट में डालता है, फिर भी वह दुनिया के इन दुर्गुणों से बचने की कोशिश कम ही करता है। परिणामतः अनेक मनुष्यों की भी वही दुर्गति होती है, जो उन लोभी मक्खियों की हुई।

## आपका पत्र मिला

### फुटपाथ पर चलने की सुरक्षा

सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि सुरक्षित चलना नागरिकों का अधिकार है और पैदल यात्रियों की सुरक्षा को केवल सुविधा नहीं बल्कि गरिमा और जीवन के अधिकार से जोड़कर देखा जाना चाहिए। यह विचार संविधान के अनुच्छेद 19 (आवागमन की स्वतंत्रता) और अनुच्छेद 21 (जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के अधिकार) की भावना के अनुरूप है। अदालत का संदेश साफ है कि विकास का अर्थ केवल वाहनों की गति बढ़ाना नहीं, बल्कि हर नागरिक के लिए सुरक्षित और सम्मानजनक जीवन सुनिश्चित करना भी है।

आज देश के अधिकांश शहरों और कस्बों में फुटपाथों की स्थिति चिंताजनक है। कहीं फुटपाथ अतिक्रमण की चपेट में हैं, कहीं पार्किंग ने उन्हें निगल लिया है, तो कहीं दुकानों और अस्थायी निर्माणों के कारण पैदल चलने वालों को मजबूरी में सड़क पर उतरना पड़ता है। इसका सबसे बड़ा खतरा बुजुर्गों, बच्चों, दिव्यांगों और महिलाओं को उठाना पड़ता है।

सड़क दुर्घटनाओं के आंकड़े भी बताते हैं कि पैदल यात्री सबसे अधिक असुरक्षित समूहों में शामिल हैं। तेज रफ्तार वाहन, खराब सड़क डिजाइन, रोशनी की कमी और यातायात नियमों की अनदेखी दुर्घटनाओं को बढ़ाते हैं। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले के बाद अब जरूरत है कि हर शहर और कस्बे में फुटपाथों का व्यापक सर्वे कराया जाए।

विभूति बुपक्या
वाया ई-मेल

**इस पेज पर प्रकाशित लेखकों के विचार निजी हैं। समाचार पत्र से इनका कोई लेना-देना नहीं है।**
आपके विचार व सुझाव भी आमंत्रित हैं।
**संपादक,**
**स्वतंत्र भारत**
**1, जॉपलिंग रोड,**
**लखनऊ-226001**
*E-mail : swatantrabharat77@gmail.com*

# ‘संकट कटै मिटै सब पीरा। जो सुमिरै हनुमत बलबीरा॥

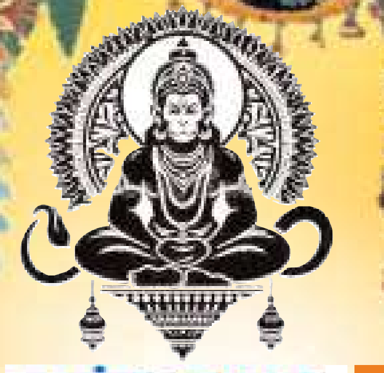

## क्यों खास है ‘ओम’ मंत्र, इससे जुड़े 5 महत्वपूर्ण तथ्य

हिंदू धर्म में ‘ओम’ केवल एक साधारण शब्द नहीं, बल्कि एक अत्यंत पवित्र और रहस्यमयी ध्वनि मानी जाती है, जो सृष्टि की शुरुआत और ब्रह्मांड की मूल ऊर्जा से जुड़ी हुई है। प्राचीन काल के तपस्वियों और ध्यानियों ने जब गहन ध्यान की अवस्था प्राप्त की, तो उन्होंने भीतर और बाहर एक निरंतर गूंजती हुई सूक्ष्म ध्वनि का अनुभव किया। यह ध्वनि किसी बाहरी स्रोत से नहीं, बल्कि अस्तित्व के हर कण में विद्यमान एक कंपन की तरह महसूस हुई। जब साधना और ध्यान की गहराई बढ़ी, तो यह अनुभव और भी स्पष्ट होता गया, मानो चारों ओर एक ही दिव्य स्वर लगातार प्रवाहित हो रहा हो, जो मन को स्थिर और आत्मा को शांत कर देता है। इसी अनुभव को समझने और अभिव्यक्त करने के लिए ऋषि-मुनियों ने इसे ‘ओम’ नाम दिया, जो आज भी ध्यान, साधना और आध्यात्मिक जागरण का सबसे पवित्र प्रतीक माना जाता है।

**ऊं शब्द का आध्यात्मिक महत्व**

‘ऊं’ शब्द हिंदू धर्म में केवल एक ध्वनि नहीं, बल्कि संपूर्ण ब्रह्मांडीय चेतना का प्रतीक माना गया है। यह ‘ओ’, ‘उ’ और ‘म’ तीन ध्वनियों से मिलकर बना है, जो जीवन ऊर्जा, संतुलन और परम चेतना का प्रतिनिधित्व करता है। इसे ध्यान और साधना का मूल मंत्र माना जाता है, जो मन को स्थिर कर आंतरिक शांति प्रदान करता है।

**ऊर्जा केंद्रों से संबंध**

मान्यता है कि ‘ऊं’ का जप शरीर के ऊर्जा चक्रों-नाभि, हृदय और आज्ञा चक्र पर गहरा प्रभाव डालता है। इससे साधक की एकाग्रता बढ़ती है और मानसिक तनाव कम होता है। यह शरीर और मन के बीच संतुलन स्थापित करने में सहायक माना गया है।

**त्रिदेवों का प्रतीक**

धार्मिक दृष्टि से ‘ऊं’ को ब्रह्मा, विष्णु और महेश का प्रतीक भी माना जाता है। यह सृष्टि के निर्माण, पालन और विनाश के चक्र को दर्शाता है, जो ब्रह्मांड के सतत चलने वाले क्रम को समझाता है।

**उपनिषदों में उल्लेख**

उपनिषदों में ‘ओंकार’ को ब्रह्मांड का मूल स्वरूप बताया गया है। यह भूत, वर्तमान और भविष्य तीनों कालों को समाहित करने वाली दिव्य ध्वनि मानी जाती है, जो संपूर्ण अस्तित्व का आधार है।

**मोक्ष और आध्यात्मिक लाभ**

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, ‘ऊं’ का नियमित जप व्यक्ति को सांसारिक बंधनों से मुक्त कर मोक्ष की ओर अग्रसर करता है। यह मन को शांत करता है और साधक को उच्च आध्यात्मिक चेतना से जोड़ता है।

**सृष्टि की उत्पत्ति से संबंध**

शिव पुराण में ‘ओंकार’ को सृष्टि की उत्पत्ति से जोड़ा गया है। इसमें बताया गया है कि नाद (ध्वनि) और बिंदु (प्रकाश) के मिलन से ब्रह्मांड का निर्माण हुआ, और उसी दिव्य ध्वनि का स्वरूप ‘ऊं’ माना जाता है, जो आज भी ब्रह्मांड में निरंतर प्रवाहित है।

## तुलसी में जल देते समय भूलकर भी ना करें ये काम

हिंदू धर्म में तुलसी के पौधे का विशेष महत्व है। हिंदू धर्म के अधिकतर लोगों के घर में तुलसी का पौधा अवश्य लगाया जाता है। धार्मिक शास्त्रों में भी तुलसी के पौधे को अन्य वनस्पतियों से ज्यादा शुभ और मंगलकारी माना गया है। भगवान विष्णु को तुलसी अतिप्रिय है। भोपाल के रहने वाले ज्योतिषाचार्य पंडित हितेंद्र कुमार शर्मा कहते हैं कि मान्यता के अनुसार यदि आपके घर में तुलसी का पौधा लगा हुआ है तो रोज सुबह स्नान करके बाद तुलसी में जल अवश्य देना चाहिए। ऐसा माना जाता है कि इससे जीवन में आने वाली परेशानियां और दुर्भाग्य दूर होता है। एकादशी के दिन न दें धार्मिक मान्यता है कि एकादशी के दिन तुलसी के पौधे में जल नहीं दिया जाना चाहिए. ऐसा माना जाता है कि एकादशी वाले दिन तुलसी में जल देने से माता लक्ष्मी रुष्ठ होती हैं। इससे व्यक्ति के जीवन में कई प्रकार की आर्थिक परेशानियां आ सकती हैं। इसके अलावा यह भी मान्यता है कि इस दिन तुलसी माता भगवान विष्णु के लिए निर्जला व्रत रखती हैं, इसलिए एकादशी के दिन तुलसी में जल देने से बचना चाहिए। पुराणों में बताए विवरण के अनुसार तुलसी के पौधे में जल देते समय हमेशा इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि आपने बिना सिलाई का एक वस्त्र पहना हुआ है सिले हुए कपड़े पहनकर तुलसी में जल देने से लाभ प्राप्त नहीं होता। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार तुलसी में जल देने का सबसे उपयुक्त समय सुबह सूर्योदय काल का है। ऐसा माना जाता है कि सूर्योदय के समय तुलसी में जल देने से विशेष लाभ की प्राप्ति होती है और आर्थिक संकटों से छुटकारा मिलता है। तुलसी के पौधे में अधिक मात्रा में जल नहीं चढ़ाया जाना चाहिए। ऐसा करने से तुलसी के पौधे की जड़ें सड़ जाती हैं। जिससे तुलसी का पौधा सूख सकता है और ऐसा माना जाता है कि घर में लगा तुलसी का पौधा सूख जाना अच्छा नहीं होता। वास्तु शास्त्र के अनुसार तुलसी के पौधे को कभी भी दक्षिण दिशा में नहीं रखना चाहिए। ऐसा करने से घर में नकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बढ़ जाता है। इसके साथ ही इस दिशा में तुलसी रखने से बुरा प्रभाव भी पड़ता है।

## हर रोज हैं इन हनुमान मन्दिरों में नए चमत्कार

हनुमान जी की मंगलवार के दिन पूजा-अर्चना करने का विधान है। बता दें कि देश-दुनिया में हनुमान जी के कई मंदिर मौजूद हैं। लेकिन इन पांच मंदिरों का इतिहास काफी पुराना है। यहां पर पूजा-अर्चना करने से भक्त की सारी मनोकामना पूरी होती है। हनुमान जी अपने भक्तों से काफी जल्दी प्रसन्न हो जाते हैं। उनकी पूजा में कोई विशेष तैयारी किए जाने की जरूरत नहीं होती है। इन मंदिरों में पूजा अर्चना करने से हनुमान जी अपने भक्तों के सारे संकट हर लेते हैं।

**संकटमोचन मंदिर, बनारस**

वैसे तो हनुमान जी के मंदिर देशभर में स्थित हैं। लेकिन बनारस में मौजूद संकटमोचन मंदिर का इतिहास काफी पुराना है। बताया जाता है कि महाकवि तुलसीदास को पहली बार हनुमान का स्वप्न आया था। जिसके बाद तुलसीदास जी ने संकट मोचन मंदिर की स्थापना करवाई थी। कहा जाता है कि इस मंदिर में दर्शनमात्र से ही हनुमान जी अपने हर भक्तों की मनोकामना पूरी कर देते हैं। बनारस के इस मंदिर में मंगलवार और शनिवार के दिन भक्तों का तांता लगता है।

**हनुमान धारा मंदिर, चित्रकूट**

उत्तर प्रदेश के चित्रकूट में हनुमान धारा मंदिर स्थित है। मान्यता के अनुसार, जब लंकापति रावण ने हनुमान जी की पूछ में आग लगाई थी, तो उन्होंने पूरी सोने की लंका को जला दिया था। इसके बाद पूंछ की आग को बुझाने के लिए हनुमान जी चित्रकूट के इसी स्थान पर आए थे। वर्तमान में यह जगह विन्ध्यास के शुरुआत में राम घाट से 4 किलोमीटर दूर हनुमान धारा मंदिर के नाम से फेमस है। बता दें कि यहां पर चमत्कारिक पवित्र और ठंडी जल धारा पर्वत से निकल कर हनुमान जी की मूर्ति की पूछं को भिगोकर नीचे कुंड में जाती है। यहां पर हनुमान जी की मूर्ति के पास दो जल कुंड मौजूद हैं।

**हनुमान मंदिर, इलाहाबाद**

इलाहाबाद का हनुमान मंदिर अपनी खास बनावट के लिए काफी ज्यादा फेमस है। यह देश का एक मात्र ऐसा मंदिर है जहां पर हनुमान की लेटी हुई 20 फीट की मूर्ति मौजूद है। कहते हैं कि संगम आने वाले श्रद्धालुओं की यात्रा इस मंदिर में दर्शन किए बिना अधूरी मानी जाती है। बता दें कि बाढ़ आने पर यह मंदिर पूरी तरह डूब जाता है। मान्यता के अनुसार, गंगा जी स्वयं हनुमान जी को स्नान कराने के लिए आती हैं। कहते हैं कि लंका विजय के बाद भगवान श्रीराम ने संगम में स्नान किया था। तभी उनके परमभक्त हनुमान शारीरिक कष्ट से पीड़ित होकर उसी स्थान पर गिर गए थे।

## अकाल मृत्यु को भी मात देने वाले महामृत्युंजय मंत्र की रचना की रहस्यमयी कथा

महादेव के भक्त उनकी उपासना करते हैं। शिव की महिमा तो अनादि है। आज हम आपको मार्कण्डेय पुराण के अनुसार एक कथा बताने जा रहे हैं जिसमें अकाल मृत्यु को टालने वाले महामृत्युंजय मंत्र की रचना के बारे में बताया गया है। आइए जानते है इस मंत्र की कैसे हुई थी शुरुआत। देवों के देव महादेव को अति प्रिय है। महादेव की महिमा अपरंपार है। देवता हों या दानव सभी उनके अधीन रहते हैं। शास्त्रों में बताया गया है कि भगवान शिव का निवास स्थान कैलाश पर्वत है और वहीं वो ध्यान योग में रहते हैं। वैसे शिव जी अपने भक्तों से बहुत प्रेम करते हैं। उनकी हर मनोकामना भी पूरी कर देते हैं यदि आप में सच्ची श्रद्धा है तो आप भगवान को अपने अधीन कर सकते हैं। यह बात सच है और एक ऐसी ही पौराणिक घटना आज हम आपको बताने जा रहे हैं। आप सब ने महामृत्युंजय मंत्र के बारे में तो सुना ही होगा कि यह अकाल मृत्यु को टालने की शक्ति रखता है। आखिर इस मंत्र की शुरुआत कहां से हुई और किसने कि आज हम आपको इससे जुड़ी एक पौराणिक कथा बताने जा रहे हैं।

**16 वर्ष तक की आयु थी ऋषि मार्कण्डेय की सुनिश्चित-** पौराणिक कथा के अनुसार एक समय की बात है जब ऋषि मृगशृंग और उनकी अर्धांगनी सुव्रता को संतान नहीं प्राप्त हो रही थी। तब दोनों शिव जी की शरण में आए और घोर तप के बाद उनको भोलेनाथ की कृपा से एक संतान प्राप्त हुई। जिसका नाम उन्होंने मार्कण्डेय रखा भगवान शिव ने उनको पुत्र रत्न देते समय यह बताया कि मार्कण्डेय की आयु बहुत कम होगी और कुल 16 वर्ष की आयु में यह संसार छोड़ देंगे। इस पर उनके माता-पिता चिंतित हो गए। मार्कंडेय के जन्म के बाद उनकी शिक्षा-दीक्षा गुरुकुल में हुई और बचपन से ही उनके अंदर शिव भक्ति कूट-कूट कर भरी हुई थी। जब उनकी 16 वर्ष की आयु निकट आने लगी तो उनके मात-पिता अपने पुत्र को मृत्यु के निकट आता देख दुःखी हुए। तब मार्कण्डेय को उनके मात-पिता ने सारी बात बताई।

**महामृत्युंजय मंत्र की स्तुति से टाली अकाल मृत्यु-** शिव भक्ति के कारण उन्होंने यह ठाना कि वह अपनी घोर तपस्या से शिव जो को प्रसन्न कर के अपने ऊपर चल रहे मृत्यु संकट को टाल देंगे और अपने माता-पिता को चिंतित नहीं होने देंगे। उनकी मृत्यु जब निकट आई तब वह शिव की आराधना में लीन थे और महामृत्युंजय मंत्र का जाप कर रहे थे। जब मृत्यु के देवता यमराज बालक मार्कण्डेय को मृत्यु लोक के लिए लेने उनके पास आए। तभी वहां शिव जी प्रकट हो गए और यमराज से वापस जाने के लिए कहा, यमराज ने कहा है प्रभु ये विधि का विधान है इसे टाला नहीं जा सकता।

**महादेव ने दिया मार्कण्डेय को अमर तत्व का वर्दान-** भगवान शिव ने यमराज से कहा में बालक और मेरे प्रिय भक्त मार्कण्डेय की तपस्या और भक्ति से प्रसन्न हूं आप कृप्या यहां से जाएं। यमराज नें भगवान शिव को प्रणाम किया और वह यमपुरी चले गए। तब शिव जी ने मार्कण्डेय को वरदान दिया की आगे चलके आप शव भक्ति के कारण संसार में पूज्यनीय होंगे और आपके नाम की पुराण लोग पढ़ेंगे। आप को मैं अमर होने को वरदान देता हूं साथ ही में यह भी कहता हूं की आज से जो भी पूर्ण विधि से महामृत्युंजय मंत्र का जाप करेगा। उसकी अकाल मृत्यु का संकट टल जाएगा। तो इस प्रकार मार्कण्डय ऋषि चिरंजिवी हुए। इस प्रकार से यह संपूर्ण कथ मार्कण्डेय पुराण में विस्तार पूर्वक लिखी हुई है।

### महामृत्युनजय मंत्र इस प्रकार से

**महामृत्युंजय मंत्र**

**त्र्यम्बकं यजामहे सुगन्धिं पुष्टिवर्धनम्**
**उर्वारुकमिव बन्धनान्मृत्योर्मुक्षीय मामृतात्**

इस मंत्र का पूर्ण विधि विधान से संकल्प लेने के बाद इसका नियमित जाप करना चाहिए। इस मंत्र का लाभ पाने के लिए पूर्ण रूप से इसके जाप का अनुष्ठान कराना चाहिए।

## घर की इस दिशा में रखें मिट्टी के बर्तन दूर होगी नकारात्मक ऊर्जा

पहले जमाने में घरों में मिट्टी के बर्तनों का बहुत ही ज्यादा इस्तेमाल किया जाता था। माना जाता है कि जो लोग मिट्टी के बर्तनों में खाना-खाते हैं वह लंबी उम्र तक निरोगी रहते हैं और लंबी उम्र तक जीते हैं। इसके अलावा मिट्टी के बर्तन घर में रखने से नेगेटिव एनर्जी भी दूर करते हैं।

मां लक्ष्मी का घर में आगमन होता है। तो चलिए आपको बताते हैं मिट्टी के बर्तन से जुड़े वास्तु टिप्स। **दूरी होगी बुरी शक्तियां :** घर में मौजूद नेगेटिव एनर्जी को दूर करने के लिए आप मिट्टी से बना एक दीया लें। इस दीए को तुलसी के पौधे की पूजा करके उसके पास जला दें। माना जाता है कि इससे घर में मौजूद बुरी शक्तियों का नाश होता है और घर में पॉजिटिव एनर्जी भी बढ़ती है। इसके अलावा घर में मां लक्ष्मी आती हैं और सुख-समृद्धि का आगमन होता है। **यहां पर रखें मिट्टी के बर्तन :** मिट्टी के बर्तनों को घर की उत्तर-पूर्व दिशा में रखना शुभ माना जाता है। माना जाता है कि इन बर्तनों को जिस घर में मिट्टी के बर्तन रखे जाते हैं वहां पर देवी-देवताओं का हमेशा वास रहता है। **घर में आएगी सुख-समृद्धि :** मिट्टी को मंगल ग्रह का प्रतीक माना जाता है। माना जाता है इस घड़े का पानी पीने से मन शांत रहता है इसके अलावा शरीर भी एकदम स्वस्थ रहता है। वास्तु मान्यताओं के अनुसार, जिस घर में पानी के घड़े रखे जाते हैं वहां पर हमेशा सुख-समृद्धि रहती है।

**आर्थिक पक्ष होगा मजबूत :** वास्तु शास्त्र के अनुसार, मिट्टी के घड़े के अलावा घर की छत पर एक पक्षियों के लिए भी मिट्टी का बर्तन जरुर रखना चाहिए। माना जाता है कि इससे धन संबंधी समस्याएं दूर होती हैं और आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। पक्षियों के लिए बर्तन रखने से घर में देवी-देवताओं का वास होता है।

-ज्योतिषाचार्य-पंडित आशीष शुक्ल

### दैनिक पंचांग लखनऊ
### मंगलवार, 23 जून 2026

श्री शुभ सम्वत् 2083 शके1948 श्री सूर्य उत्तर अयने पृथ्वी उत्तर गोलगते ग्रीष्म ऋतौ ज्येष्ठ मासोत्तमे शुक्ल पक्षे, नवमी तिथौ मंगल वासरे 16/40/ हस्त नक्षत्रे 11/54/ वरीयान योग 10/14/ कौलव करणे 16/40/ तुला राशिगत चन्द्रमा घं.29 मि.53 पर।

**व्रत एवं त्यौहार-** नवमी में उपोषण करके शुक्ला देवी का पूजन।

**मेष :** अधिकारी से विरोध होगा। कार्य क्षेत्र की स्थिति तनावपूर्ण होगी। कार्य की आलोचना संभव है। पारिवारिक व्यय बढ़ेगा।

**वृष :** दैनिक कार्यों में व्यस्त रहेगे। आर्थिक कमी के चलते पारिवारिक तनाव धैर्य से विपरीत परिस्थितियों में सुधार होगा।

**मिथुन :** किसी शुभ सूचना से स्थिति में सुधार होगा। आमोद प्रमोद में रुचि लेंगे। संतान की ओर से प्रसन्नता रहेगी।

**कर्क :** विरोधी शिथिल होंगे। किसी पड़ोसी के विषय में कानूनी उलझन कष्ट देंगी। बिना सोचे कार्य में पछतावा होगा।

**सिंह :** अधूरे काम पूरे होंगे। महत्वपूर्ण चर्चाएं होंगी। अपने विचारों के अनुरूप वातावरण का निर्माण करना चाहेंगे।

**कन्या :** कार्य व्यापार में सामान्य प्रगति। पुरानी समस्याओं का समाधान। आर्थिक योजना में पूंजी निवेश कर सकते हैं।

**तुला :** व्यापार में सावधानी से कदम उठाएं। हानि संभावित है। कार्यक्षेत्र में अधिकारी से व्यवहार में सावधानी रखें। मतभेद की संभावना है।

**वृश्चिक :** घरेलू निर्णय के विषय में किसी सूचना से विचलित होंगे। वातावरण में सुधार होगा। असंतोष दूर होगा। जीवनसाथी के व्यवहार से परेशान होंगे

**धनु :** अधीनस्थों से उपेक्षा मिलेगी। संभव है कुछ खोना पड़े। महत्वपूर्ण परिचय तथा आर्थिक आश्वासन का लाभ उठा सकते हैं। अधूरे काम पूरे होंगे।

**मकर :** पारिवारिक जीवन में सुख सहयोग विशेष रहेगा। विरोधी के व्यवहार में सुधार आएगा। शुभ मांगलिक कार्यों में सम्मिलित होने से प्रसंन्नता भी बढ़ेगी।

**कुंभ :** स्वास्थ्य नरम होगा। काम में स्थिरता रहेगी। निकट के मित्रों से मेलजोल होगा। शत्रु सक्रिय होंगे। शत्रुओं से निपटना पड़ सकता है।

**मीन :** संचित धन में कमी होगी लेकिन लाभ अन्य वस्तु के रूप में प्राप्त होगा। एकाएक बनते हुए कार्यों में व्यवधान पैदा होंगे। मेहनत से आय होगी।

# जिला बार एसोसिएशन में निर्वाचित पदाधिकारियों का हुआ स्वागत

**स्वतंत्र भारत, बाराबंकी।** नगर के धनोखर सरोवर स्थित भगवान श्री चित्रगुप्त मंदिर परिसर में अखिल भारतीय कायस्थ महासभा व राष्ट्रीय जागरण मंच के संयुक्त तत्वावधान में व मंच अध्यक्ष मनोज श्रीवास्तव के संयोजन में बार एसोसिएशन अध्यक्ष रमन द्विवेदी व महामंत्री प्रदीप श्रीवास्तव का सम्मान समारोह किया गया। संबंधित करते हुए मनोज श्रीवास्तव ने कहा कि जिस प्रकार रमन द्विवेदी व प्रदीप श्रीवास्तव की एतिहासिक विजय के पीछे इनका व्यापक जनसेवा व अधिवक्ताओं के लिए निरंतर संघर्ष रहा है। रमन द्विवेदी ने संबोधित करते हुए कहा कि मैं बाराबंकी कायस्थ समाज के लिए सदैव सहयोग को तत्पर रहूंगा।

इस अवसर अखिल भारतीय कायस्थ महासभा द्वारा प्रदीप श्रीवास्तव को कायस्थ महासभा का जिला उपाध्यक्ष घोषित किया गया। प्रदीप श्रीवास्तव ने कहा कि मैं पूरी शक्ति व ऊर्जा से महासभा को बढ़ाने का प्रयास करूंगा। इस अवसर पर मंदिर समिति महामंत्री सुभाष श्रीवास्तव, महासभा जिलाध्यक्ष सुबोध श्रीवास्तव, संगठन मंत्री हरीश श्रीवास्तव, महामंत्री अजय श्रीवास्तव, योगेन्द्र गुप्ता जी, युवा अध्यक्ष अधिवक्ता गौरव श्रीवास्तव,मंदिर समिति के राजीव श्रीवास्तव, अधिवक्ता अंबरीष श्रीवास्तव, अंशू श्रीवास्तव, अभिषेक श्रीवास्तव सहित अनेकों गणमान्य जनों की गरिमामई उपस्थिति रही।

## सड़क हादसे में युवक की मौत, महिला घायल

**स्वतंत्रभारत, रामनगर बाराबंकी।** थाना क्षेत्र में रविवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौत हो गई, जबकि उसके साथ बैठी महिला घायल हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल महिला को उपचार के लिए अस्पताल भेजा और मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय भेज दिया।जानकारी के अनुसार, थाना क्षेत्र के ग्राम बिठौरा निवासी सोहन (28) बाइक से रामनगर सहादतगंज मार्ग से अपने घर जा रहे थे। उनके साथ बाइक पर उनकी भाभी प्रीति (40) भी सवार थीं। जैसे ही वे ग्राम चांदामऊ के पास पहुंचे, उनकी बाइक सड़क किनारे खड़े एक ट्रक से टकरा गई। टक्कर इतनी तेज थी कि दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। राहगीरों की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों को तत्काल सीएचसी रामनगर पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने सोहन को मृत घोषित कर दिया। वहीं, घायल प्रीति का उपचार किया जा रहा है। युवक की असमय मौत से परिवार में कोहराम मचा हुआ है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है।

# डीएम की अध्यक्षता में सीएम डैशबोर्ड की मासिक समीक्षा बैठक सम्पन्न

**स्वतंत्रभारत, बाराबंकी।** कलेक्ट्रेट स्थित लोकसभागार में जिलाधिकारी ईशान प्रताप सिंह की अध्यक्षता में मुख्यमंत्री डैशबोर्ड के अंतर्गत विभिन्न विभागीय योजनाओं एवं कार्यक्रमों की

- **फैमिली आईडी सहित सभी प्राथमिकता योजनाओं में लक्ष्य के अनुरूप प्रगति सुनिश्चित करने के निर्देश**

प्रगति की मासिक समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में मुख्यमंत्री की प्राथमिकता वाले बिंदुओं पर विभागवार प्रगति, रैंकिंग एवं लक्ष्य पूर्ति की स्थिति की विस्तृत समीक्षा की गई। समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि सभी विभाग शासन द्वारा निर्धारित लक्ष्यों की समयबद्ध पूर्ति सुनिश्चित करें तथा योजनाओं की प्रगति की नियमित मॉनिटरिंग करते हुए जनपद की रैंकिंग में सुधार लाने के लिए प्रभावी प्रयास करें। उन्होंने कहा कि जिन विभागों का प्रदर्शन अपेक्षानुरूप नहीं है, वे व्यक्तिगत रुचि लेते हुए कमियों का तत्काल निराकरण करें। सीडी एवं ई श्रेणी में शामिल विभागों के प्रति नाराजगी व्यक्त करते हुए उन्होंने चेतावनी दी कि लापरवाही अथवा उदासीनता की स्थिति में संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाएगी। बैठक में विशेष रूप से फैमिली आईडी निर्माण की प्रगति की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने सभी खंड विकास अधिकारियों एवं संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शासन स्तर से प्राप्त लक्ष्यों की शत-प्रतिशत पूर्ति सुनिश्चित की जाए तथा प्रत्येक अधिकारी व्यक्तिगत रुचि लेते हुए प्रतिदिन प्रगति की मॉनिटरिंग करें। उन्होंने निर्देशित किया कि पात्र परिवारों का अधिकाधिक पंजीकरण सुनिश्चित करते हुए लक्ष्य के अनुरूप प्रगति लाई जाए तथा किसी भी स्तर पर लंबित प्रकरणों का तत्काल निस्तारण किया जाए। जिलाधिकारी ने सड़क निर्माण, स्वच्छ भारत मिशन, मध्यान्ह भोजन, छात्र उपस्थिति, पर्यटन, प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, मुख्यमंत्री ग्रामीण योजना, ग्रामीण अभियंत्रण, सेतु निर्माण, किसान सम्मान निधि, मनरेगा, दुग्ध विकास, दिव्यांग पेंशन, वृद्धावस्था पेंशन, युवा स्वरोजगार, महिला एवं बाल विकास तथा अन्य योजनाओं की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को प्रगति में और तेजी लाने के निर्देश दिए। साथ ही सभी विभागों को डाटा फीडिंग की शुद्धता, समयबद्ध अपडेट एवं नियमित समीक्षा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी अन्ना सुदन, जिला अर्थ एवं सांख्यिकी अधिकारी, परियोजना निदेशक डीआरडीए, उपायुक्त मनरेगा, जिला पूर्ति अधिकारी, जिला विद्यालय निरीक्षक, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, जिला समाज कल्याण अधिकारी सहित अन्य जनपद स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

## खबर एक नजर

### पति पर मारपीट और अवैध संबंध का आरोप, कार्रवाई की गुहार

**हैदरगढ़ (बाराबंकी)।** लोनीकटरा थाना क्षेत्र के फिरोजाबाद गांव की एक महिला ने अपने पति पर मारपीट,प्रताड़ित करने और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। फिरोजाबाद निवासी पूजा मिश्रा पत्नी दयाशंकर मिश्रा ने पुलिस को दी गई तहरीर में बताया कि 21 जून 2026 को सुबह करीब 11 बजे उसके पति घरेलू बातों को लेकर गाली-गलौज करने लगे। विरोध करने पर आरोपित ने लात-घूंसों तथा लाठी-डंडों से मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। पीड़िता का आरोप है कि उसका पति आए दिन उसे प्रताड़ित करता है। उसने बताया कि वह चार बच्चों की मां है, लेकिन पति न तो उसकी और न ही बच्चों की कोई आर्थिक सहायता करता है। महिला ने यह भी आरोप लगाया कि उसका पति उसे, उसकी सास तथा ससुर को भी अक्सर जान से मारने की धमकी देता है। तहरीर में महिला ने पति पर अपनी साली के साथ अवैध संबंध होने का भी आरोप लगाया है। मामले से परेशान पीड़िता शिकायत लेकर थाने पहुंची और कार्रवाई की मांग की। थाना प्रभारी अभिमन्यु मल्ल ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है मामले की जांच कर तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

### सड़क हादसों में युवक व महिला घायल, रेफर

**हैदरगढ़ बाराबंकी।** स्थानीय कोतवाली अंतर्गत बीती रात अलग-अलग स्थान व समय पर हुए हादसों में सीतापुर जनपद के युवक सहित दो लोग घायल हो गए ।घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद हायर सेंटर के लिए रेफर कर दिया गया है। प्राप्त जानकारी अनुसार हैदरगढ़ औसानेस्वर मार्ग पर बिबियापुर के निकट पड़ने वाली क्रॉसिंग पर रविवार देर रात्रि 24 वर्षीय युवक लहूलुहान अवस्था में पड़ा मिला सूचना पर पहुंची एंबुलेंस द्वारा सी एच सी लाया गया बाद में युवक की पहचान सीतापुर जनपद के थाना चांदपुर के चांदपुर लुधौरी निवासी सोनू पुत्र राम विजय के रूप में हुई सिर व शरीर पर गंभीर चोटों के चलते युवक को प्राथमिक उपचार के बाद ट्रामा सेंटर के लिए रेफर कर दिया गया। एक अन्य सड़क हादसे में घायल पड़ोसी जनपद रायबरेली के थाना शिवगढ़ के बैती गांव निवासी 50 वर्षीय कलावती को भी पैर में फ्रैक्चर के चलते जिला चिकित्सालय के लिए रेफर किया गया।

### नवागत बीडीओ का हुआ स्वागत

**स्वतंत्रभारत, जैदपुर बाराबंकी।** सोमवार को प्रधान संघ के पदाधिकारियों ने नवागत खण्ड विकास अधिकारी मसौली जितेंद्र कुमार का स्वागत किया और शिष्टाचार मुलाकात में ग्राम पंचायतों के विकास कार्यों में सहयोग की अपील की। बताते चले पिछले दिनों खण्ड विकास अधिकारियों के स्थानांतरण में रामनगर ब्लाक से स्थानांतरित होकर आये खण्ड विकास अधिकारी जितेंद्र कुमार ने मसौली ब्लाक का चार्ज संभाला है। सोमवार को प्रधान संघ के ब्लाक अध्यक्ष सोमनाथ राजपूत, महामंत्री नीरज कुमार, उपाध्यक्ष संदीप सिंह, अनिल कुमार वर्मा, मो0 आलम, नूर मोहम्मद, नितिन कुमार आदि ने ब्लाक परिसर में गुलदस्ता भेंट कर गर्मजोशी से स्वागत किया। इस मौके पर ग्राम पंचायतों में विकास कार्यों पर विस्तृत चर्चा हुई। खण्ड विकास अधिकारी जितेंद्र कुमार ग्राम प्रधानों के साथ बैठक कर गांवों में मूलभूत सुविधाओं (पेयजल, स्वच्छता, स्ट्रीट लाइट) को दुरुस्त रखने पर जोर दिया तथा पात्र परिवारों को प्राथमिकता के आधार पर प्रधानमंत्री आवास योजना, आयुष्मान कार्ड और पेंशन योजनाओं का लाभ दिलाने का संकल्प लिया गया तथा बी डी ओ ने आश्वस्त किया कि वे सभी ग्राम पंचायतों के विकास कार्यों और ग्राम सचिवों की समस्याओं के समाधान में पूरा सहयोग प्रदान करेंगे।

### दूल्हे के छोटे भाई ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

**स्वतंत्रभारत, बाराबंकी।** जनपद के टिकैतनगर थाना क्षेत्र के पानापुर गांव में कल एक घटना सामने आई। बड़े भाई की शादी से एक दिन पहले दूल्हे के छोटे भाई ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। इस घटना से शादी की खुशियां मातम में बदल गईं और परिवार में शोक छा गया। जानकारी के अनुसार, सोमवार को बड़े भाई की बारात जानी थी। घर में शादी की रस्में चल रही थीं और तैयारियां जोरों पर थीं। मृतक युवक घर में डीजे बजा रहा था। डीजे पर गाना बजाने को लेकर घर के कुछ लोगों से उसकी मामूली कहासुनी हो गई। यह बात युवक को इतनी नागवार गुजरी कि उसने गुस्से में आकर फांसी लगा ली। परिजनों ने जब उसे देखा तो आनन-फानन में अस्पताल ले गए। हालांकि, डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही टिकैतनगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरा और पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय भेज दिया। सोमवार को पोस्टमार्टम हाउस पर मौजूद मृतक के पिता ने बताया कि आज उनके बड़े बेटे की बारात जानी थी। उन्होंने कहा कि छोटा बेटा कल खुद ही उत्साह से डीजे बजा रहा था, पता नहीं अचानक क्या हुआ और उसने यह कदम उठा लिया। इस हादसे के बाद शादी के सभी कार्यक्रम तत्काल प्रभाव से रोक दिए गए हैं। बारात जाने के दिन छोटे बेटे का शव घर पहुंचने की आशंका से पूरे गांव में सन्नाटा पसरा हुआ है।

### धोखधड़ी में हुआ सात वर्ष का कठोर कारावास

**स्वतंत्रभारत, बाराबंकी।** 'ऑपरेशन कनविक्शन' के तहत चिन्हित अभियोग की प्रभावी पैरवी के परिणामस्वरुप न्यायालय द्वारा धोखधड़ी के अपराध से सम्बन्धित अभियुक्त को 07 वर्ष का कठोर कारावास व 50,000/- रूपये के अर्थदण्ड से दण्डित किया गया। पुलिस महानिदेशक उत्तर प्रदेश लखनऊ द्वारा चलाए जा रहे ऑपरेशन कन्विक्शन अभियान के दृष्टिगत पुलिस अधीक्षक अर्पित विजयवर्गीय के निर्देशन में जघन्य अपराधों में लिप्त अपराधियों को तत्काल गिरफ्तार कर उनके विरुद्ध वैज्ञानिक विधि से साक्ष्य संकलन एवं गुणवत्तापूर्ण विवेचनात्मक कार्यवाही करते हुए 'ऑपरेशन कनविक्शन' के तहत मॉनीटरिंग सेल में नियुक्त अधि0/कर्म0गण/पैरोकार द्वारा न्यायालय में प्रभावी पैरवी व साक्ष्य हेतु महत्वपूर्ण गवाहों को प्रस्तुत कराकर न्यूनतम समय में अधिकतम सजा दिलाये जाने की कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में थाना कोतवाली नगर पर धोखधड़ी के अपराध के सम्बन्ध में पंजीकृत मु0अ0सं0 280/2005 धारा 420/467/468/ भादवि से सम्बन्धित अभियुक्त बृजेश कुमार पुत्र राममनोहर निवासी अजगना थाना जहांगीराबाद जनपद बाराबंकी को उपरोक्त धाराओं में न्यायालय मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट श्रीमती सुधा सिंह कोर्ट नं0-18 बाराबंकी द्वारा 07 वर्ष का कठोर कारावास व 50,000/ रूपये के अर्थदण्ड से दण्डित किया गया।

# निर्माण कार्यों में देरी और गुणवत्ता में कमी पर होगी जवाबदेही तय : डीएम

## विभागीय अधिकारियों को स्थलीय निगरानी बढ़ाने के निर्देश

**स्वतंत्रभारत, बाराबंकी।** कलेक्ट्रेट स्थित लोकसभागार में जिलाधिकारी ईशान प्रताप सिंह ने मुख्य विकास अधिकारी अन्ना सुदन के साथ जनपद में ?50 लाख से अधिक लागत की निर्माणाधीन परियोजनाओं की समीक्षा बैठक की। जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि जनपद में संचालित सभी निर्माण कार्य निर्धारित मानकों के अनुरूप उच्च गुणवत्ता के साथ समय से पूर्ण कराए जाएं। उन्होंने कहा कि कार्यदायी संस्थाओं के साथ-साथ संबंधित विभागों के अधिकारी भी नियमित रूप से स्थलीय निरीक्षण करें तथा निर्माण कार्यों की प्रगति एवं गुणवत्ता पर सतत निगरानी रखें। किसी भी स्तर पर लापरवाही, शिथिलता अथवा गुणवत्ता में कमी पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों एवं कार्यदायी संस्थाओं की जवाबदेही निर्धारित की जाएगी। जिलाधिकारी ने कहा कि जनपद में निर्माणाधीन परियोजनाओं की गुणवत्ता एवं समयसीमा सर्वोच्च प्राथमिकता है। जिन परियोजनाओं की प्रगति अपेक्षित नहीं है, उनमें विशेष ध्यान देते हुए श्रमिकों एवं संसाधनों की संख्या बढ़ाई जाए तथा कार्यों को तेजी से पूर्ण कराया जाए। उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को नियमित मॉनिटरिंग करते हुए निर्माण कार्यों में आने वाली बाधाओं का त्वरित निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में जल निगम (शहरी) द्वारा विभिन्न नगरीय निकायों में संचालित पेयजल योजनाओं के अंतर्गत पाइपलाइन बिछाने एवं पानी की टंकियों के निर्माण कार्यों की धीमी प्रगति पर जिलाधिकारी ने कड़ी नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं कार्यदायी संस्था को कार्यों में तेजी लाने के सख्त निर्देश देते हुए कहा कि जनहित से जुड़ी महत्वपूर्ण परियोजनाओं में किसी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। बैठक में जिला विकास अधिकारी भूषण कुमार, परियोजना निदेशक डीआरडीए राकेश कुमार सिंह सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कार्यदायी संस्थाओं के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

# रेलवे महाप्रबंधक ने किया रेलवे स्टेशन का औचक निरीक्षण

**स्वतंत्रभारत, बाराबंकी।** उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक (जीएम) राजेश कुमार पांडे ने आज बाराबंकी रेलवे स्टेशन का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत चल रहे पुनर्विकास कार्यों का जायजा लिया। महाप्रबंधक ने लगभग एक घंटे तक स्टेशन पर रुककर निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने बताया कि इस योजना के तहत स्टेशन निर्माण का आधा हिस्सा 2026 के अंत तक पूरा हो जाएगा। निरीक्षण के दौरान जीएम पांडे ने स्टेशन परिसर का बारीकी से मुआयना किया। उन्होंने पुरानी इमारत के बिखरे मलबे पर नाराजगी व्यक्त की और अधिकारियों को तत्काल मलबा हटाकर व्यवस्थित पार्किंग बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने यात्रियों के लिए स्पष्ट सांकेतिक चिह्न और स्टेशन परिसर व प्लेटफॉर्म पर बेहतर प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया। महाप्रबंधक ने बंकी फुटओवर ब्रिज के निर्माण कार्य की भी जानकारी ली। स्टेशन के आधुनिकीकरण के दौरान लगभग एक वर्ष पहले पुराने फुटओवर ब्रिज को हटा दिया गया था, जिससे बंकी कस्बे के हजारों स्थानीय लोगों को शहर आने-जाने में परेशानी हो रही है। जीएम ने संबंधित ठेकेदारों और इंजीनियरों को फुटओवर ब्रिज का निर्माण कार्य युद्धस्तर पर पूरा कर इसे जल्द से जल्द जनता के लिए खोलने के निर्देश दिए।

लगभग एक घंटे तक बाराबंकी स्टेशन पर दिशा-निर्देश जारी करने के बाद जीएम राजेश कुमार पांडे विशेष निरीक्षणयान (डीपीसी) से लखनऊ होते हुए दिल्ली के लिए रवाना हो गए। इस औचक निरीक्षण के दौरान उनके साथ लखनऊ मंडल के डीआरएम सुनील कुमार, सीनियर डीसीएम और लखनऊ रेल मंडल के कई अन्य उच्च अधिकारी तथा तकनीकी विशेषज्ञ मौजूद थे।

# हैदरगढ़ चीनी मिल में हुआ योग शिविर का आयोजन

**हैदरगढ़ बाराबंकी।** 12वें अन्तर्राष्ट्रीय योगदिवस पर रविवार सुबह बलरामपुर चीनी मिल्स लिमिटेडबाकीहैदरगढ़ इकाई के कम्युनिटी हाल में योगशिविर का आयोजन किया गया। शिविर में इन्फिनीट योग, नोएडा के योगाचार्य आनन्द कुमार एवं कु0 दिव्यानी मित्तल के मार्गदर्शन में प्रातःकालीन योग शिविर का आयोजन हुआ। कार्यक्रम का शुभारम्भ चीनी मिल के महाप्रबन्धक बी0के0 यादव तथा संचालन मुख्य प्रबन्धक-मा0सं0 एवं प्रशा0 उपदेश शर्मा ने किया। इस अवसर पर चीनी मिल के अधिकारी, कर्मचारी एवं उनके परिवारी जन योग शिविर में शामिल हुए। योगाचार्यो ने विभिन्न यौगिक क्रियाओं का कुशल योगाभ्यास कराया एवं एक खुशहाल जीवन के लिए योग को अपने जीवन में ढ़ालने पर प्रभावशाली ढंग से प्रकाश डाला।

इस योगशिविर में उपस्थित लोगों की भागीदारी पर धन्यवाद ज्ञापित करते हुए चीनी मिल के महाप्रबन्धक श्री बी0के0 यादव ने उपस्थित लोगों को दैनिक जीवन में योग के महत्व को रेखांकित करते हुए बताया कि योगाभ्यास स्वस्थ तन व मन के लिए अत्यन्त आवश्यक है। इस अवसर पर1ल दिलीप शुक्ल (गुरूजी), मनोज त्रिपाठी, महाप्रबन्धक- इंजीनियनिरिंग,गिरिजेश लाल श्रीवास्तव,अपर महाप्रबन्धक-वाणिज्य,योगेन्द्र कनौजिया, स0 महाप्रबन्धक-उत्पादन,विपिन कुमार सिंह, उप प्रबन्धक-मा0सं0, अन्य अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

# क्रांतिकारियों पर डॉ अम्बरीष 'अम्बर' की काव्य रचना स्वागत योग्य : डॉ सूर्य प्रसाद दीक्षित

**स्वतंत्रभारत, बाराबंकी।** 'अमर शहीद राजा जयलाल सिंह सहित अनेक क्रांतिकारियों पर डॉ अम्बरीष 'अम्बर' ने काव्य रचना की है जिसका स्वागत किया जाना चाहिए और भी पढ़ना चाहिए।'

उक्त विचार पूर्व विभागाध्यक्ष हिन्दी प्रोफेसर डॉ सूर्य प्रसाद दीक्षित ने डॉ अम्बरीष 'अम्बर' द्वारा रचित काव्य ग्रंथ ' प्रथम स्वाधीनता संग्राम में अवध का योगदान ' के विमोचन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए व्यक्त किए। उप सचिव उप्र शासन डॉ उमेश 'आदित्य' के काव्यमय स्वागत भाषण के पश्चात् पटेल संस्थान के अध्यक्ष धीरेन्द्र कुमार वर्मा की अध्यक्षता तथा साहित्यकार प्रदीप सारंग के सफल संचालन में विषय प्रवर्तन करते हुए डॉ श्याम सुंदर दीक्षित ने कहा कि स्वतंत्रता संग्राम से संबंधित हुतात्माएं इतिहास की अमूल्य थाती हैं। इन पर कविता रचकर अम्बर जी ने साहित्य - इतिहास प्रस्तुत किया है जिस पर समाज की दृष्टि अपेक्षित है। चीफ टैक्स ऑफिसर एवं मुख्य वक्ता डी एम कटियार ने कहा कि डॉ अम्बर ने पुरुष नायक - राजा जयलाल सिंह, राजा बलभद्र सिंह जी तथा राजा रज्जाक बख्श के साथ ही वीरांगनाओं बेगम हजरत महल व ऊदा देवी की भी वीरता का वर्णन किया है। संयुक्त सचिव उप्र शासन डॉ अम्बरीष कुमार सिंह प्रियदर्शी ने काव्य की उपादेयता बतलाते हुए कहा कि बलिदानियों का चरित्र प्रत्येक व्यक्ति को पढ़ना चाहिए और अगली पीढ़ी तक पहुंचाने के लिए घर में पुस्तक रखनी भी चाहिए। प्रधान संपादिका हिंदी संस्थान डॉ अमिता दूबे जी कहा इस पुस्तक की उपादेयता, गुणवत्ता एवं प्रासंगिकता वरिष्ठ साहित्यकारों द्वारा निरीक्षण एवं प्रमाणित है। पाठकों को क्या पढ़ना चाहिए , पुस्तक इस ओर अनुशासित संकेत करती है। समाजसेवी के के वर्मा ने कहा कि आजादी हिंदू - मुस्लिम तथा उच्च व दलित वर्ग के समन्वित संघर्ष का परिणाम है जिसका पुस्तक में वर्णन बहुत आकर्षक रूप में हुआ है।

डॉ विनय दास ने कहा कि इस कृति में बाराबंकी, बहराइच, लखनऊ तथा कानपुर के स्वतंत्रता सेनानियों का वर्णन विशेष रूप से है साथ ही अवशेष के वर्णन की अपेक्षा की जाती है। वरिष्ठ साहित्यकार अजय सिंह गुरुजी के अनुसार प्रबंध काव्य में पूर्वजों के इतिहास को सुरक्षित एवं संरक्षित करने का सफल प्रयास किया गया है। सरदार पटेल संस्थान के तत्वावधान में विमोचन समारोह मुंशी रघुनंदन प्रसाद सरदार पटेल महिला महाविद्यालय के सभागार किया गया। इस अवसर पर शहीद राजा जयलाल सिंह का स्मारक एवं उन पर अलग से महाकाव्य लिखने की अपेक्षा की गई। वरिष्ठ कवि रामकिशोर तिवारी 'किशोर', अनिल श्रीवास्तव लल्लू, प्रदीप महाजन, डॉ ओ पी वर्मा ओम, डॉ खुशीराम वर्मा , डॉ जगन्नाथ वर्मा, अमर सिंह वर्मा, सिद्धांत पटेल, वासुदेव वर्मा, लाखूराम पटेल, अनिल कुमार वर्मा,डॉ शरद वर्मा, डॉ अनुपम आनंद , डॉ अनिल अविश्रांत तथा डॉ आलोक शुक्ल, डॉ बसंत जी, प्रधानाचार्य राजकुमार तिवारी, प्रधानाचार्य रामपाल वर्मा आदि की गरिमामयी उपस्थिति में विमोचन गुणवत्तापूर्ण रहा।

# फ़िज़ा या अली अकबर की सदाओं से गूँज उठी

## हर गली में इमामे हुसैन के लाडले बेटे की याद में अश्क और अकीदत का सैलाब

**स्वतंत्रभारत, बाराबंकी।** मोहर्रम की छठी तारीख़ को पूरा जिला ग़म और अज़ादारी में डूबा रहा। शहीद-ए-आज़म हज़रत इमाम हुसैन के नूरे नज़र, हमशक्ले-पयम्बर, जाँबाज़ और बहादुर बेटे हज़रत अली अकबर की शहादत पर शहर की फ़िज़ा मातम और नौहे में सराबोर हो गई। हर गली, हर मोहल्ला और हर अज़ाखाना इमामे वक्त की यादों से भरा रहा।

**देवा रोड पर अकीदतमंदी का मंज़र**

देवा रोड स्थित गुलाम अस्करी हॉल में मौलाना मोहम्मद मियां आब्दी साहब ने फ़रमाया कि 'नेकी में सबक़त करो, नमाज़, रोज़ा, हज, ज़कात और अली हक़ हैं।' उन्होंने अली अकबर के मसायब पढ़े, जिसे सुनकर मोमिनीन की आंखें छलक पड़ीं। कार्यक्रम का आगाज़ तिलावत से हुआ और शायरों ने नज़राने अकीदत पेश किए। इस मौक़े पर सिकंदर रिज़वी और मोमिनीन बाराबंकी द्वारा लंगर व सबील का आयोजन भी किया गया जो पहली मोहर्रम से जारी है।

**इमामबाड़ों में गूंजे नौहे और मातम**

कटरा बाराबंकी के इमामबाड़ा मीर मासूम अली में मौलाना जाबिर जौरासी साहब ने अशरे की छठी मजलिस को ख़िताब करते हुए कहा, 'हराम से बचना और वाजिब अमल करना ही असल बंदगी है।' उन्होंने हज़रत अली (अ) की विलायत को ईश्वरीय इनाम बताया। शायरों ने शायरी के माध्यम से अपने जज़्बात पेश किए, जबकि अन्जुमन ग़ुंचये अब्बासिया और अंजुमन इमामियां ने नौहाख़्वानी व सीना ज़नी की।

**आग़ा फ़य्याज़ मियाँ जानी के अज़ाखाने में**

मौलाना फैज़ान मेंहदी ज़ैदपुरी साहब ने कहा, 'जो भी अली के मुक़ाबिल आया, वो हक़ पर नहीं था।' अक़्ले सलीम गुनाहों से पाको पाकीज़ा होती है , जिनकी अक़्ल में गंदगी होती है वो इमामत के मुख़ालिफ़ होता है द्य उन्होंने कहा कि इंसान को अल्लाह ने तमाम नेमतें दी हैं, लेकिन सबसे बड़ी नेमत 'विलायत-ए-आले मोहम्मद' है जिसका हिसाब लिया जाएगा। इस मौके पर शारिब मौरानवी, कलीम रिज़वी व हुजैफा ने नज़्में पेश कीं।

**मोहसिन नक़वी साहब के अज़ाखाने में**

मौलाना अशरफ अली गे गरवी साहब ने फ़रमाया, 'अली का ज़िक्र खुदा का ज़िक्र और इबादत है। 'छः मोहर्रम को शहर और गाँव की फ़िज़ा अली अकबर की याद में शोकाकुल रही। या हुसैन अ., या अली अकबर की सदाओं ने रूहों को झकझोर दिया। मजलिसों में रोने वालों की आंखें और दिल इमामे वक्त की अज़मत को बयान कर रहे थे।

बाराबंकी की ज़मीं गवाह है उस अकीदत और इश्क़ की, जो करबला के शहीदों से जुड़ी है - और यही इस ज़िले की असली तहज़ीब है।

# वायरल वीडियो में किसानों को बताया दलाल

**हैदरगढ़ (बाराबंकी)।** सोशल मीडिया पर वायरल एक वीडियो में किसानों एवं किसान यूनियन को कथित रूप से 'दलाल' कहे जाने से आक्रोशित भाकियू टिकैत के पदाधिकारियों ने तहसील हैदरगढ़ में

- **नाराज भाकियू नेताओं ने दर्ज कराया जोरदार विरोध**
- **ज्ञापन देकर की गई कार्यवाही की मांग**

जोरदार विरोध दर्ज कराया। यूनियन तहसील इकाई हैदरगढ़ ने तहसील अध्यक्ष अशोक सिंह व ब्लॉक अध्यक्ष डॉक्टर हरिराम पाल के नेतृत्व में क्षेत्राधिकारी हैदरगढ़ एवं प्रभारी निरीक्षक कोतवाली हैदरगढ़ को ज्ञापन सौंपकर वायरल वीडियो की जांच तथा दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की मांग की। किसान नेताओं ने कहा कि वायरल वीडियो में तहसील बार एसोसिएशन के अध्यक्ष अचल कुमार मिश्रा निवासी सराय रावत द्वारा किसानों, किसान यूनियन और खेती-किसानी से जुड़े लोगों के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणियां की गई हैं। वीडियो में किसानों को सामूहिक रूप से 'दलाल' बताया गया तथा किसानों के पास जमीन न होने जैसी बातें कही गईं, जिससे किसान समाज की भावनाएं आहत हुई हैं। ज्ञापन सौंपने वालों में भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) के अयोध्या मंडल उपाध्यक्ष महेंद्र प्रताप सिंह, ब्लॉक अध्यक्ष डॉ. हरिराम पाल, ब्लॉक महासचिव राजेश कुमार यादव, मान यादव, राम बहादुर, फौजी राम, रमेश कुमार श्रीवास्तव, राज ललन सहित बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे।

**'नाम बताओ या माफी मांगो' - किसानों की दो टूक**

किसान नेताओं ने प्रशासन से मांग की कि यदि किसी किसान को दलाल कहा गया है तो उसका नाम सार्वजनिक किया जाए और यह भी बताया जाए कि किन किसानों के पास जमीन नहीं है। यदि आरोप निराधार हैं तो किसानों की छवि धूमिल करने वालों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की जाए।चेतावनी दी कि यदि शीघ्र कार्रवाई नहीं हुई तो संगठन व्यापक आंदोलन करने को बाध्य होगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।

## खबर एक नजर

### निःशुल्क ओ-लेवल एवं सीसीसी कंप्यूटर प्रशिक्षण योजना हेतु आवेदन प्रारम्भ

**रायबरेली।** गुरुकुल कंप्यूटर इंस्टिट्यूट की सिविल लाइन्स, रायबरेली एवं बैसवारा डिग्री कॉलेज के बगल, लालगंज स्थित शाखाओं में वित्तीय वर्ष 2026-27 हेतु उत्तर प्रदेश शासन के पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग द्वारा संचालित निःशुल्क नाइलिट ओ लेवल एवं सीसीसी कंप्यूटर प्रशिक्षण योजना के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रारम्भ हो गए हैं। इच्छुक अभ्यर्थी 16 जून 2026 से 10 जुलाई 2026 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। गुरुकुल कंप्यूटर इंस्टिट्यूट, जो कि निलिट से मान्यता प्राप्त संस्थान है, में चयनित अभ्यर्थियों को पूर्णतः निःशुल्क कंप्यूटर प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। संस्थान में आधुनिक कंप्यूटर लैब, अनुभवी प्रशिक्षकों द्वारा गुणवत्तापूर्ण शिक्षण एवं नियमित प्रायोगिक प्रशिक्षण की विशेष व्यवस्था उपलब्ध है। योजना के अंतर्गत प्रशिक्षण निःशुल्क रहेगा, जबकि नाइलिट द्वारा निर्धारित परीक्षा शुल्क अभ्यर्थियों को स्वयं जमा करना होगा। योजना का लाभ ऐसे अभ्यर्थियों को मिलेगा जो उत्तर प्रदेश के निवासी एवं अन्य पिछड़ा वर्ग से संबंधित होंए इंटरमीडिएट उत्तीर्ण हों, जिनकी आयु 35 वर्ष से अधिक न हो तथा अभिभावकों की वार्षिक आय 1.00.000 रू से अधिक न हो। साथ ही अभ्यर्थी किसी अन्य संस्था से छात्रवृत्ति प्राप्त न कर रहा हो। संस्थान के निदेशक प्रवीण कुमार शुक्ला ने बताया कि पात्र अभ्यर्थी अंतिम तिथि की प्रतीक्षा न करें और समय रहते आवेदन प्रक्रिया पूर्ण कर इस महत्वपूर्ण योजना का लाभ उठाएं।

### सेवायोजन, आईटीआई एवं कौशल विकास कार्यक्रमों की प्रगति की समीक्षा बैठक सम्पन्न

**रायबरेली।** जिलाधिकारी सरनीत कौर ब्रोका की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में सेवायोजन एवं रोजगार तथा कौशल विकास मिशन की समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में जनपद में संचालित विभिन्न रोजगारपरक योजनाओं, कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रमों तथा प्लेसमेंट की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि शासन की प्राथमिकता युवाओं को अधिकाधिक रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना है, जिसके लिए योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने सेवायोजन विभाग को निर्देश दिया कि अधिक से अधिक युवाओं का पंजीकरण कराया जाए तथा उन्हें निजी एवं सरकारी क्षेत्र में उपलब्ध रोजगार अवसरों से जोड़ा जाए। बैठक में आईटीआई एवं कौशल विकास मिशन के अंतर्गत चल रहे प्रशिक्षण कार्यक्रमों की गुणवत्ता पर विशेष बल देते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि प्रशिक्षण केवल औपचारिकता न रह जाए, बल्कि युवाओं को वास्तविक रूप से रोजगार योग्य बनाया जाए। उन्होंने प्रशिक्षण संस्थानों की नियमित मॉनिटरिंग करने तथा प्रशिक्षण के उपरांत प्लेसमेंट सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने यह भी निर्देश दिए कि जनपद में आयोजित होने वाले रोजगार मेलों का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए, ताकि अधिक से अधिक युवा इसमें प्रतिभाग कर सकें। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी अंजुलता, प्रधानाचार्य राजकीय आईटीआई जिला समन्वयक विवेक कुमार तिवारी, जनपद के अन्य राजकीय आईटीआई के प्रधानाचार्य, जिला प्रबंधक कौशल विकास राजीव कुमार सिंह, वंदना सिंह सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

### बुजुर्ग की जमीन को धोखे से अपने करा ली नाम

**ऊँचाहार, रायबरेली।** बुजुर्ग की जमीन को एक व्यक्ति ने धोखे से अपने नाम करा ली, बुजुर्ग की बेटी ने कोतवाली में मामले की शिकायत की है। मसौदाबाद मजरे धौरहरा गाँव के जगदीश बुजुर्ग है, जिनकी करीबन 3 बीघे जमीन को तरैया मजरे रोहनियां गाँव के एक व्यक्ति ने धोखे से बैनामा व दानपात्र के जरिये अपने नाम करा ली। जानकारी होने पर उसकी इकलौती बेटी सुशीला ने कोतवाली में उस व्यक्ति के विरुद्ध नामजद तहरीर देकर कार्यवाई की मांग की है। कार्यवाहक कोतवाल संजय कुमार शर्मा ने बताया कि मामले की जांच कराकर आवश्यक कार्यवाई की जायेगी।

### भागवत कथा पांचवे दिन हुआ सम्पन्न

**ऊँचाहार, रायबरेली।** ब्लाक क्षेत्र के कमोली गाँव में सात दिवसीय भागवत कथा का आयोजन चल रहा है। रविवार को कथा के पांचवे दिन यजमान रमेश दुबे ने सपत्नी आरती की, इसके बाद कथा का शुभारंभ हुआए प्रसिद्ध कथा वाचक पंडित तीरथ मिश्रा उर्फ नेपाली बाबा ने अपने मुखर बिंद से श्रीकृष्ण लीला का वर्णन करते हुए प्रसंग सुनाया कि एक बार कंस ने हत्या करने की साजिश से भगवान श्रीकृष्ण व उनके भाई बलदाऊ को उनके चाचा अक्रूर के माध्यम से मथुरा आने का संदेश दिया। जब भगवान श्रीकृष्ण मथुरा जाने लगे तो राधा व गोपिकाओं ने उनसे कहा कि श्याम मथुरा को कल तुम जाओगे, तुम्हे मेरी कसम कब आओगे, जिसे सुनकर श्रोता भावविभोर हो गये। इस मौके पर कथा के आयोजक रामकिशोर दुबे, जिला पंचायत सदस्य आदर्श बाजपेयी, राजू सिंह, राकेश मिश्रा, जगतपाल मौर्या, कुलदीप तिवारी, लालू दुबे आदि लोग मौजूद रहे।

### ऑर्गेनिक कृषि को विस्तार देने की जरूरत

**रायबरेली।** शमा ऋषि गुप्ता की पहल से किसानों के उत्पाद अब देशभर के ग्राहकों तक पहुंच रहे हैं। अमरत्व कृषि को राष्ट्रीय बाजार में विस्तार देने में अमेज़न इंडिया की भूमिका महत्वपूर्ण रही है।
**स्मार्टफोन लान्च :** समय रैना, राजीव माखनी और माधव शेठ की मौजूदगी में नए 5जी स्मार्टफोन पेश किए गए। एआई स्मार्टफोन्स ने इंडियाज़ गॉट नोवा कार्यक्रम के तहत नोवा 2 नियो 5जी और नोवा 2 प्रो 5जी लॉन्च किए।
**ब्यूटी उत्सव :** अनन्या पांडे, जैकलिन फर्नांडीस, शिल्पा शेट्टी, सोनाक्षी सिन्हा, मीरा कपूर और करिश्मा कपूर ने ब्यूटी उत्सव में शिरकत की। अमेज़न इंडिया का ब्यूटीवर्स 2026 2.500 से अधिक प्रतिभागियों और 1.500 से ज्यादा क्रिएटर्स के साथ संपन्न हुआ।

### ऊंचाहार की गोकर्णऋषि गोशाला बंद, सभी मवेशी दूसरी गोशाला में शिफ्ट

**ऊंचाहार, रायबरेली।** कई आरोप और जांच में अव्यवस्था पाए जाने के बाद क्षेत्र के पट्टी रहस कैथवल गांव स्थित गोकर्णऋषि गोशाला आखिरकार सोमवार को बंद कर दी गई। यह कार्रवाई शासन के उसे आदेश के तहत की गई है, जिसमें कम मवेशी वाले गौशालाओं को बंद करने का निर्देश जारी हुआ था। यहां के सारे मवेशियों को दूसरी गोशाला में शिफ्ट कर दिया गया। ज्ञात हो कि कुछ दिन पूर्व ग्रामीणों द्वारा गौशाला में अनियमितता की शिकायत के बाद जिला अधिकारी ने जांच टीम बनाकर आरोपों के हकीकत की पड़ताल कराई थी। जांच टीम ने मौके पर पहुंचकर गौशाला देखा तो टीम को कई अनियमितता मिली। इस संबंध में जांच टीम ने जिला अधिकारी को आख्या रिपोर्ट प्रेषित की थी जिसमें चारा-पानी का अभाव, बीमार मवेशी लावारिस, मृत मवेशियों के खुले में पड़े शव, रिकॉर्ड में गड़बड़ी, गंदगी का अंबार आदि मामले थे। इस बीच सोमवार को गौशाला में एक प्रशासनिक टीम पहुंची। जिसमें वहां रखे गए कुल 80 मवेशियों को क्षेत्र की किशुनदासपुर, खरौली और नगर पंचायत की कान्हा गौशालाओं में शिफ्ट किया गया। इस दौरान एसडीएम विवेक राजपूत, खंड विकास अधिकारी सुनील कुमार सिंह, नगर पंचायत के अधिशासी अधिकारी सिकंदरादित्य आदि लोग मौजूद रहे। खंड विकास अधिकारी ने बताया कि पशुपालन विभाग से एक शासनादेश जारी हुआ है। जिसके तहत कम मवेशियों की गौशालाओं के मवेशियों को दूसरे गौशाला में शिफ्ट करने का निर्देश जारी हुआ था। जिसके तहत यह कार्रवाई की गई है। इस गौशाला में न्यूनतम 100 मवेशी होना चाहिए था।

### नाले में गिरा बालक

**रायबरेली।** लालगंज चिलौला गांव में रविवार को दोस्तों के साथ पेड़ पर चढ़कर खेल रहा बालक करंट की चपेट में आकर 20 फीट ऊंचाई से गिर गया। इससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। गांव निवासी मयंक 10 पुत्र बाबादीन अपने साथियों अनमोल और लकी के साथ गांव के बाहर चिलबिल के पेड़ पर चढ़कर खेल रहा था। पेड़ के ऊपर से गुजर रही बिजली की लाइन के संपर्क में आने से उसे करंट लग गया।

## डीएम की अध्यक्षता में विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान की बैठक सम्पन्न

**स्वतंत्र भारत संवाददाता, रायबरेली।** जिलाधिकारी सरनीत कौर ब्रोका की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में 01 से 31 जुलाई 2026 तक चलने वाले विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान तथा 11 से 31 जुलाई 2026 के मध्य दस्तक अभियान को लेकर जनपद स्तरीय अन्तर्विभागीय टास्क फोर्स की बैठक कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। बैठक में जिलाधिकारी ने संचारी रोगों की रोकथाम एवं नियंत्रण के लिए पूरी तैयारी समयबद्ध ढंग से किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि संचारी व विषाणु जनित रोगों के दृष्टिगत किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। उन्होंने कहा कि मलेरिया, डेंगू, चिकनगुनिया, डायरिया आदि संचारी रोगों से जुड़े मामलों की आशंका को देखते हुए जनपद में अन्तर्विभागीय समन्वय से युद्धस्तर पर अभियान को आगे बढ़ाया जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान जनपद में 01 से 31 जुलाई 2026 तक संचालित किया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि बारिश से पहले संचारी रोग नियंत्रण के संबंध में सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित कर लें। उन्होंने कहा कि जनपद में दोनों अभियानों को सफल बनाने हेतु ब्लाक स्तर पर बैठक आयोजित कर ली जाये। बैठक में सम्बन्धित विभागों से समन्वय कर एक माइक्रो प्लान तैयार कर लिया जाये। उन्होंने कहा कि जितना अच्छा माइक्रोप्लान तैयार किया जाएगा, उतना ही बेहतर कार्य होगा। उन्होंने कहा कि बरसात के मौसम में वेक्टर जनित रोगों की संभावना अधिक रहती है, जिसको ध्यान में रखते हुए माइक्रो प्लान तैयार किया जाये। जिलाधिकारी ने कहा कि इस अभियान के अंतर्गत तालाबों, नालों व नालियों में एण्टी लार्वा का छिड़काव तथा कूड़े का निस्तारण उचित ठीक ढंग से कराया जाए। अभियान में निगरानी समितियां डोर-टू-डोर सर्वे करेंगी और यदि कोई बच्चा बुखार आदि से ग्रसित होगा, तो उसे मेडिसिन किट उपलब्ध कराएंगी साथ ही महिलाओं तथा कुपोषित बच्चों को पुष्टाहार उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि ग्राम पंचायत व निकायों द्वारा स्वच्छता, सैनिटाइजेशन, फ ॉगिंग व शुद्ध पेयजल के लिए कार्य किया जाएगा। ग्रामीण स्तर पर संचारी रोगों के नियंत्रण हेतु तालाबों-नालों व नालियों की साफ-सफाई सुनिश्चित की जाए। वेक्टर जनित रोगों की रोकथाम के लिए समय समय पर टीकाकरण अभियान चलाया जाए। उन्होंने सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश दिये कि जनपद में जलभराव व साफ -सफ ाई पर विशेष ध्यान दिया जाए तथा नालियों की साफ-सफ ाई के साथ फॉगिंग भी कराया जाए। बैठक में मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ नवीन चंद्रा, उपायुक्त श्रम रोजगार प्रमोद सिंह, जिला पंचायत राज अधिकारी विनय सिंह, जिला उद्यान अधिकारी जयराम वर्मा, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी राहुल सिंह, जिला कार्यक्रम अधिकारी सुरेन्द्र कुमार सहित संबंधित विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहें।

### ट्रक व पिकअप में टक्कर, दोनों वाहनों में लगी आग

**रायबरेली।** बछरावां में सोमवार सुबह एक तेज रफ्तार ट्रक और पिकअप की टक्कर के बाद दोनों वाहनों में आग लग गई। इससे अफरातफरी मच गई। हादसा बछरावां थाना क्षेत्र के कीर्ति ढाबा के पास हुआ, जहां तेज रफ्तार ट्रक ने पिकअप वाहन को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर के बाद पिकअप पलट गई और दोनों वाहनों में आग भड़क उठी। पिकअप में सवार चार लोग गंभीर रूप से झुलस गए। स्थानीय लोगों ने साहस दिखाते हुए घायलों को बाहर निकाला। सूचना पर पहुंची फायर ब्रिगेड ने आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक दोनों वाहन जलकर खाक हो चुके थे। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

## रेल उत्पादन को नई रफ्तार, रेलवे बोर्ड के वरिष्ठ अधिकारी ने एमसीएफ और व्हील प्लांट का किया निरीक्षण

**स्वतंत्र भारत संवाददाता, रायबरेली।** रेलवे बोर्ड के प्रधान कार्यकारी निदेशक/मैकेनिकल इंजीनियर (उत्पादन इकाई) डब्ल्यू-आई अतुल सिंह ने सोमवार को आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना एमसीएफ तथा फोर्ज्ड व्हील प्लांट का दौरा किया। इस अवसर पर उन्होंने कोच एवं फोर्ज्ड व्हीलों के उत्पादन से संबंधित विषयों पर एमसीएफ के महाप्रबंधक रामन कृष्णन एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ विस्तृत समीक्षा बैठक की। बैठक के दौरान श्री सिंह ने एमसीएफ एवं फोर्ज्ड व्हील प्लांट द्वारा गत वर्ष किए गए उत्पादन नवाचारों एवं उपलब्धियों की समीक्षा की तथा उत्पादन क्षमता में वृद्धि, गुणवत्ता सुधार एवं भविष्य की कार्ययोजनाओं पर विस्तार से चर्चा की। दौरे के क्रम में श्री सिंह ने सर्वप्रथम फोर्ज्ड व्हील प्लांट का निरीक्षण किया। उन्होंने फोर्ज्ड व्हीलों के उत्पादन को बढ़ाने तथा प्लांट की अवसंरचना के विकास से संबंधित विषयों पर अधिकारियों के साथ विचार-विमर्श किया। साथ ही मशीनों की कार्यक्षमता एवं रखरखाव की स्थिति की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने उत्पादन कार्यों में सुरक्षा मानकों के पूर्ण अनुपालन पर विशेष बल देते हुए मशीनों पर कार्यरत कर्मचारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसके पश्चात श्री सिंह ने एमसीएफ के प्रधान मुख्य यांत्रिक अभियंता विवेक खरे के साथ फिनिशिंग शॉप का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने तैयार किए जा रहे कोचों की गुणवत्ता का गहन अवलोकन किया तथा कर्मचारियों से उत्पादन प्रक्रिया एवं कार्यप्रणाली के संबंध में संवाद किया। उन्होंने कहा कि उत्पादन लक्ष्यों की प्राप्ति के साथ-साथ कोचों की गुणवत्ता बनाए रखना भी अत्यंत महत्वपूर्ण है और इस दिशा में निरंतर सतर्कता बरती जानी चाहिए। फि निशिंग शॉप के निरीक्षण के दौरान श्री सिंह ने यात्रियों की सुविधा एवं आराम को ध्यान में रखते हुए निर्मित किए जा रहे वंदे भारत कोचों का भी अवलोकन किया तथा उनके निर्माण कार्य की प्रगति की जानकारी प्राप्त की। दौरे के समापन पर श्री अतुल सिंह ने एमसीएफ एवं फोर्ज्ड व्हील प्लांट के अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए उन्हें भविष्य में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन जारी रखने के लिए प्रोत्साहित किया।

## अनदेखी के कारण पहचान खो रहा पीडब्ल्यूडी गेस्ट हाउस

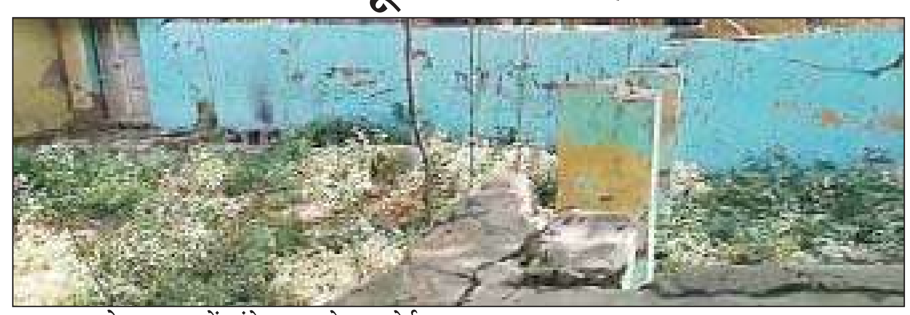

**रखरखाव के अभाव में लंबे समय से ना कोई अधिकारी दे रहा ध्यान अव्यवस्थाओं के बीच पहचान खो रहा गेस्टहाउस**

**स्वतंत्र भारत संवाददाता, डलमऊ रायबरेली।** विभागीय उदासीनता और लापरवाही के आलम से सरकारी संपत्ति अपनी पहचान खोने के मुहाने पर खड़ी है जहां पर दुकानदारों की अवैध कब्जेदारी अपने पांव पसार रही है। मुराईबाग कस्बे में स्थित लोक निर्माण विभाग पीडब्ल्यूडी का गेस्ट हाउस इन दिनों अपनी बदहाली पर आंसू बहाता नजर आ रहा है। कभी अधिकारियों और कर्मचारियों के ठहरने के लिए बनाए गए इस सरकारी भवन की स्थिति अब चिंताजनक हो चुकी है। देखरेख के अभाव में गेस्ट हाउस अव्यवस्थाओं का केंद्र बन गया है, जबकि जिम्मेदार अधिकारी इस ओर ध्यान देने से कतरा रहे हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार गेस्ट हाउस में लंबे समय से किसी विभागीय अधिकारी का आना-जाना नहीं है। इसका लाभ उठाकर कुछ लोगों ने परिसर और कमरों पर कब्जा जमा लिया है। बताया जाता है कि कई कमरे किराए पर दिए गए हैं, जिससे सरकारी संपत्ति का निजी उपयोग किया जा रहा है। गेस्ट हाउस परिसर में साफ-सफ ई की व्यवस्था पूरी तरह चरमराई हुई है। जगह-जगह गंदगी का अंबार लगा हुआ है और भवन के रखरखाव पर भी कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है। कमरों की हालत जर्जर होती जा रही है, जिससे यहां ठहरने की मूल व्यवस्था भी प्रभावित हो चुकी है। सरकारी संपत्ति की इस दुर्दशा की जानकारी संबंधित अधिकारियों को होने के बावजूद कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जा रही है।

लोगों ने प्रशासन से गेस्ट हाउस की जांच कराकर अवैध कब्जों को हटाने तथा भवन के संरक्षण एवं रखरखाव की व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की है। सरकारी संपत्तियों की सुरक्षा और उनके समुचित उपयोग को लेकर प्रशासन भले ही बड़े.बड़े दावे करता हो, लेकिन मुराई बाग स्थित पीडब्ल्यूडी गेस्ट हाउस की हालत इन दावों की हकीकत बयां कर रही है। अब देखना यह होगा कि जिम्मेदार अधिकारी इस ओर कब तक ध्यान देते हैं और सरकारी संपत्ति को उसकी पहचान वापस दिलाने के लिए क्या कदम उठाते हैं।

## पीएम आवास योजना ग्रामीण में बड़े पैमाने पर धांधली का आरोप

**स्वतंत्र भारत संवाददाता, सतांव, रायबरेली।** प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण में बड़े पैमाने पर धांधली का आरोप लगाते हुए ग्रामसभा बरउवा के ग्रामीणों ने सोमवार को जिलाधिकारी और मुख्य विकास अधिकारी को शिकायती पत्र सौंपा। ग्रामीणों का आरोप है कि बीते शनिवार को शासन के निर्देश पर आवास के संबंध में खुली बैठक हुई थी, लेकिन ग्राम पंचायत सचिव और प्रधान पति ने चुनिंदा लोगों को ही सूचना दी और बाकी मजरे के लोगों को खुली बैठक के सम्बन्ध मे कोई जानकारी व मुनादी नही कराई गई। शिकायती पत्र में बताया गया है कि शासन को गुमराह करने के लिए केवल एक जगह मुनादी कराकर वीडियो बना लिया गया।

इसके बाद ग्राम पंचायत अधिकारी द्वारा प्रधान पति के आवास पर ही बैठक कर ली गई, जबकि नियमानुसार बैठक पंचायत भवन में होनी चाहिए थी। जब ग्रामीणों को इसकी जानकारी हुई और उन्होंने बीडीओ से शिकायत की, तो आनन-फानन में पंचायत भवन में दूसरी बैठक बुलाई गई, लेकिन उस बैठक में ग्राम प्रधान खुद मौजूद नहीं थीं। ग्रामीणों का दावा है कि इसका वीडियो भी उनके पास उपलब्ध है। गांव की रहने की वाली रेनू पत्नी श्याम सुन्दर, सीमा पत्नी स्व. रामविलास, रेखा पत्नी अनिल कुमार, मीना पत्नी संतलाल, अनीता पत्नी गरीब, सुशीला पत्नी कल्लू, अर्चना पत्नी लाला आदि ने डीएम से मांग की है कि पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कराई जाए और दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई हो। साथ ही छूटे हुए पात्र लोगों के नाम आवास सूची में जोड़े जाएं और अपात्र लोगों के नाम हटाए जाएं। ग्रामीणों का कहना है कि वास्तविक गरीब और जरूरतमंद लोग आज भी टूटी-फूटी झोपड़ियों में रहने को मजबूर हैं, जबकि रसूखदारों के नाम सूची में शामिल कर लिए गए हैं।

## सामाजिक सदभाव बिगाड़ने वालों पर हो कार्यवाही-सपा

**स्वतंत्र भारत संवाददाता, रायबरेली।** समाजवादी पार्टी के जिला अध्यक्ष इ. वीरेन्द्र यादव की अगुवाई में पार्टी का प्रतिनिधिमंडल पुलिस अधीक्षक से मिलकर एक लिखित शिकायत कर दोषियों के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्यवाही की मांग गयी है। ज्ञातव्य है कि बीती रात्रि में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव की फ़ोटो लगी विवादित भाषा शैली लिखकर अज्ञात लोगों द्वारा बड़ी बड़ी होर्डिंग्स शहर रायबरेली में सिविल लाइंस चौराहा पुलिस बूथ के पास, सारस होटल चौराहा, जीजीआईसी के गेट के पास एवं बस स्टैण्ड रोड हीरो एजेंसी के पास व कई स्थानों पर लगाकर वर्ग विशेष को लक्ष्य कर सामाजिक सदभाव बिगाड़ने का प्रयास किया गया है। पुलिस अधीक्षक को दी गयी तहरीर में कहा गया कि उपरोक्त होर्डिंग्स सीसीटीवी कैमरों की निगरानी में हैं होर्डिंग्स पर प्रिंटिंग प्रेस का नाम अंकित नहीं है और न ही नगर पालिका द्वारा अधिकृत वेंडर को सूचना दी गयी है सभी होर्डिंग्स अच्छी प्रकार एवं ऊंचाई पर लगी हैं जिससे प्रतीत होता है कि ऐसा कृत्य करने वाले बहुत प्रभावशाली व्यक्ति हैं पत्र देकर मुक़दमा दर्ज कर दोषियों को चिन्हित कर कठोर कार्यवाही की माँग की गयी है। उपस्थित पत्रकारों को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष ने कहा कि अयोध्या में राम मंदिर में चंदा चोरी के मामले को पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने प्रमुखता से उठाया है जिससे प्रदेश सरकार एवं भाजपा के लोग बौखला कर ऐसे काम कर रहे हैं यह कृत्य निंदनीय है। विधायक श्याम सुंदर भारती ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार महगाई बेरोजगारी व भ्रष्टाचार के मुद्दे पर विफल हो चुकी है आम जनता का ध्यान भटकाने के लिये भाजपा के लोग राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव की लोकप्रियता पर प्रहार कर रहे हैं। विधायक राहुल लोधी ने कहा कि भाजपा के लोग भगवान के मंदिर में भी चोरी कर रहे हैं अब आम जनमानस का भरोसा योगी सरकार पर नहीं बचा है। प्रतिनिधिमंडल में पूर्व प्रत्याशी आरपी यादव, चौ. सुरेश निर्मल, प्रदेश सचिव डॉ शशिकांत शर्मा, महासचिव मो अरशद खान, ओपी यादव, शुभम लोहिया, श्रवण आज़ाद, सौरभ सिंह, दिनेश पिंटू आदि लोग उपस्थित रहे।

## आंख में आँसू, हर तरफ मातम के बीच बरामद हुआ अली असगर का झूला

**स्वतंत्र भारत संवाददाता, ऊंचाहार, रायबरेली।** 6 माह के प्यासे अली असगर के सूखे होठ, दुश्मन के जहर से बुझा तीर, मासूम असगर का छलनी सीना, जैसे मार्मिक दास्तां सुनते सुनाते हुए सोमवार को छठवीं मुहर्रम पर असगर का झूला बरामद हुआ तो हर तरफ मातम ही मातम था। हजारों की भीड़ से उठती रोने की आवाज ने हर किसी की आंखो को नम कर दिया था। ऊंचाहार कस्बे में 6वीं मुहर्म के जुलूस ने हजारो की संख्या मे हुसैनी अक़ीदतमंद जुटे थे द्य इमाम बाड़े मे पहले मजलिस हुई। जिसमे मौलाना अली मोहम्मद ने संबोधित करते हुए कर्बला की घटना का बयान किया। उन्होने बताया कि जब असगर के होठ सूख गए, भीषण गर्मी मे वह पानी के लिए तड़प रहे थे, तो इमाम हुसैन ने द्श्मन से मासूम की प्यास बुझाने के लिए पानी मांगा था, लेकिन जालिम ने मासूम असगर को मौत दे दिया। इसी के साथ अली मुक्तदा के इमामबाड़े से असगर का झूला निकला। जो जुलूस के रूप में आगे बढ़ा। रास्ते मे अशरफ हुसैन असद और मो अनस ने व्यवस्था संभाली।

अन्जुमन-ए-नक़विया मुस्तफ ाबाद के मुख्यवक्ता ने बताया कि अली असगर कर्बला के सबसे छोटे शहीद हैं, उनका झूला हमे बताता है कि जुल्म की कोई हद नहीं होती और हक के लिए कुर्बानी की कोई उम्र नहीं होती। अंजुमन के लोगों ने पूरे जुलूस में नौहाखानी की। झूला यहां से निकलकर अपने निर्धारित रास्तों से होता हुआ इशियाक नकवी के आजखाने पहुंचा। रास्ते ने लोगों ने शरबत पानी पिलाकर अली असगर को याद किया। अकीदतमंदों ने मन्नत के धागे बांधे और नन्हे बच्चों के लिए दुआ मांगी। कई घरों में औरतों ने असगर की नज़र का खाना बनाकर फ ातिहा पढ़ी। इस मौके पर प्रमुख लोगों में आरिफ हुसैन, ओवेश नकवी, सुल्तान अब्बास, हसनैन मुस्तफ ाबादी, खिजा मुस्तफ ाबादी, राहिल नकवी, सैफ मेंहदी, अमन मेंहदी, आदिल नकवी, कोनेन अब्बास, शमशाद हुसैन, हैदर अब्बास मोनू, कैसर अब्बास, इमरान नकवी, तुरआब अख्तर, अनीस हैदर और राज नकवी समेत हजारों की संख्या में लोग मौजूद थे।

## एम्स में दर्द निवारण बाह्य रोगी विभाग शुरू, 23 जून से मिलेगी सेवा

**स्वतंत्र भारत संवाददाता, रायबरेली।** अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान में आज समर्पित दर्द निवारण बाह्य रोगी विभाग का शुभारंभ किया गया। इसका उद्घाटन कार्यकारी निदेशक प्रो. डॉ अमिता जैन ने किया। संज्ञाहरण एवं गहन चिकित्सा विभाग के अंतर्गत शुरू हुआ यह विभाग कमर दर्द, गर्दन दर्द, कैंसर से होने वाला दर्द, तंत्रिका दर्द, जोड़ों.मांसपेशियों का दर्द और शल्य चिकित्सा के बाद लंबे समय तक रहने वाले दर्द से पीड़ित रोगियों को विशेषज्ञ उपचार देगा। इस विभाग में पराश्रव्य व एक्स-रे निर्देशित दर्द निवारक प्रक्रियाएं, रेडियो तरंग उष्मा उपचार, कम चीर-फ ाड़ वाली मेरुदंड प्रक्रियाएं, प्लेटलेट समृद्ध प्लाज्मा, वृद्धि कारक सांद्रण और अस्थि मज्जा सांद्रण जैसी उन्नत पुनर्योजी चिकित्सा भी उपलब्ध होगी। कार्यकारी निदेशक प्रो. अमिता जैन ने कहा कि इससे रोगियों को सुलभ और गुणवत्तापूर्ण उपचार मिलेगा और उनके जीवन की गुणवत्ता सुधरेगी। डॉ गिरीश कुमार सिंह ने बताया कि दीर्घकालिक दर्द अब एक स्वतंत्र रोग माना जाता है जिसके लिए विशेष इलाज जरूरी है। बाह्य रोगी विभाग का समय 23 जून से सप्ताह में तीन दिन मंगलवार व शुक्रवार डॉ गिरीश कुमार सिंह, डॉ अनिल कुमार, बुधवार को डॉ जमील अब्दुल अलीम, डॉ अदाबला विजय बाबू मिलेंगे। उद्घाटन के समय डॉ प्रगति गर्ग, डॉ अर्चना वर्मा, कर्नल अखिलेश सिंह व अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

## मोहर्रम को लेकर पुलिस-आरएएफ का फ्लैग मार्च, सुरक्षा व्यवस्था का लिया जायजा

**स्वतंत्र भारत संवाददाता, सलोन, रायबरेली।** आगामी मोहर्रम पर्व को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से पुलिस प्रशासन पूरी तरह सतर्क नजर आ रहा है। पुलिस अधीक्षक रवि कुमार के निर्देशन में जनपद में शांति एवं कानून व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए थाना ऊंचाहार, नसीराबाद एवं सलोन पुलिस टीम द्वारा रैपिड एक्शन फोर्स आरएएफ के साथ संयुक्त रूप से पैदल रूट मार्च किया गया। फ्लैग मार्च के दौरान पुलिस एवं आरएएफ के जवानों ने अपने.अपने थाना क्षेत्रों के मिश्रित आबादी वाले इलाकों, भीड़भाड़ वाले बाजारों तथा मोहर्रम जुलूस के निर्धारित मार्गों का भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। इस दौरान लोगों को सुरक्षा का एहसास कराते हुए शांति एवं सौहार्द बनाए रखने की अपील की गई। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि त्योहारों के दौरान किसी भी प्रकार की अफवाह, अराजकता या कानून व्यवस्था को प्रभावित करने वाले तत्वों पर कड़ी नजर रखी जा रही है। रूट मार्च का उद्देश्य आमजन में विश्वास कायम करना तथा असामाजिक तत्वों को सख्त संदेश देना है कि कानून व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी। फ्लैग मार्च के दौरान पुलिस बल और आरएएफ के जवानों की मौजूदगी से क्षेत्र में सुरक्षा का माहौल दिखाई दिया। स्थानीय नागरिकों ने भी प्रशासन की इस पहल की सराहना करते हुए शांति एवं भाईचारे के साथ त्योहार मनाने का संकल्प दोहराया।

# महाकाल : भस्म आरती में वीआईपी कल्चर पर लगाम

## अब एक मोबाइल नंबर से तीन महीने में सिर्फ एक बार मिलेगी अनुमति

**उज्जैन।** भगवान महाकाल की भस्म आरती में बार-बार अनुमति लेने वालों पर अब मंदिर समिति ने सख्ती कर दी है। नए नियम के तहत अब कोई भी श्रद्धालु, चाहे आम हो या प्रोटोकॉल वाला, एक मोबाइल नंबर से तीन महीने में केवल एक बार ही भस्म आरती की अनुमति ले सकेगा। याद रहे कि अब तक कई श्रद्धालु प्रोटोकॉल या दूसरे तरीकों से हर महीने भस्म आरती की ऑनलाइन अनुमति लेकर दर्शन कर रहे थे। लगातार मिल रही शिकायतों के बाद मंदिर समिति ने पुराने नियम को फिर से सख्ती से लागू कर दिया है। अब एक बार अनुमति लेने के बाद उसी मोबाइल नंबर से दोबारा बुकिंग के लिए 90 दिन का इंतजार करना होगा। बता दें कि 2024 में भी तत्कालीन कलेक्टर नीरज सिंह ने भस्म आरती की बुकिंग में धांधली की शिकायतों के बाद एक आधार और एक मोबाइल नंबर से तीन महीने में एक बार अनुमति का नियम बनाया था। कुछ समय तक ये व्यवस्था चली, लेकिन बाद में बंद कर दी गई थी। अब फिर से शिकायतें बढ़ने पर नियम को प्रभावी ढंग से लागू किया गया है। महाकाल मंदिर के प्रशासक प्रथम कौशिक ने साफ किया कि यह व्यवस्था पहले से लागू है। अब इसे और प्रभावी तरीके से लागू किया जा रहा है ताकि आम श्रद्धालुओं को भी आसानी से दर्शन का मौका मिले। अब एक ही मोबाइल नंबर का बार-बार उपयोग नहीं हो सकेगा।

### आम श्रद्धालुओं के लिए बड़ी राहत

इस नियम से उन आम भक्तों को फायदा होगा जो महीनों तक ऑनलाइन बुकिंग नहीं कर पाते थे। अब वीआईपी और बार-बार दर्शन करने वालों की मोनोपॉली टूटेगी। मंदिर समिति का दावा है कि इससे भस्म आरती में पारदर्शिता बढ़ेगी।

### इस तरह बदले नियम

पहले- प्रोटोकॉल से हर महीने बुकिंग संभव थी
अब- हर मोबाइल नंबर से 3 महीने में सिर्फ 1 बार बुकिंग
लागू- आम श्रद्धालु + प्रोटोकॉल दोनों पर
उद्देश्य- बार-बार दर्शन करने वालों पर रोक, सबको समान मौका
आधार कार्ड- एक आधार से भी 3 महीने में 1 बार ही अनुमति

# ग्राम पंचायतो में कराए गए तीन वर्ष के कार्यों की होगी जांच

**चित्रकूट।** डीएम पुलकित गर्ग की अध्यक्षता एवं सीडीओ डीपी पाल की उपस्थिति में बैठक कर जिला पंचायत राज अधिकारी को निर्देश दिए गए कि विगत तीन वर्षों में जिन ग्राम पंचायतों में राज्य वित्त आयोग एवं 15वां वित्त आयोग की धनराशि का सबसे अधिक भुगतान हुआ है उनके कार्यों का जनपद स्तरीय अधिकारियों एवं तकनीकी अधिकारियों की टीम गठित कर निरीक्षण कराया जाए। सर्वाधिक भुगतान वाली ग्राम पंचायतों का मुख्य विकास अधिकारी भी निरीक्षण करेगें। टीमें निरीक्षण में कराए गए कार्य, अभिलेखों का रखरखाव, टेण्डर प्रकिया एवं ठेकेदार कौन है सब देखेगें। इसके साथ ही ग्राम पंचायत में आरआरसी एवं ई-रिक्सा संचालक की स्थिति भी देखेगें। प्राथमिक, उच्च प्राथमिक विद्यालयों के कायाकल्प के कार्यों का सत्यापन सहायक विकास अधिकारी एवं खण्ड विकास अधिकारी से कराया जाएगा। जिन ग्राम पंचायतों में कमियां पायी जाएगीं उनके सचिवों के विरूद्ध कड़ी कार्यवाही की जाएगी।

# सोशल मीडिया बढ़ रहा फर्जी पेपर बेचने का अपराध

**इंदौर।** इंदौर क्राइम ब्रांच की विशेष जांच टीम यानी एसआईटी ने नीट का फर्जी प्रश्नपत्र बेचने के नाम पर ऑनलाइन धोखाधड़ी करने वाले एक कानून के छात्र को हिरासत में लिया है। पकड़ा गया आरोपी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर फर्जी विज्ञापन और पोस्ट डालकर अभ्यर्थियों को असली प्रश्नपत्र उपलब्ध कराने का झांसा देता था और बदले में उनसे

### हर साल सैकड़ों छात्र ठगे जा रहे

मोटी रकम ऐंठता था। इंदौर में बड़ी संख्या में लोग सोशल मीडिया के उपयोग से छात्रों को फंसा रहे हैं। सिर्फ नीट ही नहीं बल्कि एमपीपीएससी, बैंक और अन्य प्रमुख परीक्षाओं के पेपर देने के बहाने छात्रों से हर साल लाखों रुपए ठग लिए जाते हैं।

एडिशनल डीसीपी राजेश दंडोतिया ने बताया कि हर साल सैकड़ों छात्र इस तरह के लोगों के चंगुल में फंस जाते हैं। सोशल मीडिया प्लेटफार्म का उपयोग करके सायबर अपराधी छात्रों को फंसा लेते हैं और उन्हें फर्जी पेपर देकर लाखों रुपए ठग लेते हैं। अधिकांश छात्र डर के कारण पुलिस के पास शिकायत करने के लिए भी नहीं आते हैं। पुलिस पूछताछ और शुरुआती तकनीकी जांच में यह बात सामने आई है कि अपराधी परीक्षा के आयोजन से ठीक पहले इंस्टाग्राम, टेलीग्राम और अन्य सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर सुनियोजित तरीके से फर्जी और भ्रामक पोस्ट वायरल करते हैं। इन पोस्ट्स में वह परीक्षा का मूल प्रश्नपत्र या कुछ विशेष अध्ययन सामग्री शत-प्रतिशत उपलब्ध कराने का बड़ा दावा करते हैं। यह देखकर छात्र फंस जाते हैं और अपराधियों के खातों में आनलाइन पैसे पहुंचाकर फर्जी पेपर ले लेते हैं।

# शराब के नशे में बेटे ने मां को मार डाला, पिता भी घायल

**सुंदरनगर (मंडी)।** मंडी जिले के सुंदरनगर उपमंडल के जयदेवी क्षेत्र के गहरी गांव में रविवार रात एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई, जहां घरेलू विवाद खूनी वारदात में बदल गया। शराब के नशे में हुए विवाद के दौरान एक बेटे ने कथित तौर पर डंडे से हमला कर अपनी मां की निर्मम हत्या कर दी, जबकि पिता बीच-बचाव करने आए तो वे भी गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए आरोपी बेटे को गिरफ्तार कर लिया है और मामले की गहन जांच शुरू कर दी है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, यह वारदात रविवार रात करीब 10 बजे गहरी गांव में हुई। गांव निवासी 61 वर्षीय फागनु राम और उनके 40 वर्षीय बेटे खेमा राम के बीच शराब पीने के बाद किसी बात को लेकर कहासुनी शुरू हो गई। देखते ही देखते यह कहासुनी इतनी बढ़ गई कि खेमा राम ने आपा खो दिया और डंडे से अपने पिता पर हमला कर दिया। इस दौरान, बीच-बचाव करने के लिए जब खेमा राम की 55 वर्षीय मां पार्वती देवी आईं, तो आरोपी बेटे ने उन पर भी डंडे से वार कर दिया। मां के सिर पर गंभीर चोट लगी, जिससे उनकी मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। इस हमले में पिता फागनु राम भी गंभीर रूप से घायल हो गए।

# दिल्ली में लड़की ने सिपाही को कुचला

**नई दिल्ली।** दिल्ली के अशोक विहार इलाके में बिना लाइसेंस की कार चला रही एक युवती ने दिल्ली पुलिस के सिपाही को कुचल दिया। नांगलोई के रहने वाला सिपाही जितेंद्र कुमार घटना के समय बाइक से थाने जा रहे थे। दोनों पैर पर कार का

- पहले टक्कर मारी, फिर पैरों पर चढ़ाई कार
- बिना लाइसेंस कैसे मिली गाड़ी?

पहिया चढ़ने से वह बुरी तरह घायल हो गए। घटना की जानकारी के बाद पुलिस ने उसे पास के दीपचंद बंधु अस्पताल में भर्ती कराया। कार चला रही युवती की पहचान 19 साल की ओशिन गुप्ता के रूप में हुई है। पुलिस ने उसके खिलाफ मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी के मुताबिक 28 साल का जितेंद्र कुमार अपने परिवार के साथ नांगलोई इलाके में रहते हैं। वह दिल्ली पुलिस ने बतौर सिपाही कार्यरत हैं। उनकी तैनाती अशोक विहार थाने में हैं। अशोक विहार थाने में दर्ज प्राथमिकी में सिपाही ने बताया कि 19 जून की रात एक शव को बाबू जगजीवन राम अस्पताल के मोर्चरी में रखवाने के बाद वह बाइक से अशोक विहार थाने की ओर जा रहे थे। तभी पीछे से आ रही एक टोयोटा कोरोला अल्टिस कार की चालक ने कार को अचानक बांयी ओर मोड़कर उनकी बाइक में टक्कर मार दी। टक्कर लगने से वह बाइक सहित सड़क पर गिर गए। इतने में भी चालक ने कार नहीं रोकी और उनके दोनों पैरों पर चढ़ा दी। बाइक पहिया के पास आने से कार रुक गई। उन्हें पैर में काफी चोट लगी थी। पीड़ित ने बताया कि आस पास के लोगों ने वहां पहुंचकर उन्हें कार के नीचे से निकाला। इसी दौरान कार की ड्राइविंग सीट से एक लड़की बाहर निकली। जिसने अपना नाम ओशिन गुप्ता बताया। वह वेस्ट पंजाबी बाग की रहने वाली है। घटना की जानकारी मिलते ही अशोक विहार थाने की पुलिस ने उन्हें पास के अस्पताल में भर्ती कराया। मौके पर पहुंची पुलिस को एक कार और क्षतिग्रस्त बाइक मिली। वहां कार चलाने वाली युवती भी मौजूद थी।

### युवती के पास नहीं लाइसेंस, हुई गिरफ्तार

पूछताछ करने पर पता चला कि युवती के पास ड्राइविंग लाइसेंस भी नहीं है। पुलिस ने युवती को हिरासत में ले लिया। बाद में पुलिस ने घायल सिपाही के बयान पर आरोपी चालक के खिलाफ बिना लाइसेंस तेजी, गफलत व लापरवाही से वाहन चलाने का मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया। उत्तर पश्चिम जिला पुलिस उपायुक्त आकांक्षा यादव ने बताया कि पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

# खालिस्तान-गैंगस्टर गठजोड़ के नाम पर मांगी 10 करोड़ की रगंदारी

**नई दिल्ली।** सुरक्षा बलों और सेना के लिए रक्षा उपकरण (हथियार) बनाने वाली कंपनी के संस्थापक और प्रबंध निदेशक साहिल लूथरा को जान से मारने की धमकी देकर 10 करोड़ की रंगदारी मांगने के आरोप में अपराध शाखा ने

### अपराध शाखा ने पंजाब से तीन को दबोचा

पंजाब से तीन लोगों को दबोचा है। आरोपी खालिस्तानी और गैंगस्टर गठजोड़ के नाम से पीड़ित को धमकाकर रंगदारी मांग रहे थे। पकड़े गए आरोपियों की पहचान तरनतारन, पंजाब निवासी गुरपिंदर सिंह उर्फ प्रिंस (32), शमशेर सिंह उर्फ सैम (35) और पंजाब पुलिस के पूर्व एएसआई जसवंत सिंह (59) निवासी अमृतसर के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक आरोपी जसवंत सिंह को पंजाब पुलिस ने बर्खास्त कर दिया था। इसके बाद वह साहिल लूथरा की कंपनी में नौकरी करने लगा और कंपनी की पंजाब डिवीजन का काम देखता था। पुलिस ने आरोपियों के पास से पांच मोबाइल फोन व अन्य सामान बरामद किया है। आरोपी जसवंत सिंह के खिलाफ पहले भी पंजाब में दो मामले दर्ज हैं। पुलिस पकड़े गए तीनों आरोपियों को रिमांड पर लेकर पूछताछ कर रही है। मामले की जांच जारी है। अपराध शाखा के विशेष आयुक्त एचजीएस धालीवाल ने बताया कि 17 अक्तूबर 2025 को चाणक्यपुरी थाने में 10 करोड़ रंगदारी मांगे जाने की एक शिकायत आई थी। साहिल ने बताया कि अगस्त और सितंबर में उनके पास खालिस्तानी आतंकियों और गैगस्टर गठजोड़ की बात कर जान से मारने की धमकी भरे मैसेज व कॉल्स आए। गैंगस्टर गोल्डी बराड़ के नाम से रंगदारी मांगी जाती थी। 4 जून 2026 को उनको एक विदेशी नंबर से व्हाट्सएप पर धमकी भरा वॉयस नोट मिला।

# जम्मू-कश्मीर में सीआईएसएफ के हवाले होगी पांच जेलों की सुरक्षा

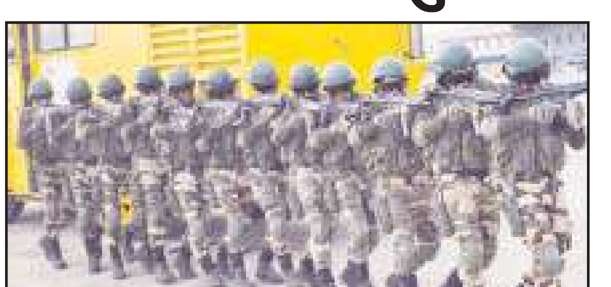

**श्रीनगर।** केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) जम्मू-कश्मीर के दो केंद्रीय कारागारों के बाद अन्य जेलों में भी अपनी उपस्थिति बढ़ाने जा रहा है। बल ने बताया कि उसे जल्द ही केंद्र शासित प्रदेश की पांच अन्य जेलों की

### आंतरिक स्थिति के मद्देनजर फैसला

भी सुरक्षा सौंपी जाएगी। इनमें उच्च सुरक्षा जेल, महानपुर (कठुआ), जिला जेल जम्मू, अनंतनाग, कुपवाड़ा और बारामूला शामिल हैं। जम्मू-कश्मीर की आंतरिक सुरक्षा के मद्देनजर यह फैसला महत्वपूर्ण माना जा रहा है। सीआईएसएफ अक्तूबर 2023 से केंद्रीय कारागार श्रीनगर और जम्मू की कोट भलवाल स्थित केंद्रीय जेल की सुरक्षा का जिम्मा संभाल रही थी। तब से अब तक बल ने प्रशिक्षित जवानों और आधुनिक सर्विलांस सिस्टम की मदद से इन संवेदनशील जेलों की भीतरी और बाहरी सुरक्षा को अभेद्य बनाया है। पहले इन जेलों में कैदियों तक संचार उपकरण (मोबाइल, सिम कार्ड) और नशीले पदार्थ पहुंचाने की कई कोशिशें होती थीं। सीआईएसएफ की तैनाती के बाद से एक सख्त और बहुस्तरीय सुरक्षा तंत्र लागू किया गया है, जिसने सुरक्षा में सेंधमारी और तस्करी पर पूरी तरह से लगाम लगा दी है। वर्तमान मॉडल की प्रभावशीलता को देखते हुए, अब पूरे जम्मू-कश्मीर में एक समान और पेशेवर सुरक्षा ढांचा तैयार करने के लिए सीआईएसएफ की सुरक्षा छतरी का विस्तार किया जा रहा है। आतंकवाद और अन्य गंभीर अपराधों से जुड़े कैदियों वाली इन उच्च सुरक्षा जेलों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सीआईएसएफ अत्याधुनिक उपकरणों का इस्तेमाल कर रहा है। इनमें नॉन-लीनियर जंक्शन डिटेक्टर, जिनकी मदद से छिपे हुए इलेक्ट्रॉनिक सर्किट का पता लगाया जा सकता है।

# 'मेरी जिंदगी में एक भारतीय और एक पाकिस्तानी'

**वॉशिंगटन।** अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने स्विट्जरलैंड के बर्गनस्टॉक में एक दिलचस्प बयान दिया है। वहां इस समय अमेरिका और ईरान के बीच कूटनीतिक बातचीत

### उपराष्ट्रपति वेंस के मजाक ने बटोरीं सुर्खियां

चल रही है। इसी दौरान वेंस ने अपनी निजी जिंदगी और कूटनीति को मिलाकर एक मजेदार टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि उनके जीवन में दो लोग बेहद महत्वपूर्ण हैं। इनमें एक भारतीय और एक पाकिस्तानी है। उपराष्ट्पति का यह मजाकिया अंदाज सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वेंस ने बताया कि उनके जीवन में शामिल भारतीय उनकी पत्नी उषा वेंस हैं। वहीं, वह पाकिस्तानी शख्सियत कोई और नहीं बल्कि पाकिस्तान के सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर हैं। वेंस ने यह बात बर्गनस्टॉक में मीडिया से बातचीत के दौरान कही। वहां क्षेत्र में शांति स्थापित करने के लिए ईरानी अधिकारियों के साथ अहम बैठकें चल रही थीं। जब वेंस यह बयान दे रहे थे, तब वहां पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ मौजूद थे। उनके साथ सेना प्रमुख आसिम मुनीर भी वहीं थे। ये दोनों नेता पाकिस्तान और कतर की मध्यस्थता में चल रही इस शांति वार्ता में हिस्सा लेने स्विट्जरलैंड आए हैं। वेंस ने इस्लामाबाद के अपने पिछले दौरे को याद करते हुए यह किस्सा सुनाया। उन्होंने पिछले तीन महीनों में आसिम मुनीर के साथ हुई लगातार बातचीत पर जोर दिया। वेंस ने कहा कि उन्होंने पिछले तीन महीनों में मुनीर से जितनी बात की है, उतनी शायद किसी और से नहीं की। उन्होंने कहा कि मुनीर के कुशल नेतृत्व और सैन्य सूझबूझ के बिना यह वार्ता मुमकिन नहीं थी। वेंस ने मुनीर को एक बेहतरीन राजनयिक बताया। इससे पहले अप्रैल में हुई अमेरिका-ईरान वार्ता का पहला दौर 21 घंटे की लंबी बैठक के बाद बेनतीजा रहा था। वेंस ने तब भी कहा था कि बातचीत के टूटने में मध्यस्थों की कोई गलती नहीं थी।

### चर्चा में आया वेंस का अंतरधार्मिक विवाह

इस बयान ने एक बार फिर जेडी वेंस के 12 साल पुराने अंतरधार्मिक विवाह को चर्चा में ला दिया है। उनकी पत्नी उषा वेंस भारतीय मूल की हैं। उनके माता-पिता आंध्र प्रदेश से अमेरिका जाकर बस गए थे। जेडी वेंस और उषा की मुलाकात 2010 में येल लॉ स्कूल में हुई थी। साल 2014 में उन्होंने हिंदू रीति-रिवाजों के साथ शादी की थी। उनके तीन बच्चे हैं और जल्द ही चौथे बच्चे का जन्म होने वाला है।

## एक नजर

### गायों की मौत का कारण जानने आज गांव भैंसा पहुंचेगी जांच समिति

**मथुरा।** गांव भैंसा में 23 मई को गौशाला में हुई गायों की मौत के कारणों का पता लगाने के लिए जिलाधिकारी ने एक अस्थाई समिति का गठन किया है। समिति जांच कर अपनी रिपोर्ट जिलाधिकारी को सौंपेगी। यह रिपोर्ट महत्वपूर्ण साबित हो सकती है। गांव भैंसा के वर्तमान प्रधान जगन्नाथ सिंह का दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया था। उनके निधन के बाद गांव में मृत्युभोज का आयोजन किया गया, जिसमें चौरासी गांवों के लोगों को आमंत्रित किया गया था। भोज के बाद बचा हुआ पुआ और दही गांव से बाहर स्थित गौशाला में गोवंश को खिलाने के लिए भेज दिया गया। घटना के बाद ग्राम प्रधान के पुत्र के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई थी। उसे गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। यह मामला न्यायालय में विचाराधी है। ऐसे में यह जांच बेहद महत्वपूर्ण साबित हो सकती है। मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. नरेंद्र नारायण शुक्ला ने अवगत कराया है कि जिला मजिस्ट्रेट द्वारा अपर जिलाधिकारी न्यायिक की अध्यक्षता में समिति का गठन किया गया है। 23 मई 2026 को ग्राम भैंसा में स्थित अस्थायी गोआश्रय स्थल में किसी असामाजिक व्यक्ति द्वारा भोजन सामग्री इत्यादि डाल दी गयी थी, जिसका सेवन गोआश्रय स्थल भैंसा में संरक्षित गोवंशों द्वारा कर लिये जाने के फलस्वरूप कुछ गोवंशों की मृत्यु होना प्रकाश में आया है। उपरोक्त प्रकरण की गहनता से जांच करने के लिए अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) मथुरा की अध्यक्षता में एक समिति का गठन किया गया है। समिति में मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी, खण्ड विकास अधिकरी तथा वित्तीय परामर्शदाता, जिला पंचायत सदस्य के रूप में सामिल किये गये हैं। गठित समिति अस्थायी गोआश्रय स्थल भैंसा में घटित घटना की जांच के लिए 23 जून को पूर्वान्ह 11.30 बजे भ्रमण करेगी। घटना के सम्बन्ध में जिस भी व्यक्ति के पास कोई तथ्य हैं तो वह समिति को अवगत करा सकते हैं।

### डकैती की योजना बनाते पांच युवक पकडे

**एक तमंचा, तीन मोबाइल फोन किये बरामद**

**मथुरा।** थाना गोवर्धन पुलिस ने डकैती की योजना बनाने के आरोप में पांच अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। इनके कब्जे से भारी मात्रा में अवैध हथियार बरामद किये गये हैं। सोमवार को सकीतरा की ओर जाने वाले कच्चे रास्ते के पास खाली जगह पर सूनसान इलाका से अभियुक्त दीपक पुत्र नाहर सिंह निवासी शाहपुर थाना कोतवाली डींग जिला डींग राजस्थान, राकेश पुत्र जगदीश निवासी सकीतरा, सोनू पुत्र बाबू लाल निवासी सकीतरा थाना गोवर्धन, हर्षित पुत्र देवेन्द्र निवासी डाक्टर पाण्डेय वाली गली थाना गोवर्धन तथा रतन उर्फ टल्लू पुत्र विजय निवासी सकरवा रोड कस्बा व थाना गोवर्धन को गिरफ्तार किया। पुलिस ने इनके कब्जे से एक तमंचा, सब्बल, पेचकस और तीन एन्ड्राइड मोबाइल बरामद किये हैं। गिरफ्तार अभियुक्तों का पुलिस आपराधिक इतिहासक खंगाल रही है। कार्यवाही करने वाली टीम में प्रभारी निरीक्षक भगवत सिंह गुर्जर थाना गोवर्धन, एसआई शीलचन्द्र गौतम चौकी प्रभारी गांठोली, एसआई चौधरी सतेन्द्र सिंह चौकी प्रभारी देवसेरस, एसआई विकेश तोमर, एसआई मनोज कुमार थाना गोवर्धन आदि पुलिसकर्मी शामिल थे।

# जल संकट से जूझ रहे हैं हिमालय के गांव

## ग्लेशियरों के गायब होने के बीच नई तकनीक से मिल रहा पानी

**लेह।** जलवायु परिवर्तन के कारण हिमालयी क्षेत्रों में छोटे ग्लेशियर तेजी से सिकुड़ रहे हैं, जिससे लद्दाख जैसे शुष्क पर्वतीय इलाकों में खेती और पेयजल का संकट गहराता जा रहा है। इस चुनौती से निपटने के लिए लद्दाख में विकसित की गई कृत्रिम बर्फ भंडारण तकनीक किसानों के लिए नई उम्मीद बनकर उभरी है। स्वचालित तकनीक से तैयार किए जा रहे विशाल बर्फ स्तंभ वसंत ऋतु में पिघलकर खेतों को पानी उपलब्ध करा रहे हैं और भूजल पुनर्भरण में भी मदद कर रहे हैं। लद्दाख के सक्ती गांव सहित कई हिमालयी बस्तियों में खेती पूरी तरह बर्फ और ग्लेशियरों से मिलने वाले पानी पर निर्भर रही है। हालांकि पिछले कुछ दशकों में कम ऊंचाई वाले छोटे ग्लेशियर लगभग समाप्त हो गए हैं, जिससे किसानों के सामने सिंचाई का गंभीर संकट खड़ा हो गया है। यह रिपोर्ट बीबीसी की वेबसाइट पर द आर्टिफिशियल आइस पिरामिड्स सेविंग इंडियाज माउंटेन विलेज शीर्षक से प्रकाशित हुई है। करीब 4,000 मीटर की ऊंचाई पर स्थित सक्ती गांव अत्यंत शुष्क क्षेत्र में आता है, जहां वर्षा बहुत कम होती है। इसी के मद्देनजर 2010 में लद्दाख के कुछ गांवों ने आइस स्तूपा नामक तकनीक अपनाई थी। इसमें पहाड़ों से पाइपों के जरिए पानी लाकर सर्दियों में हवा में फव्वारे की तरह छोड़ा जाता था, जो जमकर बर्फ के बड़े टावरों का रूप ले लेता था। वसंत में यही बर्फ पिघलकर खेतों को पानी देती थी। हालांकि इस प्रणाली को संचालित करना बेहद कठिन था। तापमान शून्य से 20 से 30 डिग्री सेल्सियस नीचे पहुंचने पर पाइपों में पानी जम जाता था, जिससे पाइप फटने का खतरा बना रहता था। इन चुनौतियों को देखते हुए निजी संस्था एकर्स ऑफ आइस और स्थानीय प्रशासन ने मिलकर ऑटोमेटेड आइस रिजर्वायर (एआईआर) तकनीक विकसित की है। इस प्रणाली में भी ऊंचाई वाले क्षेत्रों से पानी पाइपों के जरिये नीचे लाया जाता है, लेकिन पूरा संचालन कंप्यूटर नियंत्रित प्रणाली द्वारा किया जाता है। सौर ऊर्जा से संचालित नियंत्रण इकाई मौसम, तापमान, आर्द्रता और पाइप के भीतर पानी की स्थिति पर लगातार नजर रखती है। यदि पाइप में पानी जमने का खतरा होता है तो प्रणाली स्वतः पानी निकाल देती है, जिससे पाइप फटने की समस्या नहीं आती।

# बायो इनपुट रिसोर्स सेंटर के लिए करें आवेदन

**चित्रकूट।** उप कृषि निदेशक जेएल गुप्ता ने बताया कि कृषि विभाग से संचालित नेशनल मिशन ऑन नेचुरल फार्मिंग योजनान्तर्गत वित्तीय वर्ष 2026-27 में भारत सरकार द्वारा प्रदेश के प्रत्येक जनपद में एक बायो इनपुट रिसोर्स सेंटर चयन करने के निर्देश प्राप्त हुए हैं। प्राकृतिक साधनों को सफलतापूर्वक अपनाने के लिए पशु और पौधों पर आधारित प्राकृतिक संसोधानों की तैयारी के लिए पशुधन और पौधों तक पहुंच महत्वपूर्ण है। इसलिए स्थानीय स्तर पर उद्यम मॉडल में एनएफइनपुट के उत्पादन और आपूर्ति के लिए बीआरसी (बायो इनपुट रिसोर्स सेंटर) स्थापित करने और प्राकृतिक खेती (एनएफ) अपनाने के इच्छुक किसानों और जो स्वयं इन्हे तैयार करने की स्थिति में नही है उन्हे सहायत प्रदान करने का प्रस्ताव है। ग्राम पंचायत गौशालाओं, एनएफ किसानों, एफपीओ, एसएचजी, पैक्स सहकारी समितियों, स्थानीय ग्रामीण उद्यमी आदि द्वारा संचालित किया जायेगा।

# सेंसेक्स 291 अंक चढ़ा, निफ्टी 24100 के पार

**नई दिल्ली।** घरेलू शेयर बाजार में हफ्ते के पहले कारोबारी दिन प्रमुख बेंचमार्क सूचकांक हरे निशान पर बंद हुए। 30 शेयरों के सूचकांक सेंसेक्स 291.17 (0.37त्न) अंकों की बढ़त के साथ 77,094.07 के स्तर पर बंद हुआ। सोमवार के सत्र के दौरान सेंसेक्स 522.66 अंकों यानी 0.68 प्रतिशत की बढ़त के साथ 77,325.56 के दिन के सर्वकालिक स्तर तक पहुंचने में सफल रहा। दूसरी ओर, 50 शेयरों का वृहद सूचकांक निफ्टी 89.81 (0.37त्न) अंकों की मजबूती के साथ 24,102.90 पर बंद हुआ। सोमवार के कारोबारी सत्र के बाद सिप्ला के शेयर पांच प्रतिशत तो टेक महिंद्रा के शेयर दो फीसदी की बढ़त के साथ बंद हुए। रिलायंस जियो के आईपीओ के एलान के बाद रिलायंस के शेयरों में भी 1.31 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई और इसके शेयर 1326.55 रुपये के भाव पर कारोबार करते हुए बंद हुए। रुपया सोमवार को डॉलर के मुकाबले 37 पैसे मजबूत होकर 94.70 (अनंतिम) के स्तर पर बंद हुआ।

**जानते हैं बाजार का हाल विस्तार से-** ताजा विदेशी पूंजी निवेश और रिलायंस इंडस्ट्रीज तथा एचडीएफसी बैंक जैसे बड़े शेयरों में खरीदारी से बाजार को मजबूती मिली। सेंसेक्स में टेक महिंद्रा, सन फार्मा, रिलायंस इंडस्ट्रीज, इंफोसिस, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स और बजाज फिनसर्व प्रमुख लाभ में रहे। वहीं, एशियन पेंट्स, टाइटन, पावर ग्रिड और ट्रेंट नुकसान में रहे। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 1.66 फीसदी गिरकर 79.23 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। विदेशी संस्थागत निवेशकों ने 19 जून को 4,859.07 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे थे।

**वैश्विक बाजार का प्रदर्शन कैसा रहा-** एशियाई बाजारों में दक्षिण कोरिया का कोस्पी, जापान का निक्केई 225 सूचकांक और शंघाई का एसएसई कंपोजिट सूचकांक बढ़त के साथ बंद हुए। हालांकि, हांगकांग का हैंग सेंग सूचकांक गिरावट के साथ समाप्त हुआ। यूरोप के बाजार ज्यादातर गिरावट में कारोबार कर रहे थे। अमेरिकी बाजार 19 जून को जूनटीन्थ अवकाश के कारण बंद थे।

**अमेरिकी-ईरान वार्ता का क्या असर हुआ-** एनरिच मनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी पोनमुडी आर ने बताया कि अमेरिकी-ईरान वार्ता के रचनात्मक समापन से वैश्विक भावना मजबूत हुई। तकनीकी वार्ता जारी रहने से राजनयिक प्रगति की उम्मीदें बढ़ी हैं। अमेरिका और ईरान दो दिनों की बातचीत के बाद 60 दिनों के भीतर अंतिम समझौते पर सहमत हुए हैं। यह समझौता स्विट्जरलैंड के बर्गेनस्टॉक में हुआ, जिसकी जानकारी पाकिस्तान और कतर ने दी। जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा कि उपयोगिता, बैंकिंग और स्वास्थ्य सेवा क्षेत्रों के बेहतर प्रदर्शन से बाजार को समर्थन मिला।

# चांदी 5,828 महंगी, 2.38 लाख पर पहुंची, सोने का दाम 2,340 बढ़ा

**नई दिल्ली।** सोने-चांदी के दाम में 22 जून को तेजी रही। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार, एक किलो चांदी 5,828 रुपए बढ़कर 2.38 लाख रुपए पर पहुंची। इससे पहले शुक्रवार को इसकी कीमत 2.32 रुपए प्रति किलो थी। वहीं, 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 2,340 रुपए बढ़कर 1.47 लाख रुपए पर पहुंच गया है। 19 जून को इसकी कीमत 1.45 रुपए थी।

**सोना इस साल 14,111 और चांदी 7,381 महंगी-** इस साल सोने-चांदी की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। सोना 2026 में अब तक 14,111 रुपए और चांदी 7,381 रुपए महंगी हुई है। 31 दिसंबर 2025 को 10द्द सोना 1.33 लाख रुपए पर था, जो अब 1.47 लाख रुपए पर पहुंच गया है। वहीं, चांदी 31 दिसंबर 2025 को 2.30 लाख रुपए किलो थी, जो अब 2.38 लाख रुपए पर पहुंच गई है। इस दौरान 29 जनवरी को सोने ने 1.76 लाख रुपए और चांदी ने 3.86 लाख रुपए का ऑलटाइम हाई भी बनाया था।

**ज्वेलर्स से सोना खरीदते समय इन बातों का रखें ध्यान-** सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें॒ हमेशा ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड का हॉलमार्क लगा हुआ सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें। ये नंबर अल्फान्यूमेरिक यानी कुछ इस तरह से हो सकता है- AZ4524। हॉलमार्किंग से पता चलता है कि सोना कितने कैरेट का है। कीमत क्रॉस चेक करें॒ सोने का सही वजन और खरीदने के दिन उसकी कीमत कई सोर्सेज (जैसे इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन की वेबसाइट) से क्रॉस चेक करें। सोने का भाव 24 कैरेट, 22 कैरेट और 18 कैरेट के हिसाब से अलग-अलग होता है।

**असली चांदी की पहचान करने के तरीके-** मैग्नेट टेस्ट॒ असली सिल्वर चुंबक से नहीं चिपकती। अगर चिपक जाए तो फेक है।

# कमजोर मानसून बिगाड़ सकता है देश की आर्थिक चाल, रिजर्व बैंक ने बुलेटिन में दी यह चेतावनी

**नई दिल्ली।** दक्षिण-पश्चिम मानसून का कमजोर रहना देश की वृद्धि और मुद्रास्फीति के दृष्टिकोण के लिए बाधा बन सकता है। भारतीय रिजर्व बैंक ने सोमवार को जारी जून महीने की बुलेटिन में यह बात कही। आरबीआई की रिपोर्ट के अनुसार, वैश्विक आर्थिक परिदृश्य अभी भी नाजुक बना हुआ है। पश्चिम एशिया में हालिया अंतरिम शांति समझौते के बावजूद भू-राजनीतिक तनाव और व्यापार व्यवधान लगातार बने हुए हैं। यह रिपोर्ट देश की आर्थिक स्थिति पर महत्वपूर्ण प्रकाश डालती है। बुलेटिन में प्रकाशित अर्थव्यवस्था की स्थिति नामक एक लेख में यह जानकारी दी गई है। वैश्विक आर्थिक परिदृश्य अमेरिका-ईरान अंतरिम शांति समझौते से मिली कुछ राहत के बावजूद कमजोर बना हुआ है। लेख में बताया गया है कि इस समझौते का टूटना कई महत्वपूर्ण जोखिमों को फिर से बढ़ा सकता है। इनमें मुद्रास्फीति संबंधी उम्मीदें प्रमुख हैं। यह महत्वपूर्ण ऊर्जा बुनियादी ढांचे को बाधित कर सकता है। इसके अलावा, निवेश व्यय में देरी भी हो सकती है। खाद्य सुरक्षा संबंधी चिंताएं भी बढ़ सकती हैं। एक प्रतिकूल वित्तीय स्थिरता दृष्टिकोण भी सामने आ सकता है।

**क्या वैश्विक चुनौतियां भारत पर असर डालेंगी?**

अमेरिका-ईरान समझौते के टूटने से खाद्य सुरक्षा संबंधी चिंताएं बढ़ सकती हैं। इससे प्रतिकूल वित्तीय स्थिरता दृष्टिकोण और संरचनात्मक रूप से कम वृद्धि का जोखिम पैदा हो सकता है। भू-राजनीतिक तनाव और व्यापार व्यवधान वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए बड़ी चुनौती बने हुए हैं। इन वैश्विक चुनौतियों का असर भारत पर भी पड़ सकता है। केंद्रीय बैंक ने इन जोखिमों के प्रति आगाह किया है। वैश्विक स्तर पर व्यापार में आने वाली बाधाएं भी चिंता का विषय हैं।

**भारतीय अर्थव्यवस्था की स्थिति कैसी है?**

चुनौतीपूर्ण वैश्विक माहौल के बीच, भारतीय अर्थव्यवस्था चौथी तिमाही 2025-26 में 7.8 फीसदी की दर से बढ़ी। यह वृद्धि निजी खपत और निश्चित निवेश के मजबूत समर्थन से हुई है। 2026-27 के पहले दो महीनों के उच्च-आवृत्ति संकेतक बताते हैं कि आर्थिक गति बनी हुई है। मई में तेजी के बावजूद, उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) मुद्रास्फीति स्थिर बनी रही। यह दर्शाता है कि कीमतें नियंत्रण में हैं। घरेलू मांग में लगातार सुधार देखा जा रहा है।

**भारत की ताकत क्या है?**

भारत का बाहरी क्षेत्र लचीला बना हुआ है। इसे प्रत्यक्ष विदेशी निवेश प्रवाह और पर्याप्त विदेशी मुद्रा भंडार से मजबूत समर्थन मिला है। बुलेटिन में कहा गया है कि भारतीय अर्थव्यवस्था कई अन्य देशों की तुलना में बेहतर बुनियाद के साथ इस उथल-पुथल में प्रवेश कर चुकी है। यह झटके को झेलने में सक्षम है। देश की मजबूत आर्थिक बुनियाद उसे वैश्विक अस्थिरता से निपटने में मदद करेगी। केंद्रीय बैंक ने साफ किया कि बुलेटिन में व्यक्त विचार लेखकों के अपने हैं, भारतीय रिजर्व बैंक के नहीं।

# ग्रेट निकोबार प्रोजेक्ट से कैसे बदलेगा समुद्री अर्थशास्त्र, इस परियोजना का क्यों हो रहा विरोध?

**नई दिल्ली।** भारत सरकार जिस ग्रेट निकोबार प्रोजेक्ट को 21वीं सदी का सबसे बड़ा द्वीपीय इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट बता रही है, उसे लेकर पर्यावरणविदों, आदिवासी अधिकार समूहों और विपक्षी दलों ने सवाल खड़े किए हैं। सरकार इसे राष्ट्रीय सुरक्षा, समुद्री व्यापार और आर्थिक विकास के लिए जरूरी बता रही है, जबकि आलोचकों का कहना है कि यह प्रोजेक्ट पर्यावरण और आदिवासी समुदायों पर भारी पड़ सकता है।

**ग्रेट निकोबार प्रोजेक्ट क्या है?**

भारत सरकार %द्वीपों के समग्र विकास% कार्यक्रम के तहत ग्रेट निकोबार द्वीप को एक वैश्विक समुद्री और व्यापारिक हब में बदलना चाहती है। इस मेगा-प्रोजेक्ट की अनुमानित लागत करीब 72,000 करोड़ से 82,000 करोड़ रुपये है और इसे 166.10 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र (द्वीप का करीब 16त्न हिस्सा) में विकसित किया जाएगा। कुछ अनुमानों के अनुसार इसकी लागत 92,000 करोड़ रुपये तक जा सकती है। इसमें मुख्य रूप से चार बड़े इंफ्रास्ट्रक्चर बनाए जाएंगे- कंटेनर ट्रांसशिपमेंट टर्मिनल (द्धष्टञ्जञ्ज)॒ गैलाथिया बे में 14.2 मिलियन ञ्जश्व क्षमता का एक विशाल अंतरराष्ट्रीय बंदरगाह बनेगा। ग्रीनफील्ड इंटरनेशनल एयरपोर्ट॒ सैन्य और नागरिक उपयोग के लिए एक नया हवाई अड्डा बनेगा, जिसकी क्षमता सालाना 1 करोड़ यात्रियों को संभालने की होगी। पावर प्लांट॒ 450 एमवीए क्षमता का गैस और सौर ऊर्जा संयंत्र लगाया जाएगा। इंटीग्रेटेड टाउनशिप॒ एक नया शहर बसाया जाएगा, जहां भविष्य में 3.36 लाख से 6.5 लाख लोगों को बसाने की योजना है।

**यह प्रोजेक्ट भारत के लिए क्यों है अहम?**

सरकार के अनुसार भारत के पास बड़े जहाजों के लिए पर्याप्त गहरे पानी वाले बंदरगाह नहीं हैं। इसकी वजह से भारतीय कार्गो का बड़ा हिस्सा कोलंबो, सिंगापुर और क्लैंग जैसे विदेशी बंदरगाहों के जरिए ट्रांसशिपमेंट होता है, जिससे भारत को राजस्व का नुकसान उठाना पड़ता है। सरकार ने यह भी बताया है कि म्यांमार, चीन और श्रीलंका पहले से ही गहरे पानी वाले बंदरगाह विकसित कर रहे हैं ताकि इस समुद्री व्यापार को अपनी ओर आकर्षित किया जा सके। यहीं से इस परियोजना का चीन एंगल सामने आता है। सरकार का तर्क है कि अगर भारत ने समय रहते अपनी ट्रांसशिपमेंट क्षमता विकसित नहीं की तो क्षेत्रीय समुद्री व्यापार में उसकी हिस्सेदारी सीमित रह सकती है। ग्रेट निकोबार में प्रस्तावित इंटरनेशनल कंटेनर ट्रांसशिपमेंट टर्मिनल (द्धष्टञ्जञ्ज) को इसी चुनौती का जवाब माना जा रहा है।

**क्यों है इस द्वीप की भौगोलिक स्थिति अहम?**

गैलेथिया बे में बनने वाला यह पोर्ट दुनिया के प्रमुख ईस्ट-वेस्ट अंतरराष्ट्रीय शिपिंग रूट से केवल 40 नॉटिकल मील की दूरी पर स्थित है और यहां 20 मीटर से अधिक प्राकृतिक गहराई उपलब्ध है। यही वजह है कि इसे ट्रांसशिपमेंट और गेटवे कार्गो आकर्षित करने के लिए रणनीतिक रूप से उपयुक्त माना गया है।

# क्यों कम हो रहा है भारतीय चीनी का निर्यात, अल नीनो, एथेनॉल या घटता उत्पादन, क्या है वजह?

**नई दिल्ली।** दुनिया के कई देशों को आने वाले वर्षों में भारतीय चीनी कम मिल सकती है। पहली नजर में यह खबर भारत के लिए नकारात्मक लग सकती है, लेकिन पूरी तस्वीर कहीं ज्यादा जटिल और दिलचस्प है। मामला केवल चीनी उत्पादन में कमी का नहीं है, बल्कि भारत की बदलती ऊर्जा नीति, किसानों की आय, जलवायु जोखिम और खाद्य सुरक्षा से भी जुड़ा हुआ है।

**दुनिया के सबसे बड़े चीनी उत्पादक देशों में शामिल है भारत-** अमेरिकी कृषि विभाग के अनुसार भारत दुनिया के दूसरे सबसे बड़े चीनी उत्पादकों में शामिल है।

**पिछले वर्षों में कैसे उत्पादन कितना रहा?**

भारत का चीनी उत्पादन पिछले एक दशक में काफी उतार-चढ़ाव से गुजरा है। वर्ष 2014-15 में देश का चीनी उत्पादन 283.10 लाख टन था, जो 2016-17 में घटकर 202.85 लाख टन रह गया। इसके बाद बेहतर मौसम और गन्ने की खेती बढ़ने से उत्पादन में तेज सुधार हुआ और 2021-22 में यह रिकॉर्ड 357.60 लाख टन के स्तर पर पहुंच गया, जो इस अवधि का सबसे अधिक उत्पादन था। हालांकि इसके बाद उत्पादन में गिरावट का दौर शुरू हुआ और 2022-23 में यह 328.15 लाख टन व 2023-24 में 319.64 लाख टन रह गया। आईएसमए के मौजूदा अनुमान के अनुसार 2025-26 में भारत का चीनी उत्पादन 349 लाख टन रहने की उम्मीद जताई गई थी।

**इस सीजन में कितना रहा उत्पादन?**

सहकारिता मंत्रालय और नेशनल फेडरेशन ऑफ कोऑपरेटिव शुगर फैक्ट्रीज के अनुसार 15 अप्रैल 2026 तक देश में 273.90 लाख मीट्रिक टन चीनी का उत्पादन हो चुका था। इस सीजन में चीनी मिलों ने 2,865.21 लाख मीट्रिक टन गन्ने की पेराई की। गन्ने से चीनी निकालने की औसत दर (रिकवरी) 9.56त्न रही। देशभर में 541 चीनी मिलें इस सीजन में संचालित रहीं।

**भारत के चीनी उत्पादन में किन राज्यों का दबदबा?**

एनएफसीएफसी के 14 फरवरी के आंकड़ों के अनुसार, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश और कर्नाटक मिलकर देश के कुल चीनी उत्पादन में 87.48त्न हिस्सेदारी रखते हैं। महाराष्ट्र इस सीजन में सबसे बड़ा चीनी उत्पादक राज्य बनकर उभरा है। चीनी उत्पादन॒ 89.80 लाख मीट्रिक टन। पिछले साल इसी अवधि में॒ 68.10 एलएमटी। गन्ना पेराई॒ 960.43 एलएमटी पिछले साल गन्ना पेराई॒ 740.22 एलएमटी उत्तर प्रदेश दूसरे स्थान पर है। चीनी उत्पादन॒ 65.60 एलएमटी पिछले साल इसी अवधि में॒ 63.25 एलएमटी कर्नाटक तीसरे स्थान पर रहा। चीनी उत्पादन॒ 41.70 एलएमटी पिछले साल इसी अवधि में॒ 37.20 एलएमटी।

**निर्यात के आंकड़ों में कैसे दिखे बदलाव?**

आंकड़ों के अनुसार, भारत का चीनी निर्यात पिछले कुछ वर्षों में काफी उतार-चढ़ाव वाला रहा है। चीनी सीजन 2020-21 में देश ने कुल 70 लाख मीट्रिक टन (रूरूञ्ज) चीनी का निर्यात किया था। इसके बाद 2021-22 में निर्यात बढ़कर 110 लाख मीट्रिक टन के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। हालांकि, 2022-23 में कुल चीनी निर्यात घटकर 63.08 लाख मीट्रिक टन रह गया। इसके बाद घरेलू उपलब्धता सुनिश्चित करने और कीमतों को नियंत्रित रखने के लिए सरकार ने निर्यात पर प्रतिबंधात्मक रुख अपनाया, जिससे 2023-24 में चीनी निर्यात लगभग थम गया और केवल 1 लाख मीट्रिक टन चीनी का निर्यात हुआ।

**भारत के निर्यात बाजारों का भूगोल कैसे बदला?**

भारत के निर्यात बाजारों का भूगोल बदल रहा है। वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान जहां इंडोनेशिया और बांग्लादेश सबसे बड़े खरीदार थे, वहीं वित्त वर्ष 2025-26 में अफ्रीका और खाड़ी क्षेत्र के देश भारतीय चीनी की मांग का मुख्य आधार बन गए हैं। सोमालिया, सूडान, जिबूती, श्रीलंका, तंजानिया और संयुक्त अरब अमीरात जैसे देश प्रमुख खरीदारों में शामिल हैं।

**निर्यात में गिराटव की क्या है वजह?**

भारत के चीनी निर्यात में आई यह भारी गिरावट केवल उत्पादन या मौसम की वजह से नहीं है, बल्कि इसके पीछे सरकार की बदली हुई प्राथमिकताएं भी हैं। सरकार एक तरफ घरेलू बाजार में चीनी की पर्याप्त उपलब्धता बनाए रखना चाहती है, वहीं दूसरी तरफ एथेनॉल उत्पादन को बढ़ावा दे रही है। घरेलू उपभोक्ताओं के लिए चीनी की कीमतें नियंत्रण में रहें, इसके लिए वाणिज्य मंत्रालय के तहत विदेश व्यापार महानिदेशालय (ष्ठत्रस्नञ्ज) ने चीनी निर्यात पर लगी पाबंदियों को आगे भी जारी रखा है। सरकार का मानना है कि अनियंत्रित निर्यात से घरेलू आपूर्ति प्रभावित हो सकती है और कीमतों में तेजी आ सकती है। इसी वजह से अब चीनी निर्यात केवल विशेष अनुमति के आधार पर ही किया जा सकता है।

## बैंक एफडी में नॉमिनी नहीं है, तो क्या होगा अदालत तक पहुंच सकता है मामला

**नई दिल्ली।** महीनों तक फंसी रह सकती है रकम-- बिना नॉमिनी और बिना वसीयत के बैंक अपने जोखिम नियंत्रण को बेहद सख्त कर देते हैं, जिससे हफ्तों में होने वाला काम महीनों के लिए लटक जाता है। **बिना नॉमिनी होगी मुश्किल-** अगर एफडी कर्ता का निधन हो जाए, तो परिवार के लिए पैसा निकालने की राह लंबी, दस्तावेजी और तनावपूर्ण हो जाती है। रिजर्व बैंक के दिशानिर्देशों के अनुसार, बैंकों को मृतक जमाकर्ताओं के दावों को निपटाने के लिए एक पारदर्शी प्रक्रिया रखनी होती है, लेकिन नॉमिनी न होने पर बैंक बिना कड़े कानूनी प्रमाण के पैसा नहीं दे सकते। ऐसी स्थिति में कानूनी उत्तराधिकारियों को अपनी पात्रता साबित करने के लिए मृतक का मृत्यु प्रमाणपत्र, बैंक का निर्धारित दावा फॉर्म, दावेदार का आईडी व एड्रेस प्रूफ, और पैन या अन्य प्रासंगिक केवाईसी दस्तावेज जमा करने होते हैं। इसके अलावा, यदि एक से अधिक कानूनी उत्तराधिकारी हैं और कोई वसीयत नहीं है, तो एफडी की राशि उन सभी में संबंधित उत्तराधिकार कानून के हिसाब से बांटी जाएगी। **लगाने पड़ सकते हैं अदालत के चक्कर-** जब बड़ी रकम फंसी हो, तो बैंक अपनी सुरक्षा के लिए सीधे सक्षम अदालत से जारी कानूनी दस्तावेज मांगने पर अड़ जाते हैं। इनमें लीगल हायर सर्टिफिकेट, उत्तराधिकार प्रमाणपत्र, या प्रोबेट/लेटर्स ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन शामिल हैं। इसके साथ ही बैंकों को सभी उत्तराधिकारियों के अनापत्ति प्रमाणपत्र (एनओसी) और क्षतिपूर्ति बंधपत्र की जरूरत होती है। अदालत से उत्तराधिकार प्रमाणपत्र लेने की यह प्रक्रिया न सिर्फ हफ्तों से महीनों का समय खा जाती है, बल्कि इसमें जेब भी अच्छी-खासी ढीली होती है। कोर्ट फीस अलग-अलग राज्यों के हिसाब से संपत्ति के मूल्य के एक निश्चित प्रतिशत के रूप में वसूली जाती है। इसमें वकीलों का भारी खर्च, नोटरी और हलफनामे का कानूनी तामझाम मुफ्त में जुड़ जाता है। यदि उत्तराधिकारियों के बीच कोई आपसी विवाद हो जाए, तो यह समयसीमा और लंबी खिंच जाती है।

# आठ प्रमुख क्षेत्रों की उत्पादन वृद्धि मई में सात महीने के निचले स्तर पर

**नई दिल्ली।** देश के आठ प्रमुख बुनियादी ढांचा क्षेत्रों की उत्पादन वृद्धि मई में काफी धीमी हो गई है। यह वृद्धि दर सात महीने के निचले स्तर 0.5 फीसदी पर पहुंच गई है। मुख्य रूप से कोयला, कच्चा तेल और रिफाइनरी उत्पादों के उत्पादन में गिरावट इसका कारण रही। सरकार द्वारा सोमवार को जारी आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। अप्रैल 2026 में इन क्षेत्रों की वृद्धि 1.8 फीसदी दर्ज की गई थी। पिछले साल मई 2025 में यह वृद्धि 1.2 फीसदी थी। यह गिरावट अर्थव्यवस्था के लिए एक चिंता का विषय है। आठ प्रमुख क्षेत्र देश के औद्योगिक उत्पादन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इनकी धीमी गति का असर समग्र आर्थिक विकास पर पड़ सकता है।

**किन क्षेत्रों में गिरावट**

सरकारी आंकड़ों के अनुसार, कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों में नकारात्मक वृद्धि दर्ज की गई है। इनमें कोयला, कच्चा तेल और प्राकृतिक गैस का उत्पादन शामिल है। रिफाइनरी उत्पादों और उर्वरक के उत्पादन में भी कमी आई है। यह दर्शाता है कि इन प्रमुख उद्योगों को चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। इन क्षेत्रों में सुधार के लिए विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है।

**पिछली अवधि का प्रदर्शन**

अप्रैल-मई 2026-27 की अवधि के दौरान, इन प्रमुख क्षेत्रों का विस्तार 1.1 फीसदी पर स्थिर रहा। यह पिछले वर्ष की तुलना में लगभग समान स्तर पर है। अक्तूबर 2025 में आठ क्षेत्रों के उत्पादन में 0.1 फीसदी की नकारात्मक वृद्धि दर्ज की गई थी। यह आंकड़े मौजूदा मंदी की प्रवृत्ति को और पुष्ट करते हैं। लगातार धीमी वृद्धि आर्थिक स्थिरता के लिए चुनौती पेश कर रही है।

# तस्वीर बदल चुकी है, दोबारा लौट रहे हैं यूलिप एफडी पर घटते ब्याज के बीच बन रहा विकल्प

**नई दिल्ली।** देश के प्रमुख बैंक अपने ग्राहकों को यूनिट लिंक्ड इंश्योरेंस प्लान (यूलिप) बेचने में सक्रिय हो गए हैं। इसकी मुख्य वजह है बैंक एफडी पर मिलने वाले ब्याज का घटना। वहीं, यूलिप में बाजार से जुड़ा बेहतर रिटर्न मिलने की संभावना है। बैंक इसे एक समग्र वित्तीय समाधान के रूप में पेश कर रहे हैं, जिसमें बीमा कवर भी है और निवेश का अवसर भी। हाल के वर्षों में यूलिप की बिक्री में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है। बीमा उद्योग के आंकड़ों के अनुसार, निजी जीवन बीमा कंपनियों के कुल प्रीमियम संग्रह में यूलिप की हिस्सेदारी 50 फीसदी से अधिक हो चुकी है, जो बाजार में इसकी बढ़ती स्वीकार्यता को दर्शाती है।

**पुराने से कितने अलग हैं नए यूलिप?**

एक दशक पहले भारी-भरकम शुल्क, कम रिटर्न और जटिल संरचना के कारण यूलिप की छवि खराब हो गई थी। लेकिन अब तस्वीर बदल चुकी है। आईआरडीएआई के सख्त नियमों के बाद नए यूलिप में बड़े सुधार हुए हैं॒ शून्य प्रीमियम एलोकेशन चार्ज॒ अब आपका पूरा प्रीमियम निवेश में लगता है। शून्य पॉलिसी एडमिनिस्ट्रेशन चार्ज॒ प्रशासनिक खर्च की कोई कटौती नहीं। लचीलापन॒ नए यूलिप में लचीलापन सबसे बड़ा नया फीचर है। निवेशक बाजार की स्थिति के अनुसार डेट और इक्विटी फंड के बीच असीमित स्विच कर सकते हैं, वो भी बिना किसी अतिरिक्त शुल्क के। इक्विटी फंड की विविधता॒ निवेशक अपनी जोखिम क्षमता के अनुसार लार्ज कैप, मिड कैप, फ्लेक्सी कैप, इंडेक्स फंड सहित कई प्रकार के इक्विटी फंड में निवेश का विकल्प चुन सकते हैं। नए यूलिप में मुख्य खर्च केवल फंड मैनेजमेंट चार्ज है, जो द्बह्म्स्रड्ढ के अनुसार अधिकतम 1.35त्न प्रतिवर्ष तक सीमित है। यह म्यूचुअल फंड के खर्चों के करीब है। लंबी अवधि (10क्क15 वर्ष) में इक्विटी-आधारित यूलिप ने औसतन 10त्नक्क13त्न तक का रिटर्न दिया है, जो पारंपरिक बीमा योजनाओं के 4-5 फीसदी रिटर्न से कहीं बेहतर है।

**क्या है यूलिप और किसके लिए बेहतर?**

यूलिप एक ऐसा उत्पाद है जो बीमा और निवेश को एक साथ जोड़ता है। प्रीमियम का एक हिस्सा मृत्यु लाभ के लिए और शेष हिस्सा चुने गए फंड में निवेश के लिए उपयोग होता है। यह प्लान उन निवेशकों के लिए बेहतर है जो॒ दीर्घकालिक (10 वर्ष या अधिक) निवेश करना चाहते हैं। बीमा और निवेश एक ही छत के नीचे चाहते हैं बाजार से जुड़े रिटर्न के साथ अनुशासित बचत करना चाहते हैं।

# ईरान से खेला ड्रॉ, ग्रुप-जी में रोमांचक हुई जंग

## रेड कार्ड के बावजूद बेल्जियम ने बचाया एक अंक

**नई दिल्ली।** फीफा वर्ल्ड कप 2026 में समोवार (22 जून) को ईरान और बेल्जियम के बीच मुकाबला खेला गया. मैच ड्रॉ पर खत्म हुआ, लेकिन ईरान ने इसके बावजूद ऐतिहासिक कमाल करते हुए अमेरिका की धरती पर 60 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया. बेल्जियम और ईरान के बीच मुकाबला लॉस एंजिल्स स्टेडियम में खेला गया. यह ग्रुप-जी का मैच था। ईरान टीम ने मैच के लिए मैदान पर उतरते ही 60 साल पुराने रिकॉर्ड पर अपना नाम लिखवा लिया. दरअसल ईरान की टीम फीफा वर्ल्ड कप के इतिहास में अब तक की सबसे उम्रदराज टीम बन गई. टीम की शुरुआती 11 में औसत उम्र 32 वर्ष और 181 दिन थी. यह 1966 के बाद फीफा वर्ल्ड कप के लिए मैदान पर उतरने वाली सबसे उम्रदराज टीम बनी। ईरान के खिलाड़ियों ने मैच भी अनुभव का अच्छी तरह से इस्तेमाल किया. बेल्जियम जैसी टीम को ईरानी खिलाड़ियों ने फुल टाइम तक रोककर रखा. बेल्जिमय की तरफ से गोल की तमाम कोशिशें हुईं, लेकिन सब नाकाम रहीं।

पहले हाफ में ईरान के लिए मेहदी तारेमी ने फ्री किक पर गोल किया. गोल के बाद ईरान के खिलाड़ी काफी खुश दिखे, लेकिन यह खुशी ज्यादा देर तक टिक नहीं पाई. वीडियो असिस्टेंट रेफरी यानी VAR ने तारेमी को थोड़े से अंतर के चलते ऑफसाइड दे दिया गया और गोल रद्द हो गया। बता दें कि बेल्जियम की तरफ से गोल के लिए कुल 23 शॉट लगाए गए, लेकिन सभी नाकाम रहे. ईरानी गोलकीपर बेइरानवंद मानिए बेल्जियम के लिए दीवार बन गए थे. दूसरे हाफ में 66वें मिनट पर बेल्जियम की परेशानी रेड कार्ड मिलने से और बढ़ गई. ईरान के मेहदी तारेमी गोल के लिए तेजी से आगे बढ़ रहे थे, जिन्हें बेल्जियम के नाथन नगोय ने रोकने की कोशिश की. इस डिफेंसिव गलती के लिए उन्हें रेड कार्ड मिल गया. अब टीम के पास मैदान पर सिर्फ 10 खिलाड़ी ही रह गए थे. यह टूर्नामेंट का 8वां रेड कार्ड रहा।

मुकाबले का सबसे बड़ा मोड़ 66वें मिनट में आया, जब बेल्जियम के डिफेंडर नाथन नगोय को सीधे रेड कार्ड दिखाया गया। तारेमी को गोल की ओर बढ़ने से रोकने के प्रयास में किए गए फाउल के कारण रेफरी ने उन्हें मैदान से बाहर भेज दिया। इसके बाद बेल्जियम को शेष मुकाबला 10 खिलाड़ियों के साथ खेलना पड़ा।

एक खिलाड़ी अधिक होने के बावजूद ईरान निर्णायक गोल करने में नाकाम रहा। वहीं बेल्जियम ने भी शानदार संघर्ष दिखाते हुए मैच को बराबरी पर खत्म किया। दोनों गोलकीपरों ने कई महत्वपूर्ण बचाव कर अपनी-अपनी टीमों को हार से बचाया। दो मैचों के बाद ईरान और बेल्जियम दोनों के दो-दो अंक हैं। बेहतर टाईब्रेक के आधार पर ईरान शीर्ष स्थान पर है, जबकि बेल्जियम दूसरे नंबर पर बना हुआ है। न्यूजीलैंड और मिस्र के पास भी नॉकआउट में पहुंचने का मौका बरकरार है, जिससे ग्रुप-जी की तस्वीर बेहद रोचक हो गई है।

# पहली बार विश्व कप खेल रही काबो वर्डे ने उरुग्वे के खिलाफ 2-2 से ड्रॉ खेला

**नई दिल्ली।** फीफा वर्ल्ड कप 2026 में काबो वर्डे का शानदार सफर जारी है। पहली बार विश्व कप में हिस्सा ले रही टीम ने मियामी स्टेडियम में दो बार की चैंपियन उरुग्वे के खिलाफ हुए मुकाबले का अंत 2-2 की बराबरी पर किया। इससे पहले, काबो वर्डे ने स्पेन को भी अपने पहले मैच में ड्रॉ पर रोका था। लगातार दूसरे ड्रॉ के साथ ही कोबो वर्डे ने टूर्नामेंट में अपना दूसरा अंक भी अर्जित कर लिया है और टीम राउंड ऑफ 32 में पहुंचने की रेस में बनी हुई है। मैच की शुरुआत से ही कोबो वर्डे का दबदबा देखने को मिला। टीम ने हर किसी को चौंकाते हुए मैच के 21वें मिनट में उरुग्वे के खिलाफ 1-0 की बढ़त बनाई।

टेल्मो अर्कांजो की फ्री किक को केविन पिना ने शानदार गोल में तब्दील किया। यह काबो वर्डे का विश्व कप इतिहास का पहला गोल भी रहा। हालांकि, काबो वर्डे की इस बढ़त को उरुग्वे ने ज्यादा समय पर बरकरार नहीं रहने दिया और हाफ टाइम से पहले ही स्कोर को 1-1 से बराबर कर दिया। उरुग्वे की ओर से मैच का पहला गोल मैक्सी अरुजो ने किया। रोड्रिगो बेंटानकुर का हेडर गोल पोस्ट से टकराने के बाद वापस आया, जिसे अरुजो ने शानदार शॉट के साथ गोल में तब्दील कर दिया। इसके बाद स्टॉपेज टाइम में उरुग्वे ने मैच में 2-1 की बढ़त हासिल कर ली। टीम के लिए दूसरा गोल अगस्टिन कैनोबिओ ने किया। मैनुअल उगार्ते द्वारा दिए गए क्रॉस पास पर मैक्सी अराउजो ने हेडर लगाया, लेकिन गेंद गोल पोस्ट से बाहर जाती हुई दिख रही थी तभी अगस्टिन कैनोबिओ ने बॉल को रुख अपने शॉट से गोल पोस्ट की तरफ मोड़ दिया। इस गोल के बाद लग रहा था कि उरुग्वे इस मुकाबले को आसानी से अपने नाम कर लेगी और टीम लगातार काबो वर्डे के डिफेंस पर दबाव बना रही थी। मैच में खुद को पिछड़ते देख काबो वर्डे ने 57वें मिनट में अपने स्टार खिलाड़ी हेलियो वरेला को मैदान पर उतारा। वरेला ने मैदान पर आते ही अपना कमाल दिखाया और 60वें मिनट में स्कोर 2-2 से बराबर कर दिया। उरुग्वे की ओर से ओलिवेरा पास देने के प्रयास में गेंद को सीधा वरेला को दे बैठे। इसके भरपूर फायदा वरेला ने उठाया और गोलकीपर को छकाते हुए शानदार गोल किया। इसके बाद दोनों टीमों ने गोल करने के कई प्रयास किए, लेकिन किसी को भी सफलता हाथ नहीं लगी और मुकाबला 2-2 से ड्रॉ रहा।

# अर्जेंटीना 2-0 से जीता, मेसी ने दागे दो ऐतिहासिक गोल

**नई दिल्ली।** फीफा विश्व कप 2026 के ग्रुप-जे मुकाबले में अर्जेंटीना ने ऑस्ट्रिया को 2-0 से हराकर नॉकआउट चरण में अपनी जगह पक्की कर ली। डलास स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले के हीरो कप्तान लियोनेल मेसी रहे, जिन्होंने दोनों गोल दागकर न सिर्फ टीम को जीत दिलाई बल्कि विश्व कप इतिहास में नया कीर्तिमान भी स्थापित कर दिया। 38 वर्षीय मेसी ने मैच के 38वें मिनट में शानदार गोल कर अर्जेंटीना को बढ़त दिलाई। थियागो अल्माडा के बेहतरीन डमी मूव और फाकुंडो मेडिना के सटीक पास पर मेसी ने गेंद को शानदार तरीके से नेट में पहुंचाया। इसके बाद उन्होंने इंजरी टाइम (90+5वें मिनट) में दूसरा गोल कर अर्जेंटीना की जीत पर मुहर लगा दी। ऑस्ट्रिया के खिलाफ किए गए दो गोलों के साथ मेसी के विश्व कप करियर में कुल गोलों की संख्या 18 हो गई। इससे पहले जर्मनी के महान स्ट्राइकर मिरोस्लाव क्लोस 16 गोल के साथ विश्व कप इतिहास के सर्वाधिक गोलकर्ता थे। अल्जीरिया के खिलाफ पिछले मैच में हैट्रिक लगाने के बाद शानदार फॉर्म में चल रहे मेसी ने क्लोस को पीछे छोड़ते हुए यह ऐतिहासिक उपलब्धि अपने नाम कर ली। ऑस्ट्रिया पर मिली जीत मेसी के विश्व कप करियर की 17वीं जीत रही। इसके साथ ही उन्होंने मिरोस्लाव क्लोस के विश्व कप में सर्वाधिक मैच जीतने के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। मेसी अब विश्व कप इतिहास में सबसे ज्यादा जीत दर्ज करने वाले खिलाड़ियों की सूची में संयुक्त रूप से शीर्ष पर पहुंच गए हैं।

# मोहम्मद सालाह का कमाल, मिस्र ने न्यूजीलैंड के खिलाफ दर्ज की जीत

**नई दिल्ली।** फीफा वर्ल्ड कप 2026 में ग्रुप जी के मुकाबले में मिस्र ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए न्यूजीलैंड को 3-1 से हराया. 92 साल और 25 दिन पहले डेब्यू करने वाली मिस्र की यह विश्व कप इतिहास की पहली जीत भी है. मिस्र की इस जीत के हीरो टीम के स्टार खिलाड़ी मोहम्मद सालाह रहे. टीम के लिए विजयी गोल करने के साथ-साथ सालाह विश्व कप के दो संस्करण में गोल करने वाले मिस्र के पहले खिलाड़ी भी बने. इसके अलावा, 34 साल और 9 दिन की उम्र में गोल करने के साथ ही वह मिस्र की ओर से गोल करने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी भी बने. उन्होंने इस मामले में मैग्डी अब्देलघनी को पीछे छोड़, जिन्होंने 1990 में नीदरलैंड्स के खिलाफ 30 साल और 320 दिन की उम्र में गोल किया था. न्यूजीलैंड ने मैच की शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाया और 15वें मिनट में ही 1-0 की बढ़त हासिल कर ली. फिन सुरमन ने कॉर्नर किक पर बेहतरीन हेडर लगाते हुए शानदार गोल दागा. इस गोल के बाद न्यूजीलैंड ने दबाव बनाए रखा और पहले हाफ तक मिस्र को वापसी का मौका नहीं दिया. यह पहली बार था जब मिस्र किसी वर्ल्ड कप मैच में हाफ टाइम तक पीछे रहा. हालांकि, हाफ टाइम के बाद टीम ने अपना खेल बदला और ज्यादा आक्रामक अंदाज में मैदान पर उतरी। दूसरे हाफ की शुरुआत में मिस्र ने कई मौके बनाए. मोहम्मद सालाह और इमाम अशौर ने गोल करने की कोशिश की, लेकिन न्यूजीलैंड के गोलकीपर ने अच्छे बचाव किए. दूसरी ओर, मिस्र के गोलकीपर मुस्तफा शोबेर ने भी शानदार बचाव करके अपनी टीम को मैच में बनाए रखा। मिस्र को मैच के 58वें मुकाबले में सफलता मिली. जिको ने फ्री हेडर पर बेहतरीन गोल दागा और स्कोर को 1-1 से बराबर कर दिया. इसके 9 मिनट बाद मोहम्मद सालाह ने अपनी क्लास दिखाई. एक बेहतरीन टीम मूव के बाद उन्होंने नीचे की तरफ शॉट लगाकर शानदार गोल किया और मिस्र को 2-1 की बढ़त दिला दी. यह गोल मैच का टर्निंग पॉइंट साबित हुआ. मैच के अंतिम क्षणों में न्यूजीलैंड ने वापसी की कोशिश की, लेकिन मिस्र ने मजबूत डिफेंस दिखाया. मैच के 82वें मिनट में ट्रेजेगुएट ने तीसरा गोल करते हुए मिस्र की जीत पर मुहर लगा दी।

## एक नज़र

### ताइक्वांडो का प्रदर्शन बना आकर्षण का केंद्र

**स्वतंत्र भारत लखनऊ।** अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर लखनऊ के सेक्टर डी-1, एलडीए कानपुर रोड स्थित श्री बालाजी योग उपवन में श्री बालाजी योग परिवार की ओर से भव्य योग समारोह का आयोजन किया गया। इस दौरान योगासन, प्राणायाम एवं ध्यान की विभिन्न विधियों का अभ्यास कराते हुए प्रतिभागियों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। इस अवसर पर ऑक्सफोर्ड ताइक्वांडो अकादमी की प्रशिक्षक आकांक्षा विश्वकर्मा के नेतृत्व में खिलाड़ियों ने आत्मरक्षा की प्रभावशाली तकनीकों का प्रदर्शन किया जो आकर्षण का केंद्र रहा। ऑक्सफोर्ड ताइक्वांडो अकादमी के मुख्य प्रशिक्षक मास्टर अतुल यादव ने बताया कि कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विद्यावती वार्ड-2 के पार्षद कौशलेंद्र द्विवेदी ने ताइक्वांडो प्रशिक्षुओं को सम्मानित करते हुए कहा कि योग न केवल शारीरिक स्वास्थ्य को सुदृढ़ करता है, बल्कि यह स्वस्थ समाज और सशक्त राष्ट्र के निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

### अदिति संयुक्त 24वें स्थान पर, मियु यामाशिता ने खिताब जीता

**नई दिल्ली।** भारत की अदिति अशोक यहां अंतिम दौर में एक अंडर 71 के स्कोर से मायेर एलपीजीए क्लासिक टूर्नामेंट में संयुक्त रूप से 24वें स्थान पर रहीं। अदिति का टूर्नामेंट में कुल स्कोर आठ अंडर रहा। पूर्व मेजर विजेता मियु यामाशिता ने प्ले ऑफ में लोटी वोड को पछाड़कर खिताब जीता। दोनों खिलाड़ियों का स्कोर 17 अंडर पार था जिसके बाद मियु ने पहले प्ले ऑफ होल में बर्डी के साथ खिताब अपने नाम किया। अदिति शुरुआती दो दौर में तीन अंडर 36 के समान स्कोर से शीर्ष 10 में जगह बनाने की दावेदार थीं लेकिन आखिरी दो दौर में 71 के स्कोर से पिछड़ गईं।

### तलवार इंग्लिश ओपन में संयुक्त 12वें स्थान पर रहे

**नई दिल्ली।** भारतीय गोल्फर सप्तक तलवार ने मौजूदा साल का भारत के बाहर सर्वश्रेष्ठ नतीजा हासिल किया जब वह यहां इंग्लिश ओपन में संयुक्त रूप से 12वें स्थान पर रहे। तलवार मामूली अंतर से शीर्ष 10 में जगह बनाने से चूक गए। उनका कुल स्कोर 10 अंडर रहा और वह संयुक्त रूप से सातवें स्थान पर रहे खिलाड़ियों से एक शॉट पीछे रहे। अंतिम दौर में चार अंडर 68 का स्कोर बनाने वाले तलवार को शीर्ष 10 में जगह बनाने के लिए अंतिम होल में एक बर्डी की जरूरत थी लेकिन वह पार का स्कोर ही बना पाए। इस साल भारत में तलवार का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन पीजीटीआई ओपन में संयुक्त दूसरे स्थान पर रहना रहा है। अमेरिका के जॉन कैटलिन (67) ने प्ले ऑफ में नॉर्वे के क्रिस्टियन क्रोग योहानसेन (66) को पछाड़कर खिताब जीता।

# मातृत्व के बाद वापसी के लिये आईसीसी के दिशा निर्देश : केस मैनेजर बनायेंगे 16 सप्ताह की योजना

**नई दिल्ली।** महिला खिलाड़ियों के लिये मातृत्व के बाद क्रिकेट में सुरक्षित और सुगम वापसी के लिये आईसीसी ने सोमवार को दिशा निर्देश जारी किये जिसमें वापसी से पहले 16 सप्ताह के विंडो में बच्चा होने के बाद शुरूआती रिकवरी, सुनियोजित अभ्यास और अनुकूलन शामिल होगा। महिला क्रिकेटरों के लिये ' रिटर्न टू प्ले पोस्ट प्रेगनेंसी गाइडलाइंस' (मातृत्व के बाद मैदान पर वापसी के दिशा निर्देश) में छह 'आर' ढांचा बनाया गया है जिसमें रेडी (तैयार), रिव्यू (समीक्षा), रेस्टोर (बहाली), रिकंडीशन (फिर से संगठित होना), रिटर्न (वापसी) और रिफाइन (परिष्कृत) शामिल हैं। आईसीसी ने एक विज्ञप्ति में कहा ,'' इसमें जन्म के बाद शुरूआती रिकवरी, चिकित्सा और कल्याण समीक्षायें, सुनियोजित अभ्यास में धीरे धीरे वापसी, क्रिकेट संबंधी अनुकूलन, खेल में वापसी और लगातार मॉनिटरिंग शामिल है।''

इसमें खिलाड़ियों की प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी के बाद 'केस मैनेजर' रखने की भी बात की गई है जो डॉक्टर या फिजियोथेरेपिस्ट होगा। शुरूआती समीक्षा में एक मां के रूप में जीवन में आये बदलाव से सामंजस्य बिठाने के लिये मनोवैज्ञानिक सहयोग शामिल है। इसके बाद दमखम बढाने के लिये अभ्यास कराया जायेगा। आठ सप्ताह इन समीक्षाओं के बाद खिलाड़ी डॉक्टर या फिजियो की मदद से दौड़ना शुरू करेगी। खिलाड़ी को मैदान पर वापसी की मंजूरी देने से पहले हर तरह के लक्षणों की जांच की जायेगी। आईसीसी अध्यक्ष जय शाह ने कहा ,'' किसी खिलाड़ी को मातृत्व और देश के लिये शीर्ष स्तर पर खेलने के बीच चयन नहीं करना पड़ा। आईसीसी के ये दिशा निर्देश खेल में सहयोगात्मक और सूचित वातावरण बनाने के लिये अहम कदम है।' उन्होंने कहा,'' जैसे जैसे महिला क्रिकेट दुनिया भर में बढ़ रहा है, यह जरूरी है कि हम खिलाड़ियों की भलाई का ध्यान रखें, प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को बनाए रखें और मौजूदा और आने वाली पीढ़ियों के लिए रास्ते मजबूत करें। ये दिशा निर्देश एक ऐसा माहौल बनाने को लेकर हमारी प्रतिबद्धता को दिखाते हैं जिसमें महिलाएं मैदान पर और मैदान के बाहर, दोनों जगह आगे बढ़ सकें।''

# क्रिकेट के फेडरर हैं धोनी, कोहली की तुलना अल्कारेज से हो सकती है : सैमसन

**नई दिल्ली।** विंबलडन से पहले क्रिकेट और टेनिस के बीच समानता पर बात करते हुए भारत के विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन ने पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी की तुलना टेनिस के महान खिलाड़ी रोजर फेडरर से की और विराट कोहली के आक्रामक अंदाज की तुलना स्पेन के स्टार कार्लोस अल्कारेज से की। दुनिया के बेहतरीन टेनिस स्टार विंबलडन के लिए तैयार हो रहे हैं और ऐसे में सैमसन ने टेनिस और क्रिकेट के दिग्गजों के बीच तुलना की। सैमसन ने 'जियो स्टार' से कहा, ''क्रिकेट के रोजर फेडरर? वह महेंद्र सिंह धोनी ही हो सकते हैं। वह अपने काम को बहुत शांत और संयमित तरीके से करते हैं।'' उन्होंने कहा, ''दूसरी ओर कार्लोस अल्कारेज बहुत आक्रामक हैं। ठीक वैसे ही जैसे विराट भाई ने शुरुआत की थी। शायद विराट कोहली की तुलना अल्कारेज से की जा सकती है।''

भारत की महिला टीम ने अपना पहला एकदिवसीय विश्व कप जीतकर इतिहास रखा था और इसके कुछ ही महीनों बाद पुरुष टीम ने घरेलू मैदान पर टी20 विश्व कप जीता। टी20 विश्व कप में लगातार तीन मैच में 50 से अधिक रन बनाने वाले सैमसन को भारत की खिताबी जीत के दौरान टूर्नामेंट का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया और उन्होंने कहा कि महिला टीम की कामयाबी ने पुरुषों को प्रेरित किया। सैमसन ने कहा, ''हम सभी फाइनल देख रहे थे। मेरे परिवार के सदस्य और बाकी सभी लोग टीवी से चिपके हुए थे। यह देश में हम सभी के लिए एक खास पल था। हम लंबे समय से इसका इंतजार कर रहे थे।'' उन्होंने कहा, ''हमें पता था कि हम विश्व कप जीतने में सक्षम हैं। मैं टीम की सभी खिलाड़ियों के लिए बहुत खुश था। इसके पीछे बहुत मेहनत थी। यह हम सभी के लिए गर्व का पल था।'' सैमसन ने कहा, ''मुझे लगता है कि हमारे लिए बहुत ऊंचे मानक तय किए गए थे। उन्होंने विश्व कप जीता और हमें ऐसे मुकाम पर पहुंचाया जहां हमें लगा कि हम भी भारत में ऐसा ही कर सकते हैं। यह बहुत शानदार पल था कि दोनों विश्व कप भारत में हुए और हमने उन्हें जीता।''

# बुलंद हौसलों के साथ भारतीय जूनियर महिला हैंडबॉल टीम चीन रवाना

**स्वतंत्र भारत लखनऊ।** चीन के जिनझोंग में 24 जून से 4 जुलाई, 2026 तक होने वाली 25वीं आईएचएफ महिला जूनियर (अंडर-20) विश्व हैंडबॉल चैंपियनशिप के लिए चयनित भारतीय जूनियर महिला हैंडबॉल टीम सोमवार को नई दिल्ली से रवाना हो गई। यह पहला अवसर है कि कि जब भारतीय जूनियर महिला हैंडबॉल टीम विश्व चैंपियनशिप में प्रतिभाग करेगी। इस चैंपियनशिप के लिए चयनित टीम में उत्तर प्रदेश की प्रतिभाशाली खिलाड़ी सौम्या श्रीवास्तव को भी जगह मिली है। हैंडबॉल एसोसिएशन इंडिया (एचएआई) के महासचिव डा. तेजराज सिंह ने बताया कि टीम का विदाई समारोह सोमवार को नई दिल्ली में आयोजित किया गया।

समारोह में एचएआई के महासचिव डा. तेजराज सिंह, कार्यकारी निदेशक डा.आनन्देश्वर पाण्डेय और दिल्ली हैंडबॉल एसोसिएशन के सचिव जसबीर सिंह बिस्ला ने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दी। भारतीय टीम के मुख्य कोच सचिन चौधरी होंगे। एचएआई की अध्यक्ष अलका दास ने अपने शुभकामना संदेश में कहा कि भारतीय जूनियर महिला हैंडबॉल टीम का विश्व चैंपियनशिप के लिए क्वालीफाई करना देश के लिए गर्व का क्षण है। यह खिलाड़ियों, कोचों और अधिकारियों की प्रतिबद्धता, कड़ी मेहनत और दृढ़ संकल्प का प्रमाण है। एचएआई कार्यकारी निदेशक डा.आनन्देश्वर पाण्डेय ने कहा कि कि अंतर्राष्ट्रीय हैंडबॉल सर्किट पर भारत के प्रदर्शन में लगातार निखार आ रहा है। मुझे विश्वास है कि इस चैंपियनशिप में भारतीय खिलाड़ी अपने प्रदर्शन की छाप छोड़ने में सफल होंगी। इस टीम में चयनित उत्तर प्रदेश की सौम्या श्रीवास्तव ने उत्तर प्रदेश का प्रतिनिधित्व करते हुए राष्ट्रीय जूनियर बालिका हैंडबॉल चैंपियनशिप में स्वर्ण व कांस्य पदक भी जीते हैं। सौम्या श्रीवास्तव वर्तमान में केडी सिंह बाबू स्टेडियम में मोहम्मद तौहीद (राष्ट्रीय हैंडबॉल कोच) से प्रशिक्षण प्राप्त कर रही है। भारतीय टीम में उनके चयन पर उत्तर प्रदेश हैंडबॉल एसोसिएशन के कार्यकारी महासचिव अमित पाण्डेय व कोषाध्यक्ष विनय कुमार सिंह सहित अन्य पदाधिकारियों ने बधाई देते हुए इसे उत्तर प्रदेश के लिए गौरव का विषय बताया। टीम इस प्रकार हैं : सुजाता (दिल्ली), सौम्या श्रीवास्तव (उत्तर प्रदेश), प्रदन्या बालासो माने (महाराष्ट्र), अमृता (हरियाणा), स्वाति (बिहार), शिवानी देवी, मुस्कान, नेहा चौहान, कनिष्का, ऋद्धिमा, गरिमा (सभी हिमाचल प्रदेश), लविशा गहलावत (चंडीगढ़)।

# भारत को और फील्ड गोल करने होंगे : महिला हॉकी कोच मारिन

**नई दिल्ली।** नेशंस कप जीतकर एफआईएच प्रो लीग में टीम की वापसी के बावजूद भारतीय महिला हॉकी टीम के मुख्य कोच शोर्ड मारिन ने कहा कि उनकी टीम को फील्ड गोल अधिक करने पर फोकस करना होगा। भारत ने रविवार को मेजबान न्यूजीलैंड को 2 . 0 से हराकर दूसरी बार नेशंस कप खिताब जीता और प्रो लीग में जगह बनाई। मारिन ने मैच के बाद कहा ,'' निश्चित तौर पर हम पहला टूर्नामेंट और फाइनल जीतकर खुश हैं। यह जीतना जरूरी था ताकि फाइनल जीतने की आदत पड़े। खासकर विश्व कप क्वालीफायर में इंग्लैंड से मिली हार के बाद। हमने मजबूत और सुनियोजित डिफेंस पर भरोसा किया।'' उन्होंने कहा ,'' हमने गोल करने के मौके बनाये और इस क्षेत्र में हमें लगातार काम करना है। पेनल्टी कॉर्नर अच्छा रहा। फील्ड गोल भी और हो सके तो बहुत अच्छा होगा।'' उन्होंने आगे कहा ,'' सर्वोच्च रैंकिंग वाली टीम के रूप में खेलने पर जीतना आसान नहीं होता। लेकिन हमने साबित कर दिया कि हम वह दबाव बखूबी झेल सकते हैं। आगे दुनिया की शीर्ष टीमों के खिलाफ खेलकर काफी अनुभव मिलेगा।'' भारत ने पूल चरण में अमेरिका, जापान , उरूग्वे को हराने के बाद सेमीफाइनल में चिली को हराया था। स्ट्राइकर लालरेम्सियामी को 'प्लेयर आफ द मैच' चुना गया जबकि ड्रैग फ्लिकर दीपिका ने अमेरिका की एशले सेस्सा के साथ सर्वाधिक छह गोल दागे। हॉकी इंडिया ने हर खिलाड़ी को तीन लाख और सहयोगी स्टाफ को डेढ लाख रूपये पुरस्कार देने का ऐलान किया है।

# जनसमस्याओं को लेकर सपा का विशाल प्रदर्शन

**स्वतंत्र भारत मिर्जापुर।** समाजवादी पार्टी द्वारा विभिन्न समस्याओं को लेकर स्थानीय

## मूलभूत सुविधाओं के अभाव में नारकीय जीवन जी रहे नागरिक

जिला मुख्यालय पर जोरदार प्रदर्शन करते हुए पांच सूत्री ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपा गया। इस अवसर पर उपस्थित जनों को संबोधित करते हुए पार्टी के जिलाध्यक्ष देवी प्रसाद चौधरी ने कहा कि नगर, चुनार, अहरौरा व कछवां के शहरी इलाकों में नालियां बजबजा रही हैं और सड़कों पर कूड़े का अंबार लगा है, जिससे आम जन - जीवन दूभर हो गया है। मुहर्रम के मौके पर जर्जर सड़कों की मरम्मत करवाते हुए साफ सफाई की समुचित व्यवस्था हो व चूने का छिड़काव करवाया जाए, साथ ही गंदे पेयजल की स्थिति को देखते हुए सुचारू जलापूर्ति की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

नगर अध्यक्ष रवि सोनकर ने कहा कि डंगहर व बसहीं वार्ड में पेयजल की गंभीर समस्या बनी हुई है, जिससे इस भीषण गर्मी में लोगों को काफी दूर जाकर पानी लाना पड़ता है। शहर में स्ट्रीट लाइट की पर्याप्त व्यवस्था न होने से शाम ढलते ही अराजकता का माहौल व्याप्त हो जाता है और अंधेरे के कारण चोरी - छिनैती की घटनाएं बढ़ती ही जा रही हैं।

धरना - प्रदर्शन में सैकड़ों की संख्या में उपस्थित पार्टीजनों में मुख्य रूप से एड. सुरेन्द्र सिंह पटेल, मजदूर सभा के राष्ट्रीय महामंत्री आजाद राय, पूर्व जिलाध्यक्ष आशीष यादव, डॉ. शक्ति श्रीवास्तव, दामोदर मौर्य, आदर्श यादव, राकेश यादव, मेवा लाल प्रजापति, संदेश यादव, आकांक्षा यादव, अनीश खान, अभय यादव, सलीम बादशाह , राजकुमार यादव, रामजी यादव, मनोज चौहान, रामराज यादव, मो. शाहिद अंसारी, रमा शंकर कोल, बलराम यदव, अविनाश कौशल, आशीष कोल, राम जी यादव, मनोज चौहान, वीरेंद्र यादव, संतोष बाल्मीकि, दीनानाथ प्रजापति, छविनाथ विश्वकर्मा, प्रेम कुमार, रवि यादव, विशाल सोनकर, गिरधारी यादव, सुजीत गुप्ता व मोती यादव आदि शामिल रहे।

# मोहर्रम को लेकर बढ़नी कस्बे में जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक ने किया फ्लैग मार्च, शांति बनाए रखने की अपील

**स्वतंत्र भारत बढ़नी, सिद्धार्थनगर।** आगामी मोहर्रम पर्व को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से सोमवार को जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन. एवं पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक महाजन ने थाना ढेबरुआ क्षेत्र के अंतर्गत कस्बा बढ़नी में भारी पुलिस बल के साथ फ्लैग मार्च एवं पैदल गश्त किया।

फ्लैग मार्च के दौरान अधिकारियों ने कस्बे के प्रमुख मार्गो, नेपाल सीमा से सटे बार्डर क्षेत्र तथा संवेदनशील स्थानों का भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। इस दौरान आमजन से संवाद करते हुए अधिकारियों ने मोहर्रम पर्व को आपसी भाईचारे, शांति और सौहार्द के साथ मनाने की अपील की। उन्होंने लोगों से किसी भी प्रकार की अफवाह पर ध्यान न देने तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि या सूचना की तत्काल पुलिस को जानकारी देने का आग्रह किया।

जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने स्पष्ट किया कि जनपद में कानून-व्यवस्था बनाए रखना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। पर्व के दौरान किसी भी प्रकार की अराजकता या शांति भंग करने का प्रयास करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने सभी समुदायों से प्रशासन का सहयोग करने और सामाजिक सौहार्द बनाए रखने की अपील की। फ्लैग मार्च में अपर पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार प्रसाद, क्षेत्राधिकारी शोहरतगढ़ मयंक द्विवेदी, प्रभारी निरीक्षक ढेबरुआ दुर्गा प्रसाद सहित थाना ढेबरुआ पुलिस बल एवं अन्य अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे। पूरे कस्बे में फ्लैग मार्च के दौरान सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद रही, जिससे आमजन में सुरक्षा एवं विश्वास का माहौल देखने को मिला।

## भैंस चोरी के मामले में एफआईआर दर्ज करने की मांग, सीसीटीवी फुटेज सुरक्षित कराने की प्रार्थना

**स्वतंत्र भारत हलिया (मिर्जापुर)।** ड्रमडगंज थाना ड्रमंडगंज क्षेत्र के देवहट गांव में एक किसान की भैंस चोरी होने का मामला सामने आया है। पीड़ित किसान हरिलाल पुत्र स्वर्गीय बाबूलाल पाल ने पुलिस को प्रार्थना पत्र देकर एफआईआर दर्ज कर कानूनी कार्रवाई और सीसीटीवी फुटेज सुरक्षित कराने की मांग की है। हरिलाल ने बताया कि वह 15 तारीख की रात लगभग 12 बजे तक जाग रहे थे। उस समय उनकी भैंस घर पर बंधी हुई थी। 16 तारीख को सुबह लगभग 4 बजे उठकर देखा तो भैंस अपने स्थान पर नहीं मिली। इसके बाद उन्होंने आसपास के गांवों में काफी खोजबीन की, लेकिन भैंस का कोई पता नहीं चल सका। खोजबीन के दौरान दुखी पुत्र इमाम अली, निवासी देवहट ने उन्हें बताया कि कमलेश पाल पुत्र दूधनाथ पाल, राजू उर्फ चइया, साहिल नट तथा काशिम फिरदौस, निवासी छड़गड़ा , प्रयागराज उनकी भैंस को पिकअप वाहन पर लादकर ले जा रहे थे।

जानकारी के अनुसार, भैंस को देवहट स्थित नेशनल हाईवे छभ् 135 से वाहन पर लादा गया था, जहां सीसीटीवी कैमरे लगे हुए हैं। हरिलाल जब वहां गए तो संबंधित लोगों ने बताया कि थानाध्यक्ष की अनुमति मिलने पर ही सीसीटीवी फुटेज दिखाया जाएगा।पीड़ित किसान ने पुलिस से तत्काल उक्त स्थान का सीसीटीवी फुटेज सुरक्षित कराने, जांच कराने और आरोपित व्यक्तियों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कर आवश्यक कानूनी कार्रवाई करते हुए भैंस की शीघ्र बरामदगी कराने की मांग की है।

## शांति व्यवस्था बनाए रखने को लेकर पीस कमेटी की बैठक, एसडीएम और सीओ ने दिए आवश्यक निर्देश

**स्वतंत्र भारत हलिया, (मिर्जापुर)।** आगामी त्योहारों और कानून-व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए सोमवार को हलिया में पीस कमेटी की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता एसडीएम अजीत कुमार और सीओ अमर बहादुर ने संयुक्त रूप से की। बैठक में क्षेत्र के संभ्रांत नागरिक, धर्मगुरु और पुलिस-प्रशासन के अधिकारी मौजूद रहे। अधिकारियों ने सभी से अपील की कि त्योहारों को आपसी सौहार्द और भाईचारे के साथ मनाएं। किसी भी तरह की अफवाह पर ध्यान न दें और संदिग्ध गतिविधि दिखने पर तुरंत पुलिस को सूचित करें।एसडीएम अजीत कुमार ने कहा कि शांति और सुरक्षा बनाए रखना प्रशासन की प्राथमिकता है। इसके लिए पुलिस और प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद है। उन्होंने सभी समुदायों के लोगों से सहयोग की अपेक्षा की। सीओ अमर बहादुर ने कहा कि किसी भी प्रकार की गड़बड़ी करने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। बैठक में उपस्थित लोगों ने प्रशासन को पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया।बैठक में हलिया थाने के पुलिस अधिकारी और क्षेत्र के गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

## न्यायालय आपके द्वार योजना के तहत पुराने राजस्व वादों का मौके पर निस्तारण

**स्वतंत्र भारत देवरिया।** न्यायालय आपके द्वार योजना के अंतर्गत धारा 24, धारा 116 एवं धारा 34 के तहत लंबित एवं पुराने वादों का मौके पर जाकर निस्तारण सुनिश्चित किया जा रहा है। इसी क्रम में आज उप जिलाधिकारी सलेमपुर दिशा श्रीवास्तव द्वारा रामपुर बुजुर्ग, चेरो, तकिया टोला, भीमपुर एवं कपूरी ग्रामों का भ्रमण कर पुराने वादों का स्थलीय निरीक्षण किया गया तथा संबंधित प्रकरणों का निस्तारण कराया गया। उप जिलाधिकारी ने मौके पर उपस्थित पक्षकारों से संवाद कर राजस्व विवादों के त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण पर बल दिया। उन्होंने कहा कि न्यायालय आपके द्वार योजना का उद्देश्य आमजन को त्वरित न्याय उपलब्ध कराना तथा पुराने लंबित वादों का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करना है।

## 17 वर्षीय नाबालिग लड़की लापता पिता ने थाने में दी तहरीर

**स्वतंत्र भारत हलिया (मिर्जापुर)।** हलिया थाना क्षेत्र के एक गांव से 17 वर्षीय नाबालिग लड़की के लापता होने का मामला सामने आया है। पिता ने थाने में तहरीर देकर दो लोगों पर बहला-फुसलाकर ले जाने का आरोप लगाया है।थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी किशोरी के पिता ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उनकी 17 वर्षीय नाबालिग पुत्री 19 जून 2026 को शाम लगभग 7 बजे गांव के ही दो युवकों के साथ लापता हो गई। पिता का आरोप है कि दोनों युवक बहला-फुसलाकर उनकी बेटी को अपने साथ ले गए। पीड़ित पिता ने बताया कि उन्होंने अपनी स्तर पर बेटी की काफी खोजबीन की, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं मिला। इसके बाद 20 जून 2026 को हलिया थाने पहुंचकर मामले की लिखित शिकायत दी।

पिता ने पुलिस से मांग की है कि जल्द से जल्द उनकी नाबालिग बेटी को बरामद कर आरोपितों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी है।

## दो बाइकों की टक्कर में बाइक सवार घायल, रेफर

**स्वतंत्र भारत हलिया (मिर्जापुर)।** स्थानीय थाना क्षेत्र के केडवर प्राथमिक विद्यालय के पास सोमवार को दो बाइको की आमने सामने टक्कर होने से बाइक सवार दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए मौके पर पहुँचे ग्रामीणों ने दोनों घायलों को उपचार के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र हलिया लेकर आये जहां पर चिकित्सक द्वारा दोनों घायलों की हालत गंभीर देखकर मंडलीय चिकित्सालय के लिए रेफर कर दिया है।

थाना क्षेत्र के केडवर गांव निवासी 40 वर्षीय अनंत लाल बाइक से कंही जा रहे थे की जैसे ही प्राथमिक विद्यालय केडवर के पास पहुँचे की सामने से आ रहे बाइक सवार केडवर गांव निवासी 30 वर्षीय बाइक सवार पिंटू की बाइक से आमने सामने टक्कर होने से दोनों बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गए।

मौके पर पहुँचे ग्रामीणों ने दोनों घायलों को उपचार के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र हलिया भिजवाया जंहा पर चिकित्सक विवेक खरे व रीना पटेल द्वारा दोनों घायलों की हालत गंभीर देखकर मंडलीय चिकित्सालय के लिए रेफर कर दिया है।

बाइक सवार अनंत लाल के सीने व सिर में व पिंटू के सिर में गंभीर चोट को देखते हुए मंडलीय चिकित्सालय के लिए रेफर कर दिया है। इस संबंध में चिकित्सक विवेक खरे ने बताया की दो बाइको की आमने सामने टक्कर होने से दोनों बाइक सवार गंभीर रूप से घायल होकर उपचार के लिए आये थे प्राथमिक उपचार के बाद दोनों घायलों को मंडलीय चिकित्सालय के लिए रेफर पर कर दिया गया है।

## मंदिर से मुकुट चोरी करने वाला आरोपी गिरफ्तार

**स्वतंत्र भारत मऊ।** रानीपुर पुलिस ने नागपुर स्थित राम जानकी मंदिर से हनुमान जी का मुकुट चोरी करने के मामले का खुलासा करते हुए मुख्य आरोपी संदीप यादव को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी किया गया मुकुट भी बरामद किया है। पूछताछ में आरोपी ने चोरी की घटना स्वीकार कर ली। पुलिस ने संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आरोपी को न्यायालय भेज दिया।

## विकास कार्यों की समीक्षा में कृषि मंत्री ने दिए आवश्यक निर्देश

**स्वतंत्र भारत देवरिया।** सोमवार को गांधी सभागार, विकास भवन में कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही द्वारा विकास कार्यों की समीक्षा की गई। समीक्षा बैठक में निर्देश दिए गए कि जलवायु परिवर्तन को ध्यान में रखते हुए कृषि, पशुपालन, उद्यान, नलकूप, विद्युत एवं सिंचाई विभाग अपने-अपने विभागीय कार्यों का समयबद्ध एवं सुचारु संचालन सुनिश्चित करें। कम वर्षा में होने वाली फसलों को बढ़ावा देने हेतु कृषकों को जागरूक किया जाए तथा विभागीय माध्यम से समय से बीज उपलब्ध कराए जाएं। शत-प्रतिशत नलकूपों को क्रियाशील कराया जाए। रोस्टर के अनुसार विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करते हुए इसकी जानकारी समाचार पत्रों के माध्यम से प्रकाशित कराई जाए। विद्युत संबंधी खराबियों का तत्काल निस्तारण कराया जाए।

## सूरजपुर में पंचदेव मंदिर का प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव संपन्न

स्वतंत्र भारत मऊ। दोहरीघाट ब्लॉक के सूरजपुर गांव में नवनिर्मित दुर्गा शंकर पंचदेव मंदिर का प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव श्रद्धा और भक्ति के साथ संपन्न हुआ। वैदिक मंत्रोच्चार के बीच भगवान शिव, गणेश, हनुमान, भैरव बाबा एवं नंदी महाराज की प्रतिमाओं की प्राण प्रतिष्ठा की गई। कार्यक्रम का समापन विशाल भंडारे और प्रसाद वितरण के साथ हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने सहभागिता की। मंदिर समिति ने सभी सहयोगियों और ग्रामवासियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

## आईजीआरएस प्रकरणों के गुणवत्तापूर्ण निस्तारण में लापरवाही पर ईओ नगर पालिका को चेतावनी

**स्वतंत्र भारत देवरिया।** जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी ने आईजीआरएस प्रकरणों का संतोषजनक एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण न किए जाने पर अधिशासी अधिकारी, नगर पालिका परिषद देवरिया को कड़ी चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि शिकायतों के निस्तारण में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। नगर पालिका परिषद देवरिया से संबंधित पांच फरियादियों द्वारा अलग-अलग प्रकरण आईजीआरएस पोर्टल पर दर्ज कराए गए थे। पालिका द्वारा निस्तारण की आख्या अपलोड कर दी गई थी, किंतु फीडबैक एवं निस्तारण में कमियां पाए जाने पर जिलाधिकारी ने नाराजगी व्यक्त करते हुए अधिशासी अधिकारी को कार्यप्रणाली में सुधार लाने के निर्देश दिए। नगर पालिका परिषद क्षेत्र के अंतर्गत आवेदक बृजेश कुमार सिंह पुत्र स्व. रविंद्र सिंह निवासी रामनाथ देवरिया द्वारा सड़क एवं सीढ़ी से अतिक्रमण हटाने, मनीष देव पुत्र सूर्यदेव निवासी कठिनइया द्वारा संजीवनी हॉस्पिटल के सामने जलभराव की समस्या एवं सड़क ऊंची कराने, रमन सिंह पुत्र स्व. हरिनारायण सिंह निवासी पिंडरा नगर बाहर द्वारा सड़क से अतिक्रमण हटवाने, सुजीत तिवारी पुत्र गणेश तिवारी निवासी चकिया श्री मंगलमपुरम द्वारा सड़क पर मिट्टी कार्य कराए जाने तथा मनीष कुमार पांडेय पुत्र स्व. बृजेश पांडेय निवासी तहसील रोड, देवरिया द्वारा नगर पालिका अभिलेखों में नाम दर्ज कराने संबंधी शिकायतें प्रस्तुत की गई थीं। इन प्रकरणों में संतोषजनक फीडबैक न मिलने पर जिलाधिकारी ने कड़ी चेतावनी दी।

## उ.प्र. राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष 26 जून को करेंगी जनसुनवाई

**आजमगढ़।** जिला प्रोबेशन अधिकारी सुबोध कुमार सिंह ने बताया कि उ0प्र0 राज्य महिला आयोग की मा0 अध्यक्ष श्रीमती बबीता सिंह चौहान दिनांक 26 जून 2026 को जनपद आजमगढ़ के भ्रमण पर रहेंगी। इस दौरान प्रातः 11:00 बजे महिलाओं की समस्याओं के समाधान हेतु समीक्षा बैठक एवं जनसुनवाई कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। जनपद की समस्त महिलाएं अपनी समस्याओं एवं शिकायतों के साथ जिला प्रोबेशन अधिकारी कार्यालय, आजमगढ़ के माध्यम से संपर्क स्थापित कर उक्त जनसुनवाई कार्यक्रम में सम्मिलित हो सकती हैं। कार्यक्रम में जिला प्रशासन, महिला थाना तथा अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहेंगे, जिससे प्राप्त शिकायतों एवं समस्याओं का त्वरित एवं प्रभावी निस्तारण सुनिश्चित किया जा सके। जनसुनवाई कार्यक्रम का आयोजन सर्किट हाउस सभागार, आजमगढ़ में प्रस्तावित है। कार्यक्रम से संबंधित अधिक जानकारी एवं सहभागिता हेतु वन स्टॉप सेंटर, आजमगढ़ की केंद्र व्यवस्थापक श्रीमती सरिता पाल से मोबाइल नंबर 6393397509 पर संपर्क किया जा सकता है।जिला प्रोबेशन अधिकारी ने जनपद की महिलाओं से अपील किया है कि वे अपनी समस्याओं के समाधान हेतु आयोजित इस जनसुनवाई कार्यक्रम का लाभ उठाएं तथा अपनी शिकायतों को संबंधित मंच पर प्रस्तुत करें, जिससे उनका समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जा सके।

## डीएम ने ईवीएम-वीवीपैट वेयरहाउस का किया त्रैमासिक आंतरिक निरीक्षण

**स्वतंत्र भारत देवरिया।** जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी ने आज राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में ईवीएम/वीवीपैट वेयरहाउस का त्रैमासिक आंतरिक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने वेयरहाउस की सुरक्षा व्यवस्था, सील की स्थिति, अग्निशमन उपकरणों तथा ईवीएम-वीवीपैट के रखरखाव संबंधी व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को सभी व्यवस्थाएं सुदृढ़ एवं मानक के अनुरूप बनाए रखने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) प्रेम नारायण सिंह, उप जिलाधिकारी रत्नेश तिवारी, राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों में भाजपा से विजय पटेल, जिलाध्यक्ष सपा व्यास यादव, समाजवादी पार्टी से विकास यादव, रमेश यादव एवं रामप्रीत यादव, आम आदमी पार्टी से वरुण सिंह बघेल, अपना दल से राकेश बहादुर सिंह पटेल एवं कौशल सिंह तथा मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी से जयप्रकाश यादव तथा निर्वाचन कार्यालय से विजय पांडेय एवं निर्मल कुमार उपस्थित रहे।

## देवलास में महारानी दुर्गावती व भारत माता प्रतिमा का अनावरण

स्वतंत्र भारत मऊ।मोहम्मदाबाद गोहना ब्लॉक के ग्राम देवलास में सोमवार को महारानी दुर्गावती एवं भारत माता की प्रतिमा का अनावरण मुख्य अतिथि श्रीराम अवध गोंड तथा देवलास गोंड तख्त मंदिर समिति के तत्वावधान में हर्षोल्लास के साथ किया गया। पदाधिकारियों ने बताया कि यह प्रतिमा वर्ष 1922 से स्थापित है। कार्यक्रम में समिति के पदाधिकारियों व गोंड समाज के लोगों ने भाग लिया। अनावरण के बाद प्रसाद वितरण एवं भंडारे का आयोजन किया

## देवदरी में योग कर दिया स्वास्थ्य का संदेश

**स्वतंत्र भारत, मऊ।** मोहम्मदाबाद गोहना योग कमेटी के पदाधिकारियों ने रविवार को मिर्जापुर जनपद के चुनार स्थित देवदरी पर्यटन स्थल पर योगाभ्यास कर लोगों को स्वस्थ जीवन का संदेश दिया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों को बताया गया कि प्रत्येक व्यक्ति को प्रतिदिन योग करना चाहिए, क्योंकि नियमित योग से शरीर निरोग और स्वस्थ रहता है।12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर योग कमेटी के अध्यक्ष दिलीप कुमार गुप्ता के नेतृत्व में लगभग दो दर्जन कार्यकर्ताओं ने ÷योग करेंगे, तभी निरोग रहेंगे÷ के नारे के साथ करीब आधे घंटे तक विभिन्न योगासन किए और लोगों को योग के प्रति जागरूक किया। इस अवसर पर प्रदीप जायसवाल, बीके सोनकर, द्वारपाल जायसवाल, देशबंधु गुप्ता, राजेश जायसवाल, मनीष कुमार, महावीर सिंह सहित कमेटी के सभी पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।

# डीएम ने बाढ़ कटान क्षेत्र का किया स्थलीय निरीक्षण

## तटबंध पर चौपाल लगाकर ग्रामीणों की समस्याओं को सुना, दिए समाधान के निर्देश

**आजमगढ़ ।** जनपद के तहसील सगड़ी क्षेत्र अंतर्गत घाघरा/सरयू नदी के बाढ़ कटान प्रभावित ग्राम देवारा खास राजा, गंगापुर एवं आसपास के क्षेत्रों का जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार ने प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों के साथ स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने तटबंध पर चौपाल आयोजित कर स्थानीय ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं तथा संबंधित अधिकारियों को उनके त्वरित एवं प्रभावी समाधान के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने सर्वप्रथम ग्राम देवारा खास राजा में लगभग 5.40 करोड़ रुपये की लागत से संचालित 10 ठोकर प्वाइंट (बाढ़ प्रतिरोधक कार्य) का निरीक्षण किया। उन्होंने निर्माण कार्य की गुणवत्ता का परीक्षण करते हुए नदी के प्रवाह एवं कटान क्षेत्र का अवलोकन किया तथा पूर्व वर्षों में आई बाढ़ के दौरान उत्पन्न समस्याओं की जानकारी स्थानीय लोगों से प्राप्त की। जिलाधिकारी ने अधिशासी अभियंता बाढ़ खण्ड को निर्देशित किया कि समस्त बाढ़ प्रतिरोधक कार्य जून माह के अंत तक पूर्ण कर लिए जाएं, ताकि संभावित बाढ़ से पूर्व आवश्यक सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित हो सके।

निरीक्षण के दौरान तटबंध पर आयोजित चौपाल में ग्रामीणों ने बाढ़ एवं कटान के कारण खेतों के सीमांकन तथा संदर्भ बिंदुओं (रेफरेंस प्वाइंट) के अभाव में खेती करने में आने वाली कठिनाइयों की जानकारी दी। ग्रामीणों ने बताया कि कुछ लोग अधिक भूमि पर अवैध रूप से खेती कर रहे हैं। इस पर जिलाधिकारी ने उप जिलाधिकारी सगड़ी को निर्देशित किया कि खतौनी में दर्ज भूमि के अनुसार ही जुताई एवं बुआई सुनिश्चित कराई जाए तथा भूमि विवादों का नियमानुसार निस्तारण किया जाए। ग्रामीणों द्वारा यह भी शिकायत की गई कि जिन परिवारों के मकान पूर्व में बाढ़ कटान में बह चुके हैं, उनके नाम पर अभी भी विद्युत बिल जारी हो रहे हैं। इस पर जिलाधिकारी ने कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए अधिशासी अभियंता विद्युत को निर्देश दिया कि ऐसे मामलों की सूची तैयार कर तत्काल नियमानुसार कार्रवाई करते हुए प्रभावित परिवारों को राहत प्रदान की जाए। जन शिकायतों के निस्तारण की स्थिति का सत्यापन करने हेतु जिलाधिकारी ने उप जिलाधिकारी सगड़ी को आईजीआरएस पोर्टल पर दर्ज शिकायतकर्ताओं से मौके पर ही दूरभाष पर वार्ता करने के निर्देश दिए। शिकायतकर्ताओं ने अपनी समस्याओं के समाधान की पुष्टि की, जिससे शिकायत निस्तारण प्रणाली की प्रभावशीलता का भी परीक्षण हुआ। ग्राम देवारा खास राजा से लौटते समय जिलाधिकारी ने मौजा बगहवा में वाहन रुकवाकर ग्रामीणों से संवाद किया। उन्होंने प्राथमिक विद्यालय के बच्चों सृष्टि व आदित्य से शिक्षा एवं मध्याह्न भोजन योजना के संबंध में जानकारी ली तथा शासन द्वारा छात्र-छात्राओं के लिए उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं की जानकारी प्राप्त की। इस दौरान वृद्धावस्था पेंशन से वंचित दो बुजुर्ग महिलाओं गुलैची वदुर्गावती की समस्या संज्ञान में आने पर उन्होंने खण्ड विकास अधिकारी को तत्काल आवेदन कराकर पेंशन स्वीकृत कराने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने बाढ़ राहत शिविर के रूप में चिन्हित वर्मा श्यामदुलारी महाविद्यालय एवं इंटर कॉलेज नैनीजोर का भी निरीक्षण किया। प्रबंधन द्वारा बताया गया कि दोनों संस्थानों में लगभग 80 कक्ष उपलब्ध हैं, जहां बाढ़ की स्थिति में लगभग 1600 लोगों के ठहरने की व्यवस्था की जा सकती है। जिलाधिकारी ने अपर जिलाधिकारी को निर्देशित किया कि जनपद में चिन्हित सभी 14 बाढ़ राहत शिविरों को पूर्ण रूप से सक्रिय कर आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं। इसके पश्चात जिलाधिकारी ग्राम गंगापुर पहुंचे, जहां उन्होंने बाढ़ कटान रोकने हेतु निर्मित किए जा रहे 10 ठोकर प्वाइंट का निरीक्षण किया। तटबंध पर आयोजित चौपाल में ग्रामीणों ने बताया कि आबादी क्षेत्र की सुरक्षा के लिए लगभग 150 मीटर क्षेत्र में तीन अतिरिक्त ठोकर प्वाइंट बनाए जाने की आवश्यकता है। जिलाधिकारी ने ग्रामीणों की मांग को गंभीरता से लेते हुए अधिशासी अभियंता बाढ़ खण्ड को तत्काल प्रस्ताव तैयार कर शासन को भेजने के निर्देश दिए। ग्रामीणों द्वारा क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता संबंधी समस्या उठाई गई। बताया गया कि निकटतम स्वास्थ्य केन्द्र लगभग पांच किलोमीटर दूर स्थित है, जहां बाढ़ के दौरान पहुंचना कठिन हो जाता है। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी परीक्षित खटाना, अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण चिराग जैन, अपर जिलाधिकारी (वि./रा.) गम्भीर सिंह, उप जिलाधिकारी सगड़ी श्याम प्रताप सिंह, डीसी मनरेगा राम उदरेज यादव, बाढ़, विद्युत एवं सिंचाई विभाग के अधिशासी अभियंता, संबंधित खण्ड विकास अधिकारी, एई/जेई, आपदा विशेषज्ञ चंदन सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

## बाइक चोरी का खुलासा, एक आरोपी गिरफ्तार

**स्वतंत्र भारत मधुबन।** मधुबन पुलिस ने बाइक चोरी के एक मामले का खुलासा करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी राहुल प्रसाद के कब्जे से एक अवैध तमंचा, एक जिंदा कारतूस तथा चोरी की घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल बरामद की गई। पुलिस ने उसे न्यायालय भेज दिया है।पुलिस के अनुसार, धर्मपुर विशुनपुर जरलहवा निवासी विजय प्रकाश चौहान की तहरीर पर मोटरसाइकिल चोरी का मुकदमा दर्ज किया गया था। मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने भैरोपुर चट्टी के पास कार्रवाई कर राहुल प्रसाद को गिरफ्तार किया। बरामदगी के आधार पर मुकदमे में आर्म्स एक्ट समेत अन्य धाराएं बढ़ाई गई हैं।मामले में नामजद दो अन्य आरोपी सोनू उर्फ सुदामा और अवनीश यादव पुलिस दबिश के दौरान फरार हो गए। उनकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार प्रयास कर रही है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही शेष आरोपियों को गिरफ्तार कर पूरे गिरोह का पर्दाफाश किया जाएगा।

## सौर ऊर्जा से विकास को नई गति 762 स्ट्रीट लाइटें वितरित

**स्वतंत्र भारत मऊ।** नगर पंचायत अध्यक्ष मुन्ना गुप्ता की अध्यक्षता में घोसी में आयोजित कार्यक्रम में ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा ने जनपद में सौर ऊर्जा योजनाओं की उपलब्धियां गिनाईं। उन्होंने बताया कि पीएम सूर्यघर योजना के तहत 2958 घरों में सोलर प्लांट स्थापित किए गए हैं तथा 1605 सोलर स्ट्रीट लाइटें लगाई जा चुकी हैं। कार्यक्रम में मधुबन के लिए 462 और गोठा के लिए 300 सोलर स्ट्रीट लाइटों का वितरण किया गया। साथ ही 12 सूर्य मित्रों को नियुक्ति पत्र भी सौंपे गए। मंत्री ने पूर्व सांसद हरिनारायण राजभर एवं विधायक सुधाकर सिंह के निधन पर शोक व्यक्त किया।

पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस समाचारपत्र में प्रकाशित होने वाले सभी विज्ञापनों पर कार्यवाही करने से पहले स्वयं उचित जांच-पड़ताल कर लें। समाचारपत्र या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद या सेवा हेतु किये गये किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन नहीं देता तथा ऐसे विज्ञापनों पर विश्वास करके किसी भी व्यक्ति को हुई क्षति, हानि, परिणाम के लिए जिम्मेदार भी नहीं होंगे।

स्वतंत्र भारत

एग्रो फाइनेन्स एण्ड इन्वेस्टमेन्ट्स प्रा. लिमिटेड के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक **अतुल शुक्ला** द्वारा 1, जॉपलिंग रोड, लखनऊ-226001 से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक : **के.के. श्रीवास्तव**

स्थानीय संपादक : **विष्णु मोहन***

फोन : 0522-4043151

swatantrabharat77@gmail.com

*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु उत्तरदायी।

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा।

# यूएस-ईरान वार्ता : रोडमैप पर सहमति

## निगरानी के लिए बनी उच्चस्तरीय समिति

## विभिन्न मुद्दों के लिए गठित होंगे कार्य समूह

## होर्मुज पर होगी सीधी संचार व्यवस्था

## लेबनान में सैन्य अभियान खत्म करने पर भी सहमति

**वॉशिंगटन।** स्विट्जरलैंड के बर्गेनस्टॉक रिजॉर्ट में अमेरिका और ईरान के बीच दो दिनों तक चली उच्चस्तरीय वार्ता का पहला दौर समाप्त हो गया है। पाकिस्तान और कतर की मध्यस्थता में हुई इस बैठक में दोनों देशों ने 60 दिनों के भीतर अंतिम समझौते तक पहुंचने के लिए एक रोडमैप पर सहमति जताई है। यह वार्ता ऐसे समय हुई, जब पश्चिम एशिया में तनाव चरम पर है, होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है और क्षेत्रीय सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ी हुई है। इस्लामाबाद समझौता ज्ञापन (एमओयू) के तहत आयोजित इस बैठक में अमेरिका और ईरान के शीर्ष प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने किया, जबकि ईरानी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व संसद अध्यक्ष मोहम्मद बाकर गालिबाफ ने किया। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और कतर के प्रधानमंत्री शेख मोहम्मद बिन अब्दुलरहमान अल थानी ने भी वार्ता को आगे बढ़ाने में अहम भूमिका निभाई। लेक लूसर्न शिखर सम्मेलन के बाद जारी संयुक्त बयान में कहा गया कि वार्ता सकारात्मक और रचनात्मक माहौल में संपन्न हुई। वार्ता के दौरान एक उच्चस्तरीय समिति के गठन पर सहमति बनी, जो पूरी बातचीत की राजनीतिक निगरानी करेगी। इस समिति को 60 दिनों के भीतर अंतिम समझौते तक पहुंचने के लिए एक रोडमैप तैयार करने की जिम्मेदारी दी गई है। मुख्य वार्ताकार नियमित रूप से इस समिति को रिपोर्ट देंगे। परमाणु कार्यक्रम, प्रतिबंध, निगरानी तंत्र और विवाद समाधान जैसे मुद्दों के लिए अलग-अलग कार्य समूह भी बनाए जाएंगे। इससे यह संकेत मिला है कि दोनों पक्ष अब तकनीकी स्तर पर ठोस बातचीत की दिशा में बढ़ रहे हैं। वार्ता में होर्मुज जलडमरूमध्य की सुरक्षा को लेकर भी महत्वपूर्ण फैसला लिया गया। दोनों पक्षों ने एक सीधी संचार व्यवस्था स्थापित करने पर सहमति जताई है, ताकि बातचीत के दौरान किसी भी तरह की गलतफहमी या सैन्य टकराव से बचा जा सके। यह तंत्र दुनिया के सबसे व्यस्त समुद्री व्यापार मार्गों में से एक होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले वाणिज्यिक जहाजों की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करेगा। अमेरिकी चेतावनियों और ईरान के कड़े रुख के बीच इस फैसले को काफी अहम माना जा रहा है। वार्ता में लेबनान को लेकर भी अहम प्रगति दर्ज की गई। सभी पक्षों ने लेबनान में सैन्य अभियानों को समाप्त कराने के लिए एक डी-कॉन्फ्लिक्शन सेल बनाने पर सहमति जताई। इस तंत्र में लेबनान गणराज्य भी शामिल होगा, जबकि कतर और पाकिस्तान सुविधा प्रदाता की भूमिका निभाएंगे। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना होगा कि लेबनान में युद्धविराम से जुड़े सभी प्रावधानों का पालन हो। इसके अलावा स्विट्जरलैंड में तकनीकी स्तर की वार्ता पूरे सप्ताह जारी रहेगी।

# अधूरा युद्धविराम स्वीकार नहीं : हिजबुल्ला

**बेरुत।** पश्चिम एशिया में तनाव कम करने की कोशिशों के बीच हिजबुल्ला प्रमुख शेख नईम कासिम ने अमेरिका और इस्राइल पर बड़ा हमला बोला है। उन्होंने दावा किया है कि ईरान और क्षेत्र के प्रतिरोधी गुटों को खत्म करने की

- कहा, इस्राइल-अमेरिका हार चुके
- ट्रंप पर भी लगाए कई आरोप

अमेरिका-इस्राइल की योजना पूरी तरह विफल हो चुकी है। कासिम ने आरोप लगाया कि लेबनान में इस्राइल की सैन्य कार्रवाई अमेरिका के समर्थन के बिना संभव नहीं थी। उन्होंने कहा कि हालिया संघर्ष के बाद पश्चिम एशिया एक नए दौर में प्रवेश कर रहा है, जहां तथाकथित अमेरिकी-इस्राइली परियोजना को हार का सामना करना पड़ा है। शेख नईम कासिम ने मध्य अशूरा परिषद को संबोधित करते हुए कहा कि ईरान ने भारी नुकसान और बलिदान झेलने के बावजूद खुद को पहले से अधिक मजबूत साबित किया है। उन्होंने कहा कि ईरान कभी भी अपने अधिकारों और क्षेत्रीय प्रभाव को नहीं छोड़ेगा। कासिम के मुताबिक, अमेरिका और इस्राइल ने क्षेत्र में प्रतिरोधी ताकतों को कमजोर करने की कोशिश की, लेकिन वे इसमें सफल नहीं हो सके। उन्होंने कहा कि अब क्षेत्र में नई राजनीतिक और सुरक्षा परिस्थितियां बन रही हैं। हिजबुल्ला प्रमुख ने उन युद्धविराम प्रस्तावों की आलोचना की, जिनमें इस्राइल को सैन्य कार्रवाई जारी रखने की छूट दी जाती है। कासिम ने कहा कि ऐसा कोई भी समझौता वास्तव में युद्धविराम नहीं, बल्कि आक्रामकता को जारी रखने का माध्यम है। उन्होंने आरोप लगाया कि अतीत में भी जब हिजबुल्ला ने युद्धविराम का पालन किया, तब इस्राइल ने समझौतों का उल्लंघन किया। उन्होंने साफ कहा कि संगठन ऐसे किसी भी प्रस्ताव को स्वीकार नहीं करेगा, जिसमें पूरी तरह सैन्य कार्रवाई बंद करने की गारंटी न हो।

## गाजा पर इस्राइली हमलों में पत्रकार समेत नौ की मौत

**गाजा सिटी।** युद्धविराम के बीच गाजा पर इस्राइली हमलों व गोलीबारी में कम से कम नौ लोगों की मौत हो गई। मरने वालों में एक पत्रकार व एक बच्चा शामिल है। गाजा के स्वास्थ्य अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि शहर की एक अपार्टमेंट बिल्डिंग पर हवाई हमले में चार फलस्तीनियों की मौत हो गई। इनमें दो महिलाएं और एक बच्चा शामिल था। मेडिकल टीम ने बताया कि गाजा शहर के सबरा इलाके में बिल्डिंग पर हुए हमले में अपार्टमेंट तबाह हो गया। इस्राइली सेना ने कहा कि उसने एक चरमपंथी को निशाना बनाया, लेकिन इस बारे में ज्यादा जानकारी नहीं दी। मेडिकल टीम ने बताया कि एक अन्य घटना में इस्राइली सेना ने उत्तर में स्थित बेत लाहिया शहर में एक महिला की गोली मारकर हत्या कर दी।

# सिंधु जल संधि : पाकिस्तानी रक्षा मंत्री फिर बहके

**इस्लामाबाद।** घरेलू मोर्चे पर लगातार अस्थिरता का सामना कर रही और जम्मू-कश्मीर के अपने अवैध कब्जे वाले हिस्से में निर्दोषों का खून बहाने

- भारत को दी युद्ध की गीदड़भभकी

वाली पाकिस्तान की सरकार ने सिंधु जल संधि को लेकर भारत को युद्ध की गीदड़भभकी दी है। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने एक मीडिया चैनल से कहा, जिस पल हमें लगेगा कि हमारी राष्ट्रीय सुरक्षा- और पानी हमारी राष्ट्रीय सुरक्षा का हिस्सा है- खतरे में है, हम भारत के खिलाफ युद्ध करेंगे। पक्का। बकौल ख्वाजा अगर इस्लामाबाद को ऐसे सबूत मिलते हैं कि भारत पानी की आपूर्ति में बाधा डालने के लिए खतरनाक तेजी से काम कर रहा है, तो सैन्य कार्रवाई पर विचार किया जाएगा। आसिफ का यह बयान भारत की ओर से 1960 की सिंधु जल संधि को सख्ती से निलंबित करने और इस नदी का पानी पाकिस्तान जाने से रोकने के लिए सभी जरूरी उपाय शुरू करने के संदर्भ में आया है।

### अपने रुख पर अडिग है भारत

भारत अपने इस रुख पर अडिग है कि संधि तब तक निलंबित रहेगी जब तक पाकिस्तान सीमा पार आतंकवादी ढांचे को खत्म करने के लिए विश्वसनीय और ठोस कदम नहीं उठाता। विश्व बैंक की मध्यस्थता वाली संधि ऐतिहासिक रूप से पाकिस्तान को अपनी कृषि संबंधी जरूरतों के लिए सिंधु जल बेसिन के 80 प्रतिशत पानी का उपयोग करने की अनुमति देती है, लेकिन इन संसाधनों के प्रबंधन में देश की मौजूदा नाकामी ने उसके खेतों को जोखिम में डाल दिया है।

# कतर गैस प्लांट हादसा : धमाके में 12 भारतीयों समेत 13 लोगों की मौत

**नई दिल्ली।** कतर से एक बेहद दुखद खबर आ रही है। यहां के रास लफ्फान इंडस्ट्रियल सिटी में बड़ा हादसा हुआ है। एक गैस प्लांट में अचानक भीषण धमाका हो गया। इस धमाके में 12 भारतीय नागरिकों की मौत हो गई है। हादसे में कुल 13 लोगों ने अपनी जान गंवाई है। मरने वालों में भारतीय और पाकिस्तानी मूल के मजदूर शामिल हैं। इस भयंकर विस्फोट में 66 लोग गंभीर रूप से घायल हैं। कतर के ऊर्जा मंत्री साद बिन शैदा अल-काबी ने इस घटना की आधिकारिक पुष्टि की है। यह हादसा बारजान लोकल गैस सप्लाई फैसिलिटी में हुआ। रविवार शाम को प्लांट में काम दोबारा शुरू किया जा रहा था। ऑपरेशन्स के स्टार्टअप के दौरान ही अचानक जोरदार ब्लास्ट हुआ। धमाका इतना तेज था कि पूरे प्लांट में भीषण आग लग गई। कतरएनर्जी की इमरजेंसी रिस्पॉन्स टीमों ने तुरंत मौके पर मोर्चा संभाला। काफी मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह काबू पाया गया। ऊर्जा मंत्री ने बताया कि जान गंवाने वाले लोग विदेशी मूल के थे। इनमें से 12 मृतक भारत के रहने वाले थे। इस दर्दनाक घटना के बाद दोहा में भारतीय दूतावास तुरंत एक्शन में आ गया है। दूतावास के अधिकारी कतर प्रशासन के साथ लगातार संपर्क बनाए हुए हैं। भारतीय मिशन ने इस हादसे पर गहरा दुख जताया है। पीड़ित परिवारों और घायलों की मदद के लिए तुरंत हेल्पलाइन नंबर्स जारी किए गए हैं।

आपातकालीन संपर्क सूत्र
हेल्पलाइन नंबर: +974-55647502, +975-55384683
आधिकारिक ईमेल: cons.doha@mea.gov.in।

## रूसी कब्जे के क्रीमिया में यूक्रेन के हमले, पांच की मौत

**कीव।** रूस के कब्जे वाले क्रीमिया में यूक्रेनी हमलों में कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई और 28 अन्य घायल हो गए। इसे देखते हुए अधिकारियों ने रविवार को आम लोगों के लिए पेट्रोल की बिक्री रोक दी। यूक्रेन ने काला सागर प्रायद्वीप पर ईंधन की आपूर्ति शृंखलाओं पर हमले तेज कर दिए हैं। हाल के हफ्तों में यूक्रेनी सेना ने बार-बार क्रीमिया की ईंधन आपूर्ति को निशाना बनाया है। इससे 2014 में रूस द्वारा अवैध रूप से कब्जा किए जाने के बाद से इस क्षेत्र में सबसे बड़ा ऊर्जा संकट पैदा हो गया है। वहीं, यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, रूस केवल ताकत की भाषा समझता है। हमारी लंबी दूरी की ताकत निश्चित रूप से शांति के लिए काम कर रही है। जेलेंस्की ने अभियान में शामिल यूक्रेनी सेनाओं की तारीफ की।

# ब्रिटिश प्रधानमंत्री स्टार्मर ने इस्तीफा दिया

**लंदन।** ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीएर स्टार्मर ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। पद छोड़ने के बाद उन्होंने कहा कि यह फैसला देश हित में लिया गया है। बीते 10 साल में स्टार्मर ऐसे छठे प्रधानमंत्री हैं, जिन्होंने कार्यकाल पूरा होने से पहले पद छोड़ा है। स्टार्मर से पहले पांच और

- पद छोड़ने के बाद कहा-देश हित में फैसला

प्रधानमंत्रियों ने कार्यकाल पूरा होने से पहले ही त्यागपत्र दे दिया था। कंजर्वेटिव पार्टी बनाम लेबर पार्टी की राजनीति वाले इस देश में अगले प्रधानमंत्री के रूप में लेबर पार्टी के नेता एंडी बर्नहैम का नाम सामने आ रहा है। हालांकि, सियासी उथल-पुथल के बीच अन्य प्रत्याशी कौन होंगे, इसे लेकर भी सियासी गलियारों में चर्चा तेज हो गई है। रोचक यह भी है कि इस्तीफे से पहले अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने दावा किया था कि ब्रिटिश प्रधानमंत्री अपना पद छोड़ने वाले हैं। ब्रिटेन में स्टार्मर से पहले ये प्रधानमंत्री दे चुके हैं इस्तीफा : लिज ट्रस, बोरिस जॉनसन, टेरीजा मे, डेविड कैमरन, गॉर्डन ब्राउन। स्टार्मर के इस्तीफे के बाद लेबर पार्टी के कई प्रमुख नेता प्रधानमंत्री (और पार्टी नेता) पद की दावेदारी में उभर कर सामने आए हैं। हालांकि, इनमें सबसे आगे एंडी बर्नहैम माने जा रहे हैं। मेकरफील्ड उपचुनाव में उनकी भारी जीत ने उन्हें सांसद के रूप में वापस ला दिया है, जिससे उनके लिए नेतृत्व को चुनौती देने का रास्ता साफ हो गया है। उन्हें किंग ऑफ द नॉर्थ के नाम से भी जाना जाता है और वे लेबर सांसदों और जनता के बीच काफी लोकप्रिय हैं।

### एक दिन पहले ही ट्रंप ने किया था दावा

स्टार्मर के इस्तीफे से करीब 29 घंटे पहले रविवार शाम लगभग साढ़े सात बजे (भारतीय समयानुसार) ट्रंप ने ब्रिटिश प्रधानमंत्री के इस्तीफे का दावा किया था। उन्होंने कहा था कि स्टार्मर दो महत्वपूर्ण मुद्दों- आव्रजन (इमिग्रेशन) और ऊर्जा नीति पर पूरी तरह विफल रहे हैं। ब्रिटेन की राजनीति को लेकर अपनी अहम टिप्पणी में ट्रंप ने यह भी कहा कि स्टार्मर ने अवैध और अनियंत्रित आव्रजन को रोकने में सफलता नहीं पाई। इसके अलावा उन्होंने ऊर्जा नीति की भी आलोचना करते हुए कहा कि ब्रिटेन को नॉर्थ सी में तेल उत्पादन बढ़ाने की दिशा में काम करना चाहिए था।

## एक नज़र

### दक्षिण लेबनान में बनाए रखेंगे सैन्य मौजूदगी : नेतन्याहू

ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर फिर दिया बयान

**तेल अवीव।** इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि उनका देश ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने से रोकने के लिए अपने संकल्प पर कायम रहेगा। दक्षिण लेबनान में उसके सहयोगी हिजबुल्ला पर सैन्य दबाव बनाए रखेगा। उनका यह बयान ऐसे समय में आया है, जब स्विट्जरलैंड में अमेरिका और ईरान के बीच सीधी वार्ता हो रही है, जिससे इस्राइली की यह चिंता बढ़ गई है कि इससे उसकी रणनीतिक स्वतंत्रता पर असर पड़ सकता है। नेतन्याहू ने अपने भाई योनी नेतन्याहू की 50वीं पुण्यतिथि पर आयोजित एक स्मृति सभा में हिब्रू भाषा में मौजूदा भू-राजनीतिक स्थिति पर टिप्पणी की। योनी नेतन्याहू एनटेबे बंधक बचाव मिशन के दौरान एक विशेष इस्राइली सेना इकाई का नेतृत्व करते हुए मारे गए थे। उन्होंने कहा, ईरान के मामले में चाहे जो भी कूटनीतिक घटनाक्रम हों, मैं ईरान को परमाणु हथियार हासिल नहीं करने दूंगा। जब तक मैं इस्राइल का प्रधानमंत्री हूं, यह नहीं होगा।

### कतर के गैस संयंत्र पर धमाका

54 लोग गंभीर रूप से घायल, 18 लापता की तलाश जारी

**दोहा।** कतर के प्रमुख प्राकृतिक गैस निर्यात टर्मिनल में रविवार को भीषण विस्फोट हुआ। इस विस्फोट के बाद लगी आग में 54 लोग घायल हो गए और 18 लोग अभी भी लापता हैं। ईरान युद्ध के दौरान ईरानी हमले में इस गैस प्लांट को भारी नुकसान हुआ था। रविवार को इस प्लांट को मरम्मत के बाद फिर से चालू करने की कोशिश की गई। इसी कोशिश में विस्फोट हुआ। यह विस्फोट रास लाफान औद्योगिक क्षेत्र में हुआ, जो कतर के प्राकृतिक गैस उद्योग का प्रमुख केंद्र है। इस घटना से वैश्विक ऊर्जा बाजारों में और अधिक अस्थिरता पैदा होने की आशंका जताई जा रही है, क्योंकि कतर दुनिया के सबसे बड़े प्राकृतिक गैस उत्पादकों में से एक है। ईरान द्वारा होर्मुज जलडमरूमध्य पर नियंत्रण कड़ा किए जाने के कारण कतर अपने ग्राहकों तक गैस की खेप नहीं भेज पा रहा था। इसी वजह से कतर ने अपनी गैस उत्पादन गतिविधियों को अस्थायी रूप से बंद कर दिया था। हालांकि, युद्ध को स्थायी रूप से समाप्त करने को लेकर जारी वार्ताओं के बीच ईरान द्वारा जलडमरूमध्य पर अपनी पकड़ कुछ ढीली करने के बाद कतर ने अपने निर्यात टर्मिनल को फिर से चालू करने की प्रक्रिया शुरू की थी।

### शिकागो में गोलीबारी, सात की मौत

ट्रंप ने दोहराई सैन्य हस्तक्षेप की मांग

**शिकागो।** अमेरिका के शिकागो शहर में सप्ताहांत के दौरान हुई गोलीबारी की कई घटनाओं में कम से कम सात लोगों की मौत हो गई, जबकि 38 अन्य घायल हो गए। पुलिस के अनुसार, ये घटनाएं शुक्रवार शाम से शुरू हुईं। इन घटनाओं के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने देश के तीसरे सबसे बड़े शहर में सैन्य हस्तक्षेप की अपनी मांग दोहराई है। डोनाल्ड ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर लिखा, गवर्नर प्रित्जकर मुझसे मदद क्यों नहीं मांग रहे हैं? मैं एक महीने में शिकागो को सुरक्षित शहर बना सकता हूं। एक साल में यह सबसे सुरक्षित शहरों में शामिल होगा। इलिनॉय के गवर्नर जे.बी. प्रित्जकर के कार्यालय ने इस पर तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। प्रित्जकर वर्ष 2028 के संभावित डेमोक्रेटिक राष्ट्रपति पद के दावेदार माने जाते हैं और वे पहले भी ट्रंप की सैन्य हस्तक्षेप संबंधी मांगों को खारिज कर चुके हैं। ट्रंप के कार्यकाल में न्यू ऑरलियन्स, वॉशिंगटन डीसी और टेनेसी के मेम्फिस जैसे डेमोक्रेटिक नेतृत्व वाले शहरों में अपराध नियंत्रण अभियानों के लिए नेशनल गार्ड की तैनाती की जा चुकी है।

### बातचीत से सुलझाएंगे भारत से सीमा विवाद : बालेन

बोले ब्रिटेन की मध्यस्थता नहीं चाहते

**काठमांडू।** नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह ने भारत-नेपाल सीमा विवाद को लेकर अपने पहले दिए गए बयान पर सफाई दी है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि नेपाल सीमा विवाद सुलझाने के लिए ब्रिटेन की मध्यस्थता नहीं चाहता और यह मामला भारत के साथ सीधे बातचीत के जरिए हल किया जाएगा। रविवार को चितवन जिले में राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) के महासम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि नेपाल के पास कालापानी और लिपुलेख क्षेत्रों से जुड़े पर्याप्त ऐतिहासिक दस्तावेज और सबूत मौजूद हैं। उन्होंने कहा कि उनका आशय केवल इतना था कि यदि ब्रिटिश शासनकाल के रिकॉर्ड की जरूरत पड़ी तो नेपाल उन्हें प्रस्तुत कर सकता है। बालेन शाह ने आगे कहा, हम ब्रिटेन की मध्यस्थता नहीं चाहते। हम अपने पड़ोसी देशों के साथ बातचीत के जरिए और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर इस मुद्दे का समाधान करेंगे। हमारे पास पर्याप्त प्रमाण हैं और किसी को हमारे राष्ट्रवाद पर संदेह न हो।

### इथियोपिया चुनाव में सत्तारूढ़ पार्टी की बड़ी जीत

विपक्ष ने उठाए सवाल

**अदिसअबाबा।** इथियोपिया में हुए संसदीय चुनाव में प्रधानमंत्री अबी अहमद की प्रॉस्पेरिटी पार्टी ने भारी जीत हासिल की है। चुनाव आयोग द्वारा जारी नतीजों के अनुसार पार्टी ने 501 में से 438 सीटों पर जीत दर्ज की है। इसके साथ ही अक्टूबर में बनने वाली नई संसद के जरिए अबी अहमद का एक और कार्यकाल लगभग तय माना जा रहा है। हालांकि चुनाव पर कई सवाल भी उठे हैं। विपक्षी दलों ने आरोप लगाया है कि चुनाव निष्पक्ष नहीं था और कई प्रमुख विरोधी नेताओं को चुनावी प्रक्रिया से बाहर रखा गया। कुछ नेता जेल में हैं, कुछ निर्वासन में और कुछ लापता बताए जा रहे हैं। ओरोमिया और अमहारा क्षेत्रों में हिंसा और असुरक्षा के कारण 143 मतदान केंद्र खुल ही नहीं सके। वहीं, टिग्रे क्षेत्र लगातार दूसरी बार चुनाव प्रक्रिया से बाहर रहा, जिससे वहां के लोगों को संसद में प्रतिनिधित्व नहीं मिल पाया। विपक्षी नेताओं ने चुनाव को दिखावा बताया है और कहा है कि सरकार को अनुचित बढ़त मिली। इसके बावजूद चुनाव आयोग ने दावा किया कि पूरी प्रक्रिया कानून और नियमों के अनुसार निष्पक्ष तरीके से कराई गई। चुनाव परिणामों के बाद देश में राजनीतिक बहस और तेज हो गई है।

### उद्धव के छह सांसद शिंदे की शिवसेना में शामिल

**मुंबई।** मुंबई में उद्धव ठाकरे गुट की शिवसेना के 9 में से 6 सांसद सोमवार को एकनाथ शिंदे की शिवसेना में शामिल हुए। बागी सांसदों ने उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के साथ उनके नंदनवन बंगले पर बैठक की। इसके बाद बागी सांसदों ने शिंदे के साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस करके पाला बदलने का ऐलान किया। प्रेस कॉन्फ्रेंस में एकनाथ शिंदे ने कहा-जब हमने विद्रोह किया था, तब शुरुआत में 40 विधायक थे और सब चौंके नहीं, छक्के लग चुके हैं। 2022 में शिवसेना ने पार्टी को बचाने के लिए धनुष-बाण को बचाने के लिए विद्रोह किया था।

## फिलीपींस के हाई स्कूल में गोलीबारी तीन छात्रों की मौत

**मनीला।** फिलीपींस स्थित एक हाई स्कूल में सोमवार को दो लोगों ने अंधाधुंध गोलीबारी कर दी, जिसमें तीन छात्रों की मौत हो गई, जबकि पांच अन्य घायल हो गए। पुलिस के अनुसार, घटना के सिलसिले में दो संदिग्धों को हिरासत में लिया गया है। इनमें से एक आरोपी सैन जोस नेशनल हाई स्कूल का छात्र बताया जा रहा है, जहां यह गोलीबारी हुई। यह घटना टैकलोबान शहर में स्थित स्कूल परिसर में हुई। गोलीबारी के बाद इलाके में दहशत फैल गई और सुरक्षा एजेंसियों को तुरंत मौके पर तैनात किया गया। पुलिस जांच एजेंसियां अभी यह पता लगाने की कोशिश कर रही हैं कि स्कूल में हुई इस हिंसक घटना के पीछे क्या कारण थे। अधिकारियों ने बताया कि मामले की विस्तृत जांच जारी है।

पुलिस ने पालतू कुत्ते को मार दी गोली

# महिला खुशी के जश्न को पुलिस ने मातम में बदल दिया

**वॉशिंगटन।** अमेरिका के लॉस एंजिलिस में एक महिला की खुशी का जश्न कुछ ही मिनटों में मातम में बदल गया। 911 पर एक पड़ोसी की शिकायत के बाद मौके पर पहुंची पुलिस

- कार्रवाई पर खड़ा हो गया विवाद
- विभाग ने बताया बेहद दुखद

ने महिला के पालतू कुत्ते को गोली मार दी। इस पूरी घटना का वीडियो अब सामने आया है, जिसके बाद सोशल मीडिया पर पुलिस की कार्रवाई को लेकर भारी विवाद खड़ा हो गया है। वीडियो में दिख रहा है कि महिला अपने पसंदीदा बास्केटबॉल क्लब न्यूयॉर्क निक्स की ऐतिहासिक जीत का जश्न मना रही थी, लेकिन पुलिस ने इसे संभावित खतरे की स्थिति मान लिया। लॉस एंजिलिस पुलिस विभाग के अनुसार, 13 जून को एक महिला ने 911 पर फोन कर शिकायत की थी कि उसकी पड़ोसी पिछले 20 मिनट से लगातार ओह माय गॉड चिल्ला रही है। शिकायत करने वाली महिला को आशंका थी कि पड़ोसी के घर में कोई गंभीर घटना हुई है। इसके बाद दो पुलिस अधिकारियों को वेलनेस चेक के लिए अपार्टमेंट भेजा गया। जब पुलिस मौके पर पहुंची तो पता चला कि महिला मैरी मार्सिले न्यूयॉर्क निक्स की 53 साल बाद मिली एनबीए चैंपियनशिप जीत का जश्न मना रही थीं। पुलिस द्वारा जारी बॉडीकैम वीडियो में दिखता है कि जैसे ही अधिकारी मैरी मार्सिले से बात करने लगे, उनका दो साल का पालतू कुत्ता जेम्सन जोर-जोर से भौंकने लगा। जेम्सन गोल्डन रिट्रीवर, सेंट बर्नार्ड और पूडल नस्ल का मिश्रित कुत्ता था और उसने न्यूयॉर्क निक्स की जर्सी पहन रखी थी। अधिकारियों ने महिला से कुत्ते को अंदर बांधने के लिए कहा। महिला ने माफी मांगते हुए कुत्ते को अंदर ले जाकर दरवाजा बंद कर दिया। इस दौरान एक अधिकारी को यह कहते हुए सुना गया कि वह इतने बड़े कुत्ते से कटवाना नहीं चाहता। कुछ देर बाद महिला ने दोबारा दरवाजा खोला। पुलिस ने उनसे पूछ कि क्या कुत्ते को सुरक्षित कर दिया गया है। महिला ने जवाब दिया कि उसका कुत्ता आक्रामक नहीं है। हालांकि, इसी दौरान करीब 48 किलोग्राम वजनी जेम्सन फिर बाहर आ गया और भौंकने लगा। पुलिस के मुताबिक, कुत्ता एक अधिकारी की ओर तेजी से दौड़ा। अधिकारी पीछे हटते हुए लॉबी की तरफ भागा और फिर कुत्ते पर कम से कम चार गोलियां चला दीं। वीडियो में महिला को चिल्लाते हुए सुना जा सकता है, जो अपने पालतू को बचाने की कोशिश कर रही थीं।

### घटना के बाद पुलिस विभाग ने क्या कहा?

वीडियो सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर पुलिस की कार्रवाई की कड़ी आलोचना हुई। बढ़ते विरोध के बीच लॉस एंजिलिस पुलिस विभाग ने बयान जारी कर इस घटना को बेहद दुखद बताया। पुलिस प्रमुख जिम मैकडॉनेल ने कहा कि किसी परिवार के लिए पालतू जानवर केवल जानवर नहीं होता, बल्कि परिवार का सदस्य और भावनात्मक सहारा होता है। उन्होंने कहा कि जब भी कोई अधिकारी अपनी सर्विस हथियार का इस्तेमाल करता है, तो वह बेहद गंभीर मामला होता है। पुलिस प्रमुख ने कहा कि अधिकारी रोजाना कई अज्ञात खतरों का सामना करते हैं, लेकिन उनसे संयम, समझदारी और जीवन के प्रति सम्मान दिखाने की अपेक्षा की जाती है।

बाजार दर्पण